

ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ

ОПИСАНИЕ

ПРЕСЛАВНЫХ РУКОПИСЕЙ

XI и XII ВѢКА

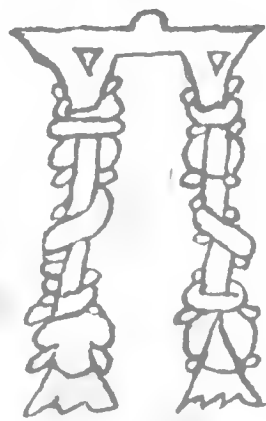
АРХИМАНДРИТА

АМФИЛОХІЯ

Digitized by the Internet Archive
in 2011 with funding from
University of Ottawa

<http://www.archive.org/details/paleografichesco02amfi>





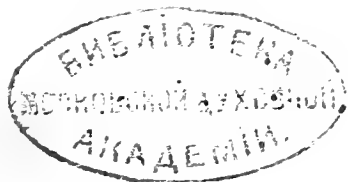
Палеографическое Описание

Греческих Рукописей

XI и XII вѣка

Определенныхъ лѣтъ съ 30 Таблицами

снимковъ въ двѣ краски.



Томъ II.
Трудъ



Архимандрита



Мфнлохія

Москва.

Типография Б. А. Коудрѣвцевой.

Ѧ Ѧ Ѧ. Годъ.

114477

114477

114

114477

114477



56

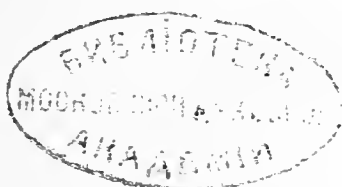
657

ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОПИСАНИЕ

ГРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ XI и XII В.

ОПРЕДѢЛЕННЫХЪ ЛѢТЪ

СЪ 30-Ю ТАБЛИЦАМИ СНИМКОВЪ, ВЪ ДВѢ КРАСКИ.



ТОМЪ II.

13127

ТРУДЪ АРХИМАНДРИТА АМФИЛОХІЯ.

МОСКВА.

Типографія бывш. А. В. Кудрявцевой, Мясницкая, Кривое колѣно, д. Сытова.
1880.

Отъ Спб. Комитета Духовной Цензуры печатать позволяется Спб. 30 Июля 1879 г.

Цензоръ Архимандритъ Арсеній.

ПАЛЕОГРАФИЧЕСКОЕ ОПИСАНІЕ

ГРЕЧЕСКИХЪ РУКОПИСЕЙ XI и XII В.

ОПРЕДѢЛЕННЫХЪ ЛѢТЪ

СЪ 30-Ю ТАБЛИЦАМИ СНИМКОВЪ, ВЪ ДВѢ КРАСКИ.



ТОМЪ II.



ТРУДЪ АРХИМАНДРИТА АМФИЛОХІЯ.



МОСКВА.

Типографія бывш. А. В. Кудрявцевой, Мясницкая, Кривое колѣно, д. Сытова.

1880.



Отъ Спб. Комитета Духовной Цензуры печатать позволяется Спб. 30 Июля 1879 г.

Цензоръ Архимандритъ Арсеній.

XI В Ъ К Ъ.

1) Бесѣды св. Іоанна Златоустаго на Евангеліе отъ Матѳея,

Находятся въ Московской Синадальной Библіотекѣ подъ №. 75-мъ.

Длина пергамина.	7 ¹ / ₂	вершк.
Ширина.	6 ³ / ₄	в.
Къ корешку	7 ⁷ / ₈	в.
Между столбцами.	5 ⁵ / ₈	в.
Къ правой сторонѣ	1 ⁷ / ₈	в.
Къ верху	1	вершк.
Къ низу.	1 ⁷ / ₈	в.

Пергамень выдѣланъ довольно хорошо, мѣстами отъ времени пожелтѣлъ и поврежденъ. Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 377. листахъ. На оборотѣ 1-го листа исписаннаго по Грузински вверху подписано: Βιβλίον ἔστιν τῆς μονῆς τῶν Ἱβήρων. Внизу 2-го листа: τῶν Ἱβήρων. До 7-й бесѣды заставки и заглавныя буквы фигурны и раскрашены синею, голубою, зеленою, бѣлою и темно-малиновою красками; а съ 7-й до 44-й включительно раскрашены одною краскою темно-розоваго цвѣта. Колеръ чернилъ темнокоричневый. Число строкъ на страницѣ 30-ть. Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обонхъ сторонъ.

Всѣхъ бесѣдъ 44-ре.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 189. β. 'Ο, λία. ѿ. Όταν δὲ νηστεύητε, μὴ γίνεσθε ὥσπερ οἱ ὑποκριταὶ σκυθρωποί.

л. 189 об α. 'Αφανίζουσι γὰρ τὰ πρόσωπα αὐτῶν. τοῦτ' ἔστι διαφθεirusιν ἀπολλύουσιν. εἰδὲ τοῦτο ἀφανισμὸς προσώπου. τὸ πρὸς κενοδοξίαν ὥχρον φαίνεσθαι. τί ἂν εἴποιμεν περὶ τῶν ἐπὶ τρίμασι καὶ ὑπογραφαῖς διαφθιρόντων τὰ πρόσωπα. ἐλεῖνοι μὲν γὰρ ἑαυτοὺς βλάπτουσι μόνον. αὐταὶ δὲ καὶ ἐς ἄς καὶ τοὺς ὀρώντας. διὸ χρὴ καὶ ταύτην καχεῖνην φεύγειν.... β..... καὶ ἐπὶ μὲν τῆς ἐλεημοσύνης,..... προσέχετε μὴ ποιεῖν ἔμπροσθεν τῶν ἀνῶν προσέθηκε πρὸς τὸ θεαθῆναι αὐτοῖς. ἐπὶ δὲ τῆς νηστείας καὶ τῆς εὐχῆς, οὐδὲν τοιοῦτο διώρισε..... ὅτι ἐλεημοσύνην μὲν ἀδύνατον πάντῃ λαθεῖν. εὐχὴν δὲ καὶ νηστείαν, δυνατόν.. л. 190. ἀλείφεσθαι κεύρουσα.

Изъ 20-й Бесѣды.

Югда же поститесь реце. не бѣдѣте же яко лицемери сътъни. (не подобаетъ бо отъице не келати. нъ и тыцѣтиса. и ити новелъ.) а еже казати лица ском. се есть. яко тылатъ. и пожеклетъ. лире ли се казъ (ἀφανισμὸς) есть лица. еже тыцѣславни ради бѣдѣ келитиса. что имамъ реци о просиражѣцѣннхъ женахъ л. 217 об. а. лица ском. помазаннемъ красотъ. они бо себѣ тыице изкости дѣють. снх же и себѣ. и кацѣннхъ. тымъ же подобаетъ. и сск и ѿнол отъѣгнѣти. (съ многымъ тыцѣннемъ.) те-со ради о мнлостынн рекъ. кѣннманте к не творите сѣ прѣдъ чоловѣкы. приложи да келидать кѣ. ѿ постъ же ѿ) и молитвѣ. инуесоже такоа оуст-

ὅχ' ἵνα ἀλειφώμεθα πάντως ἐνομοθέτησεν. ἐπεὶ πάντες, εὐρε-
θησόμεθα τὸν νόμον παραβαίνοντες τοῦτον. καὶ πρόγε πάντων,
οἱ μάλιστα αὐτὸν φυλάττειν ἐσπουδαχότες, οἱ τῶν μονα-
χῶν δῆμοι..... οὐ τοίνυν τοῦτο ἐπέταξεν. ἀλλ'
ἐπειδὴ τοῖς παλαιοῖς ἔθος ἀλείφεσθαι συνεχῶς ἦν, εὐφραι-
νομένοις. καὶ τοῦτο, ἀπὸ τοῦ θαδ
καὶ τοῦ θανήλ ἀντις κατίδοι σαφῶς, εἶπεν ἀλείφεσθαι.
οὐχ' ἵνα πάντως τοῦτο, ποιῶμεν, ἀλλ' ἵνα διὰ πάντων
σπουδάζωμεν μετὰ ἀκριβείας πολλῆς κρύπτειν τὸ κτήμα
τοῦτο. καὶ νηστεύσας τεσ-
σαράκοντα .л. 190 β'. ἡμέρας..... οὔτε ἠλείψατο, οὔτε
ἐνίψατο. л. 190 об. β'. νῦν μὲν
γὰρ σε ἀπορρήγνυσι τῆς πρὸς με δόξης τοῦτο. ὥσπερ οὖν
συγκολλᾷ τὸ τούτων ὑπερορᾶν. л. 192 об. α'. ὅπου ὁ
θησαυρὸς τοῦ αὐτοῦ ἐκεῖ καὶ ἡ καρδιά β'. αὐτοῦ. κἂν γὰρ
μυθρὲν τέτων γένηται φησιν, οὐ μικρὰν ὑποστήσῃ βλάβην
τοῖς κάτω προσηλωμένος. καὶ δοῦλος αὐτ' ἐλευθέρῳ γενό-
μενος. καὶ τῶν οὐνῶν ἐκπίπτων. ἀλλ' ὥσ-
περ κύων τάφρῳ προσδεδεμένος. ἀπάσης ἀλύσεως χαλε-
πώτερον. τῇ τῶν χρημάτων τυραννίδι κατὰ τῶν προσι-
όντων .л. 193 α'. ἀπάντων ὑλάκτων. ἐν ἔργον τοῦτο
ἔχαις διηγεκας. τὸ τηρεῖν. ἐτέροις τὰ καίμενα. л. 193 об.
α'. οὐχ' ἂν ἔλοιο χρυσοφορεῖν (τυφλος....) ἀλλὰ τὴν ὑγείαν
τὴν τούτων. ἀπάσης τῆς τοιαύτης περιουσίας, ποθεινοτέραν
εἶναι νομίζεις. л. 193 об. β'. οὕτως ὁ τὸν
νοῦν ἀφανίσας πᾶσαν αὐτοῦ τὴν ἐν τῇ ζωῇ ταύτῃ πρᾶξιν
ἐθελώσεν. διὸ φησιν. εἰ τὸ φῶς τὸ ἐν σοὶ σκότος, τὸ
σκότος πόσον. ὅταν. ὁ λόγος σβέσθῃ....
л. 194 α. ποῖα λοιπὸν ἔσται τοῖς ὑπηκόοις ἐλπίς.....
л. 194 β. τί γὰρ ὄφελος στρατιωτῶν χρυσοφορούντων.
ὅτ' ἂν ὁ στρατηγὸς αἰχμάλотос ἔλκηται.

Изъ 21-й Весѣды.

л. 198 β. Οὐδεὶς δύναται δυοὶ κυρίοις δουλέυειν. δύο
τούς τὰ ἐναντία ἐπιτάττοντας λέγων ἐνταῦθα. ἐπεὶ ἐμὴ
τοῦτον εἶη, οὐδέ δύο ἂν εἶεν. καὶ γὰρ τοῦ. πλήθους τῶν
πιστευσαντων, ἦν ἡ καρδιά καὶ ἡ ψυχὴ μία
οὐ μόνον οὐ δουλεύσει, ἀλλὰ καὶ μισήσει, καὶ ἀποστρα-
φήσεται. ἡ γὰρ τὸν ἕνα μισήσει, φησιν, καὶ τὸν ἕτερον
ἀγαπήσει л. 198 об. α'. ἡ ἐνὸς ἀνθίσταται καὶ τοῦ ἐτέ-
ρου καταφρονήσει..... εἰπὼν τοίνυν ἀορίστως ἵνα πείσῃ
τὸν ἀκροατὴν ἀδέκαστον κριτὴν γενέσθαι τῶν λεγομένων.
ἐπήγαγε γ' οὖν οὐ δύνασθε θῶ δουλέυειν καὶ μαμωνᾶ. φρί-
ξωμεν ἐννοοῦντες τι παρσκευάσαμεν τὸν χγ' εἰπεῖν, καὶ
μετὰ θῶ θεῖναι τὸν χρυσόν. л. 198 об. β. σὸν. εἰ δὲ
τοῦτο φρικτὸν. τὸ διὰ τῶν ἔργων γίνεσθαι. καὶ προτιμᾶσ-
θαι τοῦ φόβου τοῦ θῶ τὴν τοῦ χρυσοῦ τυραννίδα, πολλῶ
φρικωδέστερον.
πῶς οὖν ὁ ἀβραάμ φησί. πῶς ὁ ἰωβ' εὐδοκήμενεν.....
οὐκ ἐδούλευε τῷ μαμωνᾶ. ἀλλ' εἶχεν αὐτὸν καὶ ἐκράτει.

кнѣ. ꙗко многостыни. не оудобѣ есть тѣтисѣ. млѣкѣ
же и постѣ кѣзможно есть. помазати же сѣ поке-
лѣкѣ. не да помазаемъсѣ тѣ кѣзаконнѣ. зане обраце-
мѣсѣ ксн. прѣстѣпѣше законѣ. прѣжде же ксѣхъ наѹе
потѣпѣкѣшнѣсѣ хранити ꙗго. мѣножѣство уѣрниѣрѣ.
не се оубо поклѣ. нѣ понѣже обѣуан бѣ дреклѣ-
ннѣмъ помазати сѣ. радѣкѣемъ же сѣ. и кеселѣемъ-
сѣ. се же кѣкѣ оузрѣти есть. отъ дакѣда и отъ да-
ннѣмъ. сего ради рече ꙗже помазати сѣ. кѣсѣко да не
творимъ ꙗ. нѣ да потѣпѣмъсѣ. сѣ кѣсѣкомъ нснѣ-
таннѣмъ. тѣтѣи сѣтѣжѣннѣ сѣ б) и самъ бо поцѣ-
сѣ ꙗ. дѣмъ. ни помазѣсѣ ни оуцѣсѣ лиѣемърѣ. . .
зане се ѡмѣжѣемъ отъ мѣсѣи сѣлѣкѣ. ꙗко же приан-
нѣмъ ꙗже л. 128 об. а. прѣзрѣти ихъ. л. 218 об.
б. нѣже есть сѣкрокѣше уѣкѣѣско. тѣ и срдѣе ꙗго.
лиѣе бо нижннѣмъ. пригѣкѣженъ боудѣни рече. не
мѣмъ. л. 219 а. нѣкѣсть прииѣннѣ. рѣкѣ кѣ ско-
бѣмъ мѣсто бѣмъ. и сѣ нѣкѣсѣ ѡмѣмъ. (оунокѣ
приѣнѣлѣннѣ ниѣннѣ.) ꙗко нѣтъ грѣкѣ (sic) тѣзрѣмъ)
приѣзанъ кѣсѣкомъ оуѣмъ жѣлѣзѣмъ люѣсѣ (sic). мѣ-
уѣннѣмъ ниѣннѣмъ. и прихѣдѣннѣмъ мѣмъ. ꙗдно се
дѣло ниѣмъ кѣннѣмъ. ꙗже ниѣмъ хранити ниѣннѣ.

л. 61 об. а. Неки воинаѣ кѣ златѣ ходити. сѣ-
ны оуѣмъ. нѣ наѹе сѣю сѣдракѣе. наѹе ксѣго сего
богѣтѣства мѣкѣмъ мѣннѣмъ. тѣкѣе. б) оскѣрѣннѣмъ
оубо оуѣмъ. л. 61 а. ксѣ скоѣ дѣннѣе ꙗже кѣ жи-
тѣи козѣмътѣмъ..... тѣмъ же рече. лиѣе сѣкѣтъ нѣе
тѣ тѣмъ коинѣ. ꙗгда бо сѣтѣмъннѣмъ оуѣсѣнѣтъ. кѣмъ
оуѣе нѣдѣжѣ боудѣтъ. ли кѣмъ нѣмъзѣ коинѣмъ кѣ златѣ
тѣ ходѣнѣмъ. ꙗгда бо коѣкѣдоу нѣсѣнѣа кодѣтъ (тѣ-
кѣе и тѣмъ нѣмъ. мѣмъмъ роуѣннѣмъ стѣтѣи нѣхѣтѣю
богѣтѣтѣкѣ оиѣуѣннѣмъ. ксѣмъ прѣкрѣдѣмъ сѣе.

Изъ 21-й Весѣды.

Уто есть ꙗже никто же можетъ двѣмъ госно-
диномъ работати. двѣ повелѣмъиѣа прѣтѣвѣа глѣе-
тъ. ниѣ же. лиѣе се не бѣ было. ни дѣкѣ лиѣе бѣдѣтъ
ниѣмъиѣи бо ꙗдѣниѣннѣе. лиѣе и мнози боудѣтъ. ꙗди
но соуѣтъ. нѣо мѣножѣстоу кѣропѣкѣшнѣхъ рече. бѣ
срдѣе и дѣмъ ꙗдно. нѣтъ л. 61 об. а. кѣмъ не рѣ-
ботаѣте кто оуѣмъ госнодиномъ. нѣ и кѣзѣнѣмъкѣдѣти
и ѡкратѣтѣсѣ сѣмъ. лиѣе бо ꙗдѣнѣго кѣзѣнѣмъкѣдѣти рѣ-
че. и дроуѣго кѣзѣмъкѣтѣ. ли ꙗдѣного послоуѣнѣмъ
а о дроуѣмъ нѣрадѣти наѹнѣтъ. рѣкѣ же нѣнарѣуѣ-
но оѣа глѣ. да прѣнѣрѣти послоуѣнѣмъ. нѣлиѣемърѣа
сѣдѣю бѣ тоу глѣмъ ихъ. тѣгда. б) прирече. нѣмо-
жете коу работати и мѣмонѣ. оуѣстраннѣмъсѣ рѣзоуѣмъ-
кѣннѣ. что пригѣтоѣхѣмъ хлѣ рѣѣи. ꙗко сѣ бѣмъ нѣ-
ложнѣмъ златѣ. лиѣе ли се стрѣннѣо. кѣко не стрѣнѣ-
нѣе. ꙗже тѣкѣомъ бѣтѣи дѣмъиѣи и прѣдѣуѣннѣи бѣкѣмъ-
го стрѣнѣа златѣноѣ мѣуѣннѣе. Кѣкѣе абрамъ рече.

καὶ δεσπότης. ὥσπερ οὖν ἀλλοτρίων οἰκονόμος. ὧν χρημάτων, οὕτω πάντα ἐκείνα ἐκέκτητο. οὐ μόνον τὰ ἐτέρων οὐχ ἀρπάζων, ἀλλὰ καὶ τὰ ἴδια προϊεμένος τοῖς δεομένοις. л. 200 α.
μὴ μεριμνήσητε τῇ ψυχῇ ὑμῶν τί φάγητε. οὐκ ἐπειδὴ ἡ ψυχὴ τροφῆς δεῖται. σῶματος γάρ, ἀλλὰ κατὰ τὴν καὶ νὴν ἐφιδέχεται συνήθειαν. εἰ γὰρ καὶ μὴ δεῖται τροφῆς, ἀλλ' ἄλιος οὐκ ἂν ἀνάσχοιτο μένειν ἐν τῷ σώματι, ἀλλ' ἢ τρεφομένου αὐτοῦ. λέγων. οὐχὶ πλεον ἐστὶν ἡ ψυχὴ τῆς τροφῆς, καὶ τὸ σῶμα τοῦ ἐνδύματος. ὁ τοίνυν β. τὸ μείζον δοῦς, πῶς τὸ ἔλαττον οὐ δώσει. ὁ τὴν τρεφομένην σῶμα πῶς τὴν τροφὴν οὐ παρέξει. ἐπηγάγε λέγων τίς δύναται ἐξ ὑμῶν προσθεῖναι ἐπὶ τὴν ἡλικίαν αὐτοῦ πῆχυν ἓνα л. 200 об. β. τῶν ὀρνίθων μέμνηται, καὶ σφόδρα ἐντρεπτικῶς. ὅπερ μερίστην εἰς παραίνεσεν λόγον ἔχει τὴν ἰσχύν. ὅτι τρέφεται χωρὶς μερίμνης ὅπερ καὶ ἡμῖν ἐὰν ἐθέλωμεν, εὐκολον κατορθωθῆναι. καὶ τοῦτο ἐδειξαν, οἱ διὰ τῶν ἔργων αὐτὸ ἀνύσαντες. л. 201. α. τὸν ἡλίαν. καὶ τὸν μωσέα καὶ τὸν ἰωάννην. καὶ ἐτέρους τισούτους μὴ μεριμνήσαντας. οὐκ εἶπεν ὅτι οὐ καπηλεύουσιν οὐδὲ ἐμπορεύονται. ταῦτα γὰρ τῶν σφόδρα ἀπειρημένων ἦν, ἀλλὰ τί. οὐ σπείρουσιν οὐδὲ θερίζουσιν τί οὖν. οὐ δεῖ σπείρειν φησὶν οὐ δεῖ, ἀλλ' ὅτι μεριμνᾶν οὐ δεῖ. οὐδ' ὅτι ἐργάζεσθαι οὐ χρή, ἀλλ' ὅτι μικρόψυχον εἶναι καὶ κατατείνειν ἑαυτὸν ταῖς φροντίσιν οὐ χρή. л. 201 об. α. ἀλλὰ παρὰ τοῦ θῷ τὸ πᾶν ζητῶντος ἦν. τοῦτο καὶ οἱ ἀπόστολοι κατώρθωσαν. ἅπαντα ρίψαντες. εἰ δὲ οὐκ ἀνέχη τισούτων ἀκούων χρημάτων ἀπολῦσαι σαυτὸν τῶν χαλεπῶν τούτων δεσμῶν. τῷ σώματι. οὐ δὲ μικρὸν л. 221 об. β. προσθεῖναι δυνήσῃ μεριμνῶν. ἂν εἰ ἐκεῖνος ἡμᾶς ἐγκαταλίπη, οὐ φροντίς. οὐ μέριμνα. οὐ πόνος. οὐκ ἄλλο τι τῶν τοιούτων.
аще онъ ны оставилъ ни примышление ни печаль ни болѣзнь. ни ино нѣчтоже

Изъ 22-й главы.

л. 202 об. β. Εἰπὼν περὶ τῆς ἀναγκαίας τροφῆς. καὶ δεῖξας л. 203 . α. ὅτι οὐδὲν ὑπὲρ ταύτης χρή μεριμνᾶν. ἐπὶ τοκιστότερον μεταβαίνει λοιπόν. οὐδὲ γὰρ οὕτως ἀναγκαῖον ἐνδυμα, ὥς τροφή. β. τὸ πολυτίμητον καὶ περισπούδαστον τοῦ γένους. ὑμᾶς. οἷς ψυχὴν ἔδωκεν. οἷς σῶμα διέπλασε. δι' οὗς τὰ ὀρώμενα πάντα ἐποίησε. καὶ τὰ μυρία ἐργάσατο ἀγαθὰ. л. 203 об. α. οὐ κοπιῶσιν. ὥστε κόπων ἡμᾶς ἀπαλλάξει βουλόμενος. в' τοίνυν τὸ μὴ μεριμνᾶν ταῦτα πόνος, ἀλλὰ τὸ μεριμνᾶν. καὶ καθάπερ εἰπὼν οὐ σπείρουσιν, οὐ τὴν σπόρον ἀνέτρεψεν ἀλλὰ τὴν φροντίδα. β. οὕτως εἰπὼν οὐ κοπιῶσιν. οὕτε νήθουσιν. οὐ τὸ ἔργον ἀνείλεν. ἀλλὰ τὴν μέριμναν. 'Εἰ δὲ σολομῶν ἠπτήθη τοῦ κάλλους αὐτῶν. καὶ οὐχ' ἅπαξ οὐ δὲ δις, ἀλ-

како новъ оугоднаѣ ѿвѣт. изко не въ про л. 62. а. стѣ богатѣхъ ни работахъ мамонѣ. нъ дръжахоу ѿ. нвладѣхъ нмѣ. и изкоже тоужемъ нмѣнью. приставника соуща. Тако всего нмѣасте. не тѣкмо тѣжда къзнимхоу. нъ и своа трѣбуюцимъ подавасте. л. 62. об. а. не нмѣтеса дшѣе вмиею что ксте. рече же се. не изко дшѣа трѣбѣтъ нища. бесплѣтна бо іестъ. нъ по обыиришмоу нздруе обычаю. аще бо и не трѣбоуеъ нища. нъ инако не сътърини. тѣ прѣбъти въ тѣлеси. нъ ни томоу іемоу. (да не гѣтъ же естерн.). рече не вмие ли естъ дшѣа нища. и тѣло одежда. іеже гѣтъ сице естъ. изко давыи вмирише. како мнѣнаго не къдасть. ни томоуоу нлѣтъ (и покрываемъ създравы.) како нища и одежа не подасть. л. 63 а. прирече. кто можетъ отъ касъ приложити на тѣло свое. лѣкътъ единъ. и нища помяноу. и зѣло посрамно. іеже велые къ нлоуеиіе слоко нмѣтъ крѣпость. изко ни тѣются ке псуапи. іеже аще хоцѣмъ. и намъ оудобѣ бѣдетъ испраклєно и се показана съконьуавиіе дѣлми. мози нлѣа. помнѣ. и ниіи тауи же испонекъниеса л. 63 б. ноуто не рече изко не крѣтымъють нища ни коуіаа творѣтъ. нъ изко ни сѣють ни жѣиіотъ. понеже крѣтымъвати. и коуіаа дѣлти л. 63 об. а. тѣмъ іестъ иже отъреуе ни соухъ зѣло ѿвѣт. уѣто же не подокмѣтъ ли сѣлсти рече. не рече изко не подокмѣтъ сѣлти. нъ изко поиѣиіеса не подокмѣтъ. ни изко не подокмѣтъ дѣлти. нъ изко не подокмѣтъ нетръпѣликоу быти. и простирати секе ке къ псуапи (sic) нъ науе ѿ бѣ всего просити. се ко и апиіи исправиіа. ксе ѿвѣргѣиіе. аще ли не тѣриниіи тоііко словесъ слыіа. свободити секе ѿ мотыхъ оузы псуапи. и ни тѣлеси своіємъ ммо что приложити можєиіи. л. 64. а. иііже

Изъ 22-й Бесѣды.

л. 64. а. Рекъ о ноуждына нища. и показавъ. изко ни о сси же подовасть поиѣиіеса. оуже на лѣгъкоіе прѣходитъ. нѣсть ко зѣло потресна нища. изкоже нища. л. 64. б. многоуѣстынаго и обыириаго бѣи жыкотна. сирєуѣ уавѣа. іемоу же дшѣю даеъ. и тѣло създамъ. іго же ради кєа видимиа створиамъ. и прѣимного блага съдѣа. не трѣдѣтъ бо са рече. да свободити ны ѿ трѣдѣа. нѣсть бо трѣдѣ поиѣиіеса о сѣмъ. нъ іеже поиѣиіеса. и изко же рекъ о нищахъ. изко не сѣють. ни сѣтѣмъ възѣрапи. нъ псуапи. сице рекъ. не прадоуѣ. не дѣла отѣтъ нъ псуамъ. и сирє соломонѣ поѣѣженѣ вѣ о докротѣ нхъ не ієдиііюу нъ къториієію. нъ въсѣмъ прѣстѣкомъ скоимъ. се бо гѣа рекъ къ кѣ прѣстѣко своє тѣдѣа ти прѣ-

II) Е в а н г е л і е по Недѣлямъ,

Находится въ Императорской публичной Библіотекѣ подъ №. 71-мъ

Длина пергамина	$4\frac{1}{4}$	В.
Ширина	$3\frac{3}{8}$	В.
Къ корешку	$\frac{3}{8}$	В.
Между столбцами	$\frac{1}{4}$	В.
Къ правой сторонѣ	$\frac{5}{8}$	В.
Къ верху	$\frac{1}{2}$	В.
Къ низу	$\frac{5}{8}$	В.

Пергамень выдѣланъ довольно хорошо, но отъ времени пожелтѣлъ и покособился, а мѣстами и поврежденъ (урѣзанъ) Писано довольно крупною скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 169-ти листахъ. Въ началѣ заставка, состоящая изъ перевитыхъ круговъ вверху, а внизу и по бокамъ изъ перевитаго шнура разрисована красками пунцовою, зеленою, голубою и черною. Первая буква ε. изображаетъ лѣвую руку, у которой 2-й палецъ отъ мизинца приложенъ къ 1-му большому, а мизинецъ и 2-й и 3-й отъ большого пальца протянуты. Заглавія писаны уставомъ красною краскою, а заглавные буквы красною же, а мѣстами голубою и желтоватою. Колеръ чернилъ коричневый. По полямъ и наверху много замѣтокъ Латинскихъ. Помѣта на нѣкоторыхъ тетрадяхъ видна у корешка съ оборотной стороны внизу. Число строкъ на страницѣ 21.

Это Евангеліе неполный апракосъ т. е. послѣ пятидесятницы здѣсь не положено чтеній въ понедѣльникъ, вторникъ, среду, четвертокъ и пятницу.

Съ л. 116 по 147. об. начинается синаксарь, гдѣ написаны чтенія Евангелскія избраннымъ святымъ и на праздники, и оканчивается 147 л. об.

Съ 148. на Бездождіе, 11-ть Воскресныхъ Евангелій, и общія Апостоламъ Пророкамъ, мученикамъ по 168 л.

На 168 и 169 листахъ запись писца.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 18 β'. Κυριακῇ τῆς ἡ Τῇ ἐσχάτῃ ἡμέρᾳ τῆς μεγάλῃς τῆς ἑορτῆς ἰστήκει ὁ ἱς. καὶ л. 18 об. α'. ἐκράζεν λέγων. ἐὰν τίς διψᾷ. ἐρχέσθω πρὸς με καὶ πινέτω. ὁ πιστεύων εἰς ἐμὲ. καθὼς εἶπεν ἡ γραφῇ. ποταμοὶ ἐκ τῆς κοιλίας αὐτοῦ ῥέουσιν ὕδατος ζῶντος. τοῦτο δὲ εἶπεν περὶ τοῦ πν̄ς. οὗ ἡμελλον λαμβάνην οἱ πιστεύοντες εἰς αὐτὸν. οὕπω γὰρ ἦν πν̄α ἅγιον. ὅτι ἱς οὐδέπω ἐδόξασθῃ πολλοὶ οὖν ἐκ τοῦ ὄχλου ἀκούσαντες τὸν λόγον τοῦτων ἔλεγον. οὗτος ἐστὶν ἀληθῶς ὁ προφήτης. ἄλλοι β'. ἔλεγον. μὴ γὰρ ἐκ τῆς γαλιλαίας ὁ χς̄ ἔρχεται; οὐ-

Изъ Юрьскаго Евангелія 1118—28 г. Воскресенской Ново — Іерусалимской Библіотеки.

л. 32 б. Иѣ. ѿ. еѣѣ. ѿ ѿ ѿ ѿ ѿ. Къ послѣднимъ же дѣньмъ. великимъ праздникомъ. стомахѣ нѣсть и зѣвахѣ гл̄мъ. аще кѣто жаждетъ. да приидетъ къ мѣнѣ и пинетъ. вѣроуѣи кѣ ма. како же книги реконѣ. ректы отъ урева иго истекотъ воды живы. се же рече о доусѣ. иже хотѣхотъ вринити. вѣроуѣи кѣнѣ. не оуко кѣ дхъ стѣи данѣ. 1) како нѣс не оу кѣ просакленѣ. мнози же отъ народа. слышавѣше

1) Въ вариантахъ Тейля и Штира отмѣчено (α β. † διδομένον). Покойнымъ Митрополитомъ Филаретомъ о семъ разночтеніи въ Остромировомъ Евангеліи на л. 54. въ его отношеніи отъ 30-го Іюля 1841. года къ Оберъ Прокурору сказано: „Это такое разпорѣчіе съ обыкновеннымъ текстомъ, которое Богословъ съ радостію встрѣтитъ въ древнемъ текстѣ: потому что оно защищаетъ и объясняетъ одно изъ трудныхъ мѣстъ Евангелія отъ Іоанна.“ Это замѣчаніе сообщилъ мнѣ Павелъ Ивановичъ Саввантовъ, имѣя у себя копію съ отношенія Митрополита Филарета.

χι! ἡ γραφή εἶπεν. ὅτι ἐκ τῆ σπέρματος δᾶδ. καὶ ἀποβή-
θλαζέμ τῆς κόμης, ὅπου ἦν δᾶδ. ὁ χσ̄ ἔρχεται; σχίσμα
οὖν ἐν τῷ ὄχλῳ ἐγένετο διαυτόν τινες δὲ ἤθελον ἐξ αὐ-
τῶν πιάσαι αὐτόν. ἀλλ' οὐδεὶς ἐπέβαλέν ἐπ' αὐτόν τὰς χεῖ-
ρας. ἦλθον οὖνοι οἱ ὑπηρεται πρὸς τοὺς ἀρχιερεῖς καὶ φα-
ρισαίους. καὶ εἶπον αὐτοῖς ἐκείναι. δια τί οὐκ ηγαγεται
αὐτός; л. 19 а. ἀπεκρίθησαν οἱ ὑπηρεται. οὐδέποτε οὐ-
τως ἐλάλησαν ἄνθρωπος. ὡς οὗτος ὁ ἄνθρωπος. ἀπεκρίθησαν οὖν
αὐτοῖς οἱ φαρισαῖοι. μὴ καὶ ὑμεῖς πεπλάνησθε; μήτις ἐκ
τῶν ἀρχόντων ἐπιστεύσεν εἰς αὐτόν. ἢ ἐκ τῶν φαρισαίων;
ἀλλ' ὄχλος οὗτος ὁ μὴ γινώσκων τὸν νόμον. ἐπάρατοί ἐι-
σιν. λέγει νικόδομος πρὸς αὐτούς, ὁ ἐλθὼν πρὸς αὐτόν
νυκτός, εἷς ὢν ἐξ αὐτῶν. μὴ ὁ νόμος ἡμῶν κρίνει τὸν
ἄνθρωπον. ἐὰν μὴ ἀκούσῃ παρ αὐτοῦ πρώτον. καὶ γινῶ τί ποιεῖ.
ἀπεκρίθησαν καὶ εἶπον αὐτῷ. μὴ καὶ σὺ ἐκ τῆς γαλιλαίας
εἶ. ἐρεύνησον καὶ ἴδε. ὅτι προφήτης ἐκ τῆς γαλιλαίας οὐκ
ἐγέρηται. πάλιν οὖν αὐτοῖς ὁ ἴς ἐλάλησεν. λέγων. ἐγὼ εἰμι
τὸ φῶς τοῦ κόσμου. ὁ ἀκολουθῶν ἐμοί. οὐ μὴ περιπα-
τήσῃ ἐν τῇ σκοτίᾳ. ἀλλ' ἐξεῖ τὸ φῶς τῆς ζωῆς.

же имъ нѣтъ рече гла. азъ есмь свѣтъ миру. ходи по мнѣ. не имать ходити къ тмѣ. нъ имать свѣтъ
жнכותнъ . . .

л. 19 об. а. Σαββάτω μετὰ τὴν ἡ. ἅ. Ευαγγέλιον κατὰ Ματθαῖον.

Ἐπεὶν ὁ χσ̄. τῷ αἰτοῦντί σε δίδου; καὶ τὸν θέλοντα
ἀπὸ σοῦ δανείσασθαι. μὴ ἀποστραφῆς. ἠκούσατε ὅτι ἐρέθη.
ἀγαπήσεις τὸν πλησίον σου. καὶ μισήσεις τὸν ἐχθρὸν σου.
ἐγὼ δὲ λέγω ὑμῖν. ἀγαπατε τοὺς ἐχθροὺς ὑμῶν. εὐλογεῖ-
τε τοὺς καταρωμένους ὑμᾶς καλῶς ποιεῖται, τοῖς μισοῦσιν
ὑμᾶς. καὶ πρὸς ἐχθρῶν ὑπὲρ β'. τῶν περὶ αὐτῶν ὑμᾶς.
ὅπως γένησθαι ὡς (sic) τοῦ πρὸς ἡμῶν τοῦ ἐν οὐνοῖς. ὅτι
τὸν ἥλιον αὐτοῦ ἀνατέλλει. ἐπιπονηροὺς καὶ ἀγαθοὺς. καὶ
βρέχει ἐπὶ δικαίους καὶ ἀμαρτίκους (sic). ἐὰν γὰρ ἀγα-
πήσητε. τοὺς ἀγαπόντας ὑμᾶς τίνα μισθὸν ἔχετε. οὐχὶ
καὶ οἱ τελῶναι. τὸ αὐτῷ ποιοῦσιν; καὶ ἐὰν ἀσπάσῃσθαι
τοὺς φίλους ὑμῶν. τί περισσὸν ποιεῖτε; οὐχὶ καὶ οἱ τελῶ-
ναι οὕτως ποιοῦσιν; ἔσσεσθαι οὖν ὑμεῖς τέλειοι. л. 20 а.
ὥσπερ ὁ πῆρ ὑμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐνοῖς:

слова сн глахоу съ есть въ истинноу пророкъ. дроу-
зни же глахоу. съ есть христосъ. ови же глахоу
еда ѿ галнаѣа хс̄ъ придесть. оу то ни писаннѣ ли
рече. како отъ племени дѣдѣа. и отъ вноѣомьскы
късн. идеже бѣ дакыдѣ. хс̄ъ придесть. распырѣннѣ же
бѣ къ народѣ его дѣла. нѣцѣн же отъ нихъ хотѣша
и ктн. нъ никѣтоже възложи наъ роукоу. придоша
же слоугы къ старѣншинамъ жерьѣьскымъ и фарисѣ-
омъ. и рекоша имъ ти. поубѣ не прикѣдѣсте его.
отъкѣпаша слоугы николнже тако есть глалъ глакъ.
како сынъ глакъ. отъкѣпаша имъ фарисѣн. еда и кѣ
прѣлѣщени кѣстѣ. еда кѣто отъ князѣ върова вънѣ.
или отъ фарисѣн. нъ народъ съ нже не въсть зако-
на. проклати соуть. гла никодимъ къ нимъ прихо-
дикынъ къ нѣмоу. пощнѣи единъ съ ѿ нихъ. еда за-
конъ наъ соудитъ глакъ. аирѣ не оуслышитъ отъ него
прѣждѣ. и разоумѣсть убо творити. отъкѣпаша и
рекоша нѣмоу. еда и ты отъ галнаѣа еси. нѣтан и
внѣдѣ. како отъ галнаѣа пророкъ не приходитъ. пакы
же имъ нѣтъ рече гла. азъ есмь свѣтъ миру. ходи по мнѣ. не имать ходити къ тмѣ. нъ имать свѣтъ
жнכותнъ . . .

Къ соф. а. нѣ. еѣа. ѿ матѣа.

л. 36. Рече гл̄ просаирѣоу оутѣе дан. и хо-
таирѣаго отъ теке зами не отъкрати. слышастѣ.
како речѣно есть. възлюбнри ближнѣаго своего. и
да ненавиднши врага твоего. азъ же гла камъ. лю-
бите врагы ваша. вѣтѣсловите каиноуца кѣ. добро
творите ненавидѣишимъ васъ. и молите за творѣица
вашѣхъ. и изгонѣица кѣ. да коудѣте сѣвоу
оѣа вашѣго. нже есть на нексѣхъ. како сѣице своѣ
снмѣтъ на зѣмѣхъ и вѣтѣхъ. и дѣждѣтъ на правѣдѣ-
нѣхъ и не на правѣднѣхъ. аирѣ любите любѣица
кѣ. коуѣ мѣздоу имѣте. не и мытарѣ ли тоже тво-
ратѣ. и аирѣ цѣловѣте дроугы ваша уѣсо лихо тво-
рите. не и мытарѣ ли тако творѣтъ. коудѣте оуѣ
кѣ сѣртѣкѣннѣ. како и оѣѣ ваша нѣсѣнѣнъ сѣвѣрѣнѣнъ
есть . . .

Ч т е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а.

Ἐς ἀνομβρίαν καὶ εἰς μνήμην φόβου. καὶ ἐπὶ πολέμων κατὰ Ματθαῖον. κεφάλαιον жѣ. Тῷ καιρῷ ἐκείνῳ. ἐνα-
ναβάντι τῷ Ἰησοῦ εἰς πλοῖον ἠκολούθησαν αὐτῷ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ.

Тῷ συμπεραστῇ: τῇ ἀπάντων κτισμάτων. σοι δοῖα τιμὴ χριστὲ καὶ σεβας πρέπει.

Ἐγγράφη χειρὶ μηχαῆλ ταπεινοῦ καὶ ἀμαρτωλοῦ μοναχῆ καὶ ἀναξίου ιερέως ἐν ἔτει 7881 ἡνδικτιώνος ἱ. κυρίου
д. с. мѣ. ἐπὶ τῆς βασιλείας βασιλείου καὶ Κωνσταντίνου τῶν ἐκ Θεοῦ ἐστεμμένων μεγάλων βασιλέων καὶ αὐτοκρα-
τωρων.

Слова съ знаками препинанія: λαλεῖν: χριστός. αὐτόν; сокращенія: τῷ σαββάτῳ, κατὰ Μάρκον, κατὰ
Λουκᾶν. καὶ. Слово съ титуломъ: ἀνθρώπω. Буквы: α., въ связи съ другими, φαγεῖν. ε.. ἐξῆλθεν. ν. οὖν,
конечная ν., ἰουδαίων. σ, ἐπίνασεν. τ. σταδίων τῶν βαθύν.; цифра 3 съ 3-мя титулами вверху.

Скороненная азбука, нѣсколько буквъ изъ заглавій. заглавныхъ буквъ и заставокъ.

III) Κανонникъ Богородичный 8-ми гласовъ

На каждой день недѣльный, писанъ на пергаμινѣ въ одинъ столбець скорописью на 257-ми листахъ Ιωανномъ Μοναхомъ въ 1022-мъ году. Въ нѣкоторыхъ гласахъ, не 7-мъ каноновъ, а болѣе; Лишнїй канонъ на полѣ означался περίσσοо лишнїй. Каноны въ честь Божїей Матери здѣсь написанные разныхъ творцевъ, Ιοσιφα, Κοζμυ, Θεοφανα, Κλιμεντα, Φιλοθεя Ιγнатїа и другихъ.

Послѣ Каноновъ Богородичныхъ на 8-мъ гласовъ съ л. 203 об. написаны Каноны на различные случаи.

φυλ. 203 об. — 206 об. Κανὼν φαλλομενος εἰς ὑποτακτικὸν Μοναχῶν. нх. πβ̃. (6).

Начало 1-го тропаря: Τῆς ζωῆς τῷ ἀρχηγῷ. καὶ τοῦ θανάτου τῷ καθαιρέτῃ....

φ. 206 об. — 210. Ἐτερος κανὼν εἰς κοιμηθέντα μοναχῶν φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε: Ἐκτον προσάξω, τοῖς σοῖς, μονάζουσι μέλος: ηλ. πλβ̃. (6). Начало 1-го тропаря: Ἐξαποστείλας ἐξ ὕψους τοὺς σοὺς χεῖρας δούλους.

φυλ. 210.—213 об. Ἐτερος κανὼν εἰς κοιμηθέντα μοναχῶν. ηλ. πλ. (8). Начало 1-го тропаря: Σοῦ τὸν στῆρὸν ἐπὶ τῆς γῆς ἀραμένος, ὁ μεταστὸς ἀφ' ἡμῶν.....

φ. 213 об.—216 об. Ἐτερος κανὼν νεκρῶν ηλ. πλδ̃. (8). Θεοφαν. Начало 1-го тропаря: Τῶν ζώντων ὑπάρχων χεῖ ζωή.....

φυл. 217. — 219. Στιχηρ. φαλλόμεν. εἰς κοιμηθέντ. μοναχῶν καὶ ἡγούμενων ηλ. в. (2). Начало 1-й стихирь: Ὁμοῖς τὸν στῆρὸν ἀναλαβὼν. σοι ἀνεπιστρόφῳ καρδίᾳ.

Всѣхъ стихирь 13-ть.

φυл. 119—223. Κανὼν ἱκετευτικὸς φαλλομενος εἰς ἀνομβρίαν. ηλ. πλδ̃. (8). Начало 1-го тропаря: Τῷ ἐν ἀρρήτοις λόγοις προνοίας.

φ. 223—226 об. Ἐτερος κανὼν φαλλόμενος εἰς σεισμὸν φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε: ὦ χεῖ τῆς γῆς, τὸν κλόνον παῦσον τάχος. Начало 1-го тропаря: Ὡς φοβερᾷ ἡ ὀργὴ σου.....

φυл. 226 об. — 229. Ἐτερος κανὼν φαλλόμενος εἰς ἐγκαινίαν ναοῦ τῆς ὑπεραγίας θῆου. φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε. Νάον με δαΐζον, τοῦ τόκου σου παρθένε ηλ. δ. (4). Начало 1-го тропаря: Νάον σε θῷ τοῦ ζῶντος ἑμφύχον.

229 — 232 об. Κανὼν τοῦ ἁγίου ἱερομαρτύρου ὑπατίου φαλλόμενος εἰς ἀσθενοῦντας. ηλ. πλδ̃. (8). Начало 1-го тропаря. Γενοῦ μοι σφία. τῷ ὑπὸ τὴν σκέπην σου προστρέχοντι.....

φ. 232 об.—237 об. Ἀκολουθία φαλλομένη εἰς πάντα ἄνδρὸν ἐξερχόμενον εἰς πόλεμον. Сначала написанъ сѣдалѣнь: Τῆς ἐπελθούσης σου ὀργῆς. потомъ двѣ стихирь: Далѣе канонъ: Начало 1-го тропаря: Ὁ τῆς κτίσιν ἅπασαν παραγαγὼ τῷ λόγῳ σου.

φ. 337 об. — 240 об. Κανὼν εἰς ἀσθενοῦντας. ηλ. πλδ̃. (8) Ιγνατ. Начало 1-го тропаря: Τῆς εὐσπλαγχνίας πηγῇ ὑπάρχων τῶν ἱματίων δαψηλῶς.

φ. 240 об. 249 . Μηνὶ Ἰαννουαρίῳ κζ̃. κανὼν φαλλόμενος εἰς τὴν ἀνακομιδὴν τοῦ ἁγίου, Ιωαννῆ Χρυσοστόμου. φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε χριστοκύχητον ἐνιστόματες ἱερεῖα γεραίρων: ἐν δε τοῖς τριαδικαῖς καὶ θεοτοκίαις τῆς α̃ ω̃. καὶ τῆς Γ̃. τῆς Δ̃. καὶ τῆς Ε̃. καὶ πάλιν ἀναποδίξου ἀπὸ τὴν Ϝ̃. ἕως τὴν Ϛ̃. γεωργίαι: ηλ. Δ̃. Начало 1-го тропаря: Χῶρος εἰς, ἅπαξ, εἶδεν ἥλιον,...

φ. 249—253. Ἐτερος κανὼν εἰς τὴν αὐτὴν ἑορτὴν φέρων ἀκροστιχίδα τὴν δε: Τὴν παγγρυσὸν μελπωσε, τοῦ θῷ λύραν: Начало 1-го тропаря: Τῆς ἀνεσπερου ὅσιε αὐγῆς. ἀποπληρούμενος...

φ. 253—257. Ἐτερος κανὼν εἰς τὴν αὐτὴν ἑορτὴν ηλ. πλδ̃. (8). Начало 1-го тропаря: Χύμα. ὅς φημι ο σολομῶν. καρδίᾳς πλάτος δοῦς θς̃.

Αμαρτιῶν. πλήθει συσχεθείς. καὶ ταῖς σειραῖς τῶν πειρασμῶν. σφοδρῶς πεδηθεὶς. τὴν σὴν δέσποινα βοήθειαν. νῦν ἐπιβαλούμενος. λυτρωθεῖν πάσης κακώσεως.

Συναγωγῆς. φαῦλων καὶ δεινῶν. καὶ φθονερῶν καὶ πονηρῶν ἀνῶν βουλὰς. διασκέδασον πανόμνητε. καὶ πάσης με λύτρωσαι. συμφορᾶς τοῦ βίου καὶ θλίψεως.

Στράγγαλιās. λόγων τῶν ψευδῶν. καὶ συσκευᾶς τὰς κατέμεοῦ τῷ ξίφει τῶν σῶν. πρεσβειῶν σύγκοψον δέσποινα. καὶ θάττον διάλυσον. καὶ παντοίας ῥῦσαι με θλίψεως. **ВѢСКОРѢ РАЗДРОУИИ НРЕНЕПОРѢННА, Н ВѢСАКЫА ПЕУАЛИ СЪХРАНИ:**

Ω. ε. Νύξ ἀφεγγής ταῖς ἀπίστοις.

φυλ. 161. Ἀκαταμάχητον τεῖχος. ὑπάρχουσα τῶν πιστῶν. σκέπη γενοῦ τῷ δοῦλῳ σου καὶ ἀπὸ πάσης. σφοδρᾶς παρθένε. ῥῦσαι με λύπης καὶ κακώσεως.

Νοσιλευόμενος. σφόδρα. καὶ καταμφοῖν χαλεπῶς. κεκακιωμένος πάνταγε, φυγῆς τὴν ῥῶσιν. ἐκ σοῦ δεξιόμην. ταῖς σαῖς πρεσβείαις καὶ τοῦ σώματος.

Ἐν τῷ πελάγει παρθένε. τῶν οἰκτιρμῶν σου καὶ νῦν. προσπεφευγῶς ὁ δοῦλος σβ. τῆς συνεχούσης. βουλῆς ἀδίκου. ἐκλυτρωθεῖν καὶ κακώσεως.

Ἵπέρφερές σου τὸ χάλλος τῶν πρεσβειῶν πανταχοῦ. παρθενομήτορ ἄχραντε. δι' ὧν καὶ νῦν με. παντοίας ῥῦσαι τῆς ἐν τῷ βίῳ περιστάσεως.

Ω. ε. Ναυτιοῦντα σάλω.

Λαλιαὶ καὶ λόγοι. πάντων σε πιστῶν εὐφημοῦσιν. ὥς ὅλον τὸ ὄφλημα τῶν ἀνῶν. τῷ τοκετῷ σου σαφῶς ἀπότησασαν. ἀλλὰ καὶ τὰ νῦν τὸν ὕμνωδόν σου. πρόσδεξαι λητ. καὶ ῥῦσαι ¹⁾ πειρασμῶν καὶ θλίψεων.

Ὀδυρόμενον με. καὶ ταῖς τῶν παθῶν καὶ παισμάτων. ἀκάνθαις κεντούμενον. καὶ ζητοῦντα. τὴν παρα σοῦ θεοραπείαν πανάχραντε. πάσης ἀλγηδόνος τε καὶ λύπης. λύτρωσαι καὶ ῥῦσαι φ. 161 οβ. πειρασμῶν καὶ θλίψεων.

Γηγενῶν τὴν φύσιν. εἰς τὸν οὐνὸν θῆε. προδήλως ἀνήγαγες γεγонуῖα. τοῦ βασιλέως τῆς δόξης παλάτιον. διό με βυθῷ πολλῶν πταισμάτων. καὶ τῶν πειρασμῶν καὶ τῶν παθῶν ἀνάγαγε.

Ω. ζ. οἱ καμίνω του π.

Ωρα ἱσμένη χροσσοταῖς. τῆς ἀγνείας ἄχραντε κόρη. ψυχῆς. ἐμῆς νῦν μετᾶβαλε. τῆς κακίας τὸ αἶσχος. πρὸς θεῖον χάλλος. εὐλογημένη δέσποινα. προστασία τοῦ γένους ἡμῶν.

Νεανιεύονται καὶ νῦν. ἐρινύες. δαίμονες ἄγαν. καὶ πῦρ παθῶν μοι πρὸς ἄπτουσιν. ἀλλὰ μᾶλλον ταῖς αἵγλαις τούτους εἰς τέλος. τῶν οἰκτιρμῶν σου σύμφλεξον. προστασία τοῦ γένους ἡμῶν.

Грѣхѣ мноѣство есмь стѣгноу, плѣнцами напастен вѣмн емь скѣзѣ. нѣ нѣ твоѣ влѣще помѣи призываѣ ѡкалѣнын. да тобоѣ избавѣемсѣ ѡ вѣсѣ нѣ.

Мѣти вѣѣа прѣтаа, нѣмн ма нѣбавн ѡ съборнѣ злѣи н лютѣ. н ѡ зѣкнстнѣи н лѣкѣи уѣкѣ. съвѣ razorнѣ вѣсѣнѣтаа ѡ раба твоего н вѣсѣи ма нѣбавн пѣуали, н житѣа н скѣкен прѣо дѣо:

Вѣе дѣо нѣмн ма ѡ развращенѣа злѣи словѣ лѣнѣи. н ѡ дѣнства неправѣи уѣкѣ н на ма воюющѣи. погочѣи мѣмь твоѣи мѣтѣи. н нѣцѣи влѣще, н

Нѣ. ε. ἱρμό нѣи не свѣлаа.

Вѣсенѣтаа вѣе, на невоѣднмаа сн стѣна тѣрѣда соущѣи вѣрнѣи. н покрѣи вѣдѣи ми рабоу твоемоу. н ѡ вѣсѣи вѣдѣи нѣи дѣо. нѣбавн пѣуали, н ѡзловленѣа вѣорѣдѣтѣи:

Влѣще мѣти вѣѣа нѣи неѣгѣи зѣло ѡ обою стрѣноу люте ѡзловленѣи емѣ прѣтаа. днѣиѣи н телеснѣа прѣи снлоу. нѣи нау тѣи мѣтѣи оѣрѣи ма:

Вѣ поѣиѣи дѣо нѣдрѣи твоѣи. нѣи приѣвѣи раѣи твоѣи. ѡ одрѣжѣаго ма съѣта неправѣи. да нѣбавѣемсѣ ѡзловленѣа вѣсенѣтаа:

О мѣти вѣѣа вѣе нѣи вѣорѣдѣтѣи. вѣвѣзнѣи ма е слава тѣа твоѣи мѣтѣи поѣи прѣтаа. нѣи ма нѣи нѣбавн вѣсѣаго житѣнѣаго настѣи:

Нѣ. ε. ἱρμό. Вѣиѣи: Вѣе прѣтаа рѣиѣи нѣи, н вѣсѣи словѣи тѣеи вѣиѣи вѣсѣиѣи, мѣти вѣѣа нѣи уѣкѣи вѣсѣи дѣи. рѣиѣи твоѣи нѣи разрѣиѣи. но нѣи дѣо уѣтаа, нѣи твоѣи прѣи мѣтѣи н нѣбавн вѣсѣи нѣиѣи. вѣи пѣуали н скѣи:

Колаѣи ма стрѣиѣи н грѣиѣи тѣиѣи бѣоѣи нѣиѣи во е ѡ тѣеи нѣиѣи прѣтаа, н вѣсѣиѣи колѣиѣи нѣи прѣтаа, н нѣбавн нѣи ѡ вѣсѣи пѣуали, н скѣиѣи вѣсенѣтаа вѣе:

Земнѣиѣи ѣства, на нѣо вѣе. проѣиѣи вѣиѣи. вѣиѣи нѣи слаѣи нѣиѣи. тѣи ма вѣиѣи нѣиѣи нѣиѣи нѣиѣи. н ѡ стрѣиѣи ма вѣиѣи мѣтѣи:

Нѣ. ζ. ἱρμό. нѣи вѣиѣи:

Оѣиѣиѣи рѣиѣи нѣиѣи нѣиѣи нѣиѣи. днѣиѣи нѣи нѣиѣи ѡ скѣиѣиѣи злѣиѣи. н вѣиѣиѣи дѣиѣи вѣиѣиѣи влѣще нѣиѣиѣи рѣиѣи нѣиѣи:

Влѣще мѣти вѣѣа. скѣиѣиѣи нѣиѣи злѣиѣи вѣиѣиѣи. зѣло н огнѣи стрѣиѣи ма вѣиѣиѣи нѣиѣи нау вѣиѣи тѣиѣи зѣиѣи. нѣбавн ма сн дѣиѣиѣи нѣиѣиѣи нѣиѣи нѣиѣи. нѣиѣиѣиѣи рѣиѣи хрѣиѣиѣи:

¹⁾ δεξαι λητ. καὶ ῥῦσαι по скобленому писано.

Τὴν ἐν τριάδι καὶ ἐν μονάδι. ἀνυμνουμένην ἐν σεβῶς. ἄναρχον θεότητα πιστοὶ προσκυνήσωμεν. ὡς τρία οὖσαν καὶ ἓν. διηρημένην ὁμοῦ καὶ ἡνωμένην.

Τὴν θεοσύμμαχον σου πρεσβείαν. τῷ προσκειμένῳ σοι λαῶ. ἐν ἱκετηρίᾳ ἐκτενεῖ χρῆσαι δέσποινα. δοθῆναι ὕδωρ τῇ γῇ τῇ τοῦ υἱοῦ καὶ τοῦ σου εὐδοκία.

Богосыпшною мѣтвою прилежати ти людемъ. и ѿб-
нымъ прилежаніемъ. прїими влѣще. подати водѣ зем-
лї Сїа и Бгѣ твоего благоволеніемъ.

φ. 220. Ὡ. β'. "Οτι ἐγὼ εἰμι ὁ θεὸς ὑμῶν. ὁ πρὸ τῶν αἰῶνων.

"Οτι ἐγὼ εἰμι ὁ θεὸς ὑμῶν. ὁ σταθμοῖς δικαίοις. σοφῶς πάντα κυβερνῶν. ὁ παιδευτικῇ μου βακτηρίᾳ μα-
τιζων ὑμᾶς. ἐξαίρων ἐξ ἐγκλημάτων. ὡς υἱοὺς μου φιλητοὺς. εἰμι πῆρ γὰρ ὑμῶν.

Κε κε. ὁ ἡλίου φωνῇ τοῦ προφήτου σου. οὐνοὺς συγκλείσας. τοῦ μὴ δοῦναι ὑετὸν. καὶ ἐν ἀγαθότητι σου
πάλιν πρὸς λύσας αὐτοὺς. μετὰβαλε τὴν ὀργήν σου. καὶ ἀπόστειλον ἡμῖν. εἰρηνικοὺς ὑετούς.

Νεφέλας ὁ ἀνάγων. ἀπὸ ἐσχάτων γῆς. σὺ εἶ κε. ἀστραπὰς πληθύνων. ὑετίζειν σου τὴν γῆν. δὸς αὐτῇ καὶ
νῦν τὸν ποτισμὸν εἰς τροφήν ἡμῶν. ἀνοίγεις γὰρ σου τὴν χεῖρα. καὶ ζῶον ἅπαν ἐμπιπλὰς. εὐδοκία σε:

"Εγνωμεν ἔγνωμεν. ὅτι θεὸς ἡμῶν σὺ εἶ κε. ὁ σὺν τῷ πρί σου. δοξαζόμενος υἱός. καὶ μετὰ τοῦ πνὸς ἀεὶ προσ-
κυνούμενος. ἀμέριστος. γὰρ ὑπάρχει. ἡ τριάς καὶ ἐσαρκώθη: ἐκ παρθένου μῶς:

Πύλη ἀσύλητε. πύλη πανάμωμε. πύλη ἐνδοξε. πύλη σφραγισμένη πύλη ἄχραντε σκυνῇ. πύλη ἀδιώδευτε καὶ
φ. 220 οβ. πύλη τῆς ὄντως ζωῆς. πύλη τῶν σωζομένων. πύλη δέσποινα ἡ πύλη τοῦ δεσπότη τοῦ χυ.

Ὡ. Γ. στερέωμα μ. σ. σῆρ υπ.

Βροντῶν ἀστράπτων καὶ συγνωφάζων. ἔσω πολύελες κε. ὑετὸν ἡμῖν ἐκπέμπων. ἐτήσιον εἰς ἀνάψυξιν, ἐπὶ πολὺ κο-
ρέννυντα τὴν ὑπὸ οὐνόν.

Ὁ μεταβάλλων. ἄερων κράσεις. καὶ ὕδωρ τῇ γῇ προσ-
καλοούμενος. ἐκουσίαν ἀφορίσαι. βροχὴν ἡμῖν καταξίωσον. κληρονομία γὰρ ἐσμεν ἡμεῖς σου χε:

Παστὰς ἀγία. κυ θρόνε. ἡ τῶν χειρουβίμ. ὑπεράξιος. τὴν
συνήθιστον πρεσβείαν. νῦν ἡμῖν ἀποχάρισαι. ὕδωρ τὴν γῆν
ἀρύσασθαι πανύμνητε:

Ὡ. Δ. Ἐξ ὄρους κατασκίου:

Σημεῖα. τῆς ὀργῆς σου φέρουσα ἡ κτίσις. ἐκδηλον ἡμῖν
ποιεῖ τὴν ἁμαρτίαν. φεῖσαι οὖν κε φεῖσαι. καὶ διὰ τοῦ-
το ὕδωρ ἀπόστειλον διηψῶση γῇ.

Τὴν ἐξ οὐνῶν ἡ γῇ αἰτῆσαι ὁρόσον. ἵνα τὸ οἰκεῖον πρό-
σωπον μὴ φθείρει. ὁ ἀνεκαίνισας κε ἐν παρθένῳ. ὡς ἐπὶ
πόκον ὑετος καταβάς:

Ἐυδόκησον ἐν ὄμβροις κε τὴν γῆν σε. φ. 221. ἵνα ψαλ-
μικῶς. ὡδήν σοι ἐκβοῶμεν. ὅτι χρηστότητα ἔδωκας ὡς
οἰκτίρμων. καὶ τὸν καρπὸν ἡ γῇ ἀπέδωκεν.

"Αναρχε τριάς. ἀμέριστε οὐσία. σύνθρονε μονάς. ἀχάριστε τῇ φύσει. ἡ ὑπὲρ ἄρχως δόξα. καὶ βασιλεῖα. σῶζε
τοὺς πίστει ἀνυμνοῦντας σε:

Πάντων πρὸς θν. ἐγγύτερον σε οὖσαν ἔχοντες ἀγνή.
μητρῶαν παρρησίαν. ἐκδυσωποῦμεν προσάξει. τοῦτω πρεσ-
βείαν. τοῦ ἐπισκέψασθαι. ἐν ὄμβροις τὴν γῆν.

Ὡ. ε. εκ ἔστι ἅγιος. Ὁρθρίζει τὸ πνᾶ μου. πρὸς σέ χε ὁ θεός. διότι τὰ προστάγματα τῆς σῆς παρουσίας. ἀλλ'
ἐν αὐτοῖς καταυγάσας. τὸν νοῦν ἡμῶν δέσποτα. ὁδήγησον ἐν τρίβῳ ζωῆς.

Пѣ. Г. 'Ірмѣ. Оутвержи (sic) рѣкою.

Грома и влства. и помрачѣ вноутрь многомѣ-
ке тѣ. дождь намъ доволный подаѣ на оутверженіе
много. насыщающе поднебеснѣю:

Прѣмѣла воздѣху растворенїа. и водоу земли при-
зываѣ. волны ѿлоуѣннѣ. дожда намъ сподоби. на-
смѣдїе во есмы твоѣ спсе: ¹⁾

Уертоже стѣмъ вѣтїи, и престоле хероуѣмѣ недос-
тонныи. ѿбычною ти мѣтвою. и нїѣ намъ дароуѣ
водоу земли. поурѣти всепѣтамъ:

Пѣ Д. 'Ірмѣ. 'Из горы пресѣнныи.

²⁾ Знаменїе гнѣва твоего носѣши тварь. иже намъ
гнѣвъ творить. пощадѣ оубо гнѣ пощадѣ. и того ра-
ди послѣ дождь жаждоуѣи земли:

Сѣ нѣси просїи земля росы. да своѣго лица не по-
гоуѣнть. еѣ же ѿбнокнѣ еси гнѣ. иже дождь на рѣно
спїѣши:

Бгѣволи гнѣ гнѣвъ своѣ прїемнѣти. да млѣскоуѣ
(надо: немомски) пѣ зовѣ. вѣтъ дамъ еси иже предѣ.
и земля дастъ плодъ своѣ.

Всѣхъ к вѣу влжннн соуѣи, нмоуѣи уѣамъ мѣтрѣ-
не держновенїе. молнмѣ тебѣ прїнестн мѣтѣвоу и
носѣтннн тѣхамъ землю:

Пѣ Е. 'Ірмѣ. оутренююще (sic).

¹⁾ Въ Канонникѣ есть 3-й стихъ: прѣсыханїе росою створи. при Гедѣонѣ пррїѣ твоемъ. землю свою ни-
вѣжноу кнѣдѣ спсе намъ нїѣ иже южное морѣ теуенїемъ дожда.

²⁾ Въ Канонникѣ это 3-й стихъ.

Τὸ θεῖον σου πρόσταγμα. ἐπωδίνουσα ἡ γῆ. ὑετὸν ἐξαίτεϊ-
σε. φιλᾷνε κῆ. ἵνα καρπογονοῦσα. τὸν αἶνον προσάξει σοι.
δι' ἡμῶν τῶν δούλων σου:

Ὁ κλείσας τὴν ἄβυσσον. τοῦ οὐνίου ὑετοῦ. καὶ δια-
νοίγων ἐνμέτρως. τὴν γῆν σου ἀρδύευσθαι. μὴ συνέξεις
εἰς ἅπαν. καὶ φθείρεις τὸ πλάσμα σου. φιλᾷνε κῆ:

Σὺ ὕδωρ ἔδησας. ἐν νεφέλαις καὶ τὴν γῆν ὁμοτίμως
κατέσπειρας. θεὲ πολυέλεε φυλ. 221 οβ. τῇ σῇ καὶ νῦν
εὐδοκία. τό τόξον ὀφθήτω σου. ὑετὸν ἐπάγων τῇ γῇ.

Τὸ μέγα κραταίωμα. τῶν πιστῶν ἡ πρόσφυγῇ. θεοτεί-
χιστος πόλις. τοῦ πάντων βασιλέως. τὸν υἱὸν σου δυσώ-
πει. ὕδωρ ἀρύσασθαι. καὶ ποτίσαι. πᾶσαν τὴν γῆν.

ω. ε. ὡς τὸν προφήτην ἐρ.:

Ὁ συνταράσσων τὸ κύτος. τῆς θαλάσσης καὶ βρέχων
ἐκ ταύτης τὴν γῆν. τοὺς ἄυλακας μέθυσον. πλησον τα-
γενήματα. εὐφρανθήσεται τούτοις ἀνατέλλουσα:

Μὴ ἐν ἀρχῇ ἡμῖν ἔστω. οὐδὲ χαλκιζὼν ὑπὲρ κεφαλῆς.
εἰ καὶ προσεπτείσαμεν. τῷ νόμῳ σου κῆ. ἀλλὰ ὁδὸς τῇ
γῇ σου. εὐλογίᾳς ὕδωρ πιεῖν.

Ὁ τετοκῶς βόλους δρόσου. τῷ φοικτῶσι προστάγματι κῆ. τὴν γῆν σου ἐπίσκεψαι. καὶ ὕδασιν μέθυσον. τοῦ
καρποφορίσαι. τὴν τροφήν τῶν δούλων σου.

Ἐν ὑμνωδίαις σε πάντες. λιτανέομεν δέσποινα προφθα-
σον καὶ ἀπὸ κατ'ἀλλὰξον. ἡμᾶς πρὸς τὸν κν. ταῖς πρεσ-
βείαις σου. ἐκ παντοίων θλίψεων:

ω. ζ. ὁ τοῖς παῖδας δροσίσας:

Ὁ τῷ πυρὶ τῆς ὀργῆς σου. τὴν γῆν φλέγων. ρ. 222. κα-
ταλλάγηθι ἐν τάχει. τὸ οὐνῶν ὕδωρ ἐκπέμψας. εὐ εἰ κῆ.

Τοὺς οὐνίους ἀνοίξας καταρράκτας τῷ ἐν μέτρῳ σταθι-
μῷ σου. τὴν χρειώδες παράσχου ὕδωρ. τῇ γῇ σου τάχει
κῆ. ὁ θς τῶν περὶ ἡμῶν:

Ὁ ἐκμετρῶν τοὺς σταγόνας τῶν ὑδάτων. υετὸν ἡμῖν
πέμψον. τὸν ἐτήσιον σῆρ. οἰκτίρμων. εὐ εἰ κράζουσιν.

Ὁ ἀπροσμάχητος ὄντως προστασία. ἐπιτάχυνον σωσαι
τὸν λαόν σου ἀγνὴ παρθένε. ἐκ τῆς παροῦσης θραύσει
τοῦ θς τὸν πάντα λαόν.

ω. η. Τὸν ἐν ὄρει. ἀγίῳ δοξασθέντα.

Ὁ ἐξάγων. ἐκ θησαυρῶν ἀνέμους καὶ πηγάζων. ὑετοὺς
χειμερίους. ἐαρινὴν βροχὴν ἡμῖν κατὰπεμψον. κῆ τῆς δό-
ξης. ἵνα σε ὑμνοῦμεν. εἰς π:

Бжткѣное ткое пожеліе. болзноюции зема.
дожда проситъ ѡбѣлюе. да плодносащихъ хвалѣ
приноситъ ти нами рабы твоими:

Сътвориши бездноу нѣнаго дожда ѡкръза в мѣ-
рѣ. земаю свою напоити. не сберн ко всю. не
растакни созданіе свое ѡбѣлюе:

Ты водоу закахалъ еси ко ѡбалиѣ. и земаю напо-
наѣ еси тоуѣмн. бѣ миѡгомѣтѣ. твоимъ нѣтъ бѣго-
воленіемъ доуга явится. и дождь наводная земаю:

Веліе оутверженіе. и вѣрнымъ прибѣжище, бгѡграж-
денный грѣ твоѣ. всѣмъ ѡбѣлюиго, и настаиваѣ бѣ-
ды рабы своя оуцѣдри. и избави мѣткми си все-
нѣтаѣ гѣе вѣе.

Пѣ ε. Жко прѣка 'Іωн.

Смоуѣла шириноу морскзю. и ѡдождаѣ ѡ него
земаю. и бразды напоѣ. и исполни жита. да коз-
веселится сими косянѣи:

Да не ѣ каѣткою камъ воудн. нѣо мѣданое пре-
выше главы. аще и согрѣшихѡ. законѣ твоимъ. гѣ
земаю свою посѣти. наѡ посѣиоу на ницоу рабомъ
твоимъ ¹⁾.

Нѣмн тебѣ вси молимся. вѣѣ твои. оуцѣдри насъ
к бѡу. кнегда даровати. нѣбныѣ тоуѣ земаѣ:

Пѣ ζ. Іρμѡ. основавый земаю (sic).

Огнемъ гнѣва твоего. земаю понаѣ. коскорѣ
прсмѣниѣ нѣнѡю водѣ поноуѣмѣ бѣвѣ...

Нѣныѣ ѡкерзѣ хлѣбн. мѣрымъ ти ѣставиѡ. потреб-
ноу подаѣ же водоу земаи своѣй. бѣвенъ еси гѣ
бѣ.

Нстаѣла каѣла коѣны. дождѣ намъ поустн. нѣ-
ныѣ. снѣе цѣдриѣ. бѣвенъ бѣ:

Некоскрѣннаѣ ко истинноу застоуѣиѣ. оускорн
снѣи моѣи скоѣ. утѣѣ дѣо. ѡ соуѣниѣ скорѣи:

Пѣ η. Іρμѡ. Проклѣнаго на горѣ.

Извоѣѣ ѡ скровниѣ вихры и тоуѣ дождевныѣ.
зимныѣ и лѣтныѣ намъ поустн. гѣ славы. да тѣ
славыѣ к вѣн.

¹⁾ ВЪ Канѡниѣ 4-й тронарь 6-й песни: Телесемъ же н днѣмъ краѣ рождѣниѣ. болзныѣ разрѣшѣни днѣмъ
вѣдѣе. тѣмъ же и оуранѣе болзныѣ снѣ ѡбѣла. разрѣшиѣ молимся.

Ὁ ἐκ πέτρας. ὕδωρ πάλαι ἐκβλύσας. καὶ ποτίσας. διψῶντα. τὸν λαὸν σου. οὕτως καὶ νῦν σῆρ ἡμῶν κατὰπεμψον. ὕδωρ τῷ λαῷ σου. ἵνα σε δοξάζει εἰς π:

Κατηροῦσαν τὴν γῆν ἐξ ἀνομβρίας ἐπιβλέπων. ὠραίωσιν δι' ὀμβρων. ὅτι πάντα καλὰ λίαν τὰ ἔργα σου. καὶ τῆς δόξης. ἵνα σε ὑμνοῦμεν εἰς π.

φ. 222 об. Прὸ ἀνάρχου. σου τῆς μεῖζον ἀπάντων. μετ' ἀγγέλων. πανδημεὶ καὶ ἁγίων. λιτὰς ὑπὲρ ἡμῶν θῷ προσάγαγε. Δέσποινα τοῦ κόσμου. ἵνα καταπέμψῃ. ὕδωρ τῇ γῇ διψῶσαι:

Ω. Θ. τὸν προσὲληλωθεντα:

Ἐντειλαι νεφέλαις σῆρ ἡμῶν ὑπὲρ ἀνῶν. καὶ ἀνοίξας θύρας. τὰς οὐνίους ἐν τάχει. βρέξον ὕδωρ ἐπὶ τῆς γῆς σου σβεγγύων. τὸ τῆς ἀπειλῆς σου παμφαέστατον πῦρ.

Σὺ τὸν ὑετὸν κατασχῶν. τὴν γῆν κατεφλέξω. ἀλλὰ φεῖσαι καὶ. καὶ βρέξον ἐπὶ ταύτην. καὶ μὴ μίαμερις βραχέσεται μόνον. ἀλλὰ πᾶσαν ἀρδὴν ἐπευλόγησον:

Ἴδε ὁ θς ἐπὶ ἅπαντα τὸν λαόν σου. ἐπὶ βρέφῃ θηλάζοντα. νέους τε καὶ πρεσβύτες. κτήνη καὶ γῆς. τὸ ἀνάστημα ἅπαν. καὶ παρχιλησεὶς βρέξων βροχὴν ἐπὶ γῆς.

Στήσον τὴν ὀργὴν σου παιδεῦσας ἡμᾶς ἀξίως. τὸν γὰρ φόβον σου Δέσποτα. οἱ δοῦλοι σου λάβοντες. ἐμολογούμεν τὰς ἐντολάς σου φυλάσσειν. ἐλευθερωθέντες τῶν παρόντων δεινῶν.

Στήθι καὶ ἐξήλασαι ὑπὲρ ἡμῶν παρθένη. φυλ. 223. τὴν ὀργὴν ἐπίσχες. τῇ κραταιᾷ σου πρεσβείᾳ. ὅτι σὺ ἡμῶν καταφυγιὸν μέγα. ἐν ταῖς περιστάσεσιν ὑπάρχεις ἄγνη.

Ἐτερος κανὼν φαλλόμενος εἰς σεισμόν φερ. ἀκροστ. τὴν δε. ὧ χε τῆς γῆς, τὸν κλόνον παῦσον τάχος.

Ω. α. ηχ. πλβ. (6.) ὡς ἐν ἡπείρω πεζέ.

Ὡς φοβερά ἡ ὀργὴ σου. ἐξ ἧς ἡμᾶς. ἐλυτρώσω καὶ. μὴ συγχώσας ἐν τῇ γῇ ἅπαν τὸ ἀνάστημα ἡμῶν. εὐχαριστῶς σὲ διό. ἀεὶ δοξάζομεν.

Χαίρων ἡμῶν καθ' ἐκάστην. τῇ παντελῇ. διορουῶσαι Δέσποτα ὥσπερ φυλλὸν εὐτελές. διασείης ἅπασαν τὴν γῆν. εἰς τὸν φόβον σου πιστοῦς. στηρίζων καὶ.

Ῥῶσαι σειμοῦ βαρυτάτου. πάντας ἡμᾶς. καὶ μὴ ὤεις καὶ. ἀπολέσθαι παντελῶς τὴν κληρονομίαν σου. πολλοῖς. παροργίζουσιν κακοῖς. σὲ τὸν μακροθυμ.

Θ. Ικετικῶς σοι βοῶμεν. μῆρ θδ. τὰ συνήθει σπλάγγνα σου. ἐπὶ πόλον καὶ λαόν. συμπαιθῶς δεικνύουσα. σεισμοῦ βαρυτάτου καὶ φθορᾶς ἡμᾶς ἀπάλλαξον.

Из каменн древле водоу истощи. и напоиши жаждущах людн скоа. ѿ облакъ твоѣ водоу мироу истощи. г҃ѣ слава. да та славою въ вса вѣки:

Преже наущающе тебе боишъ всѣхъ со аг҃лы и съ вѣсми ст҃иши. молебъ приносаше. вѣдѣи мирѣ. да поуститъ водоу. земли жаждущей г҃же: ¹⁾

Пѣ Θ. Ирмѡ. прокленаго.

Заповѣжь облакомъ спсе нашъ прекише и ѿкрыши двери небуа въскорѣ. ожджи водѣ на землю твою. всесъживающии ѡгнь:

Ты оудержа дождь землю поплаха. по пощадн г҃и. и ожджи землю скою. да не едина тоуѣю члствъ нзмоуетъ. но всю напои мѣнимсѣ:

Козри бѣ на вса людн скоа. на младенци сосущах. на юныа же и старыа. и на скоты же и на землю. и на стажаніе всякое. оумѣрдисѣ бѣ. и поустн дождь на землю:

Востани и оумоли за ны вѣе. и гнѣкъ оудержи. крѣпкою мѣткою. яко ты наше приежище. веліе в напастехъ еси прѣтла:

Изъ Октябрской минеи XV — XVI в. моего собранія ²⁾ л. 175. 176.

Клиѡ троуеѣ г҃ла. ѡ. пѣ. а. Ирмѡ. како по соуху чодникъ.

Яко страшенъ гнѣкъ твои. ѿ него же насъ нзбавилъ еси г҃и. не погребѣ въ земли все движеніе наше. тѣ бл҃годарствено та прѣно слави:

Радоуисѣ нашею выноу конейноу исправленію вѣко. како же листъ хѣдъ колиблени всю землю. въ стрѣ твои вѣрныа оутверди г҃и.

Нзбави трѣса тяжкаго вѣѣ нѣ. и не дн же погнѣноути до конца наследію твоемоу. многими прогнѣваши та злыми. твоимъ долготерпѣніе:

Равьскы тебе кониѣ мѣи бл҃га обыныа мѣи твоа. на грѣ и людн. мѣткою показоуиши. троуеѣ тяжка. и тла нѣ нзмени:

¹⁾ Въ Канонникѣ 4-й тронарь: Небо и море, и облаци и воды нѣкъ земнымъ. мотъ оуставлются нмы ѡблнѣюще. жительство лоукакое. кже ветхия нзложивши кражды. средостеніе и оустамение.

²⁾ Въ рукописи Октябрской минеи 1096. г. и двухъ XIV в. Сын. Тин. Библиотеки сего канона нѣтъ; нѣтъ его въ минеи Октябрской XII в. съ крюковыми нотами Сын. Библ.

Ω. Β. ὅτι ἐγὼ εἰμὶ θς. ὁ μάννα.

Σείσας προσβλέψει σου. πᾶσαν τὴν γῆν παμβασιλεῦ. ἐνέβαλες εἰς φόβον η..... φυλ. 223 οβ. τὰς διανοίας. ἀλλ' ἄνες δέσποτα οἰκτίρμον τὴν ὀργὴν σου. μὴ δώσεις. παντελεῖ ἀφανισμῷ τὸν σὸν λαόν.

Τίς δυσωπείσῃ σε. ὑπὲρ λαοῦ παντοδαπῶν. αἰσχύνῃ ὀφλημάτων. αἰεὶ καλυπτομένου. καὶ ἀπολέσθαι προσδοκόντος τῇ ὀργῇ σου. ἐξ ἧς ἡμᾶς χε. τοὺς σοὺς οἰκέτας ἐξελοῦ.

Ἐδειξας τὸν φόβον. τὸν σὸν. χε τῇ φοβεῖᾳ. προσβλέψει σου σαλεύσας. τῆς γῆς τοὺς θεμελίους ἀλλὰ συνήθως πάλιν δεῖξον ἐλεήμων. τὸ ἔλεος τὸν σὸν. μὴ ἀπολλυμεῖθα δεινῶς.

Τίς ἄνευ σου μόνῃς. δύναται ἄχραντε ἀγνή. θν̄ ἀγανακτοῦντα. καθ' ἡμῶν καταλλάξαι. διὸ δυσώπει παναγία. παῦσαι τάχος. τὸν κλόνον τὸν τῆς γῆς. γεννόντα ὀλεθρον ἡμῖν.

Ω. Γ. οὐκ ἔστιν ἅγιος ὡς σὺ.

Ἡ γῆ μαστίζεται ἡμῶν. σερ̄ ἀμαρτανόντων. καὶ αἰεὶ τὴν ὀργὴν σου. συγχινοῦντων καθ' ἡμῶν. οἰκτίρμων παμβασιλεῦ. ἀλλὰ φείσαι δέσποτα τοῖς δούλοισ σου.

Συσσείσας κε τὴν γῆν. ἐστερεῶσας πάλιν. νουθετῶν ἐπιστρέφειν. τὴν ἀσθένειαν φ. 224 ἡμῶν στηρίζεσθαι ἐν τῷ σῷ θεῷ φόβῳ θέλων ὑπεράγαθε.

Γεννῶσας θάνατον πικρὸν καὶ σεισμοὺς βαρυτάτους. καὶ πληγὰς ἀνείκαστους ἀμαρτίας ἀδελφοί. ἐκφυγωμεν καὶ θν̄. μετανοίας. τρόπῳ ἐκμηλίζομεν.

Ἡ μόνῃ οὖσα ἀγαθὴ. τὸν πανάγαθον λόγον. ἐκτενῶς ἐκδυσώπει. τῆς παρουσίας τοῦ σεισμοῦ. ρυθῆναι πάντας ὀργῆς. θζε. ἄχραντε δεόμεθα.

Ω. Δ. (4). Χς μου δύναμις.

Σαλεύεις κε. τὴν γῆν βουλομενος. λογισμῷ ἀληθείας. πάντας ἡμᾶς. δέσποτα στηρίζεσθαι. σαλευομένους προσβολαῖς. τοῦ θολίου πολεμήτορος.

Τῇ θεῖᾳ νεύσει σου κλονεῖς τὰ σύμπαντα. καὶ δονεῖς τὰς καρδίας. τῶν ἐπὶ γῆς. κατοικοῦντων δέσποτα. τῆς οὖν δικαίας σου ὀργῆς. ἄνες κε. τὰ κύματα.

Οὐδ' ὅλως ἔχοντας. εἰς νοῦν τὸν φόβον σου. ἐκφοβεῖς τῇ κινήσει. πάσης τῆς γῆς. μόνε εὐσυμπάθητε. ἀλλὰ συνήθως ἐφ' ἡμᾶς. τὰ ἐλέη σου θαυμάστῳ σου.

Ναόν σε Δέσποινα. θδ̄ γινώσκοντες. φ. 224 οβ. ἐν ἀγίῳ ναῷ σου. χεῖρας οἰκτρὰς. αἰρομεν εἰς δέησιν. ἰδε τὴν κάκωσιν ἡμῶν καὶ παράσχου τὴν βοήθειαν.

Ω. Ε. Τῷ θεῷ φέγγει σε ἀγαθὲ.

Καὶ σὺ καρδίᾳ σεισθῇ νῦν. βλέπουσα θδ̄ τὴν ἀπειλὴν ἐπικειμένην καὶ βόησον. φείσαι τοῦ λαοῦ σου. Δέσποτα κε. καὶ παῦσον τὴν ὀργὴν σου. ὡς ἀπεράγαθος.

Λαόν καὶ πόλιν ἤνπερ τῷ σῷ. αἵματι ἐκτίσω ἰδ̄. μὴ παραδῶς εἰς ἀπώλειαν. ἐν τῷ συνταράσσειν. τὴν γῆν σεισμῷ φοβεῖῳ. χορὸς τῶν ἀποστόλων. καθ' ἑκαστου σε.

1) Л. 286 — 292. Земля оутверждается намиъ зѣ належащѣ. и прѣно гнѣкъ твои подкизающѣ на ны. цѣдре всѣхъ ирѣю. но поиради вѣко рабы твоѣ:

Потрѣсъ гѣ землю. оутвердѣлъ еси пакы. наклѣзѣ и ѡбрацѣлѣ немощѣ нашиѣ. оутвержѣтѣся твоимъ бжественнымъ страхомъ хотѣ прѣблѣти:

Рожѣшаго смѣръ горѣкѣю. и троусы тажкыѣ и извы нестерпимыѣ. грѣха братѣе оубѣжнѣмъ. и бгѣи покланѣѣ ѡбразъ прѣблѣнимъ:

Кѡ. ѣдина смѣи бгѣа прѣблѣгѣе слово оумолѣи прѣлѣжно. настоящаго трѣса всѣхъ ирѣблѣтѣся. и гнѣва. бгѣе унѣстаѣ молѣмъ.

Пѣ. д. ирѣмѣ. хс̄ миѣ силѣ бѣ.

Колѣблѣтѣся гѣ земно хотѣ. страхомъ (sic) истиннѣ. всѣхъ на вѣкѣ оутвержѣтѣ колѣблемыѣ прилогы мѣстнѣаго борѣа:

Кжѣтѣвнѣи мѣнокѣиѣи ти. движенѣи всауѣскаѣ. и оужасѣиѣ срѣѣа на землѣи жнѣжѣи вѣкѣ. прѣведѣаго оубо твоего гнѣва. ѡслабѣи гѣ волнамъ.

Нѣкѣкоже нѣжѣиѣи кѣ оумѣ страха твоего оустрашѣиѣи движенѣиѣи всѣа землѣа. еднѣе мѣтѣиѣ. но ѡбѣуно на нѣ мѣтѣ твою оуднѣи:

Ког. храмъ та вѣуѣе бгѣи вѣдоуѣе. кѣ стѣмъ храмъ твоѣ. рѣѣи неуѣиѣи движенѣи на мѣкѣ. вѣжѣ ѡзлѣблѣиѣи нѣиѣи и подѣжѣи помоѣиѣ.

Пѣ. е. ирѣмѣ. Бжѣиѣиѣи свѣтѣ.

И ты срѣе поколеблѣиѣи нѣиѣи. кнѣа кжѣиѣи прѣшенѣиѣи належаѣиѣи и возонѣиѣи. и поиради людѣи твоѣи гѣ. и оустѣиѣи прѣведѣиѣи гнѣкъ свое мѣлѣсердѣе (sic) (свои мѣлѣсердѣе.)

Людѣи и градъ. нѣе своею кровѣю стажа нѣе. не прѣданѣиѣи в погнѣсѣа. кѣ смѣуѣиѣи землѣи. троусомъ страшномъ лѣкъ антѣа молѣиѣи та.

1) Съ 3-й пѣсни до конца выписано изъ другой мѣсячной Октябрской минеи XVI в. моего собранія рукописе ѣ, за пропускомъ въ предыдущей.

Ὁ δοῦς σου Δέσποτα τὰς εὐθεῖς γνώμη ὑποκλίνοντες στρεβλή. εἰς ἀγανάκτησιν τρέπομεν. σε τὸν συμπαθῆ τε καὶ εὐδιάλλακτον. ἀλλ' ἔλεος οἰκτίρμον. γενοῦ τοῖς δούλοις σου.

Νῦν βοηθείας ἤλθεν καιρὸς. νῦν καταλλαγῆς ἡμέρα ἀγνή πρὸς τὸν ὄν σου καὶ κν'. τοῦτον ἐκδυσώπει. προσκεκρυχότας αἰεὶ. νῦν τῆς ἐπικειμένης. ὀργῆς λυτρώσασθαι.

Ω. ε. Τοῦ βίου τὴν ο.

Οὐκ ἔχοντες δέσποτα. παρρησίαν δυσωπεῖν. οἱ ταπεινοὶ τὸ ὕψος σε. τοὺς ἐκλεκτοὺς ἄγγελους σου εἰς θερμὴν. καινοῦμεν παράκλησιν φυλ. 225. δι' αὐτῶν τῆς οργῆς σου. ἐξελοῦ ἡμᾶς.

Νῦν ἔγνωμεν καὶ. ὡς ἠβέλησας ἡμᾶς. καὶ ὁδοῦ σου νέχσας ὑπὸ τὴν γῆν συμπτώμασι χαλεποῖς. πολλὰ πλημμελήσαντας. εὐχαρίστως διό σοι. νῦν πρὸςπίπτωμεν.

Προστάγγεις σαλεύεσθαι. τὸ θεμέλια τῆς γῆς. ὅπως ἡμεῖς παυσόμεθα. οἱ ταπεινοὶ σαλεύεσθαι ἀρετῶν. τῆς κρείττονος στάσεως. καὶ τῷ φόβῳ σου λόγε. νῦν στηρίζεσθαι.

Ἀγία θεόνομφε. ἀπορούμενον νυνί. τὸν σὸν λαὸν οἰκτεῖρισον. καὶ μριχαῖς πρεσβείαις τὴν καθ' ἡμῶν. θῷ ἀγανάκτησιν. μεταποιήσον τάχος. δυσωπῆμέν σε.

Ω. ζ. Δροσοβόλον μὲν. Ὑπερύμνητος εἰ καὶ μακρόθυμε. ὅτι οὐκ ἐθανάτωσας. τοὺς οἰκέτας σου. σπαραγμῷ καὶ κλόνω φοβερῷ. τῆς γῆς ἀλλ' ἐφόβησας ζητῶν. τοῦ ἐπιστρέφαι νῦν πρὸς σε καὶ ζῆσαι πάντας ἡμᾶς.

Στεναγμὸν ἀπὸ καρδίας ἀναπέμψομεν καὶ δάκρυα προχέωμεν. ὅπως ἔλεον. τὸν δεσπότην ἔξωμεν χν'. τοῦ σῶσαι καὶ νῦν πάντας ἡμᾶς. δια πληθὺν ἀμαρτιῶν. ἐπασπειλοῦντα δεινῶς.

φυλ. 226 οβ. Οἱ πιστοὶ δεῦτε καὶ κλαύσωμεν καὶ χεῖρας ἐκπετάσωμεν πρὸς τὸν θν' τὸν ὕψιστον. καὶ παυσόμεθα. τοῦ λοιποῦ ποιεῖν τὰ πονηρά. Ἰδοὺ ὁ σῆρ ἀγανακτῶν. σαλεύει ἅπασαν τὴν γῆν. στηρίζαι θέλων ἡμᾶς.

Νεῦσον ἄχραντε σωθῆναι τοὺς οἰκέτας σου. ἀφανισθῆναι μέλλοντας. ἐν ὀργῇ θῷ. καὶ θυμῷ μεγάλῳ καὶ φρικτῷ. τῆς νῦν ἐπελθούσης ἀπειλῆς. διὰ τὸ πλῆθος. τῶν πολλῶν. ἀμαρτημάτων ἡμῶν.

Ω. η. Ἐκ φλογὸς τοῖς ὁσίοις:

Τῆς δικαίας σου ταῦτης. ὀργῆς. φιλαν. ἐπελθούσης ἀθρόον. συνεταράχθημεν καὶ ἀπελπισμῷ. παντελεῖ συνεσχέθημεν πρὸς ἀγανακτοῦντα ὀρᾶντες καθ' ἡμῶν σε.

Ἀνατείνομεν χεῖρας πιστοὶ καὶ ὄμματα. πρὸς τὸν μόνον δεσπότην. σώζειν δυνάμενον. κράζοντες χε. τὸν θυμὸν σου ἀπόστρεψον ἀφ' ἡμῶν τάχως. φιλάτῳς ὑπάρχων.

Χιλιάδες ἀγγέλων. μαρτύρων σύλλογος. προφήτων, ἀποστόλων. ὁσίων ἱεραρχῶν. ἅγιος χορὸς. ἱκετεύει σε δέσποτα. φεῖσαι τοῦ λαοῦ σου. τοῦ τεταπεινωμένου.

Ω ποιη (sic) твои нравы. нравомъ оуклоньшеся. разъвращеномъ. в негодованіе преложихомъ та мѣтн-каго. но щедръ (sic) бѣди твоиъ рабомъ.

Бог. Пѣ помощи приде время. нынѣ пренѣненіе потреба ѹтѣла. къ сѣбѣ твоемоу и бѣж. како да оуцредитъ. съгрѣшшаа ны и пажецаго гнѣва избави.

Пѣ. ε. приѡ. житиѣскаго моря.

Не имѣиѣ вѣко. дерзновеніе молити. смѣреніи высотѣ твоеи. избраниа агѣлы твоя. къ теплоу подвижаемъ мѣтѣж. тѣ ради гнѣва твоего взми нѣ.

Нинѣ познахомъ гѣ. како въсхотѣлъ еси нѣ. и никакоже покрѣи еси нѣ по землю. согрѣшеніи лютеми. много та вѣгодно слажимъ.

Повелѣаеши колебатиѣ ѡснованіемъ земли. како да мы престанемъ смѣреніи колебатѣ. и добродѣтели логѣшиа столпиа. и страхѡ ти словеса оутвердима.

Бог. Стѣла вѣгнѣеѣсто недоумѣнныа нѣи люди оуцредити. и матерними мольбами. иже на ны бѣѣе негодованіе. претвори въскорѣ молимъ та.

Пѣ. ζ. приѡ. Хладодавиѣ оубо.

Пренѣтъ еси гѣ долготерпеливе. како не оумориа еси рабы твоя. колебаніемъ и трѣсомъ страшиныа земли. но оустраниа еси неки ѡбратитиѣ ѡ золь. и жити всѣмъ намъ.

Стенаніе ѡ сѣиѣ въспоуцанимъ. и слезы пролиѣ како да матѣва вѣко (sic) ѡбратиѣ хѣ. съкроушнѣти хотѣиѣ троуѣѡ всѣ нѣ. за множеніе грѣховъ прѣтаѣи нѣ.

Оубы зовемъ и роуѣ въздѣжѣ къ бѣж вышнемуу. и престанемъ проуѣе творити злое. се сѣсъ негодѣа колеблетъ всю землю. оутвердити хотя плѣ:

Бог. Призри ѹтѣла и снѣтисѣ поюиѣи та. потребитиѣ хотѣиѣ въ гнѣвѣ бѣѣи. и кростію великою и страшною. нѣи нашедшаго прѣнѣнѣа. за множество прѣгрѣшеніи многыи нѣи.

Пѣ. η. приѡ. Не намери стѣ.

Праведномъ семъ гнѣвѣ ѹбѡмоуѣ. нашедшю кнѣзанѣ سموутихомъ. и нехланиѣмъ консуны ѡбрати быхѡ. къ негодованиемъ на ны граѣе тебѣ.

Възѣѣи рѣиѣ вѣрныи ѡуи. къ единомъ вѣиѣ. сѣии моуѣиѣмоу. зовѣиѣ хѣ. крость скою возврати ѡ плѣ въскорѣ ѹбѡмоуѣ сы.

Тисѣиѣ агѣла. мѣиѣ съсловіѣ. прѣѣкѣ мѣла. прѣѣнѣи стѣла. стѣи лиѣкѣ молитѣ та вѣко. поѣиѣи люди твоя смѣренныа.

Ο γινώσκων οἰκτιρῶν. τὸ ὁσθενὲς ἡμῶν. φ. 226. καὶ εὐόλισθον παντί. καὶ ἀδιόρθωτον. ἄνες τὴν ὀργήν. καὶ τὸν τάραχον κόπασον. καὶ τῷ σῶ ἐλέει. οἰκτείρισον τὸν κόσμον.

Συμπαθεῖς θεῷ. τὸν εὐσυμπάθητον. ἡ τεκοῦσα σρᾶ. ἴδε τὴν χάκωσιν. καὶ τὸν στεναγμὸν. τοῦ λαοῦ σου καὶ τάχυνον. τοῦ παρακαλέσαι. ἡμᾶς οἰκτερισθῆναι.

Θ. Φ. ΘΥ ἄνους ἴδεῖν ἀδύ

Ἰδοῦ. οἱ πάντες ἡμεῖς ἡμάρτωμεν. καὶ φοβερώς. ἡ γῆ μὴδὲν σφαλῆσα κολάζεται. νοθετῶν γὰρ ἡμᾶς ὁ φιλάνοσ ὅλην αὐτὴν σαλεύει. λάβωμεν αἰσθησιν. καὶ τῆς σρῖας ἐαυτῶν ἐπιμελωμεθα.

Ὡρῶν. καὶ χρόνων ὑπάρχων κσ. μιᾷ ῥοπῇ. ἡθέλησας ἐκτρίψαι τοὺς δούλους σου. ὑπὸ δὲ τῆς πολλῆς εὐσπλαγχνίας σου. Δέσποτα παρεκλήθης. εὐχαριστῶμέν σοι. οἱ ὄναπολόγητοι ἡμεῖς. μόνε φιλάνθρωπε.

Σεισμοῦ. μαχαίρας πικρὰς ἀλώσεως καὶ ἐθνηκῆς. χεῖ ἐπιδρομῆς καὶ συμπτώσεως. καὶ λιμοῦ λοιμοῦ τε καὶ κακώσεως. πάσης ζάλης οἰκτιρῶν. ῥῦσαι τὴν πόλιν σου. ἅπασαν τε χώραν τὴν πιστῶν. ὑμολογοῦσαν σε.

Ἡ γῆ ἀγλαῶσως βοᾷ στενάζουσα. τί με φ. 226 οβ. κακοῖς. μιαίνεται πολλοῖς πάντες ἄνθρωποι. ὑμῶν γὰρ ὁ κσ φειδόμενος. μόνην ἐμε μαστίζει. λάζεται αἰσθησιν. καὶ ἐν μετανοία τὸν θυ. ἐξῆλεώσασθαι.

Φθορὰν τὸ τίχτειν μὴ ὑπομείνας καταφθορᾶς. παρθένε ἐξελοῦ ἡμᾶς ἅπαντας. καὶ σεισμοῦ βαρυτάτου καὶ θλιψεως. πάσης σου. τὴν ἀγαπάτησιν. σου ταῖς μριχαῖς ἰκεσίαις. θεοχαρίτωτε.

φυλ. 171 οβ. Τῷ σαββάτῳ ὁψέ. κανὼν παρακλητικός τῆς ὑπὲρ ἀγίας θεοῦ. Θ. α. η. πλδ. (8)

Υγρᾶν διωδύσας ὡσεὶ ξηρὰν. καὶ τὴν.

Πολλοὺς συνεχόμενος πειρασμοῖς. πρὸς σὲ καταφεύγω. σρῖαν ἐπίζητῶν ὧ μέρ τοῦ λόγου καὶ παρθένε. τῶν δυσχερῶν καὶ δεινῶν διάσωσον.

Νοσοῦντα τὸ σῶμα καὶ τὴν ψυχὴν. ἐπισκοπῆς θεῖας καὶ προνοίαν τῆς παρὰ σου. εἰρήνευσον κόρη τῇ γαλίνῃ τῇ τοῦ βιοῦ καὶ θυ σου πανάμωμε.

Σρᾶ τεκοῦσαν, σε καὶ θυ. δυσωπῶ παρθένε. λυτρωθῆναι με τῶν δεινῶν. σοὶ γὰρ νῦν πρὸςφεύγων ἀνατείνω. καὶ τὴν ψυχὴν καὶ τὴν διάνοιαν.

Παθῶν με τυχάττουσιν προσβολαί. πολλῆς ἀθυρίας. ἐμπιπλῶσαι μου τὴν ψυχὴν. εἰρήνευσον κόρη τῇ γαλίνῃ τῇ υἱοῦ καὶ θυ σου πανάμωμε.

Θ. Γ. Οὐνιῆς ἀψίδος.

Προστασίαν καὶ σκέπη. ζωῆς ἐμῆς τίθημι. φυλ. 172. σὲ θεογεννητορ μαρία. σίμε κυβέρνησον. πρὸς τὸν λιμένα σου. τῶν ἀγαθῶν ἡ αἰτία. τῶν πιστῶν τὸ στήριγμα μόνη πανάχραντε.

Вѣднъ предре немощь нашоу. ѿ поползновенное всахъскы. ѿ несправленное. ѿслаки гнѣвъ ѿ смолъщеніе оутиши. ѿ твоєю млтїю оуцедриши мнѣ.

Бог. Млтваа бже. ѿже млтваго рожьшии спса. вижѣ ѿзловленіе. ѿ въздыханіе людїи твои. ѿ оускори оумолити. оуцедрити ны.

Пѣ. Ф. нрмѡ. Бга хлѡ не оудѡ.

Се вси мы съгрѣшихѡ. ѿ страшно. оубо земаа не съгрѣшен мѣхѣса. наказжа бо нл хлѡлюбець. всю ю колъбаеть. прїимѣ уювство ѿ ѿ спсенїи твоѣ повецѣмьса.

Уасомѣ ѿ лѣтомѣ сы гѣ. въ мьгновенїи ѡка въсхотѣ стерти рабы своа. многы же мѣрднемѣ си влѡ возбраннаса еси. бл҃годаримѣа безѣѡветїи ны, едниа хлѡлюбѣе.

Трѣса мѣа горѣла оубїенїа. ѿ изыкъ хе нѣшесткїа ѿ паденїа. ѿ глада ѿ погжы ѿ ѿзловленїа. всакого нного предре. нзбави глѣ свон. всахъ же страши върою нѣснослакаѣмїю тлѣ.

Земаа безѣ изыка конїеть стѣнюци, поутѡ ма злыми ѡскернаете многыми хлѣци. ѿ влѣ влѣа прада. едниа мене оуказваеть. прїимѣте уювство ѿ покланїемѣ бга оумолите.

Бог. Тлѣ въ рожѣствѣ не прїемини тлѣнїа дѣо нзмѣни нл ксѣ. ѿ трѣса тлѣа ѿ нечлѣн оуставляющїи. влѣнѣаго негодѡванїе. твоимѣ мтрїи прѣмѣненїе в҃горадованїа.

Изъ Часослова Моск. Синод. Типгр. Библиотеки № 28. XIII — XIV в. л. 95 — 99.

Пѣ а. ермѡ. Воду прошедѣ ѿко по сѣху... ¹⁾

Многими одержимъ нѣмѣстными б тебѣ прїѣгаю снѣмѣа нрѣа ѡ мтїи словеси прїснодѣаа. бесконечныхъ зомѣ снѣмѣа:

²⁾ Слѣ тнѣ. Въ скорби ма сѣмѣа. ѿ въ тѣзѣ. по същенїа бнѣа. помѡщи твоѣа...

Стрѣти сѣмѣмѡть ма ѿ прѣлози многа оуныныа ѿспомнають ми дїю. оумири дѣѣ твоинною снѣа ѿ бга непорѡчнѣа:

Пѣ г. ермѡ. нѣнѡмѣу крѣху...

Помѡженѣа бнѣа. кровѣ животѣ нѣмѣмѣа тлѣ бже дѣо ты мене оуираки нл прїстѣннѣе си. виныа бл҃гнѣмѣа сѣщен оутверженїе. едниа прѣмѣтаа:

¹⁾ Предѣ тропарями замѣчено: Снѣмѣ стихомѣ весь канѣнѣа зѣмѣаа: Глѣ оуслѣннѣа млтѣу мѡю егда молюса к тебѣ

²⁾ 3-й по Славянски есть, но не тотъ.

Ἐυεργέτην τεκούσα, τὸν τῶν καλῶν αἵτιον τῆς εὐεργεσίας τὸν πλοῦτον, πᾶσιν, ἀναβλυσον, πάντα γὰρ δύνασαι ὡς δυνατόν ἐν ἰσχύϊ, τὸν γν' κυήσασα, θεομακάριστε.

Χαλεπαῖς ἀρρωστείας, καὶ νοσηροῖς πάθειν, ἐξεταζομένῳ παρθένε, σύ μοι βοήθεισον, τῶν ἱαμάτων γὰρ, ἀνελ-
λιπῇ σε γινώσκω, θησαυρὸν ἀσύλητον, καὶ ἀδαπρόνητον.

Ἰκετεύω παρθένε, τὸν ψυχικὸν τάραχον, καὶ τῆς ἀθυ-
μίας τὴν ζάλην, διασκέδασαι μὲν, σὺ γὰρ θεόνομυρε τὸν
ἀρχηγὸν τῆς γαλίνης, τὸν γν' ἐκύησας, μόνη πανήμνητε.

Ω. Δ. Ἐισακήκοα κῆ, τῆς οἴκο:

Τῶν παθῶν μου τὸν τάραχον, ἢ τὸν κυβερνήτην, τεκοῦ-
σα κν', καὶ τὸν κλύδωνα κατεύνασον, τῶν ἐμῶν πταισ-
μάτων θεονίμψευτε.

Ἐυσπλαγχνίας τὴν ἄβυσσον ἐπικαλουμένῳ φυλ. 172 об.
τῆς σῆς παράσχου μοι, ἢ τὸν εὐσπλαγχτὸν κυήσασα, καὶ
σῶ πάντων, τῶν ὑμνοῦντων σε.

Ἀπολαύοντες πάνταγνε, τῶν σῶν δωρημάτων, εὐχαρηστήριον, ἀναμέλπομεν ἐφ' ὑμνιον, οἱ γινώσκοντες σε, θεο-
μήτορα.

Οἱ ἐλπίδα καὶ στήριγμα, καὶ τῆς σῆς τεῖχος ἀκρόδαντον, κεκτημένοι σε πανύμνητε, δυσχερίας πάσης ἐκ-
λυτρούμεθα.

Ω. Ε. Φώτισον ἡμᾶς.

Ἐμπλησον ἀγνή, εὐφροσύνης τὴν ζωὴν ἡμῶν, τὴν σὴν
ἀκήρατον διδοῦσα χαρὰν, τῆς εὐφροσύνης, ἢ γεννήσασα
τὸν αἵτιον.

Λύτρωσαι ἡμῶς, ἐκ κινδύνων θῆε ἀγνή, ἢ αἰώνιον τε-
κοῦσα λύτρωσιν, καὶ τὴν εἰρήνην, τὴν πάντα νοῦν ὑπε-
ρέχουσιν.

Λύσον τὴν ἀχλὺν, τῶν πταισμάτων μὲν, θεόνομυρε, τῷ φωτισμῷ τῆς σῆς λαμπρότητος, ἢ φῶς τεκούσα τὸ
θεῖον καὶ προαιώνιον.

Ἰαται ἀγνή, τῶν παθῶν μου τὴν ἀσθενειαν, ἐπισκο-
πῆς σου ἀξιάσασα, καὶ τὴν ὑγείαν, ταῖς πρεσβείαις σου
παράσχου μοι.

φυλ. 173. Ω. Ε. Τὴν δέησιν ἐκχεῶ.

Θανάτου καὶ τῆς φθορᾶς ὡς ἔσωσεν, ἑαυτὸν ἐκδεδοικῶς
τῷ θανάτῳ, τὴν τῇ φθορᾷ, καὶ θανάτῳ μου φύσιν, κα-
τασχεθεῖσαν παρθένε δυσώπησον, τὸν κν' σου καὶ ὦν, τῆς
ἐχθρῶν κακουργίας με ῥύσασθαι.

Προστάτην σε τῆς ζωῆς ἐπίσταμαι, καὶ φρουρὰν ἀσφα-
λεστατὴν παρθένε, καὶ πειρασμῶν, διαλύουσιν ὄχλον, καὶ
ἐπηρείας δαιμόνων ἐλαύνουσιν καὶ δέομαι διὰ παντὸς, τῶν
παθῶν μου ρυσθῆναι πανάχραντε.

Ὡς τεῖχος καταφυγῆς κεκτῆμεθα, καὶ ψυχῶν σε παν-
τελεῖ σῶσαν, καὶ πλατυσμὸν, ἐν ταῖς θλίψεσι κόρη, καὶ
τῷ φωτί σου ἀεὶ ἀγαλλόμεθα, ὦ δέσποινα καὶ νῦν
ἡμῶς, καὶ παθῶν καὶ κινδύνων δι᾿ ἡμῶν.

Слѣ. ѿ нѣ. Лютымн недѣгн. и болѣзнымн стрѣтнмн
пстазанемѣ. ты мнѣ помози. ищеленне бо неоскудно
та знающе. и скровниче прѣтѣх неензлаемою. (sic).

Молютиса дѣце. днѣноу смѣшене. и оуныныа
всакѣ молвѣ ѿгнати ми бѣнекѣстнаа. нзлаинка ти-
шннѣ хѣ родила иси. бѣблѣнаа.

Пѣ. д. ермѣ. оуслышахъ гн смотр...¹⁾.

Стрѣтн мѡнхъ молвѣ. рѡжышнѣ кормьунѣ гѣ. смѣ-
шенны оутолн грѣховъ мѡнхъ. бѣнекѣстнаа

Млрѣдѣа безднѣ прнзываети поданже ми. рѡжы-
шнѣ мнлосердаго хѣ снѣа и гѣ. ксѣмъ поющнмъ та.
3-й тропарь, котораго по Гречески, нѣтъ, такъ
начинается по Славянски: На ложн грѣховнѣмъ.
слежѣа ма...

Пѣ. е. ермѣ. Проскѣти насъ...

Исполни утѣа. весельѣа жнкотъ нашѣ. твою днѡ-
щи неаѣннѣю радостъ. рѡжышнѣа весельѣа сѣмѣаго
вннѣ:

Избави насъ молкѣми си бѣнекѣстнаа рѡжышнѣа вѣуѣ-
ноуе нзбавѣенне. и мнра всакѣ оуѣмъ пренмѣѣаго.

Ищѣли утаа стрѣтн мѡнхъ нзънемаганне. носѣ-
шеннеми си оуѣжышнѣ рѡжышнѣа свѣтъ бѣн прѣкѣу-
нны:

Пѣ. ε. ермѣ. Млѣкѣ си пролюю...

Смѣтн и таа. иегда снѣе (sic) сам са нзлакъ на
смерть. в неаѣннѣ смѣтнѣ. внѣа моуе иѣстьство нѣо
вннѣ. мѣли днѣе снѣа и гѣ. злѡбѣа вѣжѣа нзбѣ-
внѣ ма.

Застѣнннѣю та свѣмѣ жнвѡтѣ. и храннѣннѣю
тврѣдѣ днѣе. нѣаѣстн растѡуѣннѣ и молкѣ. нзлѡгы
вѣспнѣа проганнѡщн. молютиса прнсно. ѿ стрѣтн
нзбави ма прѣтѣа.

Еѣко стѣнѣ и прнѣжнѣннѣ нѣамѣ. днѣамъ свѣрнѣ-
ноуе снѣнѣе и оуѣтѣхъ вѣ скорѣсхъ дѣамъ. и свѣтомъ ти
прнсно веселнмѣа. о вѣѣе нѣнѣ ѿ стрѣтн и вѣдѣ
свокодѣ:²⁾.

¹⁾ Прмосы въ Славянскимъ переводѣ здѣсь все сполна написаны.

²⁾ По 6-й пѣсни написанъ Кондакъ, какой положенъ на усненіе Божіей Матери.

Ἐν κλίνῃ νῦν ἀσθενῶν καταπείμαι. καὶ οὐκ ἔστιν ἴασις τῇ σαρκί μου. ἀλλ' ἡ θῦ. καὶ σῶα τοῦ κόσμου. καὶ τὸν λυτῆρα τῶν νόσων κυήσασα. σοῦ δέομαι τῆς ἀγαθῆς. ἐκ φθορᾶς νοσημάτων. ἀνάστησον.

Ω. ζ. Οἱ ἐκ τῆς Ἰουδαίας.

Τὴν ἡμῶν σῶϊαν. ὡς ἠθέλησας σῆρ. οἰκονομίσασθαι. ἐν μήτρα τῆς παρθένου κατώκισας τοῦ κόσμου. ἦν προστάτην φυλ. 173 οβ. ἀνέδειξας. ὁ τῶν πρῶν ἡμῶν.

Θελητὴν τοῦ ἐλέους. ὃν ἐγέννησας λόγον νῦν ἐκδησώ-
πησον. ῥυσθῆναι τῶν πταισμάτων. ψυχῆς τε μολυσμά-
των. τοὺς ἐν πίστει κραυγαζοντας. ὁ τ.

Θησαυρὸν σῶϊας. καὶ πηγὴν ἀφθαρσίας. τὴν σε κυήσασαν. καὶ πύργον ἀσφαλείας. καὶ θύραν μετανοίας. τοῖς
κραυγάζουσιν ἔδειξας ὁ τ.

Σωμάτων μαλακίας. καὶ ψυχῶν ἀμαρτίας θεογεννήτρια
τῶν πίστει προσιόντων. τῇ σκέπῃ σου παρθένε. θεραπείας
ἀξιώσον. ἢ τὸν σῶα χῦ. ἡμῖν βλαστήσασα.

Ω. η. Τὸν βασιλέα τοῦ οὐρ...

Τῆς βοηθείας τῆς παρὰ σοῦ δεομενους. μὴ παρίδης
παρθένε ὑμνοῦντας. καὶ ὑπερυψοῦντας εἰς π.

Τῶν ἱαμάτων τὸ διαφιλές. ἐπιχέοις. τοῖς πιστῶς ὑμ-
νοῦσιν σε παρθένε. καὶ ὑπερυψοῦσι τὸν ἄχραντον σου τό-
κον.

Τὰς ἀσθενείας μου τῆς ψυχῆς. ἱατρέυοις. καὶ σαρκὸς τὰς ὀδύνας παρθένε. ἵνα σε ὑμνοῦμεν. εἰς π.

Τῆς σῶϊας τὸν ἀρχηγόν. ἢ τεκοῦσα. τὸν χῦ διασώζοις παρθένε. τοὺς σὲ ἀνυμνοῦντας.

φυλ. 174. Τῶν πειρασμῶν σὺ τὰς προσβολὰς ἐκδιώκοις
καὶ παθῶν τὰς ἐφόδους παρθένε. ὅπως σε ὑμνοῦμ.

Ω. θ. Κυρίως θῶον:

Ροήν μου τῶν δακρύων. μὴ ἀποποίησης. ἢ τὸν παν-
τὸς ἐκ προσώπου πᾶν δακρύον. ἀφηρηκότα παρθένε. χῦ κυή-
σασα:

Χαρᾶς μου τὴν καρδίαν. πλήρωσον παρθένε. ἢ τῆς χα-
ρᾶς δεξαμένη τὸ πλήρωμα. τῆς ἀμαρτίας τὴν λύπην ἐξα-
φανίσασα:

Λιμὴν καὶ προστασία. τῶν σοὶ προσφευγόντων γενοῦ παρθένε καὶ τεῖχος ἀκράδαντον. καταφυγὴ τε καὶ σκέπη.
καὶ ἀγαλλίαμα.

Φωτὸς σου ταῖς ἀκτίσι. λάμπρυνον παρθένε. τὸ ζοφερὸν τῆς ἀγνοίας διώκουσα. τοὺς εὐσεβῶς θῶον. σὲ κα-
ταγγέλλοντας.

Κακώσεως ἐν τόπῳ. τῷ τῆς ἀσθενείας. ταπεινωμένον
παρθένε θεράπευσον. ἐξ ἀρρωστίας εἰς ῥῶσιν. μετακπευά-
σασα.

Пѣ. ζ. крмѡ. Пже ѿноудѣи.

Наше сїсєныє. ꙗко же вѣсхотѣ снїсє. к урєво
дѣїѣ всєлнєса. всємꙋ мнрꙋ показѣ ѡѣѣ.

Колнтелѣ матї. ꙗго же родн мѣи пынѣ оꙗмоан
ꙗго. нзбавннѣ ма грѣха. дшїєныѣ скєрны. вѣрно во-
пнꙋѣи оїѣ н:

Тєлєсныѣ болєзнї. н дшїєкныѣ грѣхн. бѣ порожѣ-
шнѣ. лꙋбєкꙋю подѣ крокѣ тн прнстꙋпаємѣ двѣѣ.
нїѣлєкныѣ сподєбн. прѣзакннѣ нмѣ снїє хѣ н гѣ.

Пѣ. η. крмѡ. Црѣѣ нєїѣаго....

Помοцн ѡ тєбє трєбꙋѣмꙋ. нє прєзрн клѣѣцє.
поѣмѣѣ тѣ. н прєкѣзнєсѣмꙋ хѣ вѣ вѣкн:

Нїѣлєкныѣ нєоскꙋдно нзлнκѣєшн, вѣрно вопнꙋ-
ѣм тн дѣїє. н прєкѣз:

Нѣпѣстннѣ прєлєгн ѡ гєнннн. н стѣтннѣ трѣдѣ
тѣм тѣ нєсєм. ѣтѣѣ вѣ вѣкн бєсѣ:

Пѣ. θ. крмѡ. Кѡ нстннꙋ. вїѣю...

Тѣкѣ слєзѣ мѣнѣ нє ѡκратнєса. ꙗже ѡ всѣκѣго
лнѣѣ. всѣκꙋ слєзꙋ ѡннѣѣѣ дѣїє гѣ плѣтꙋю порожѣ-
шнѣ....

Рѣдѣстн срїѣ мѣє нспѣлнн дѣїє. прнннмнє нспѣл-
нєныѣ рѣдѣстн. н грѣхѣкнꙋю нєꙋѣлѣ потрєблꙋѣи...

Вѣ мѣстѣ ѡзлѣєннѣ нємѣцнѣѣ нєцѣлн дѣїє нз
нєздѣкнѣ вѣ здѣкнѣ прєтѣκлꙋѣи....

Чтєнїє н ѡбѣѣснєнїє сннмѣѣ.

Κανόνες διάφοροι εἰς διάφορους ὑπόθεσεις. Κανὼν ψαλλόμενος εἰς ὑποτακτικὸν μοναχῶν. ὠδὴ ἁ. ἥχος πλβ.
(6). Βοηθὸς καὶ σκέπης....

Τῆς ζωῆς τῷ ἀρχιγῶ. καὶ τοῦ θανάτου τῷ καθαιρέτῃ. ἄσμεν ὠδὴν νῦν ἰκέσιον τοῦ κεκοιμημένου. ἀδελφοῦ
ἡμῶν πιστῶς. τελοῦντες ἐπιτάφιον.

Заставки, заглавныя буквы, буквы изъ заглавій. Азбука изъ заглавій и скорописная.

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ τῇ κυριακῇ. ἐσπέρας παρθένε, ἀχροστιχίς. ὑπερ. ἕτερος κανὼν, πα-
ρακλητικὸς τῆς ὑπερ. Θεοφάνους, κλημεντου στουδίτου. ὁ προφήτης. πνεύματος. θεοτόκε. μητὴρ σταυροθεοτόκιον.

Буквы въ соединеніи съ другими: α.) μεγαλεία. σεσαρκωμένω. ε) ικετεύειν. οίκέταις εξομαλίζουσα θλί-
φει ἐγγίζεις. ν) διευθύνεις ζωὴν αἰτουῦντων. γ) ἄγνε κραυγάζομεν. ἀναγαγοῦσα σ) καταισχυνθείημεν τ) φυλάττεις.
Ιωσηφ.

л. 257. Чтеніе записи писца: Ἐτελέσθη τὸ παρὸν τοῦτο βιβλίον τὸ ἔχον τοὺς κανόνας τῆς ὑπεραγίας θε-
οτόκῃ τῶν ἀπὸ δειπνίων τῆς μόνης τοῦ βατοπαιδίου, διὰ χειρὸς ἰωάννου ἐλαχίστου μοναχοῦ τῆς μόνης τοῦ ἁγίου
καὶ πανευφήμου ἀποστόλου καὶ εὐαγγελιστοῦ Ἰωάννου τοῦ θεολόγου. προστάξει τοῦ ἁγιωτάτου καθηγουμένου κυρ.
ἀθανασίου αὐτῆς μόνης τοῦ γέρωντος ἔτους 487 λ. (1022). Οἱ οὖν ἀναγινώσκοντες εὐχεσθε ὑπὲρ ἐμῆ διατόν κύριον.

XI) Сборникъ житій святыхъ и похвалыиыхъ имъ словъ.

Писанъ на пергаминахъ скорописью 1022 года въ два столбца Θεοφаномъ на 369-ми листахъ.
Внизу 2-го листа подписано: Арсеній κτ. (23) τῶν ἱερῶν. Житія и слова въ семь сборникъ заклю-
щіяся слѣдующія:

л. 1—6 β'. Θεοφάνη καὶ ἀρχιεπισκόπου καισαρείας καππαδοκίας, ἐξηγήσεις εἰς τὸ προσίμιον τῆ κατὰ λουκᾶν
ἁγίου εὐαγγελ. καὶ εἰς τὴν σύληψιν τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προδρόμου.

Начало: Χαίρετε ἐν κῶ μετὰ τῆς θείας σάλπιγγος καγὼ σήμερον ἀδελφοί φθέγγομαι. У Фабриція въ X.
томѣ на этотъ день нѣтъ сего слова.

β'. Сент. κτ. 6 β'—11 об. β'. Φωτίου πατριαρχῆς κωνσταντινουπόλεως ἐγκώμιον εἰς τὴν ἁγίαν πρωτομάρτυρα θέκλαν.

Начало: Θέκλῃς ἡ μνημὴ τῆς πρωτομάρτυρος γυναικῶν μὲν ὑπάρχει καλλώπισμα. У Фабриція въ X томѣ
на этотъ день нѣтъ сего слова:

Γ. Μην. Σεπτ. φ. 11 α.—50 об. α. Περίοδοι, ἧτοι θαυμάτια τῆ ἁγίου τῆ θεολόγῃ συγγραφεῖσαι παρὰ μα-
θητῶν αὐτοῦ ἐνὸς τῶν ἐπτὰ διακόνων. ἀνεψιοῦ στεφανοῦ τοῦ πρωτομάρτυρος.

Начало: Ἐγένετο μετὰ τὸ ἀναληφθῆναι τὸν κν̄ ἡμῶν ἰν χν̄. У фабриція замѣчено, что только начало
сего житія издано было. Теперь же оно будетъ въ 1878 году издано все съ различіями изъ двухъ
рукописей, XI—XII и XII—XIII в. Обществомъ любителей древней письменности.

Δ. (4). Οκτωβρίω ε. φ. 50. об. β. — 57. Πρόξις τοῦ ἁγίου Αποστόλου Θωμᾶ.

Начало: Κατὰ τοὺς καιροὺς ἐκείνους ἤμεν κύνες οἱ ἀπόστολοι. ἐν ἱεροσολύμοις. О семь Фабриціи за-
мѣчаетъ: ex apochyphis nonnulla Graece et Latine dedi en codice Apocrypho Noui Testam. p. 719 Seq.

Ε. φυλ. 57 β.—80 β. Διηγήσεις θαυμάτων τοῦ ἁγίου Μαρτυρος Δημητρίου. περὶ τοῦ ἀπελπισθέντος ἐπάρχου.

Начало: Μαριανός τις ἀνὴρ. τῶν ἐν γένει καὶ πλούτῳ λαμπρῶν. φ. 63 β. περὶ τοῦ τὴν αἰμορροίαν ἔχοντος.

Начало: Ἀνὴρ τις. τῶν ἐν γένει λαμπρῶ τῇ δὲ πίστει. φ. 65 об. β. Περὶ τοῦ ἀργυραίου θρόνου.

Начало: Συνέβη ποτὲ τὸ ἐν τῷ παναγίῳ τοῦ μάρτυρος ναῶ ἀργυροῦν καὶ λελαμπρυσμένον κιβώριον ἐμπρισθῆ-
ναι νυκτὸς. καὶ τὰ λοιπὰ. О чудесахъ св. муч. Димитрія у Фабр. въ X томѣ упоминается на стр. 219.

Σ. φ. 80 об. β.—83 об. β'. Μηνὴ ὀκτωβρίῳ κτ. (26). Τοῦ ὁσίου πρ̄ς ἡμῶν ὁμολογιτοῦ Ἰωσήφ ἀρχιεπισ-
κόπου Θεσσαλονικ. Ἐγκώμιον εἰς τὸν ὅγιον μεγαλομάρτυρον Δημήτριον.

Начало: Φαιδρὰ μὲν ἡ πανήγυρις σήμερον καὶ πολυάνθρωπος, ὑπὲρ ἡμᾶς γὰρ ἐστιάτω. У Фаб-
риція въ X томѣ не упомянуто.

Ζ. Μηνὴ Νοεμβρίῳ Γ. φ. 84 α.—97 β'. Μαρτύριον τῶν ἁγίων ἀκεψιμ. Ἰωσήφ καὶ ἀειθαλᾶ.

Начало: Ἐν ἔτει τριακόστῳ ἐβδόμῳ τοῦ διωγμοῦ τῶν πιστῶν, βασιλεύοντος τῶν περσῶν σαβορίου. . . . у Фаб-
риція упоминается въ X. т. p. 188.

Η. Μηνὴ Νοεμβρίῳ Φ. φ. 94 β'.—104 β'. Βίος καὶ μαρτύριον τῶν ἁγίων γαλακτιῶνος καὶ ἐπιστίμης.

Начало: Διηγήσιν ξένην καὶ παράδοξον ἀκούσατε σήμερον παρ̄ ἐμοῦ ἀγαπητοί. . . У Фабриціи упоминается
въ X. томѣ p. 229.

Θ. Μηνὴ Ἰαννουαρίῳ. λλ. φ. 104 β.—110 β'. Βίος καὶ πολιτεία καὶ θαυμάτια τῶν ἁγίων καὶ θαυματουργῶν
Κύρου καὶ Ἰωάννου. . . .

Начало: Ὁ Θεαρχικὸς ἡμῖν ὁ λόγος. ἡ ὄντως ἀλήθεια χς̄ ὁ θς̄ ἡμῶν. У Фабриція о семь не упомя-
нуто. Томъ X p. 216.

Γ. Μηνὶ Ἰαννουαρίῳ λβ. φ. 110 β'.—124 β. Σωφρονίου ἱεροσολύμων ἐγκώμιον εἰς τοὺς ἁγίους μεγαλομάρτυρας Κύρον καὶ Ἰάννην (sic).

Начало: Ἄλλοι μὲν ἄλλως τοὺς ἁγίους τιμάτωσαν πολυμερῶς αὐτῶν τὰς δωρεὰς θριαμβέοντες. О семь упоминается у Фабриція. Томъ X. p. 216.

Δι. Μηνὶ Φεβρουαρίῳ ιζ. φυλ. 124 β'.—129 об. α. Γρηγορίου Νύσσης ἐγκώμιον εἰς τὸν ἅγιον μεγαλομάρτυρα Θεόδωρον τὸν τήρων. Славянскій переводъ XIV в. есть въ сборникѣ поученій Воскресенской Библіотеки по моему описанію № 105. л. 145. об.—149. у Фабриція упоминается въ X. томѣ p. 333.

ΙΕ. Μηνὶ μαρτίῳ Γ. φ. 129 об. α.—137 β'. Μαρτύριον τῶν ἁγίων μαρτύρων κλεονίκου καὶ εὐτροπίου:

Начало: Ὁ μακάριος Θεόδωρος ὁ τήρων τελέσας αὐτὸν τὸν τῆς ἀθλήσεως δρόμον. О Клеоникѣ и Евтропії у Фабриція не упоминается.

ΙΓ. Μηνὶ Μαρτίῳ Γ. ¹⁾ φ. 137 об. α.—141 β'. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου Μαρτυρος Βασιλίσκου.

Начало: Κατὰ τοὺς καιροὺς τῆς βασιλείας μαξιμιανῶ.... О Василискѣ у Фабриція не упоминается.

ΙΔ. Μηνὶ ἀπριλίῳ κβ. φ. 141 β'.—152 β' Ἀνδρέου ἀρχιεπισκόπου κρήτης ἐγκώμιον εἰς τὸν ἅγιον μεγαλομάρτυρα γεόργιον.

Начало: Ἀεὶ μὲν λαμπρὰ καὶ πανένθημα τὰ τῶν ἁγίων μαρτύρων μνημόσυνα. У Фабриція смотри томъ X. p. 230.

ΙΕ. (15). Μηνὶ ἀπριλίῳ κβ. φ. 152. β'.—161 об. α. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος βασιλέως ἐπισκόπου ἀμασειάας.

Начало: Ἐγένετο μετὰ τὸ πατάξαι κν. τὸν τῆς Ρωμαίων. У Фабриція смотри Томъ X. p. 205.

ΙΕ. Μηνὶ μαΐῳ ς φ. 161 об. α.—174 α. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μάρτυρος χριστοφόρου καὶ τῶν σὺν αὐτῷ.

Начало: Ἐτους τετέртου τῆς βασιλείας δεκίου.... Фабрицій упоминаетъ о мученикѣ Христофорѣ въ XI т. p. 594. Его жизнь и мученіе есть въ Париж. Публ. Библіотекѣ въ рукописяхъ № 2. и 27.

ΙΖ. Μηνὶ Ἰουνίῳ κε. φ. 174 α.—192 β'. Βίος καὶ μαρτύριον τῆς ἁγίας ὁσιομάρτυρος φεβρωνίας.

Начало: Ἐγένετο ἐν ταῖς ἡμέραις Διοκλητιανοῦ τοῦ βασιλέως. У Фабриція Томъ X p. 228.

ΙΗ. Μηνὶ Ἰουλίῳ Γ. φ. 192 β'.—201 об. β'. Μαρτύριον τῶν ἁγίων μεγαλομαρτύρων τῶν ἐν νικοπόλει μαρτυρησάντων.

Начало: Λικινίου τὰ τῆς ῥωμαίων βασιλείας σκήπτρα κατέχοντος. У Фабриція въ X. Томѣ между Севастійскими мучениками внизу по Латынѣ озаглавлено: in tempore igitur Licinii regis erat persecutiop. 290.

ΙΘ. Μηνὶ Ἰουλίῳ κε. φ. 201 об. β'.—222 об. β'. Βίος τῆς ὁσίας εὐπραξίας.

Начало: Ἦν τίς ἀνὴρ ἐν τῇ βασιλεύουσῃ πόλει, ὀνόματι ἀντίγονος. У Фабриція Томъ X. p. 226.

Κ. Μηνὶ ἀυγούστῳ Γ. φ. 223 α.—231 β'. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος λαυρεντίου καὶ τῶν σὺν αὐτῷ:

Начало: Εἰδωλικοῦ ποτὲ κλύδωνος τὴν οἰκουμένην κατέχοντος. О св. великомученикѣ Лаврентіи у Фабриція въ X. Томѣ не упоминается о его житіи и мученіи.

ΚΑ. Μηνὶ ἀυγούστῳ ιΓ. φ. 331 об. α.—252 α. Βίος καὶ πολιτεία καὶ ἀθλησις τοῦ ὁσιδίου καὶ μακαριωτάτου πρὸς ἡμῶν καὶ ὁμολογητοῦ Μαξίμου, καὶ περὶ τῶν κ. μαθητῶν αὐτοῦ:

Начало: Ἦρακλήου τῶν σκήπτρων τῆς ρωμαϊκῆς ἀρχῆς ἐπειλημμένου. О семь житіи Гарлесъ у Фабриція замѣтилъ. Maximi, nescio, cujus vita in cod Mosquensi 149. Matthaei notit, Томъ X. p. 292.

ΚΒ. Μηνὶ Ἰαννουαρίῳ κε. φ. 252 β'.—274 об. α. Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν γρηγορίου τοῦ θεολόγου.

Начало: Συγκαλεῖ μὲν ἡμᾶς ὁ ἄνδρες γρηγόριος ὁ πᾶντι τῆς θεολογίας ἐπώνυμος. У Фабриція Т. X. p. 233.

ΚΓ. Τῇ αὐτῇ ἡμέρᾳ φυλ. 274 об. β'. 288 β'. λόγος εἰς τὴν ἐπάνοδον τῶν λειψάνων τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν γρηγορίου τοῦ θεολόγου.

Начало: Πανήγυρις ἱερὰ καὶ ὑπερλαμπρὸς. ἡ τοῦ θαυμαστοῦ γρηγορίου καὶ θεολόγου ἐπάνοδος. Гарлесъ у Фабриція указываетъ на Греческія рукописи Моск. Синод. Библіотеки о Григоріи Богословѣ въ Томѣ VIII. p. 386.

ΚΔ. Μηνὶ φεβρουαρίῳ κ. φ. 288 об. α.—299 об. β'. τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν Βασιλείου ἀρχιεπισκόπου καיסαρείας. πρὸς ὀπτιμον ἐπίσκοπον περὶ τῶν ρηθέντων παρὰ τοῦ πρεσβύτου συμεῶν, πρὸς Μαρίαν τὴν θύκον καὶ σου δε αὐτῆς τὴν ψυχὴν διελεύσεται ῥομφαία.!

¹⁾ Это зачеркнуто послѣ, а на полѣ написано: ἀναγνώσχετε μηνὶ μαΐῳ κβ.

Начало: καὶ ἄλλως ἡδέως ἔρων τοὺς ἀγαθοὺς παῖδας. У Фабриція, на этотъ день въ X. Томѣ не упоминается о семъ словѣ.

кѣ. Μηνὶ μαρτίῳ ᾠ. ρ. 290 β. β'. 299 β'. Βίος Ἰακώβου μοναχῆ. κατὰ ψυχὴν ὠφέλιμος.

Начало: Πολλῶν ἀγαθῶν καὶ ψυχωφελῶν ἐνεργειῶν τοῖς φιλοθέως. У Фабриція Томъ X. p. 336.

кѣ. Μηνὶ Μαρτίῳ σ. ρ. 399 об. ἀ. 312. β'. Μαρτύριον τῶν ἁγίων τεσσαράκοντα δύο Μαρτυρῶν τοῦ χϣ: Καλλίστου Δουκός: Κωνσταντίνου πακτριχίου. Θεοδώρου πρώτος πάθ. καὶ τῆς συνοδείας αὐτῶν. συγγραφὲν παρὰ Μιχαηλ μοναχοῦ καὶ συγγέλλου:

Начало: Μαρτύρων ἄθλοις. θς μὲν δοξάζεται. У Фабриція въ X. Томѣ только Гарлесъ указываетъ на рукопись Моск. Библіотеки по каталогу Маттея p. 290.

кѣ. Μηνὶ ἀπριλίῳ δ. (4). ρ. 312. об. ἀ. — 319 об. ἀ. Μαρτύριον τῶν ἁγίων ἀθλοφόρων τοῦ χϣ. καὶ Θεοδούλου καὶ ἀγαπόδος.

Начало: Ἀεὶ μὲν ἐπανθοῦσαν τὴν περὶ τὸν θν εὐτέβειαν ὑποτρέχων ὁ διάβολος. У Фабриція въ X. Т. не отмѣчено о сихъ мученикахъ.

кѣ. Μηνὶ ἀπριλίῳ κѣ. ρ. 319 об. β'. — 329 об. β'. Ἐγκώμιον εἰς τὸν ἅγιον μεγαλομάρτυρα τοῦ χϣ γεώργιον.

Начало: Ἦλιος μὲν ἐκάστης ἀνίσχων ἡμέρας. У Фабриція это слово въ X. Т. не отмѣчено.

кѣ. Μηνὶ μαίῳ ιδ. ρ. 329 β'. — 333 об. ἀ. Μαρτύριον τῆς ἁγίας καὶ Καλλινίκου Μάρτυρος Κυριακῆς.

Начало: Κατὰ τοὺς καιροὺς τῆς βασιλείας Διοκλητιανοῦ τοῦ τυραννοῦ. У Фабриція въ X. Томѣ p. 216.

ἁ. Μηνὶ Ιουλίῳ γ. ρ. 333 об. ἀ. — 337 об. β'. Ἀθληταὶ τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μάρτυρος τοῦ χϣ. ὑακίνθου.

Начало: Βασιλεύοντος κατ' ἐκεῖνον τὸν καιρὸν τραϊανῶ, ἐγένετο διωγμὸς. μέγας... У Фабриція въ X. Т. объ Іакншоѣ не упомянуто.

ἁ. Μηνὶ Ιουλίῳ ιη. ρ. 337 β'. — 353 об. β'. Τοῦ ἁγίου γρηγορίου νυσης. εἰς τὸν βίον τῆς ἁγίας Μακρίνης ἀδελφῆς αὐτοῦ καὶ τοῦ μεγ. Βασιλείου.

Начало: Τὸ μὲν εἶδος τοῦ βιβλίου ὅσον ἐν τῷ τῆς προγραφῆς τύπῳ, ἐπιστολῆς εἶναι δοκεῖ. У Фабриція Томъ X. p. 272.

ἁ. Μηνὶ αὐγούστῳ. ιθ. ρ. 354 ἀ. — 358 об. β'. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου ἀνδρέου τοῦ στατηλάτου. καὶ τῶν σὺν αὐτῷ.

Начало: ἐν τοῖς χρόνοις τῆς βασιλείας τοῦ ἀσεβεστάτου μαξιμιανοῦ. У Фабриція Т. X. p. 195.

ἁ. Μηνὶ αὐγούστῳ κѣ. ρ. 358 об. β'. — 364 ἀ. Μαρτύριον τοῦ ἁγίου μεγαλομάρτυρος ἀγαθονικοῦ:

Начало: Μαξιμιανὸς ὁ βασιλεὺς. ἐκ νικομηδείας ὁπάρχς ἐπὶ τὰ θρακῶα μέρη. У Фабриція Гарлесъ въ X. Томѣ только упоминаетъ о рукописяхъ Моск. Свн. Библ. гдѣ помѣщено мучение св. Агафоника.

ἁ. Μηνὶ Νοεμβρίῳ: ϛ. ρ. 364 ἀ. — 369 об. ἀ. Μαρτύριον τῶν ἁγίων μαρτύρων ὀνησιφόρου καὶ πορφυρίου.

Начало: Τῆς τῶν ἁγίων προφητῶν προρρήσεως. У Фабриція въ X. Томѣ не упомянуто о сихъ мученикахъ.

Пергамень не такъ хорошъ, есть повреждена.

Длина	8	в.
Ширина	6 ³ / ₈	в.
Къ корешку	7 ⁷ / ₈	в.
Между столбцами	1 ¹ / ₂	в.
Къ правой сторонѣ	1 ¹ / ₂	в.
Къ верху	1 ² / ₈	в.
Къ низу	1 ⁵ / ₈	в.

Число строкъ не опредѣленно: 29. 31. 32. 33. Помѣта тетрадей есть внизу между столбцами съ лицевой стороны, и въ концѣ тетради. Въмѣсто киновари писано розоваго цвѣта краскою. Чернила темно и свѣтлокоричневыя.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

φ. 59 об. Πράξις τοῦ ἁγίου ἀποστόλου Θωμᾶ.

Κατὰ τοὺς καιροὺς ἐκεῖνους. ἦμεν πάντες οἱ ἀπόστολοι ἐν ἱεροσολύμοις. σίμων ὁ λεγόμενος Πέτρος καὶ Ἀνδρέας ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ, Ἰάκωβος ὁ τοῦ ζεβεδαίου, καὶ Ἰωάννης ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ. Φίλιππος καὶ Βαρθολομαῖος. Θωμᾶς. καὶ Ματθαῖος ὁ τελώνης. Ἰάκωβος τοῦ Ἀλφαίου. καὶ Σίμων κανανίτης, καὶ Ἰούδας Ἰακώβου. καὶ διείλαμεν τὰ κλήματα τῆς οὐκουμένης ὅπως ἕκαστος ἡμῶν πορευθῇ. ἐν τῷ λαχόντι αὐτῷ ἔθναι. κατὰ κλήρον οὖν ἔλαχεν ἡ Ἰνδία. Θωμᾶ τῷ διδύμῳ, ὁ δὲ οὐκ ἐβούλετο ἀπελθεῖν. καὶ ὄφθεις αὐτῷ ὁ σῆρ τῇ νυκτὶ. λέγει πρὸς αὐτόν. μὴ φοβηθῇς Θωμᾶ ἀπελθεῖν εἰς Ἰνδίαν καὶ κηρύττειν τὸν λόγον μῆ. καὶ γὰρ μετὰ σοῦ ἔσται. ἡ χάρις μῆ. ὁ δὲ οὐκ ἐπέθετο. λέγων. ὅπου βούλει ἀλλαχοῦ κῆ ἀποστείλόν με, εἰς Ἰνδοὺς γὰρ οὐκ ἀπέρχομαι. ταῦτα τοῦ Θωμᾶ ἐνθυμουμένου καὶ λέγοντος. ἔτυχεν τινὰ ἔμπορον εἶναι ἐκεῖ. ἀπὸ Ἰνδίας ἐλθόντα, φ. 51. ὀνόματι ἰαβάνην. ὃς ἦν ἀποσταλὴς παρὰ τοῦ βασιλέως γουνδαφόρου. καὶ διὰ ἐτέρας μὲν πραγματείας. ἐξαιρέτως δὲ, ἔνεκεν τοῦ ὠνήσασθαι ἐπιστήμονα τέκτονα καὶ ἀγαγεῖν αὐτῷ. πολλὴν ἔιχε παραγγελίαν. ὁ οὖν κς ἡμῶν καὶ θς ις χς. βουλούμενος τὸ δυσπειθές τοῦ Θωμᾶ εἰς εὐπειθείαν μεταβαλεῖν καὶ ἄκοντος αὐτοῦ; φαίνεται ἀνωρυπείῳ σχήματι τῷ ἐμπόρῳ ἐν τῇ ἀγορᾷ περιπατοῦντι. καὶ λέγει αὐτῷ. βούλει τέκτονα ἀγοράσθαι, ὁ δὲ εἶπεν. ναί. πανὺ βούλομαι. λέγει αὐτῷ ὁ Κύριος. ἔχω δοῦλον τέκτονα. καὶ θέλω ποιῆσαι αὐτόν. καὶ ὑπέδειξεν αὐτῷ τὸν Θωμᾶν. μακρόθεν ἰστάμενον. συνεφώνησεν τὴν τιμὴν αὐτοῦ. τριάκοντα δινάρια, καὶ ἔγραψε τὴν ὠνήν, οὕτως. ἐγὼ Ις ὁ Χς. ὁμολογῶ πεπραχέναι τὸν ἐμὸν δοῦλον Θωμᾶν, σοὶ ἀβάνη τῷ ἐμπόρῳ γουνδαφόρου βασιλέως Ἰνδῶν, εἰς δινάρια τριάκοντα. τῆς δὲ ὠνῆς γενομένης. παραλαβὼν ὁ σῆρ τὸν Θωμᾶ, ἀπήνεγκεν αὐτόν πρὸς ἀβάνην τὸν ἔμπορον. καὶ ἰδὼν αὐτόν ὁ ἀβάνης. λέγει αὐτῷ. οὗτος ἐστὶν ὁ δεσπότης σου; καὶ ἀποκριθεὶς ὁ ἀπόστολος εἶπεν ναί κύριος μου ἐστίν. καὶ λέγει ὁ ἔμπορος. γινώσκεις ὅτι ἡγόραστα σε παρ' αὐτοῦ. ἀκούσας δὲ ὁ Θωμᾶς. ἐσιώπη σε μηδὲν εἰπὼν. καὶ τῇ ἐξῆς ἡμέρᾳ. εὐξάμενος καὶ δεηθεὶς τοῦ χυ. ἐπορεύθη πρὸς ἀβάνην τὸν ἔμπορον. κατέλαβε δὲ αὐτόν ἡδῇ. ἐν τῷ πλοίῳ τὰ σκεύη αὐτοῦ ἀποφέροντα. καὶ ἤρξατο καὶ ὁ Θωμᾶς συμβοηθεῖν αὐτῷ καὶ ἐμβάλλειν τὰ πράγματα ἐν τῷ πλοίῳ. ἐμβάντων δὲ καὶ αὐτῶν ἐν τούτῳ καὶ καθισάντων. ἤρξατο ὁ ἀβάνης ἐξετάζειν τὸν ἀπόστολον καὶ λέγειν αὐτῷ. ποίαν ἐργασίαν οἶδας; ὁ δὲ φησὶν. ἐν μέν ξύλοις. ἄροτρα καὶ ζυγοὺς καὶ τρυτάνασ. πλοῖα τε καὶ ἀμάξας, καὶ ὅσα ἄλλα διὰ ξυλῶν κατασκευάζεται. ἐν δὲ λίθοις, στήλας καὶ ναοὺς, καὶ πραιτώρια βασιλικά. καὶ λέγει ὁ ἔμπορος. τοιούτου γὰρ καὶ χρεῖαν ἔχω τεχνίτου. φ. 51 об. ἐκεῖθεν τε αὐτῶν ἐκπλευσάντων. καὶ ἀνέμων ἐπιτηδείων πνευσάντων, κατήντησαν ἐν τινὶ πόλει βασιλικῇ. ἀνδραπόλει καλουμένη. ἐξελθόντες τοίνυν τοῦ πλοίου. εἰσῆλθον ἐν τῇ πόλει. καὶ ἐν τῷ εἰσελθεῖν αὐτοῦς ἐκεῖσε, ἤκουον σαλπείγων καὶ αὐλῶν καὶ μουσικῶν ἤχων. ἐρωτήσαντες δὲ τίς ἐστὶν αὕτη ἡ ἐορτὴ. ἔμαθον. ὅτι βασιλεὺς τῆς πόλεως ταύτης. θυγατέρα μονογενῆ ἔχων, ἐκδίδωσιν αὐτὴν ἀνδρὶ πρὸς γάμον. σπέσται δὲ ὁ βασιλεὺς

Изъ Сборника XVII в. рукописей моего собрания л. 37 об. и 46 об.

К то время кѣе была аѣла къ іерлѣмѣ. раздѣлиша себе страны (—γ) кселеныѣ и меташа преена. да кодо нхъ проповѣ къ ѡлуыене емѹ странѣ и изыщѣ амѡ бѹде гѣ послѣ. наде преене фомѣ блжненѣ. да нѣе во индѣю. но ѡ не хоташе нти. гѣа не могѹ толкѣа тѣада двигнѣти. еѣе и уѣеѣ жидовѣ сын како могѹ проповѣдати индѣанѡ истинноѹ. сѣ словѣ емѹ гѣющю. аѣн емѹ гѣ къ снѣ пощнѣю гѣа. не бѡнса фѡмо блѣтъ во моѣ с тобою естъ. он же не послышаше гѣа амѡ хощенин нѣети ма. а во индѣю не могѹ нти сѣ словѣ емѹ гѣющѣ. приклячѣнса кѹщѣ естерѹ быти тѣ. ѡ индѣа прищениѣ емѹ бѣ нма аѣа нѡсѣа бѣ ѡ иѣа гѣндофора кѣннѣи нли дрекодѣла нли жѣднѣа. кнѣа и гѣ по торѣа ходѣа. рѣ емѹ хощенин ли кѣннѣи дрекодѣлю. ѡнѣе рѣ еи. гѣ же гѣа емѹ нма дрекодѣла хнтра дати продѣа и показа емѹ фомѹ нзѣлаѣ. и сѣкѣа с нѣи и кѣа сребро и наннса кѹпаю снѣе. азѣ іс хс снѣ носнфѡ ѡ вѣфлѡмѣскѣа кесн іюдѣа повѣаю ти аѣанѣ кѣнѣе продѣти жидовннѣа нмснѣ фомѹ уѣеѣа моѣго. коѹанѣ же быкнн кѹпаѣ. поѣи хсѣ фомѹ и кѣеде еѣо ко аѣанѹ. еѣа и вѣпросн еѣо аѣкѣ сс ли ѣ гѣ тѣон ѡѣѣа аѣлѣ сн гѣ мн ѣ. рѣ же кѣнѣи тѣ оѹѣе оѹ нѣго фомѣа молѹанѣ нѣоѹтрѣа же номѡи гѣи рѣ вола тѣоа кѣдн и нѣе кѣ аѣанѹ кѣннѣю ннѹто же. с собою носѣа токмо иѣнѹ скою. кѣа во емѹ гѣ рѣ блѣтъ моѣ кѣ с тобою вѣзѣннѣа нма к корѣаѣ вѣпросн аѣла аѣкѣ гѣа коѣ дѣао оѹмѣснн. аѣлѣ рѣ дрекѡ зѣо рѣаа корѣаю корннѣа камѣннѣмѣ стѡпы иѣкѣа двѡры иѣкѣа. гѣа кѣнѣ азѣ тѣкѣа хнтрѣаа тѣеѣю. быкннѣ дѣеѣрѣ вѣтрѹ допѣннѣа вѣсѣлаѣѣе гѣа едннѣаго ѡ индѣа гѣмѣа снѣадрѡ. вѣзѣннѣа нма во гѣа слышѣаѣѣе гѣа сѣрѣи и нѣснѣннѣи ннѣкѣѣ. ннѣскнѣи органы фомѣа вѣнѣрѣаннѣе гѣа. ѹто зѣо вѣнѣа радѡстн сѣѣаа кѣ градѣ сѣ. гѣаа емѣа кѣо иѣрѣ дѣѣерѣ нмѣа и дѣнѣ ю кѣа за мѣ. тоѣо рѣа кѣсѣанѣ и рѣаѣ сн. иѣрѣ же проповѣдатѣла нѡсѣа вѣзѣа проповѣ

κήρυκας πανταχοῦ τῆς πόλεως. πάντες εἰς τοὺς γάμους ἔρχεσθαι παρακελεύμενος. ξένους τὲ καὶ πολίτας. δούλους καὶ ἐλευθέρους. πλουσίους καὶ πένητας. ἄνδρας τὲ καὶ γυναῖκας. εἰ δέ τις παραιτησάμενος μὴ παραγένηται. ὑπέυθυνος ἔσται κολάσει καὶ θανάτῳ. ταῦτα ἀκούσας ἄβάνης ὁ ἔμπορος, λέγει τῷ θωμᾷ. ἀπελθῶμεν καὶ ἡμεῖς εἰς τοὺς γάμους, ἵνα μὴ προσκρούσωμεν τῷ βασιλεῖ καὶ μάλιστα ξένοι τυγχάνοντες. ὁ δὲ εἶπεν. ἀπέλθωμεν ὅπου βούλει. Καταλύσαντες οὖν ἐν πανδοχείῳ. καὶ μικρὸν ἀναπαυσάμενοι. ἀναστάντες ἀπῆλθον εἰς τοὺς γάμους. καὶ ἰδὼν ὁ ἀπόστολος ἀνακεκλιμένους πάντας, ἀνεκλίθη καὶ αὐτὸς ἐν τῷ μέσῳ. πάντες δὲ ἀπέβλεπον εἰς αὐτόν, ὡς ὅτε ξένον ὄντα καὶ ἐξ ἀλλοδαπῆς χώρας. ὁ ἔμπορος δὲ ὀβάνης. ὡς ἅτε δεσπότης αὐτῷ ὢν, ἐν ἄλλῳ τόπῳ ἀνεκλίθη. ἐσθιονόντων δὲ πάντων καὶ πινόντων καὶ εὐφραينوμένων. ὁ θωμᾶς, οὐδὲ ὅλως ἐγένεσато τινός. λέγουσιν αὐτῷ οἱ συνανακείμενοι. σὺ ἅτε τίς ἤλθες ὧδε. μήτε ἐσθίων, μήτε πίνων. ὁ δὲ ἀπεκρίνατο λέγων αὐτοῖς. ἐγὼ ἀδελφοί. σὺ διὰ βρώσιν καὶ πόσιν ἤλθον ἐνταῦθα. ἀλλ' ἵνα τὴν θέλημα τοῦ βασιλέως πληρώσω. οἱ γὰρ κήρυκες τὸ τοῦ βασιλέως πρόσταγμα κηρύσσουσιν. καὶ ὅς ὢν μὴ ὑπακούσῃ. ὑπέυθυνος ἔσται τῇ τοῦ βασιλέως κρίσει. δειπνησάντων οὖν αὐτῶν καὶ εὐφρανθέντων, προσηνέχθησαν στέφανος καὶ μύρα τοῖς ἀνακειμένοις. καὶ λάβοντες ἕκαστος φ. 52. αὐτῶν ἐκ τοῦ μύρου, ὁ μὲν τὴν ὄψιν ἑαυτοῦ ἤλειψεν. ὁ δὲ. τὸ γένειον. ὁ δὲ. ἄλλα τινὰ μέρη τοῦ σώματος. ὁ ἀπόστολος δὲ, τὴν κορυφὴν τῆς ἑαυτοῦ κεφαλῆς ἤλειψεν. ἐπέχρισε δὲ ὀλίγον καὶ τοὺς μυκτῆρας αὐτοῦ. ἔσταξε δὲ καὶ εἰς τὰς ὀκκὰς αὐτοῦ. καὶ τὰ περὶ τὴν καρδίαν αὐτοῦ συνέχρισεν. καὶ τὸν στέφανον δὲ τὸν προσενεχθέντα αὐτῷ. ἐκ μυρσίνης καὶ ἄλλων ἀνθέων πεπλεγμένον. λαβὼν ἐπέθετο τῇ ἑαυτοῦ κεφαλῇ. καὶ κλάδον ἐν τῇ χειρὶ αὐτοῦ ἔλαβεν καὶ κατεῖχεν. ἦν δὲ τις αὐλήτρια γυνὴ ἐκεῖσε. ἥτις περιερχομένη παντὰς τοὺς ἀνακειμένους. ἤνθει ἔμπροσθεν αὐτῷ. ἐλθοῦσα δὲ ἐν τῷ τόπῳ ἐν ᾧ ἦν ὁ θωμᾶς ἀνακείμενος. ἔστη ἐπάνω αὐτοῦ ὥραν πολλήν. αὕτη δὲ ἡ αὐλήτρια. ἦν τῷ γένει ἑβραῖα. αὐλούσης δὲ αὐτῆς πρὸς τὴν κεφαλὴν τοῦ θωμᾶ. αὐτὸς οὐ προσεῖχεν αὐτῇ. ἀλλὰ πρὸς τὴν γῆν νενευκῶς. ἔβλεπε κάτω. εἰς δὲ τις τῶν οἰνοχόων δι' αὐτοῦ παρερχόμενος. ἰδὼν αὐτὸν οὕτω κάτω νέοντα, ἐρράπισεν αὐτοῦ τὴν σιαγόνα τῇ ἰδίᾳ χειρὶ. εἰπὼν αὐτῷ. ἵνα τι οὕτως κατέβη στυγνάζων. καὶ οὐ προσέχεις τῇ αὐλήτρίᾳ. ἔμπροσθεν σου αὐλούσῃ ἐπὶ τοσαυτὴν ὥραν. ἐπάρας δὲ ὁ ἀπόστολος τοὺς ὀφθαλμοὺς αὐτοῦ. καὶ προσσχὼν τῷ τύφαντι αὐτόν, εἶπεν οὕτω τῇ ἑβραῖᾳ διαλέκτῳ. ὁ θεὸς μου ἀφίκει σοι εἰς τὸν μέλλοντα αἰῶνα τὴν ἀδικίαν ταύτην. εἰς δὲ τὸν κόσμον τοῦτον δείξει· εἰς σὲ τὰ θαυμάσια αὐτοῦ. καὶ θαύσομαι τὴν χεῖρα τὴν τύψαντα με, ὑπὸ κυνῶν σιρόμενην. καὶ ἤρξατο φάλλειν ἑβραϊστὶ. ἐπὶ ὥραν μίαν. πάντες οὐ ἤκουον αὐτοῦ ψάλλοντος. καὶ ἦσαν αὐτῷ ἀτενίζοντες, καὶ μὴ νοοῦντες τὰ ὑπ' αὐτοῦ λεγόμενα. ἦ δὲ αὐλήτρια ἐκείνη γυνή. καλῶς προσεῖπον ἑβραῶν οὖσα, παντὰ τὰ ὑπ' αὐτοῦ λαλούμενα ἐνδοί. καὶ ἀποστᾶσα ἀπ' αὐτοῦ. ἄλλοις ἤνθει. πυκνὰ δὲ πρὸς αὐτόν ἠτένιζε. θαυμάζουσα τοῖς αὐτοῦ ῥήμασι καὶ ὡς ὁμόθετον ἀγαπήσασα αὐτόν. φ. 52 ὁβ. ἦν γὰρ ὁ θωμᾶς ὡραῖος τῇ ἰδέᾳ. ὑπὲρ πάντας τούτους ἐκεῖ ἀνακειμένους. ὅτε οὖν ἐτέλεσεν ἡ αὐλήτρια πᾶσι καταβλήσασα. ἀντικρὺ τοῦ ἀποστόλου καθεσθείσα, ἀδιάλειπτως ἦν ἀφορώσα καὶ ἀτενίζουσα εἰς αὐτόν. αὐτὸς δὲ. οὐδόλως ἑώρα πρὸς τινά, οὐδὲ προσεῖχεν τινί, ἀλλὰ μόνον εἰς τὴν γῆν εἶχε τοὺς ὀφθαλμοὺς. κάτω νέων καὶ προσδεχόμενος πότε ἐκεῖθεν ἀναστῆ. Ὁ μὲν τοι οἰνοχόος ἐκεῖνος. ὁ ράπισας τὸν μακάριον θωμᾶν, ἐτήληεν εἰς τὴν πηγὴν ἀντλήσαι ὕδωρ. συνέβη δὲ ἐκεῖ πλησίον τόπου ὄντος ὑλώδους, λέοντα ἐν τῷ ἄλσει ὀικεῖν. ὅς. τῇ ὥρᾳ ἐκείνῃ ἐκπηδήσας, διεσπάραξε τὸν οἰνοχόον παρὰ τῇ πηγῇ, καὶ μεληρόν κατακοψας. ἀνέχωρησεν, κύνας δὲ ἐλθόντες, ἔλαβεν ἕκαστος τῶν μελῶν τοῦ οἰνοχόου καὶ ἤσθιεν. εἰς δὲ κύων. λαβὼν αὐτοῦ τὴν δεξιὰν χεῖρα, μέσον τοῦ συμποσίου εἰσήνεγκεν. οἱ δὲ, ὡς εἶδον, σφόδρα ἐφοβήθησαν. λέγοντες τίς ἄρα ἐστὶν ὁ ἐξ ἡμῶν ἀπολεσθεῖς. ὡς δὲ φρα-

вѣдати да вси. съберѣтся на брѣ. когати же и ннѣмъ рани же и скобѣнни и страннѣи слышнѣи не приндѣ покнненѣ бѣдѣ ѿрѣкомѣ сѣдѣ. глѣше кѣнѣ фѣмѣ понде-кѣ и кѣ да неразгнѣвлевѣ ѿрѣ. наугѣ и странника сѣща. ѿбнтаста же к гостинницѣ и мзѣ поукннѣи приндѣи на брѣ. аплѣ ѿ окоунадеса посреди кѣ възлече. и вси иѣ кзирѣхъ ѿко на странна и южеземѣ. бѣ бо зракѣ красѣ вѣрѣкннѣи же кѣмѣ и кѣсѣларѣ. фо-ма же ннѣкѣ не кѣсѣи възлечаѣннѣи же с ннѣ глѣхѣ емѣ ты воуто приндѣ сѣмо ннѣ кѣдѣ ннѣ нѣ. аплѣ же ѿкѣ-ѣи к ннѣ глѣ азѣ братѣи ннѣ лѣснѣи ннѣ нѣтна рѣ прин-дѣ сѣмо. но да колю ѿрѣкѣ сконѣаю. проноѣкѣдннѣи бо ѿрѣкѣ проповѣдаю дѣи не послѣнѣаѣ то покннѣ бѣдѣ сѣдѣ ѿрѣкѣ. кѣрѣкннѣи же ннѣ окѣ глѣхѣ сн по-мѣзѣкннѣи окѣ вѣрѣу ннѣи же ннѣа мѣста. аплѣ же по темѣннѣи са помаѣа и по сѣмѣи и по поздѣрѣ. и кѣнѣи мѣрннѣи на глѣхѣ сн възлѣжѣ. трѣ сѣрѣкѣи к рѣиѣ сн дер-жа. хѣдѣи же и кѣрѣкннѣи по доагѣи кѣи принѣсннѣи банѣи аплѣ ста скѣрѣаюѣи на глѣкѣи сѣдѣ. онѣмѣи зѣрѣи на земѣи. еднѣ ѿѣкѣкннѣи зѣрѣиѣи зѣрѣи же на аплѣ глѣ емѣ. гѣи монѣ да ѿстѣи и к вѣдѣиѣи кѣ. а к сн к кѣи поѣаѣи юѣи на рѣиѣи бнѣиѣи ма и да сѣрѣи фѣи кѣауѣиѣи и наугѣи жнѣкѣиѣи пѣтнѣи. сѣнѣи юѣи еднѣи и сѣаи прѣста кѣи на кзирѣхѣи неразгнѣи глѣиѣи нѣ. не кнѣахѣиѣи зѣрѣи сѣи нѣмѣиѣи скѣрѣкннѣиѣи кѣи то кнѣкннѣи. ѿстѣиѣи ѿ нѣи ннѣи скѣрѣиѣи. сѣдѣи прѣста скѣрѣаюѣи кѣи про-тнѣиѣи емѣи сѣиѣи прѣсѣи на кзирѣаюѣиѣи коѣи ѿнѣиѣи ѿ ннѣи възлѣиѣи бо и ѿко земѣиѣи сѣиѣи. юѣиѣиѣи нѣи кѣи зѣиѣиѣи нѣиѣи на нѣстѣиѣиѣи поѣиѣиѣи кѣиѣи. и аугѣиѣи тѣи акѣи бнѣи нѣи нѣзѣиѣи и нѣрѣиѣи нѣи нѣсѣкѣи на бѣдѣи нѣзѣиѣи ѿ нѣи тоѣдѣи принѣиѣиѣи нѣи и рѣиѣиѣиѣи нѣи. еднѣи фѣи ѣиѣиѣи деснѣиѣи сѣи рѣиѣи кѣиѣиѣи посѣиѣи ннѣи кнѣ-сѣи. онѣи кнѣкннѣиѣи ѿѣкннѣиѣи. и глѣхѣи кѣи ѿко поѣиѣиѣи ѿнѣиѣи.

δαίαις αὐτῶν, ἀπέσχοντο τῆς ρυπαρᾶς ἐπιθυμίας. καὶ ἔμειναν διὰ νυκτερεύοντες οὕτως, καὶ ἀλλήλους ὑποστηρίζοντες πρὸς εὐσέβειαν. τῇ δὲ ἑτῆς ἡμέρα. ὁ βασιλεὺς πληρώσας τράπεζαν ἐδεσμάτων, εἰσήνεγκεν ἐν τῷ νυμφῶνι. εὐωχῆσθαι θέλων περισσοτέρως μετὰ τῶν νεονύμφων. καὶ ἐπὶ τῇ τῶν ἐνώσει εὐφρανθῆναι. εἰσελθὼν τοίνυν, εὗρεν αὐτοὺς κεχωρισμένους καὶ ἀπέναντι ἀλλήλων καθεζομένους. ἰδὼν δὲ τὴν ὄψιν τῆς αὐτοῦ θυγατρὸς ἀκάλυπτον. λέγει αὐτῇ. διὰ τί οὕτως καθέζεαι, τέκνον ἀναιδώς. ὥς ἤδη πολλὸν χρόνον συμβιώτασα τῷ ἀνδρὶ σου. ἡ δὲ ἀποκριθεῖσα λέγει αὐτῷ. ἀλλήθως πῆρ ἐν πολλῇ ἀγάπῃ ὑπάρχω. τῷ θεῷ μου εὐχαριστοῦσα. ὅτι τὸ τῆς ἀνοιᾶς καὶ αἰσχύνης κάλυμμα ἀφῆρηται ἀπ' ἐμοῦ. ἐτέρω τε γάμῳ ἀληθινῶ συνεζευχθῆν. καὶ ἐν ἡμέρα χαρᾶς μου οὐκ ἐνεπαίχθην. Ομοίως δὲ καὶ ὁ νύμφιος ἤρξατο λέγειν. εὐχαριστῶ σοι. δέσποτα κἔ Ιϋ Χ῔. ὅτι διὰ τοῦ δούλου σου θωμᾶ ἐνεφάνισας ἡμῖν σαυτὸν. καὶ τῆς τοῦ σώματος ἀκαθαρσίας ἡμᾶς ἐλυτρώσω. εὐχαριστῶ σοι. τὴν ἑαυτὸν καταγαγοντι ἕως ἡμῶν τῶν ταπεινῶν. ρ. 54. τῷ ἀπαλλάζαντι ἡμᾶς τῶν ματαίων καὶ προσκαίρων. καὶ δόντι χεῖρα βοηθείας ἡμῖν ἀπολλυμένοις. εὐχαριστοῦμεν σοι κἔ Ιϋ Χ῔. τῷ βασιλεῖ καὶ δεσπότη τῶν ἀπάντων. ὅτι ἀξίους ἡμᾶς. ἔκρινας ἐπιγνῶναι. σὲ τὸν μόνον ὄντα θν' ἀληθινόν. ταῦτα ἀκούσας ὁ βασιλεὺς λαλούμενα ὑπὸ τοῦ νυμφίου τὲ καὶ τῆς νύμφης, διέρρηξεν εαυτοῦ τὴν ἐσθῆτα. Καὶ ἤρξατο κελεύειν μετ' ὀργῆς τοῖς ἑαυτοῦ ὑπηρέταις καὶ λέγειν. ἐξελθόντες τάχως. περίελθετε πᾶσαν τὴν πόλιν. καὶ εὐρόντες τὸν πλόνον ἐκεῖνον. τὸν κακῶς ἐνταῦθα παραγεγονότα ἀγάγετε μοι αὐτὸν ὧδε. ἐγὼ γὰρ εἰσήγαγον τοῦτον ἰδαίαις χερσίν ἐν τῷ νυμφῶνι. τοῦ εὐξασθαι ὑπὲρ τῆς ἐμῆς θυγατρὸς. ἐκεῖνος δὲ διέστρεψεν αὐτοὺς. καὶ ἀπώλεσε τὴν ἐμὴν θυγατέρα. ὅστις οὖν εὐρὼν αὐτὸν ἀγάγει μοι ὧδε. σώξει μου τὸ τέκνον. καὶ ἔστι ἂν αἰτήσῃ με ὑπὲρ ταύτης τῆς χάριτος, δίδωμι αὐτῷ μεγαλοψύχως. ἐξελθόντες τοίνυν περιῆλθον πᾶσαν τὴν πόλιν. ζητοῦντες τὸν θωμᾶν. καὶ οὐχ' εὗρον. ἦν γὰρ ἄδη ἐκπλεύσας ἐκεῖθεν μετὰ ἀβόνη τοῦ ἐμπορίου. καθὰ προείρηται. ἀπῆλθον δὲ οἱ ζητοῦντες τοῦτον. ἐν ᾧ ἦν καταλύσας πανδόχειω. καὶ εὐρόντες ἐκεῖσε καθεζομένην τὴν αὐλήτριαν καὶ κλαίουσαν πικρῶς διὰ τὴν τοῦ ἀποστόλου ἀναχώρησιν, ἐξηγγήσαντο αὐτῇ τὰ περὶ τῆς θυγατρὸς τοῦ βασιλέως καὶ τοῦ ταύτης ἀνδρός. ὅπως τῇ διδαχῇ ἐκείνου πρὸς θεογνωσίαν ἐπέστρεψαν. καὶ τῆς ἀλλήλων ἀπέχοντο συνουσίας ταῖς παραινέσεσι αὐτοῦ καὶ ἀγαθαῖς συμβουλίαις. Ταῦτα ἀκούσασα ἡ αὐλήτρια. ἐχάρη σφόδρα. καὶ τὴν λύπην ἀποθέμενη, ἀπῆλθεν ἀναστάσασα πρὸς τοὺς νέους. καὶ ἦν σὺν αὐταῖς χρόνον ἱκανόν. ἕως ἂν καὶ τὸν βασιλέα πρὸς θεογνωσίαν ἐπέστρεψαν. φωτισθέντες ἡδὴ τὰς ψυχὰς. τῇ τοῦ ἁγίου πνὸς χάριτι. χρόνου δὲ πολλοῦ προβεβηκότος. μαθόντες ὅτι ἐν τοῖς μέρεσι τῆς Ἰνδίας ὁ θωμᾶς διὰ διδάσκων, ἐπορεύθησαν πρὸς αὐτόν. καὶ ὑπ' ἐκείνου τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι τελεωθέντες, σὺν αὐτῷ διηγὼν ἐκεῖσε. "Ὅτε δὲ ἦλθεν ὁ θωμᾶς ἐν Ἰνδία μετὰ τοῦ ἐμπορίου, εἰσῆλθεν πρὸς τὸν ἀποστείλαντα αὐτὸν βασιλέα ὁ ἀβάνης. καὶ ἀνήγγειλεν αὐτῷ περὶ τοῦ θωμᾶ ὡς ἔστιν ἱκανώτατος καὶ ἐπιτήδειος. περὶ τε τὴν οἰκοδομικὴν καὶ τὴν ἄλλαν πᾶσαν τεκτονικὴν ἐπιστήμην. ἀκούσας δὲ ὁ βασιλεὺς, λίαν ἐχάρη. καὶ αὐτῇ τῇ ὥρᾳ προσέταξεν εἰσενεχθῆναι τὸν θωμᾶν πρὸς αὐτόν. εἰσελθόντος οὖν τοῦ ἀποστόλου πρὸς τὸν βασιλέα, ἠρώτησεν αὐτὸν λέγων. ποίαν ἐργασίαν γινάσκεις ἐν ξύλοις. καὶ ποίαν ἐν λίθοις. ὁ δὲ ἀπεκριθεὶς εἶπεν. ἐν μὲν ξύλοις, πλοῖα τὰ καὶ σμάξας. ὅροτρα τε καὶ ζυγοὺς. καὶ ἕσπερ ἄλλα δ' ἂν ξύλων κατασκευάζονται ἔργα. ἐν λίθοις δὲ ἐπίσταμαι. στήλας καὶ ναοὺς οἰκοδομεῖν. καὶ παλάτια βασιλικὰ. Ὁ δὲ βασιλεὺς. ἐπὶ πλεῖον περιχαρεὶς, λέγει. κἀγὼ τοιούτων ἔργων χρεῖαν ἔχω. ἔν πρώτοις οὖν βούλομαι σε κτίσαι μοι παλάτιον. δι' οὗ σου καὶ ἡ περὶ τὰ λοιπὰ ἔργα δοκιμωτάτη πείρα βεβαιωθήσεται. λαβὼν δὲ αὐτὸν κατ' ἰδίαν ὁ βασιλεὺς, διελέγετο ἐπιμελῶς τούτῳ περὶ τῆς οἰκοδομῆς τοῦ παλατίου. καὶ παρήγγειλεν ἀσφαλῶς. πᾶσιν σπουδαῖαν καὶ ἐπιμελείαν περὶ τὸ τοιοῦτο ἔργον ἐνδείξασθαι. καὶ ἀπελθὼν σὺν αὐτῷ. ὑπεδείκνυσεν τούτῳ τὸν τόπον ἐν ᾧ ἐμελλε κτισθῆναι

наложѣ трапезѣ и внисе прѣ на. и обрѣте а сѣдѣща противѣ себе. лицѣ нѣвѣстѣно ѿкровениѣ сѣще. и гла к неѣ поутѣ снѣ сѣдѣши сѣни и не покровени по яко многа лѣта поженне с мѣжѣ сѣ. она ѿвѣща глаюше констѣнѣ ѿѣ во мнозиѣ лѣвѣ есѣ. и гѣ нѣе-моу молѣхсѣ. яко покрѣ стѣда бѣ ѿтѣ ѿ мене. зане нѣомѣ браку соутѣна сѣмѣ истѣнѣ и во днѣ рѣсти сѣ неврѣиѣна бѣ. и в днѣ мѣнѣ не сѣмѣсѣ. тако нѣмѣ нѣтъ глаго. хвалю тѣ вѣо гѣ їсѣ хѣ вѣвѣна нѣ стран-нѣ рако тѣоѣ. нѣзѣки нѣ ѿ сѣмѣнѣ сѣдѣши вѣо сѣ до мене сѣмѣрениѣ сѣмѣжѣ нѣ ѿ вѣмѣнѣ прѣстри рѣкѣ гѣнѣнѣ ми. гѣ їсѣ хѣ вѣвѣ вѣо нѣрѣ сѣмѣ истѣ-ны хвалѣ тѣ о вѣѣ. сѣ самѣнѣ нѣрѣ растѣрѣ рѣзы сѣмѣ. и нѣ рѣе нѣзѣкѣ сѣмѣ прѣвѣдѣ ми лѣстыѣа оного да и аз сѣмѣ рѣкѣмѣ погѣмѣ сѣо. аѣсѣ ли кѣо обрѣ прѣвѣдѣ ми то сѣстѣ дѣшѣрѣ моѣ. сѣо аѣсѣ прѣсѣ дѣ сѣмѣ. нѣеѣсѣ же и обрѣдѣнѣа вѣо зѣмѣю и не обрѣтѣсѣ прѣвѣдѣнѣа в гѣстѣнѣнѣ и обрѣте нѣсѣкѣтѣ-нѣмѣ едѣнѣа нѣмѣнѣ сѣо рѣ. и вѣстѣнѣе прѣдѣ кѣ оѣнѣмѣа и вѣ сѣмѣ сѣмѣнѣ нѣмѣ. оѣнѣнѣа тѣ нѣ-зѣнѣа нѣрѣа по вѣмѣнѣ мнозиѣ оѣсѣмѣнѣа аѣа вѣо во нѣдѣнѣ оѣнѣтѣ и нѣеѣа прѣмѣа ѿ нѣ сѣмѣ кѣтѣнѣю. прѣсѣвѣнѣи вѣкѣнѣ вѣ нѣмѣа ѿѣа в сѣа и сѣтѣ дѣа. сѣдѣа прѣдѣ аѣа во нѣсѣо со аѣвѣнѣо нѣнѣѣ. аѣне вѣз-вѣстѣа нѣрѣнѣ. о зѣнѣнѣнѣ и вѣзрѣдѣсѣа и вѣсѣа ѿнѣнѣ. и гла к нѣмѣ вѣо дѣао вѣвѣнѣи во дрѣкѣ. ѿ-вѣнѣа аѣа дрѣкѣ оѣко раа. вѣсѣа вѣсѣа корѣаа. сѣе-жѣа. каменѣи же сѣопѣ нѣрѣкѣ. двѣрѣ нѣрѣкѣа нѣрѣ не оѣнѣсѣа рѣсти и рѣ. и азѣ такоѣо хѣтѣнѣа тѣрѣю. по сѣзѣнѣи ми нѣмѣтѣ. и нѣо и вѣсѣдѣвѣнѣ сѣ нѣ о зѣдѣнѣ нѣмѣтѣ и вѣо нѣкѣ вѣмѣсѣ нѣмѣнѣтѣ. сѣдѣа прѣ-нѣнѣа до мѣста нѣкѣ хѣтѣ нѣмѣтѣ зѣдѣнѣ гла сѣмѣ на

τηκῶς ἦν. ὁμῶν δὲ εἰς ἑαυτὸν ἐλθὼν Καὶ πολλῶ τῷ θυμῷ ὑπέρζεσας. μετακαλευσάτο τὸν ἀβάνην τὸν ἔρπορον. τὸν καὶ ἀγάγοντα αὐτὸν. σὺν αὐτῷ δὲ, καὶ τὸν ἀπόστολον θωμᾶ. παραστάντων οὖν ἀμφοτέρων τῷ βασιλεῖ, λέγει πρὸς αὐτὸν ὁ βασιλεὺς. ἔκτισας μοι τὸ παλάτιον; ὁ δὲ ἔφη. ναί. ἔκτισα. καὶ λέγει ὁ βασιλεὺς. πότε οὖν ὑπάγομεν καὶ βλέπομεν αὐτὸ. ὁ δὲ ἀποκριθεὶς αὐτῷ ἔφη. νῦν μὲν αὐτὸ ἰδεῖν οὐ δύνασαι. ὅτε δὲ, τοῦ βίου τούτου ἐξέλθῃς, τότε βλέπει αὐτό. Ὁ βασιλεὺς τοίνυν. ὀργισθεὶς πάνυ. ἐκέλευσε δεδεδμένους αὐτοὺς βληθῆναι εἰς φυλάκην. τὸν δὲ ἀβάνην καὶ τὸν θωμᾶν. ἕως ἂν ἀνακρίνας μάθῃ, τίσις ἐδόθη τὰ τοῦ βασιλέως χρήματα. καὶ ἐκεῖνα μὲν. ἀπαιτήσας ἀναλάβηται ἀπὸ τῶν ἐχόντων. αὐτοὺς δὲ, τὸν ἔμπορον καὶ τὸν ἀπόστολον θωμᾶν, κακῶς ἀπολέσει. παραχρῆμα δὲ δήσαντες αὐτοὺς, πρὸς τὴν φυλάκην ἀπήρχοντο ἐμβαλεῖν. ὁ θωμᾶς οὖν χαίρων ἀπείη, λέγων τῷ ἐμπόρῳ. μηδὲ φοβοῦ μηδὲ δειλιά. ἀλλὰ μόνον πίστευσον τῷ ἐμῷ Θεῷ, καὶ οὐδενὸς κακῆς πειραθήσῃ. μᾶλλον δὲ καὶ ἀπὸ τῆς ματαιότητος τοῦ κόσμου τούτου. ἐλευθερωθήσῃ. καὶ ἐν τῷ μέλλοντι αἰῶνι. ζωὴν αἰώνιον φυλ. 56. κληρονομήσεις. τοιούτοις ῥήμασι τὸν ἀβάνην ὁ θωμᾶς διδάξας, ἐπέστρεψεν αὐτὸν πρὸς θεογονόσιαν. Καὶ οὕτως ἐν τῇ φυλακῇ βληθέντες, ὑπῆρχον δοξάζοντες καὶ εὐχαριστοῦντες τὸν θν. Εἶχεν δὲ ὁ βασιλεὺς ἀδελφόν. ὃν καὶ ἡγάπα αὐτὸν ὑπερβαλλόντως. οὗτος τοίνυν ὁ τοῦ βασιλέως ἀδελφός, λυπὴ καὶ ἀθυμία ληφθεὶς περὶ τοῦ συμβάντος αὐτῷ. ἤρξατο ψυχορραγεῖν καὶ ἐμπνέειν τὰ ἔσχατα. μαθὼν δὲ τοῦτο ὁ βασιλεὺς, ἔδραμεν ὥστε φθᾶσαι αὐτὸν ζῶνται ἐκεῖνος δὲ ἀναβλέψας καὶ ἰδὼν τὸν βασιλέα. λέγει πρὸς αὐτὸν. ἰδοὺ ἀδελφέ μου. πάντα σοι τὰ ἐμὰ παρατίθημι τὸν τε οἶκον καὶ τὰ πράγματα. καὶ γὰρ ἐγώ. τῇ ἐπελθούσῃ σοι λύπη τὴν ψυχὴν πληγείς, ἤδη ἐκλείπω τῆς ζωῆς. ἀλλὰ ἀνάπαυσον μου τὴν ψυχὴν. δειναῖς τιμωρίαις ἐπεξελθὼν τον(—ω) μαχον.(—ω) ἐκεῖνον.(—ω) ὁ δὲ βασιλεὺς εἶπεν. ἐνεθυμήθην περὶ αὐτοῦ ἵνα ζῶντα αὐτὸν ἐκδῇρω. καὶ περικαυστον ποιήσω τὸ σῶμα αὐτοῦ. Ἐπεὶ δὲ διαλεγόμενων αὐτῶν ἐξέπνευσεν ὁ τοῦ βασιλέως ἀδελφός. καὶ λαβόντες τὴν ψυχὴν αὐτοῦ. ἄγγελοι. ἀνήγαγον αὐτὴν εἰς τοὺς οὐνοὺς. καὶ ὑπεδείκνυσον αὐτῇ τὰ ἐκεῖσε ἀγαθὰ, Καὶ ἐπηρώτων ποῦ βούλεται τὴν κατοίκησιν ἔχειν. ὅτε δὲ ἤγγισαν εἰς τὸ θαυμαστὸν παλάτιον. ὃ ἦν κτίσας τῷ βασιλεῖ ὁ θωμᾶς. λέγει ἡ ψυχὴ τοῖς ἀγγέλοις. θέομαι ὑμῶν κύριοι. μὴ εἰς ἐν τῶν κατωγαῖων τούτων ἐσάτέ με μέναι. οἱ δὲ εἶπον αὐτῷ. οὐ δύνασαι μέναι ἐνθάδε. ἐπειδὴ τοῦ ἀδελφοῦ σου ἐστὶν ὁ οἶκος. ὃν ὠκοδόμησεν αὐτῷ ὁ χριστιανὸς ἐκεῖνος. ὁ θωμᾶς. ἡ δὲ ψυχὴ λέγει τοῖς ἀγγέλοις. παρακαλῶ ὑμᾶς κύριοι μου. ἀπολύσατε με ἀπελθεῖν ἵνα ἀγοράσω αὐτὸν παρ' αὐτοῦ. οὐ γὰρ οἶδεν αὐτὸν ὁ ἀδελφός μου. τότε οἱ ἄγγελοι ἀφήκαν τὴν ψυχὴν. ἐπανατρέψαι πρὸς τὸ ἴδιον σῶμα. ἐν δὲ τῷ πενθεῖν τὸν βασιλέα τὸν ἴδιον ἀδελφόν, καὶ μέλλειν αὐτὸν κηδευθῆναι ἐνδυόντων αὐτὸν τὰ ἐντάφια, ἄφνω ἤνοιξεν τοὺς ἑαυτοῦ ὀφθαλμοὺς, ὁ τεθνηκώς. πάντων δὲ ἐκπλαγέντων καὶ θαυμασάντων ἐπὶ τούτῳ. τῷ βασιλεῖ ἐνθὺς δραμόντες ἀπήγγειλαν. ὅτι μὴ θρήνηι τὸν σὸν ἀδελφόν. ἀνέζησε γὰρ καὶ καλεῖ σε. ἀκούσας οὖν ὁ βασιλεὺς. ἀνεπήδησε τάχως καὶ ἦλθε πρὸς τὸν ἴδιον ἀδελφόν χαίρων σφόδρα καὶ εὐθυμῶν. καὶ τούτῳ περιπλακείς κατεφίλει αὐτοῦ πάντα τὰ μέλη. λέγει δὲ τῷ βασιλεῖ ἐκεῖνος. οἶδα ἀδελφέ μου. ὅτι, ὅ ἐὰν ἡτησάμην παρὰ σοῦ ἕως τὸ ἥμισυ τῆς σῆς βασιλείας. εἰ παρεῖδες με τάτε. καὶ τὰ νῦν δε. βούλομαι παρὰ σου αἰτήσασθαι πρῶτα, καὶ παρακαλῶ σε μὴ παριδεῖν μου τὴν αἴτησιν. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ βασιλεὺς. ἀδελφέ μου γλυκύτατε. ἐὰν ἐστὶν ἕως τῆς κεφαλῆς μου ἡ αἴτησις. οὐ μὴ σε παρέλθω. τότε λέγει αὐτῷ. ὅρκω με. πληροφορήσῃς, ὅτι παρέχεις μοι. καὶ ὥμωσεν αὐτῷ ὁ βασιλεὺς. ὅτι ἐκ τῶν ὑπαρχόντων μοι. εἴτι ὃν αἰτήσῃ με ἰδῶμι σοι. τότε πεισθεὶς ὁ τοῦ βασιλέως ἀδελφός. λέγει αὐτῷ. τὸ παλάτιον ὃ ἔχεις ἐν τοῖς οὐνοῖς, πώλησον μοι αὐτό. ὁ δὲ εἶπεν. Καὶ ἐμοὶ τὸ παλάτιον ἐν οὐνοῖς. πόθεν ὑπάρχει ὁ δὲ

исполнѣи крости и приведе фомѣ и глѣ емѣ създа ли ми полатѣ. аплѣ рѣ созда. ирѣ рѣ да кога нмѣ ю кнѣдѣти. аплѣ рѣ не нмѣши ю кнѣдѣти здѣ нѣѣ. по егда ѿ житїа сего ѿндеши. ирѣ разгнѣка и на кнѣца поведе а в тѣнїиѣх вкрѣпѣи и доидѣ помысли о нею кѣмѣ данно бѣдѣ нмѣѣ ирѣко. и тогда а погнѣи аплѣ рѣ нде в темнїиѣх глѣ кнѣцѣ. не бѣдѣ нечѣ по к тому молн бѣ и ѿ мира сего скобожѣ боуденїи по бѣдѣю (sic) вѣннїю жнзнь наслѣдннн. к то поцы ирѣкѣ брѣ ѿ нечѣли прикнѣишасѣ ирѣкн к болѣзнь кнѣдѣ и послѣ глѣ емѣ се брате ксе ти предаю до и нмѣнїѣ мое. аз бо твоѣа рѣ нечѣли стѣжнѣ си змирую. по покон днѣно и мнѣн лютою мнѣоу кѣлѣхѣ ѿного ѿн же рѣ оумысли огнѣ сжѣпѣи на одрѣ. он же и днѣ ѿдасть. ирѣ сътокаше брата своѣго. и мынѣише многоцѣннѣю порфирою обкнѣишн положнн еѣго. аплѣи же помынѣ днѣѣ еѣго ведоннѣ ю к рѣ. показѣише еи тамо мѣсто. и еанко зготова бѣ мокашнѣ ѣ. егда приидѣ на зданїѣ фомннѣ. конросннѣи и аплѣи в коѣмѣ мѣстѣ хоуѣннн хѣтн. он же глѣ молю кѣ госнѣѣ мон. ко едннѣ ѿ клетѣи полатѣ сѣа оставнѣ ма да жнѣѣ рѣнѣ к неи не мошнн брата ко ти еѣѣ. ю емѣ ѣн созда онѣ крѣтннн. ѿкѣпѣ глѣише молю кѣ госнѣѣ мон. не дѣнѣ мене да козѣрѣнѣсѣ и нскѣннѣо оу неѣго. и аѣне ѿнѣстннѣа ю аплѣи и приидѣ наѣи к тѣло своѣ. вѣтѣа глѣ к своѣ шѣнѣе призовнѣи ми брата да нскрѣннѣѣ з неѣго пронѣѣе. шѣнѣѣ бѣговѣстннѣа о братѣ еѣго. он же слынѣа радостннѣи исполнѣи. приидѣ и обѣоѣзѣа ѣ. он же глѣ к немѣѣ братѣ кѣ аѣѣе бы проснѣ оу тебе и до полѣнѣртѣа твоѣго не бы ннѣишн ѿрѣкѣѣ. он же рѣ братѣ мон аѣѣе и до глѣѣи моѣа бѣдѣ то не нмѣа тебе ослашнѣтнѣ и рѣ емѣ клѣннн ми сѣ. клѣнннѣѣ же сѣ емѣ тога рѣ емѣ братѣ полатѣ юѣѣе нмѣишн на нѣскѣа неѣкѣтѣи проданн ми. онѣ рѣ то нмѣа ли полатѣ на нѣскѣи.

ἔφη. ὅπερ ἀκοδόμησε σοι ὁ χριστιανὸς ἐκεῖνος ὁ θωμᾶς. ὃν καὶ ἐν φυλακῇ ἐκβαλὼν θέσμιον. βούλει κολόσαι ἀδίκως ὡς δῆθεν ὑπὸ αὐτοῦ ἐμπαιγθεὶς περὶ τῆς τοῦ παλατίου οἰκοδομῆς. ἀλλὰ συ μὲν. τῇ πλάνῃ κατεχόμενος τῆς ματαιότητος. εἰκότως ἀγνοῶν, περὶ ὁρώμενων καὶ φθαρτῶν τὴν σπουδὴν ἔσχες. ἐγὼ δὲ. τὸ τοῦ θαυμαστοῦ ἐκείνου παλατίου κάλλος ἰδὼν, οὐ δύναμαι γλώσσει διηγῆσασθαι τὴν ὑπερβολὴν τῆς αὐτοῦ εὐπρεπείας. ταῦτα ὁ βασιλεὺς παρὰ τοῦ ἰδίου ἀδελφοῦ ἀκούσας, ἐξεπλάγῃ μὲν ἐπὶ τοῖς ρηθεῖσιν. συνῆκεν δὲ ὁμῶς περὶ τῶν ἑαυτοῦ χρημάτων. τῶν ὑπὸ τοῦ ἀποστόλου διανεμηθέντων τοῖς ἐνδέσεσιν, ὅτι τεταμίζεται αὐτῷ τὰ μέλλοντα ἄγαθὰ. ὑπὲρ τούτων. καὶ λέγει τῷ ἑαυτοῦ ἀδελφῷ. ἐκεῖνο τὸ παλάτιον ἀδελφέ μου πωλῆσαι σοι οὐ δύναμαι ἄόρατον γὰρ ἔστιν. ἀλλ' εὐχομαι καὶ ἐγὼ ἐπιτυχεῖν αὐτοῦ, καὶ ἐν αὐτῷ καταξιοθῆναι οἰκεῖν. σὺ δὲ. εἰ ἀληθῶς βούλει τοιοῦτον παλάτιον ἀγορᾶσθαι. ἰδοὺ. ὁ ἄνθρωπος ζῇ ὁ τῶν τοιούτων οἰκοδόμος. καὶ πάντως κτίζει σοι. ἐκείνου ἴσον καὶ ὅμοιον. φυλ. 57. καὶ εὐθέως πέμψας ὁ βασιλεὺς ἐξήγαγεν ἐκ τῆς φυλακῆς τὸν τε ἀπόστολον θωμᾶν. καὶ ἄβάνην τὸν ἑμπερον. καὶ πρὸς ἑαυτὸν μετακαλεσάμενος τὸν ἀπόστολον, προσέπεσεν αὐτοῦ τοῖς ποσὶν λέγων. συγχώρησον ἡμῖν. εἴτι ἐπλημμελήσαμεν εἰς σέ ἀγνοοῦντες. καὶ ποιήσον ἡμᾶς ἐπιγινῶναι. ὃν σὺ τέβρι. καὶ κηρύττεις θυ. ὁ δὲ ἀπόστολος εἶπεν πρὸς τὸν βασιλέα. ἐὰν ὀλοφυχωσὶ πιστεῦσῃται εἰς αὐτὸν ἐκεῖνος ὑμῖν συγχωρήσει πάντα ὑμῶν τὰ ἁμαρτήματα. συνθεμένου τοίνυν τοῦ βασιλέως καὶ τοῦ αὐτοῦ ἀδελφοῦ, πρὸς τὴν τῶν χριστιανῶν πίστιν ἐπιστραθῆναι ὀλοκαρδίως, ἤρξατο ὁ ἀπόστολος ἐκτίθεσθαι αὐτοῖς τὸ σρεῖον κήρυγμα. διδάξας δὲ αὐτοὺς ἱκανῶς. καὶ πρὸς θεογνωσίαν στηρίζας. ἐφώτισεν αὐτοὺς τῷ ἁγίῳ βαπτίσματι πανοικί. ἐν δὲ τῷ βαπτίζεσθαι τὸν βασιλέα. καὶ τὸν αὐτοῦ ἀδελφόν. ἐφάνη αὐτοῖς ὁ σῆρ, ἐν ἀπειρῷ λαμπρότητι. ὥστε ἰδόντα καὶ τὸν ἀπόστολον τὴν ὑπερβάλλουσαν αἴγλην. ἐπιπλεῖον δοξάσαι καὶ εὐχαριστῆσαι τὴν εὐσπλαγγνίαν καὶ ἀγαθότητα τοῦ φιλανθρώπου θυ. ἐκεῖνοι δὲ βαπτισθέντες καὶ θείας χάριτος ἀξιοθέντες πολλοῖς γεγονάσιν ὑπόδειγμα καὶ προτροπῇ. πρὸς τὴν ὁδὸν τῆς ἀληθινῆς πίστεως. ὁ μέντοι θεῖος ἀπόστολος. περιῆγεν ἐν πᾶσι τοῖς μερεσιν ἐκείνοις. τὸν λόγον κηρύττων τῆς ἀληθείας. καὶ ἐπιστρέφων τοὺς ἄνους. ἀπὸ τῆς ἀτελείας εἰς εὐσέβειαν καὶ ἐπίγνωσιν τοῦ ὄντως θυ. πᾶσαν δὲ τὴν χώραν τῶν ἰνδῶν. τῇ τοῦ Κυ χάριτι διὰ τῆς αὐτοῦ γλώττης μεταβαλὼν πρὸς τὴν τῶν χριστιανῶν πίστιν, μαρτυρικῶς τέλει καὶ αὐτόστης προσκαίρου ζωῆς ἀπαλλάττεται. καὶ πρὸς τὸν ἑαυτοῦ διδάσκαλον ἐκδημήσας χυ. τὴν ἀτελεύτητον σὺν αὐτῷ καὶ αἰώνιον βασιλεύει βασιλείαν. ὃ πρέπει πᾶσα δοξα τιμὴ καὶ προσκύνησις. σὺν τῷ πατρὶ καὶ τῷ ἁγίῳ πνι. εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

онже рѣ еи ѿ тѣ соудѣ онъ крѣпкѣ. и рѣ емѣ брате тоа нолѣты не могѣ ти продати не кнѣа бо ѣ по знѣнтелѣ нмѣ и съзнѣдѣ ти послѣ же нзведе фомѣ не темнѣа и гла емѣ ѿвѣсти нма ѣ ти согрѣшнхѣкъ не рѣшнхѣице и сотвори ны обѣрннѣа того. сѣо ты проноуѣдѣннѣ. аплѣ рѣ и азъ кѣ ѿнѣмѣ да бѣдетѣ обѣрннѣа ѿрѣка его. и поѣ проскѣтѣ а. да нма кнѣо пакыѣннѣа ко нма ѿѣа и снѣа и сѣго дѣа нзлѣсннѣа нма ѿ крѣпннѣа аѣѣ акнѣа нма ісѣ. ѣа днѣннѣа аплѣ. и сѣѣ велѣн оѣа и зтѣрѣѣ а к кѣрѣ. нзнѣ и ти на нѣтъ скон о гдѣ. емѣ нѣѣѣ кѣака сѣака уѣѣ и держакѣ. ннѣ и нрѣо и кѣѣ:

Чт е н і е и о б ѣ я с н е н і е с н и м к а.

Чт е н і е с н и м к а, см о т р и в ѣ в ы п и с к а х ѣ. З а с т а в к а з а г л а в н ы я б у к в ы. А з ѣ у к а н з ѣ з а г л а в і я и с к о р о п и с а н а я. З н а к и п р е п и н а н і я: т о ч к а, к о м м а, в о п р о с и т е л ь н ы й з н а к ѣ, т о ч k a c ѣ k o м м о ю.

С о к р а щ е н і я: К а і δ ε ε υ λ ό γ η σ ο ν. Μ ε γ ά λ ο ν μ α ρ τ υ ρ ο ς. Μ η ν і Α π ρ ι λ λ ί ω. ἄ ν δ ρ α σ, ε λ ε υ θ έ ρ ο υ ς ι κ α ν ῶ ν ἡ μ ῶ ν. Σ л о в а с ѣ с о е д и н и т е л ь н ы м ѣ з н а к о м ѣ: ἄ ρ χ ι μ ά ρ χ ο ι. ч а с т и ц а: δ ε ѣ с ѣ д в у м я у д а ρ е н і я м и. Б у к в ы: α., в ѣ с о е д и н е н і я с ѣ д ρ у г и м и: ἄ ξ ι, δι δ ά ξ α σ. ε., δ ε ξ ι ω θ ε ι ς, μ έ χ ρ ι ε ξ ῆ λ θ ο ν. σ., π е ρ ι σ σ ο τ έ ρ ω ς. τ., μ ε τ ά κ η ρ υ τ τ ο μ έ ν ω. ν., к о н е ч н а я. ε σ π ο υ δ α ζ ο ν. З н а к и в н о с н ы х ѣ м ы с л е й. З в ѣ з д о ч к а п р и н а ч а л ѣ з а г л а в і я. З а п и с ѣ п и с ц а п о ч т и в е я с т е ρ л а с ѣ. В и д н о т о л ь к о: θ ε ο φ ά ν ο υ ς, и г о д ѣ з ρ л. (1022).

V) Сборникъ Житій Святыхъ

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 15.

Длина пергамина.	7 ¹ / ₈	в.
Ширина.	6.	в.
Къ корешку	⁵ / ₈	в.
Между столбцами.	¹ / ₂	в.
Къ правой сторонѣ	1 ³ / ₈	в.
Къ верху	1 ¹ / ₈	в.
Къ низу.	1 ¹ / ₈	в.

Пергамень отъ времени по краямъ пожелтѣлъ, не совсѣмъ чистъ, по мѣстамъ и прорѣзанъ и поврежденъ. Писано скорописью по нарѣзамъ въ два столбца на 367 листахъ. Простыя заставки заглавія, и заглавныя буквы писаны краскою малиноваго цвѣта. Колеръ чернилъ свѣтло и темно-коричневый. Помѣта тетрадей внизу по срединѣ съ обоихъ сторонъ. Число строкъ на страницѣ 32, 33 и 35. Вверху 1-го листа подписано: τῶν Ἰβήρων, а внизу: Арсеній κκ̃.

1) л. 1—7 об. β'. τῇ επαύριον ἡ. τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν βασιλείῃς ἀρχιεπισκόπου καίσαρείας καππαδοκίας λόγος εἰς τὸ ἄγιον πν̃α. Начало: Θὺ μεμνησθαι μὲν δικαίε..... εὐσεβὲς καὶ κόρον οὐκ ἔχον τῇ φιλοθέῳ ψυχῇ.

2) л. 7 об. β'. — 16 об. β' μηνὶ ἀπριλλίῳ κκ̃. διήγησις θαυμάτων τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος χϛ̃ γεωργίου. Начало: Οἱ τῶν θῷ δωρεῶν ἀξιωθῆναι ποθοῦντες.

3) л. 17 а'. — 111 об. β'. μηνὶ ἰμαίῳ κκ̃. Βίος τοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν συμεῶν τοῦ ἐν τῷ θαυμαστῷ ὄρει. Начало: Ἐυλογητὸς ὁ θς̃. αὐτὸν γὰρ ἐυλογεῖν ἄξιον εἰς μνήμην ἑαυτοῦς τοῦ θεοῦ συμεῶν καθιέντας.

4) л. 112 а'. — 122 β'. μηνὶ δεκεμβρίῳ ιζ̃ ἀθλησις καὶ θαυμάτων διήγησις τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος, μόδε-
στου ἀρχιεπισκόπου ἱεροσολυμῶν. Начало: Καὶ ὁ θαυμαστὸς μόδεστος, εἷς ὧν καὶ αὐτὸς τῶν τε ἀξιώματι καὶ βαθμῷ διαπρεψάντων ἀρχιερατικῷ.

5) л. 122 об. а'. — 227 β'. μηνὶ ἰουλίῳ ϙ̃. Ἐυαγρίου ἐπισκόπου εἰς τὸν βίον καὶ τὰ θαύματα τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν παγκρατίου ἀρχιπροεδρ., ταυρομενίας. Начало: Ἐγένετο μετὰ τὸ ἀναληφθῆναι τὸν κν̃ ἡμῶν.

6) л. 227 β'. — 285 об. а'. μηνὶ ἰβλίῳ ιϙ̃. Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν θεοδώρου, τοῦ δια-
λάμψαντος ἐν ἀσκη... κατὰ τὴν μεγίστην λαύραν τῆς ἁγίας σάβα. ἔπειτα γεγονότος ἀρχιεπισκόπου πόλεως ἐδέσης καὶ ἀξιомνημόνευτα καταρθωκότος ἔργα. συγγραφεῖς παρὰ βασιλείου ἐπισκόπου ἐμέσης. Начало: Ἐυλογητὸς ὁ θς̃. ὁ πῆρ ὁ παντοκράτωρ. ὁ ποιητὴς οὐνοῦ τε καὶ γῆς.

7) л. 285 об. β'. — 297 об. а'. Κεφάλαια τοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν θεοδώρου τοῦ σαβαίτα. Начало: ἐπειδὴ τοῦ θῷ ἀγαθοῦ χαριτί. ἀποταξάμενοι τῷ σαταν ἀκαυτοῖς ἔργοις αὐτοῦ.

Л. 298 об. α и β'. О пророкѣ Илїи.

8) л. 298 а'. — 331 β'. μηνὶ ἰουλίῳ κ̃. Ὑπόμνημα εἰς τὸν ἄγιον καὶ ἐν προφήταις ἡλιοῦ. καὶ εἰς τὸν ὁπα-
δὸν αὐτοῦ καὶ φοιτητὴν ἐλίσσαιε τὸν προφήτην. καὶ μερικὴ διήγησις τῶν τεράτουργιῶν αὐτῶν καὶ θαυμάτων. На-
чало: Το μὲν λόγοις ἐγκωμίων καὶ συγγραφαῖς ἐπαίνων τὴν παροῦσαν τοῦ μεγίστου ἐν προφήταις ἡλιοῦ....

ϙ̃. л. 313 β'. — 319 а'. Βίος καὶ πολιτεία. τοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν ἀλεξίου τοῦ ἀν̃ου τοῦ θῷ. Начало: μνήμη δικαίων καὶ τῆς ἀρίστης αὐτῶν πολιτείας διήγησις. ἐπίδοσις ὑπάρχει καὶ αὐξήσις ἀρετῆς.

Γ̃. л. 320 а'. — 324 а'. Νείλου μοναχοῦ. περὶ παιθῶν. α. περὶ γαστριμαργίας. Начало: Ἀρχὴ καρποφορίας ἄνθος. καὶ ἀρχὴ πρακτικῆς ἐγκράτεια.

ιῃ̃. л. 324 а'. — 331 об. β'. Τοῦ ὁσίου πρὸς ἡμῶν μαξίμου ὁμολογητοῦ ἐρμηνεία εἰς τὸ п̃ερ ἡμῶν. πρὸς Σέργιον μαγίστρον αἰτήσαντα περὶ τούτου: Начало: Ἀὐτὸν ἐδεξάμεν τὸν θεοφύλακτόν μου δεσπότην.

ιβ̃. л. 331 об. β'. Ὀλυμπιοδώρου ὑπόμνημα εἰς τὸν ἐκκλησιαστήν. ὑπόθεσις τοῦ πρώτου κεφαλαίου. Начало: Τῶν ὄντων τὴν γνῶσιν ἀψευῇ δεξάμενος ὑπὲρ θῷ σωλομον ὁ τοῦ δᾶδ ὁσ̃.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 227 β. Μηνὶ Ιουλίῳ ιθ'.

Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ἐν ἁγίοις πρὸς ἡμῶν Θεοδώρου τοῦ διαλάμψαντος ἐν ἄσκει κατὰ τὴν μεγίστην λαύραν τοῦ ἁγίου σάβα. ἔπειτα γεγονότος ἀρχιεπισκόπου πόλεως ἐδέσσης καὶ ἀξιωμανημόνευτα καταρθωκότος ἔργα. συγγράφεισ παρὰ βασιλείου επισκόπου ἐμέσης: εὐ.

Εὐλογητὸς ὁ Θεός. ὁ πῆρ ὁ παντοκράτωρ. ὁ ποιητὴς οὐνοῦ τε καὶ γῆς. ὁρατῶν τε πάντων καὶ ἀοράτων εὐλογητὸς ὁ μονογενὴς υἱὸς καὶ λόγος τοῦ Θεοῦ. ὁ ἀνάρχος τε καὶ ἀχρόνως ἐκ τοῦ πρὸς. γενηθεὶς Θεὸς ἐκ Θεοῦ. σοφία τῆς τῶν ὄλων β'. συστάσεως περιεκτικῇ! καὶ δύναμις. τῆς ὄλης κτίσεως ποιητικῇ εὐλογητὸς ὁ παράκλητος τὸ ἅγιον καὶ ζωοποιὸν πᾶν τὸ ἐκ τοῦ πρὸς ἐκπορευόμενον, καὶ δι' υἱοῦ πεφυκὸς τοῖς ἀνοῖς. ἡ τρισυπόστατος καὶ ὁμοούσιος ἁγία τριάς. τελεία δόξη καὶ ἰδιότης καὶ βασιλεία μὴ μεριζομένη. ἡ ἀναρχος φύσις. τὸ δεσποτικὸν ὀξίωμα ἡ φυσικὴ ἀγαθότης. ὁ ἐν τριάδι εἷς Θεός. ὁ δημιουργὸς καὶ συγκρῆς καὶ προνοητὴς ἀπάντων ὁ διδοὺς αἰτοῦντι σοφίαν καὶ σύνοσιν. καὶ μὴ παρορῶν ἁμαρτάνοντα ἀλλὰ θέμενος ἐπὶ σῖα μετάνειαν. ὃν εὐλογοῦσιν οὐνῶν αἱ δυνάμεις. καὶ δοξάζουσι στρατιαὶ τῶν ἀγγέλων. αὐτὸν οὖν τὸν ἀγαθὸν καὶ πανοικτίρμονα Θεὸν εὐχαριστῶ καγὼ ὁ εὐτελής καὶ ἀνάξιος εἶ καὶ οὐκ εἰμὶ ἱκανὸς πρὸς δοξολογίαν β'. τῆς αὐτοῦ ἀγαθότητος. αὐτῷ προσφέρω ἑξομολόγησιν καὶ μεγαλοπρέπειαν. καὶ δέομαι ἐπακοῦσαι μου ἐν ἡ ἡμέρα αὐτοῦ ἐπικαλέσομαι. καὶ δοῦναι μοι λόγον. ἐν ἀνοίξει στόματος μου. ὅπως διηγήσωμαι βίον ἐν ἡμέρῳ. καὶ ὠφελείας ψυχικῆς πεπληρωμένον. τῷ ὄντι γὰρ αὐτὸν. εὐλογεῖν ἄξιον. καὶ ἐπικαλεῖσθαι. εἰς μνήμην ἑαυτοῦ τοῦ μεγάλου καθιέντας Θεοδώρου. καὶ κατ' αὐτὸν ἡδὴ συγγράφειν προειρήμενους. Θεοδώρου φημί. τοῦ κατὰ τὴν μεγίστην λαύραν τοῦ Θεοῦ σαβα. ἀγγελικὴν πολιτείαν καὶ διαγωγίαν μετελθόντος. οἷτα τὸν ἀρχιερατικὸν θρόνον κοσμήσαντος, πόλεως ἐδέσης. πολλὰς τε ψυχὰς σεσωσμένας τῷ Θεῷ προσαγογόντος. καὶ ἰσαποστολικὴν χάριν ἐκ Θεοῦ δεξαμένου. κηρύττειν διαπρυσίως τὸν λόγον τῆς ἀληθείας. καὶ ὀρθοτομεῖν τὴν πίστιν τῆς ἁγίας τριάδος. ἐπεὶ καὶ Θεὸς δᾶρον ἀνοῖς οὗτος ἀληθῶς. τοῦ καὶ πρὸ διαπλάσεως αὐτὸν ἐκλεξαμένου. л. 228 а. καὶ πρὸ γεννήσεως ἁγιασάντος. ὥς ἂν καὶ βίου τύπον ἔχοιμεν αὐτὸν μοναδικοῦ. καὶ ἱερωσύνης ἀληθινῆς ὑπόδειγμα. εἰ γὰρ καὶ κρείττον ἢ κατ' ἐμὴν δύναιμι τὸ ἐγγεῖρημα. ἀλλὰ τὸ μὲν τι συλλήφεται πάντως μοι ἡ θεία καὶ συμπαθὴς ἐκείνη ψυχὴ. τῷ ἀδελφιδῷ αὐτοῦ καὶ οἰκέτῃ. τὸ δὲ καὶ συγγινώσεται.

Изъ житія святаго Θεодора Едесскаго № 269. XVI в. Унд.

Мѣа Ἰюла въ ѿ. днѣ.

Житіе и жизнь нже ко стѣмъ ѿца ннго Феѡра ко-сѣавшаго к постннѣ в келїен лавръ. стго ѿца ннѣ савы, посѣ же бывша архїевна ко граде едессѣ. и до-стопоиниша исправкнши дѣла сииса ѿ каснаїа. еїна амосїнскаго. бѣгослови ѡуе.

Oriens Chr. 11 966. въ № 1081 перев. другой. по крайней мѣрѣ древнѣе сего.

Бѣгкѣнъ бѣтъ ѿца гъ вседержитель. творѣ нѣх и земаи видными ксѣмъ и невидными бѣгословѣнъ еди-породными сѣмъ и слоко бѣѣ безначаленъ же и безлѣ-тѣ ѿца родикнса. бѣтъ ѿ бѣа прѣстъ ксѣ составленїа содержаша. и сила ксю тварь сотворшїа. бѣгосло-венъ оуѣшнтель стѣмъ животворашїн дхъ. ѿ ѿца исходаи и сїѡ. квлѣнъ ѡбѣмъ. трисоставна и еднносѣчна и неразделна еѣа тронѣ. совершена славою и сѣрѣствомъ. и ѡрѣко не измѣнѣмо. без-началное естество и влѣнсе достоинство. естествен-на бѣгостнїи ко тронѣ едннъ бѣтъ. содѣтель и со-держитель и прмыслѣнкъ ксѣ кѣкъ. даи прослѣренъ прѣстъ и развѣтъ, и не прнзирѣа согрѣшающаго. по положнѣ на снѣсене показнїе. л. 1 об. еуже бѣго-словатъ нѣныи силы. и савкатъ конства анѣлъ. того оуѣо бѣго (sic) и прѣмѣтїкаго бѣа бѣгодарю и азъ недостоиннъ хвдн, аѣе и недоколѣнъ есмь на сло-вословнѣ того бѣгостннѣ. томъ прнпннѣ исповѣданїе. и велѣннотъ. и молюсѣ оуѣславнати ма конъ же днѣ аѣе прнзокъ сго. и дати ми слоко ко ѡвѣрженїе оуѣтъ монхъ. како да исповѣмъ житнѣ предобродѣтѣно. и ползы днѣкннѣ испомнѣно. констннѣ того оуѣо бѣгословннѣ достоинно еѣтъ и прнзывать. косномннѣа бо келнкаго мѣжа. и кѣе ѿ немъ подкннѣ и поѣе-ннѣ и добродѣтели. недостонѣтъ бо таковыи меда слав-ннннѣа пользы. келнкаго рекѣ Феѡдора. бывшаго к келїен лавръ бѣжественнаго савы в завѣнїе положннѣ. анѣлъскїи житїемъ и прѣбыванїемъ прѣнѣнѣа посѣм сїнннѣа прѣлъ оуѣкрасннѣа. града ефесскаго и многы оуѣо днѣа снѣсены къ бѣх прнведоша. и равнѣанѣлъскѣю бѣгодати прнѣмнѣаго, прнѣовѣдати слоко истнннѣ. и нсправлнати кѣрѣ стѣе тронѣа. понѣе ко н бѣнн даръ ѡбѣ л. 2. сѣи констнннѣ. прѣе ко злѣатнѣа сго нз-бра. и прѣе рѣжества сго ѡскѣнѣка мѣоже и житнѣ и оуѣстѣкъ нмѣтн емѣ нноуѣскаго и сїннѣа истнннѣа ѡбѣра. аѣе оуѣо и болѣ еѣтъ моѣа силы нѣзлѣтокъ но оуѣо наставнѣтъ ма ѡнѣа и мѣтнѣнѣа ѡнѣа днѣа. и кравѣмнѣтъ ма бѣрата сѣсѣа и раба. еѣе коѡбравннѣ

συγγνώσασθε δε καὶ πάντες οἱ τῆς ψυχωφελουῦς ταύτης πολιτείας ἀκροαταί. μηδὲν τοῦ πρὸς δύναμιν ἐλλίποντι. εἰ καὶ τοῦ πρὸς ἀξίαν πλεῖστον ἀπολίπομαι. δεῖ δὲ μικρόν ἀωτέρω τὸν λόγον ἀναγαγόντας. οἶων ὁ τουοῦτος ἔφυ γονέων. καὶ ὅστις ὁ τῆς συλλήψεως τρόπος αὐτοῦ. πρότερον παραστήσαι. εἴτα καθ' εἰρμόν τὰ λοιπὰ τῆς διηγήσεως ἐπισυνάψαι. ἀνὴρ τίς. οὐ πολλοῖς ἔμπροσθεν χρόνοις ἐξ ἐδέστης ὀρμώμενος. ὄνομα συμεών. εὐτεβῶν γονέων υἱός. καὶ ἐν ἐυσεβείᾳ καὶ φόβῳ θυ τραφεῖς, πᾶσαν ἡσπάζετο ἀρετῆς ἰδέαν. ἐπεὶ δὲ ἤδη καὶ γάμου καὶ συζυγίας ἔδει διὰ τὴν ἡλικίαν. διαλέγονται οἱ τούτου γονεῖς πατρῷσι κόρη. μαρία δὲ ὄνομα β'. αὐτῇ. ἐφ' ᾧ πρὸς γάμους αὐτὴν ὀγαγέσθαι τῷ νεανίσκῳ. οἱ δὲ ἀσμένως τοῦτο δεξάμενοι, τῇ θυγατρὶ μηνύουσιν. ἡ δὲ παρθενίαν ἡσπάζετο. μᾶλλον. καὶ δυσχερῶς εἶχε περὶ τὸν γάμον. ἐγκειμένων δὲ, τῶν γονέων καὶ οὐκ ἀνιέντων. εἶξεν ἡ κόρη καὶ ἄκουσα τῷ θελήματι τῶν τεκόντων, καὶ γάμου κοινωνία τῷ σύμῳ συνάπτεσθαι. εὐγενεῖς δὲ κατὰ τὴν ἔδεσαν ἀμφοτέρων οἱ γονεῖς ὑπῆρχον. καὶ περιουσίαν αὐτάρχεις κεκτημένοι. ἡ μὲν οὖν μαρία ἐναρέτως βιοῦσα. κοινωνὸν τὸν ἄνδρα. καὶ τοῦ τρόπου ποιεῖται, τῆς ομοίας αὐτῇ γνώμης ὄντα καὶ διαθέσεως. ἐπὶ χρόνον δὲ τίσι συνοικοῦσα τῷ ἀνδρὶ. θυγατρὸς μὲν μιᾶς μῆρ ἐγεγόνει, τῆς ἐμὲ δηλοῖ τὴν τεκούσης. ἄρρενα δὲ παῖδα οὐκ ἔτύχε κτήσασθαι. ἐφ' ᾧ λίαν τὴν ψυχὴν ὀδυνωμένη. τῇ τοῦ θυ συνεχῶς ἐπεφοῖτα ἐκκλησία. ἐπὶ τοῦ ἐδάφους τὴν καθημένη. καὶ νηστεία πολλῇ ἑαυτὴν κατατρύχουσα. ἄρτον ἑαυτῆς τὰ οἰκεῖα δάκρυα ἡμέρας καὶ νυκτὸς ἐποιεῖτο. δεήσας τε καὶ εὐχαῖς τὸν θυ. л. 228 об. а. ἰκετεύουσα. δοθῆναι αὐτῇ ἄρρενα. παῖδα, ὃν πάλιν αὐτῇ. δοτὸν προσάξει θυ. ἐν μιᾷ δὲ τῶν ἡμέρῳ. κατ' αὐτὸ δὴ τὸ πρῶτον τῶν ὁγίων νηστειῶν σάββατον. ὅτε καὶ μνήμην θαύματος ἐπιτελεῖν τῇ ἐκκλησίᾳ σύνηθες, τοῦ μεγάλου μάρτυρος θεοδώρου. ἀφικνεῖται καθ' αὐθις ἡ γυνὴ πρὸς τὸν θεῖον τῶν ἀποστόλων ναὸν. ἅμα τῷ ἀνδρὶ. συνήθως εὐχαῖς τε καὶ δεήσεσι τὸν θυ. ἐκλιπαροῦντες. τοὺς ἁγίους τε αὐτοῦ μαθητάς καὶ ἀποστόλους εἰς πρεσβείαν κινοῦντες. ἅμα δὲ καὶ τὸν ἅγιον μάρτυρα θεόδωρον ἐκδυσωποῦντες συνανπλαβεῖν αὐτοῖς τῆς πρὸς τὸν θυ μεσιτείας. ὅς εὐπρόσδεκτον αὐτοῖς τὴν προσευχὴν γενέσθαι, καὶ δοθῆναι τούτοις υἱόν. Κατ' αὐτὴν δὲ, τὴν νύκτα. γλύκεια τις ἐφίσταται ὄψις αὐτοῖς ἰδίᾳ ἐκάστω φανεῖσα. ἐδόκουν γὰρ καθ' ὕπνον. ὁρᾶν τὸν θεῖον θεόδωρον ἱστάμενον ἅμα τῷ β'. ἀποστόλῳ παύλῳ. καὶ τοῖα δὲ τὸν μάρτυρα λέγοντα. πρὸς τὸν θεῖον ἀπόστολον. ἰδοὺ μαθητὰ τοῦ Κυ. δέξιν οὗτοι μάλα θερμωτάτην προσάγουσι. ἄρρενα παῖδα λαβεῖν αἰτούμενοι. δὸς οὖν αὐτοῖς τὴν ἐκβασιν τῆς αἰτήσεως. ὁ δὲ δώσει μὲν ἔφη καὶ αὐτοῖς υἱόν. σὺ δὲ δάσεις τὴν τούτου κλησιν. τῷ ὄντι γὰρ. δῶρον ἔσται θυ τὸ τεχνησόμενον παιδίον. ἡ δὲ μαρία. κατάφοβος ὁμοῦ καὶ περιχρήσ δι' ὕπνισθεις. καὶ τὸν ἄνδρα διεγείρασ. τὸ ὄραμα διηγῆτο. ὁ δὲ τὰ αὐτὰ θεάσασθαι καὶ αὐτὸς διεβεβαίουτο. παραχρῆμα ποίνυν. ὡς εἶχον ἑαυτοὺς τῷ ἐδάφει δόντες καὶ κεφαλὰς ἐπὶ αὐτῷ πρὸ τοῦ θυσιαστηρίου μετὰ καὶ γονάτων ἐρείσαντες. σὺν ὁμοίοις δακρύων, εὐχαριστηρίους ἡρῶν φωνὰς πρὸς

ω немъ слово. размыните же вси нже днѣполезнаго сего житна посласи. кнѣтоже еже к силе недостаточѣ- ствѣюща. аще бо и боле есть къ столѣнѣ (sic) не- достаточѣствѣю. подобаетъ же мало выше слово ко- звѣсти. яко да ѿ боюю таковы бысть родителю. и како зачатна его ѿбразъ, прежде представити и по- семъ по радѣ проула исповѣданїа пауати. мѣ нѣкѣн немного лѣтъ прѣ сими нмын ѿ едеса сын нма емѣ семнѣнъ. бѣгокѣрих родителю сѣтъ, и по бѣгокѣрих и страсе бѣѣн косинтанъ. ксѣ любоваше добродѣтели ѿб- разъ. понеже оубо и бракъ приутанїе подобаше быти кѣпаста сего родителю с родителю дѣца марїа л. 2 об. сен нма. юже на бракъ прикести юноше. ѿнаже радо- стнѣ се приемши сен дѣствокати пауе любоваше. и печаль нмаше ѿ браце. прилежаша же и не ѿсла- бляющема родителема, покниѣ хотѣнїю нма. и бракъ приутанїю семнѣнъ приуочеваетца бѣгородна же ко ефесе ѿбою бѣста родителю. и нмынїе докѣно нмынѣ. мѣна же добрымъ житнемъ живѣри. приуочна правѣ и мѣ сотвораетъ. подобна ен развѣа свѣла и любви к лѣтѣхъ живѣри ен с мѣжемъ. днѣри оубо еднѣнѣ мѣн кмѣтъ. мѣжеска же полѣ не приуочна нмѣ нмѣ- ти. ѿ нем же зѣло днѣю болаше. к бѣнѣ приуож- дане црѣкѣ на земан сѣдари и постѣмъ многымъ себе оудрѣчашуци. и хлѣбъ себѣ своа творари слезы днѣ и нѣцѣ молашиса датиса ен ѿтроуа. егже данна бѣх приложити гѣнѣ. ко еднѣ же ѿ днѣ. к перкѣю сѣкотѣ сѣго поста. егда намѣтъ велика мѣнѣна фео- дора. ѿбыка есть црѣкѣ творити. принде акне л. 3. жена к вѣственнѣн апостольстен црѣкѣ. кѣнно и с мѣ- жемъ по ѿбыуаю мѣри бѣа и сѣте егѣ оуѣнѣн и мѣам к мѣтѣхъ подкнѣшаци. датиса нма сѣтъ. кѣнно и сѣго мѣнѣна феодора молашн да поможе ен ходатанствѣ к бѣх еже бѣгоприатне быти мѣтѣ еа. к тѣ нѣнѣ. сѣако некое кнѣнїе нрѣста нма. ѿсовѣ комѣждо п. кнѣна мнѣста бѣжественаго феодора. кѣнно с павломъ столѣа, кнѣти и такова гѣюца емѣ. се оуѣнѣе гнѣ мѣтѣхъ снѣо пауе приноснѣа тепѣх. плодѣ урѣкѣнаго проснѣа. дѣждѣ оубо нма воздѣанїе приношенїю. ѿнже дасть нма сѣтъ тожде нареуенїе подаетъ гѣа. ко не- тннѣ оубо вѣдетъ даръ бѣѣн ражасное ѿтроуа. марїа же со страхомъ бѣнѣно и радостнѣо козвѣшнн и мѣжа скѣего козвѣннн и кнѣннѣ исповѣда. ѿнже тѣадо к нен кнѣти покѣдокаше. акне кѣже ѿбыуаи нмѣ- ста себе на земан прѣклѣна и гѣкѣ с козвѣномъ ко ѿларекн прѣклѣна теуенїн слезнннн бѣгодарѣственнѣе пенѣпаста гласы. прѣкѣсѣа л. 3 об. ко црѣкѣ до сконѣанїа оуѣренѣаго пѣнїа на оуѣрнѣа козвѣтиса ко' скон домъ; мѣае же мнѣнѣнннмъ днѣмъ зачат мѣна по

δαυϊτικούς προσέθετο μελετᾶν ψαλμούς, εἴτε τι καὶ ἕτερον μάθημα. ὥς τε οἱ πρῶτην αὐτὸν σκώπτοντες καὶ ὀνειδίζοντες, ζηλωτον (— ἡ) αὐτὸν ἡγοῦντο καὶ μακάριον, τοιαύτης ἀξιοθέντα χάριτος. ἐντεῦθεν. ποθεινὸς μὲν ἦν διδασκάλους. ποθεινὸς δὲ ἤλιξι. τοῖς μὲν παρεκτεινόμενος, τοὺς δὲ ὑπεραίρων κατὰ πᾶν εἶδος παιδεύσεως. πρότερον γάρ. τὰ θεῖα ταῦτα καὶ ἡμέτερα καλῶς διδασχθεὶς μαθήματα. διαπλάττεται πλᾶσιν ἀρίστην τὴν καὶ καθαρωτάτην. ἔπειτα καὶ τὴν ἐγκύκλιον παιδείαν ἐπιχειρεῖ. ὑπὸ τινι σοφιστῇ, σωφρονίῳ καλουμένῳ. ὃν κοινὸν παιδευτὴν ἡ τῶν ἐδεδουμένων τῆνικαῦτα πόλις εἶχε. παρ' αὐτῷ τοῖνον φοιτῶν, γραμματικὴν τε καὶ ρητορικὴν καὶ φιλοσοφίαν, ἄκρως ἐκπαιδεύεται. τῷ ὄντι φιλόσοφος ἔργῳ τε καὶ λόγῳ β'. δεικνύμενος. καὶ θεοσέβειας ἐξασκούμενος. ὁκτω καὶ δεκάτου δὲ τῆς ἡλικίας ἐνιαυτοῦ ἐπιβάς, ὁρφανίαν ὑφίσταται τοῦ πρῶτος. εἶτα. μετ' ἐνιαυτοῦ ἑνα καὶ ἡ μῆρ ἀπολιμπάνει τὸν βίον. πρὸς μονὰς ἀλόνιους. ἡ ἱερὰ πορευθεῖς σοζυγία. ὁ τοῖνον καλὸς θεόδωρος τὰ νενομισμένα καὶ τετυπωμένα ἐπὶ τῇ τῶν γονέων ἀποδημία ποιήσας. καὶ δάκρυσιν μὲν τιμήσας τελευτήσαντας τοὺς γεγεννηκότας. εὐχάϊς τε καὶ πενήτων οἰκτιρμοῖς καὶ ἱεραῖς λειτουργίαις τὰς ἐκείνων κοσμήσας μνήμας, ὅλος ἦν τῆς ἐκδημίας τοῦ κόσμου. καὶ ὅλος ἀντειχετο τε καὶ περιείχετο τῆς μοναδικῆς ἡ ἀγγελικῆς μᾶλλον εἰπεῖν πολιτείας. ἀμέλει πόσαν αὐτοῦ τὴν γονικὴν περιβσίαν διελών. καὶ μέρος μὲν τῇ ὁδελφῇ αὐτοῦ л. 230 об. а. ἐμῇ δὲ μῖν δοὺς πρὸ πολλοῦ ἀνδρὶ συζευθείση. τὴν δὲ λοιπὴν πᾶσαν κτῆσιν. ἐν τε ἀγροῖς καὶ χρυσῷ καὶ ἀργύρῳ ἱκανὴν οὖσαν, πᾶσαν διένειμε πένησι. τὰ δὲ οἰκετικὰ γένη πάντα ἐλευθερώσας, καὶ λεγάτα παρσχῶν ἄπασιν. καὶ οὕτως ἀπαξάπλῳς. πάντα τὰ δεσμὰ τοῦ παρόντος βίου τοῦ ἀπαταιῶνος διαρρήξας. καὶ ὥσπερ τις ἀετὸς αἰθερου βᾶτης. κούφοις ἑαυτὸν πτεροῖς περιστείλας ἀπαίρει τῶν τοῦ κόσμου φροντίδων. καὶ ἀπολειπὼν, γῆν ἰδίαν καὶ συγγένιαν. καὶ οἶκον πατρικόν. κατὰ τὸν πάλαι μέγαν πατριάρχην, εἰς τὴν ἁγίαν παραγίνεται πόλιν ἱλῆμ. ἐνθα δὴ ὁ σῆρ ἡμῶν καὶ кс Іс Хс. τὸ ἐκούσιον καὶ στρεῖον ὑπέστη πάθος, τὴν παγκόσμιον ἐργασάμενος σφίαν. ἐν τάφῳ τε τριήμερεύσας β'. ἀνέστη ὁ ἀθάνατος, συναναστήσας τὴν ἡμετέραν φύσιν. ἐκ τῆς εἰς γῆν καταπτώσεως. καὶ ἐκ τῶν τοῦ ἄδου βαράθρων ἐξαγαγὼν τοὺς πάλαι δεσμίους, ὡς κραταῖος καὶ δυνάστης. ἐκεῖσε τοῖνον γενόμενος ὁ θεῖος ἐκεῖνος καὶ κράτιστος νεανίας. εἰκοσαέτης που ὑπάρχων τῷ σώματι. πολῶς δὲ καὶ προβεβηκώς τῷ φρονή. ἱρῶκῶν ποκελεκόμεν ὦ παστανнн на всѧ днѧ, ѧ проунтати сѣннне кнннн, сѧ рѧзѧннмъ ко мннннмъ н добрымн, словесм. ѧкоже рѣнн мѣдотѡннмн, н ѧзѧкѧ краснѡе н пронзноснѡе нмѧ ѧко ὦ сего дѧе нѡлзѧ прнннматн н согрѧждѧтсѧ дннннн слншнлннмъ. томѧ проунтѧющѧ всѧмъ лнѡкѧзнѧ со слнщѧмъ прнлѧжннѧмъ. н ѡбѧлѧемъ ѡѧкрѧшенѧмъ (sic). н бѧннѧ тоѧо всѧго бѧгѡдѧть нспѡнѧ. внѧдѧ ко дѧхѡвнѧ ѡнѧ своѧго жнтнѧ. л. 6 об. нвѧнъ сѧмѧ нмѧ ннннмъ же дннѧгслѡмъ не нѧнѡдѡбнѡ н ннѧ же мнѡгѧ ко стѣн тои лѧврѧ жнвѧщнхъ алѧкѧннѧмъ телеснмъ беснѡтнѧмъ прѡсто нѡѡдѧлѧющнѧ. слѧзѧмъ тоѡснѧ ѧнѧмъ стрѧмъ нспѡннннн рѧкѧнн сѧщѧ. н ѧко дрѧклѧ ѡѧстѧкъ нѧкнн добрѧ н прѧкѧ тѧхъ делѧсѧ прѧдѡ ѡннмѧ нмѧ всѧю слѡю рѧвнѡкѧтн тѧшѧсѧ прѧкнѧ ѡѧко ѧко нѧкѧко ко ѡѧтѧврѧжѧтѧ бѧжн стрѧ сѧбѧ кодрѧзнѧкъ н тѧмъ ѡѧрѧждѧсѧ н зѧконѧ гннѡ всѧгдѧ нѡѡѧлѧсѧ дрѧкѧ подѡбенъ бѧ. прѧ нспѡднннхъ ко дннхъ нспѧждѧннмъ. нже

навыче. довлѣмѡдрѣннѧ н ѧнстѧ. нспѡмъ же н ѡкрѧженѧе нѧѧннѧстѧ нѧкѧзѧннѧ л. 5. ὦ некѡѧго прнмѧ. софронѧ нѧрнцѧѧмѧго. ѧгоже тогдѧ ѡбщѧ кѧзѧтелѧ, ѧдѧскнн грѧдѧ нмѧшнѧ к сѧмѧ ѡѧбо кннѧ хѡждѧшѧ. грѧмѧтннннскѡе, н рнторѧскѡе лнѡкомѧнѧе нѧвыщѧшѧе. сѧн лнѡкомѡдрѧцѧ. дѧлѡмѧже н слѡкѡмъ ѧвлѧлѧсѧ. н бѧгѡкѧрнѧмъ ѡѧкрѧшѧлѧ сѧбѧ. не мнѡго же крѧмѧ прѧкѧмъ с нннн стѧрѧннѧмъ мѧжнѡ кѧдѧстѧ сѧбѧ ѧнѧ лѧтѧ мнѡгѧ нѡстѧщѧсѧ. нмѧ ѧмѧ нвѧнъ н жѧлѧшѧе тѧнлѧ нѧѧѧ. ко мннншескнн ѡбрѧзѧ ѡблѧщнѧ. н к сѣннѧн дрѧжннѧе прнѧѧѧтсѧ н ѡѧбо фѧѡдорѧ со слѧзѧмн дѧхѡвнѡмъ ѡнѧ н со слнщѧмъ ктѡ рѧѧѧ мѧннѧмъ нѧлѧжѧщѧ. трѧдѧ нѧкн ѡнѧ н нѡтѧ мннншескѡкѡ жнтнѧ нѡкѧзѡкѧшѧе. ѧко мнѡзн рѧѧѧ сѧтѧ н жѧстѡцн бѧдѧнѧ н нѧ зѧмѧн лѧгѧннѧ. телѧсн же н телѧснѧго хѡтѧннѧ нзѧѧснѡе ѡнѧрѧкѧннѧе ѧгдѧ кѧкѡ не вѡзѡмѧжѧннн рѧѧѧ зѧ вѡзрѧстѧ мѧлѧдн вѡлѧзнѧннхъ тѧрпѧтн, н ѡбѧщѧлѧсѧ н не вѡзѧдѧн ѡбѧщѧннѧ. нн толнннхъ вѡзѡмѧжѧннн нѡнѧстн вѡлѧзнѧн. л. 5 об. ѧзѧ ѡѧбо рѧѧѧ фѧѡдорѧ сѧго рѧдн прннѧдѡхъ. ѧко дѧ тѧкѡ ѡѧбо жнвѧ хѧ ѡнѧрѧ же грѧхѧ, не вѧдн же мн рѧкѧ вѡзѧѡжнтн нѧ рѧлѡ нѡ ѧвѧнѧлѧскѡмъ слѡкѧсн. н нѧкн вѡзѧкѧтсѧ вѡспѧтѧ. н ѧко ѡѧбо мнѡгѧ нзрѧкѧ ѧ сѣннѧ ѡгрѧдѧ нѧѧмѧнъ слншѧкѧ. добрѧ прѡнзвѡлѧннѧ ѧго не вѡзѡмѧже ѡсѧщн. н прнѧ ѧго рѧдѧсѧ. н бѧстѧ прѡѧѧѧ фѧѡдорѧ снннн н нѧѧѧ зѧнѧже к кѧхъ жѧлѧ добродѧтелнѧмъ жнтнѧмъ прнѧлнжнтсѧ. н томѧ прнскѡнтсѧ. н кнѡстнѡ. мѧлѡ крѧмѧ прѡвѧкѧѧ ѧко нѡлѧлѧтѧ н тѧкѡ нѡкѧлѧ стѧрѧнннѧ всѧмъ бо нѧрѧкѡкѧ собнрѧтсѧ. н стѡѧ рѧкѧ нрѧкнѡ фѧѡдѡрѧ нѡстрнжѧ н ко мннншескѧ ѡблѧѧѧ. ὦ толѧ ѡѧбо прѧкѧкѧшѧе ко ѡбнтелѧ с дрѧжннѡю фѧѡдорѧ. нѡстннѧѧскѧ нѡдѧвннн со ѡѧсѧрднѧ дѧлѧ. н дѧхѡвнѡмъ слѧжн ѡнѧ своѧ ѡнѧдѧ ѡкѧрѧсѧ вѡлѧ. ѡнѡгоже вѡлн н рѧзѧмъ всѧю слѡю нѡслѧдѧ. н рѧзѧнѧлѧ нѡрѧѧѧнѧ бѧнѧ ѧмѧ слѧжѧннѧ. н бѧннѧ л. 5. не токмѡ к тѧмъ бѧгѡблѡѧннмъ. но н ко всѧкѡн добродѧтелн бѧгѡ прнѧлѧжѧнъ дѧлѡмъ ко рѧѧннмъ, н зѧмѧлѧ (sic) снѡтрѧннѧмъ нѧ всѧкѧ днѧ ѧвлѧлѧсѧ. н ѡсѡнѧ ннѧкѡже ѡлѧѧлѧсѧ нѧрѧѡкнѧго. к нѡннѧмъ н ко днѧкнѧмъ слѧкѡслѡвѧннѧ. н прѧ рѧкѧ всѧ. стѧѧю слѧѧѧ. ѧнѧсѧ же ѡѧко н бѧжѧстѧвѧннн ннспѧннн прѡунтѧннѧмъ н ѧкоже жѧлѧст ѧлѧнѧ нѧ нспѡннннн вѡднѧ, дѧкѧскн рѧѧнн тѧкѡже жѧлѧ бѧ. н бѧзѧзѧсѡтѡстн (sic) прѧхѡдѧ нѡ н к нѡннѧмъ бѧдѧннѧ. н добрымн, словесм. ѧкоже рѧѧн мѧдѡтѡннмн, н ѧзѧкѧ краснѡе н пронзноснѡе нмѧ ѧко ὦ сего дѧе нѡлзѧ прнннматн н согрѧждѧтсѧ дннннн слншнлннмъ. томѧ проунтѧющѧ всѧмъ лнѡкѧзнѧ со слнщѧмъ прнлѧжннѧмъ. н ѡбѧлѧемъ ѡѧкрѧшенѧмъ (sic). н бѧннѧ тоѧо всѧго бѧгѡдѧть нспѡнѧ. внѧдѧ ко дѧхѡвнѧ ѡнѧ своѧго жнтнѧ. л. 6 об. нвѧнъ сѧмѧ нмѧ ннннмъ же дннѧгслѡмъ не нѧнѡдѡбнѡ н ннѧ же мнѡгѧ ко стѣн тои лѧврѧ жнвѧщнхъ алѧкѧннѧмъ телеснмъ беснѡтнѧмъ прѡсто нѡѡдѧлѧющнѧ. слѧзѧмъ тоѡснѧ ѧнѧмъ стрѧмъ нспѡннннн рѧкѧнн сѧщѧ. н ѧко дрѧклѧ ѡѧстѧкъ нѧкнн добрѧ н прѧкѧ тѧхъ делѧсѧ прѧдѡ ѡннмѧ нмѧ всѧю слѡю рѧвнѡкѧтн тѧшѧсѧ прѧкнѧ ѡѧко ѧко нѧкѧко ко ѡѧтѧврѧжѧтѧ бѧжн стрѧ сѧбѧ кодрѧзнѧкъ н тѧмъ ѡѧрѧждѧсѧ н зѧконѧ гннѡ всѧгдѧ нѡѡѧлѧсѧ дрѧкѧ подѡбенъ бѧ. прѧ нспѡднннхъ ко дннхъ нспѧждѧннмъ. нже

Ἄυτὸν ἐδεξάμην τὸν θεοφυλάκτον μου δεσπότην. διὰ τῶν αὐτοῦ πανευφρόνων γραμμάτων παραγεγόμενον τὸν αἰεὶ μὲν παρὰ τὸν καὶ ὀπεῖναι τῷ πνεύματι παντελῇ οὐ δυνάμενον.

Запись писца: Ἐτελειώθη ἡ γραφὴ τῆς παρούσης βίβλου μηνὶ Ἰουνίῳ ιϛ'. Ἰνδικτιώνος δ'. ἔτους εϛϛλ'.

Χαρχθεῖσα χειρὶ θεοφάνους ταπεινοῦ καὶ ἀμαρτωλοῦ.

Ἐυχέσθε ὑπὲρ αὐτὸν οἱ ἐνταῦθα ἀγαγινώσκοντες.

Βίος τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν συμφώνος τοῦ ἐν τῷ θαυμαστῷ ὄρει.

Ἀθλήσις καὶ θαυμάτων διήγησις τοῦ ἁγίου ἱερομάρτυρος Μοδέστου ἀρχιεπισκόπου Ἱεροσολυμῶν.

Заставка, заглавные буквы. Азбука изъ оглавлений и скорописная. Слова съ знаками препинанія. βoας: αὐτοῦ. Частицы съ двумя удареніями: μὲν δέ.

Слова съ титлами и сокращения: Κύριε, ἀνθρώποις. Καὶ καὶ Μηνὶ δεκέμβριῳ ιζ'. ἀκλινῶς, πρηστῆρας, ἀνέμους.

ϛ. Цифра, означающая помѣту тетрадей. Знаки вносныхъ мыслей.

Слова въ соединеніи съ другими: α., ἀξιούσθαι, ἀξιούμενος ἅγιον. ε., δεξια, δεξάμενος. ν., ἐκ δημίων ἤν. σ., φύσεως. τ., ἔκστασις.

VI) Евангеліе Апракосъ (полный) *)

Находится въ Библіотеки С.-Петербургской Духовной Академіи.

Длина пергамина	6	в.
Ширина	4 ⁵ / ₈	в.
Къ корешку	¹ / ₂	в.
Между столбцами	¹ / ₂	в.
Къ правой сторонѣ	³ / ₄	в.
Къ верху	⁵ / ₈	в.
Къ низу	1	в.

Пергамень довольно тонокъ, но отъ времени покоробился. Края у некоторыхъ листовъ приклеены.

Писано довольно крупною скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 394-хъ листахъ. Заглавія и заглавные буквы писаны творенымъ золотомъ. Ноты для чтенія писаны вверху карминомъ малиноваго цвѣта. На оборотѣ 393 листа запись 1034 года писана тою же краскою, какою и ноты. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Число строкъ на страницѣ 20. Помѣта тетрадей урѣзана.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

Изъ Евангелія во Вторникъ Сыропустный.

Τῇ γ'. τῆς ἀποκρέως ἐκ τοῦ κατὰ μάρκον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ Ἰουδας ὁ ἰσχυρίωτης εἰς τῶν δώδεκα ἀπῆλθε πρὸς τοὺς ἀρχιερεῖς ἵνα παραδῷ τὸν Ἰῶ αὐτοῖς οἷδὲ ἀκούσαντες ἐχάρησαν καὶ ἐπηγγείλαντο αὐτῷ ἀργύριον δοῦναι· καὶ ἐζήτη· πῶς εὐκαίρως αὐτὸ παραδῷ καὶ τῇ πρώτῃ ἡμέρᾳ τῶν ὀζύμων, ὅτε τὸ πάσχα ἔθυσον λέγουσιν αὐτῷ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ. ποῦ θέλης ἀπελθόντες ἐτοιμάσωμεν ἵνα φάγῃς τὸ πάσχα καὶ ἀποστέλλει δύο τῶν μαθητῶν αὐτοῦ καὶ λέγει· αὐτοῖς ὑπάγετε εἰς τὴν πόλιν

Изъ Евангелія Апракосъ XII в. № 47. Синод.

Типогр. Библіот. л. 143 а.

Къ кѣ мѣноуныѣ. еѡл. ѿ мѣр.

Къ онѡ. ноуѡ скаріотьскын іедниѣ ѿ двою наде-сате нѡе кѣ старѣшининамъ жрьѡьскомъ. да іѡл прѣд-дсть нмъ. они же слышакъше. кѡзрѡдѡмшасѡ. н обѣщашѡ іемоу сребрьникы дѡти. н нскаше кѡко н кѣ подобно кѣмѡ прѣддсть. н нѣркын дѣнь онрѣсноуѣ іегда пасхоу жрахоу. гѣшѡ ємоу оуѡениши скон. кѡе хошениш да шѣдъше оуготовимъ да кѡи пасхоу. н посла два ѿ оуѡеникѣ сконѣхъ н гѣл нмѡ. нѡста вѣ

*) Т. е. послѣ недѣли пятидесятницы положены и дневныя чтенія Евангелій, кромѣ субботнихъ и Воскресныхъ.

καὶ ἀπαντήσῃ· ὑμῖν ἄνθρωπος κεράμιον ὕδατος βαστάζων. β'. ἀκολουθήσατε αὐτῷ. καὶ ὅπως ἐὰν εἰσελθῇ εἰπατε τῷ οἰκοδεσπότῃ, ὅτι ὁ διδάσκαλος λέγει ποῦ ἐστὶ τὸ κατάλυμα ὅπου τὸ πᾶσχα μετὰ τῶν μαθητῶν μου φάγω. καὶ αὐτὸς ὑμῖν δείξει ἀνώγειον μέγα ἐστρωμένον ἑτοιμον ἐκεῖ ἐτοιμάσατε ἑμῖν. καὶ ἐξῆλθον οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ καὶ ἦλθον εἰς τὴν πόλιν εὗρον καθὼς εἶπεν αὐτοῖς καὶ ἡτοίμασαν τὸ πᾶσχα. καὶ ὁψίας γενομένης ἔρχεται μετὰ τῶν δώδεκα. καὶ ἀνακειμένων αὐτῶν καὶ ἐσθιόντων εἶπεν ὁ Ἰσὶς ἡμῖν λέγω ἑμῖν ὅτι εἰς ἐξ ὑμῶν παραδώσει με ὁ ἐσθίων μετ' ἐμοῦ οἱ δὲ ἤρξαντο λοιπεῖσθαι καὶ λέγει αὐτῷ εἰς καθεὶς μήτι ἐγώ. ὁ δὲ ἀποκριθεὶς β'. εἶπεν αὐτοῖς εἰς ἐκ τῶν δώδεκα ὁ ἐμβαπτόμενος μετ' ἐμοῦ εἰς τὸ τρίβλιον ὁ μὲν υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου ὑπάγει καθὼς γέγραπται περὶ αὐτοῦ. οὐαὶ δὲ τῷ ἀνθρώπῳ ἐκεῖνῳ. δι' οὗ ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου παραδίδωται. καλὸν ἦν αὐτῷ εἰ οὐκ ἐγεννήθη ὁ ἄνθρωπος ἐκεῖνος. καὶ ἐσθιόντων αὐτῶν λαβὼν ὁ Ἰσὶς τὸν ἄρτον καὶ εὐλογήσας π. 241 οἶ. α. ἐκλάσας καὶ ἔδωκεν αὐτοῖς καὶ εἶπεν λάβετε φάγετε τοῦ (sic) ἐστὶ τὸ σῶμα μου. καὶ λαβὼν ποτήριον εὐχαριστήσας ἔδωκεν αὐτοῖς. καὶ ἔπιον ἐξ αὐτοῦ πάντες καὶ εἶπεν αὐτοῖς. τοῦτο ἐστὶ τὸ αἷμα μου τὸ περὶ πολλῶν ἐκχυνομενον ἄμην λέγω ὑμῖν ὅτι οὐκ ἔτι οὐ μὴ πίνω ἐκ τοῦ γεννηματος τῆς ἀμπέλου ἕως β'. τῆς ἡμέρας ἐκείνης ὅτ' ἂν αὐτῷ πίνω καὶνὸν ἐν τῇ βασιλείᾳ τοῦ θύ καὶ ὑμνήσαντες ἐξῆλθον εἰς τὸ ὄρος τῶν ἐλαιῶν καὶ λέγει αὐτοῖς ὁ Ἰσὶς ὅτι πάντες σκανδαλισθήσεσθε ἐν ἐμοῖ ἐν τῇ νυκτὶ ταύτῃ ὅτι γέγραπται πατάξω τὸν ποιμένα καὶ διασκορπισθήσεται τὰ πρόβατα τῆς ποιμένης ἀλλὰ μετὰ τὸ ἐγερθῆναι με προάξω ὑμᾶς εἰς τὴν γαλιλαίαν. ὁ δὲ πέτρος ἔφη αὐτῷ. καὶ εἰ πάντες σκανδαλισθήσονται ἀλλ' οὐκ ἐγώ. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ Ἰσὶς. ἄμην λέγω σοι ὅτι σὺ σήμερον ἐν τῇ νυκτὶ ταύτῃ πρὶν ἢ δὲς ἀλέκτορα φωνῆσαι τρίς ἀπαρνήσῃ με ὁ δὲ πέτρος ἐκ περι σοῦ ἔλεγεν. μᾶλλον ἐὰν με θέῃ συναποθανεῖν σοι οὐ μὴ σε ἀπαρνήσομαι ὡσαυτως δὲ καὶ πάντες ἔλεγον. καὶ ἔρχονται εἰς χωρίον οὗ τῷ ὀνόματι γεθσημανῆ. καὶ λέγει τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ καθίσατε ὧδε ἕως προσεύξωμαι. καὶ παραλαβὼν τὸν πέτρον καὶ Ἰάκωβον καὶ Ἰωάννην μεθ' ἑαυτοῦ καὶ ἤρξατο λυπεῖσθαι καὶ ἀδύμονεῖν καὶ λέγει αὐτοῖς περίλυπος ἐστὶν ἡ ψυχὴ μου ἕως θανάτου. μεῖνατε ὧδε καὶ γρηγορεῖτε καὶ προσελθὼν μικρὸν ἔπεσεν ἐπὶ πρόσωπον ἐπὶ τῆς γῆς. καὶ προσήυχατο ἵνα ἡ δύνατον ἐστὶν παρέλθῃ ἀπ' αὐτοῦ ἡ ὥρα καὶ ἔλεγεν ἄββα ὁ πᾶρ πάντα δυνατὰ σοι παρένεγκε ἀπ' ἐμοῦ τὸ ποτήριον β'. τοῦτο ἀλλ' οὐτι ἐγὼ θέλω ἀλλ' εἰ τι συ. καὶ ἔρχεται καὶ εὕρισκει αὐτοὺς καθεύδοντας. καὶ λέγει τῷ πέτρῳ σίμων. καθεύδεις οὐκ ἴσχυσας μίαν ὥραν γρηγορῆσαι. γρηγορεῖτε καὶ προσεύχεσθαι ἵνα μὴ εἰσελθῇτε εἰς πειρασμόν. τὸ μὲν πᾶν πρόθυμον. ἡ δὲ σάρξ ἀσθενής. καὶ πάλιν ἀπελθὼν προσήυχατο. τὸν αὐτὸν λόγον εἰπὼν καὶ ὑποστρέψας εὗρεν αὐτοὺς καθεύδοντας ἦσαν γὰρ οἱ ὀφθαλμοὶ αὐτῶν βεβαρημένοι καὶ οὐκ ἤδυσαν τί αὐτῷ ἀνταποκριθῶσιν. καὶ ἔρχεται τὸ τρίτον καὶ λέγει αὐτοῖς καθεύδετε λοιπὸν καὶ ἀναπαύεσθε. ἀπέχει ἤλθεν τ

градъ и сърѣшеть въ уѣкъ. къ комѣръжъ кодоу не-сынъ. и по немъ ндѣта. ндѣже аще вѣлѣзеть. рѣта гнѣу домоу. ꙗко оуѣнтель гѣтъ кдѣ ꙗсть обнтель моѣ. ндѣже насхоу съ оуѣнныи моннн камъ. и тѣ кама покажетъ късходъннцю велнкоу постыланноу гото-коу. тоу оуготованте намъ. и нзнѣоста оуѣннка и прндоста къ градъ. и обрѣтоста. ꙗкоже рѣу нмъ. и оуготовааста насхоу. кеуѣроу же вѣкыноу. прнде съ двѣмандѣсате. и къзлѣпачъ нмъ и вѣдоушнмъ. рѣу. ꙗсъ прако гѣю камъ. ꙗко ꙗдннъ ѿ вѣсъ прѣдасть ма. вѣднн съ мною. онн же науана неуаловатнскъ и гѣтн смѣу едннъ по едннмоу. еда азъ. и дроуѣтн еда азъ. онъ же ѿвѣщавъ рѣу. нмъ. ꙗдннъ ѿ обою ндѣсате ѿмакан съ мною къ сънлоу. снъ же оуѣо уѣкы ꙗкоже ннскано о немъ. люѣ же уѣкноу томоу нмъ же снъ уѣкы прѣдаѣтсѣ. добръе ꙗемоу бы было. аще бы не роднаѣскъ уѣккъ тѣ. и вѣдоушнмъ нмъ. рѣ ꙗсъ прако гѣю камъ. къзъмъ ꙗсъ хѣтъ и хѣлоу къздавъ бѣннкъ прѣломн и дасть нмъ и рѣу. прннмѣте и ндн-те се ꙗсть тѣло моѣ. и къзъмъ уѣноу хѣлоу къздавъ прѣломн. (sic) (ошнѣка писца) и ннша ѿ немъ ксн. и рѣ нмъ се ꙗсть крѣкъ моѣ по ваго за вѣта по-лѣкѣмла за многы. прако гѣю камъ. ꙗко оуѣе не нмамъ нннн ѿ плода лозьнаго до того днѣ. ꙗгда нню новъ къ нрѣтвнн бѣнн и къснѣкыне нзндоша къ го-роу елеонъскоу. и гѣа нмъ ꙗсъ ꙗко ксн съблзхнтсѣ о мнѣ къ сню ноцѣ ннскано бо естъ. порѣжоу нас-тоуѣа и развѣгнѣтсѣ оуѣца. нъ по къстаннн моѣмъ кѣрю кы къ галнѣтн. петръ же рѣ ꙗемоу аще ксн съблзхнатсѣ нъ не азъ. и гѣа ꙗемоу ꙗсъ прако гѣю тн. ꙗко ты днѣ къ сню ноцѣ прѣже даже коуѣ не късноеть. трннѣды ѿвѣрѣшнскъ мене. петръ же нз-лнха гѣа науѣ. аще мн сѣа лѣуѣнтъ оуѣрѣтн с тобою не ѿвѣрѣоуѣа тебе. тако и ксн гѣахоу. и прндоша къ ксѣ ꙗенѣе нмъ гефснмннн. и гѣа оуѣеннкомъ сконмъ. снѣдѣте сдѣ дондѣе ннѣдъ помѣюсѣ. и поѣа петра и нѣакока и нѣана съ собою и науѣа оуѣасатнскъ и тоу-жннн и гѣа нмъ. неуална ꙗсть днѣа моѣ до съмъртн пожѣдѣте сдѣ и бѣднѣте. и прѣннѣдъ мамо ндѣе на землѣ. и молашнскъ. да аще моуѣно ꙗсть да ннмо ндѣтъ ѿ него уѣсъ. и гѣннѣ аѣа оуѣе ксе моуѣно тебе. ннмонесн уѣноу сню ѿ мене. нъ не ꙗко азъ хоуѣоу. нъ ꙗко же ты. и прѣе и обрѣте ꙗ сънѣмла. и гѣа нстроѣнн снмонѣ сънннн лѣ. не въ змоѣе лн едннго уѣса поѣдѣтн. бѣднѣте. и молашнскъ. да не вѣлѣзѣте къ нскоушннннн. дѣхъ бо поѣуѣаѣтъ. плѣтъ немоуѣна. и накы шѣдъ помѣнскъ тоѣе слоко рѣкъ. и къзвѣрѣсѣа до (sic) снѣа накы снаѣа. вѣста бо нмъ оуѣн таѣыѣ. и не вѣдахоу уѣсо ꙗемоу ѿвѣщѣтн. и прнде третнѣе и гѣа нмъ. сннѣте проуѣе и поуѣн-канѣте. ѿстоуѣнн прнде уѣсъ. се прѣдаѣтсѣ снъ уѣкы

ἄρα. ἰδὲ παραδίδοται ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου εἰς τὰς χεῖρας β. въ роу́кы грѣшныи́комъ. въстанѣ́те и́демъ се прѣдъа́н
τῶν ἁμαρτωλῶν. ἐγείρεσθε ἄγωμεν ἰδοὺ ὁ παραδιδούς με ма прибли́жнса.
ἤγγισεν.

Чтене и объясненіе снимка.

Ἐκ τοῦ κατὰ Λουκᾶν.

Τῷ καιρῷ ἐκεῖνῳ ἡρώδης ὁ τετράρχης ἐλεγχόμενος ὑπὸ Ἰωάννου περὶ ἡρωδιάδος τῆς γυναῖκος τοῦ ἀδελφοῦ αὐτοῦ.

Запись писца: Ετελειώθη μηνὶ δεκεμβρίῳ λ'. Ἰνδικτιώνος κ'. ἔτους ς' φμβ'. (1034).

Заглавные буквы, заставка. Азбука скорописная.

Слова съ титлами и сокращенія: ἄνθρωπος πνεῦμα. Μηνὶ νοεμβρίῳ. καὶ γὰρ μαργαρίτας. Частицы съ двумя удареніями: μὴ δέ. Знакъ препинанія въ концѣ Евангелія: ἄλλη:· въ срединѣ: ἄψας. Союзъ ἢ съ дыханіемъ и удареніемъ.

Слова въ связи съ другими: α., ἄγωμεν, διέταξεν. ε., ἐξ ἐπὶ ἔρχεται. σ., ἐπείνασεν σε. τ., μετ.

VII) Евангеліе Апракосъ не полный ¹⁾.

Писанъ крупною скорописью въ два столбца на пергаментѣ на 230 листахъ въ 1044 году Θεο-
досіемъ. Начальнаго Евангелія въ 1-й день Пасхи нѣтъ. Оно послѣ въ XIII—XIV вѣкѣ написано
на бумагѣ. Съ листа 173 об. до 221 об. начинается синаксарь съ чтеніемъ Евангелій на избран-
ные праздники и дни нѣкоторыхъ святыхъ.

Съ 221 об. β'. Утреннія Евангелія. Листы 222 и 223. Изъ синаксаря. Л. 224—228. 4—11. Вос-
кресныя Евангелія. На оборотѣ 228. Уставъ чтеній Евангелій на разныя потребности. На 229. Имя писца
и время написанія книги. На 230. Листъ приклеенъ къ доскѣ изъ Евангелія отъ Луки.

Пергаментъ грубъ, и отъ времени коробоватъ.

Длина	6 ³ / ₈	в.
Къ низу	1 ¹ / ₂	в.
Къ верху	⁵ / ₈	в.
Ширина	5	в.
Къ правой сторонѣ	6 ¹ / ₂	в.
Между столбцами	³ / ₈	в.
Къ корешку	³ / ₈	в.

Выписки изъ Евангелія Апракосъ 1044. Сев. Собр. № 119. съ славянскимъ переводомъ.

φυλ. 33. β'. Κυριακῇ γ'. ἀπὸ τὸ πασχα ἐκ τοῦ κατὰ Ιω.

Τῷ καιρῷ ἐκεῖν. παράγων ὁ Ισ' εἶδεν ἄνθρωπον τυφλὸν ἐκ
γεννητῆς † καὶ ἡρώτησαν αὐτὸν οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ λέγον-
τες. ῥαββί. τίς ἡμαρτεν. οὗτος. ἢ οἱ γονεῖς αὐτοῦ.
ἵνα τυφλὸς γεννηθῇ. ἀπεκρίθη Ισ' οὔτε οὗτος. ἡμαρτεν.
οὔτε οἱ γονεῖς αὐτοῦ. ἀλλ' ἵνα φανερωθῇ τὰ ἔργα τοῦ
θῦ ἐν αὐτῷ. ἐμὲ δεῖ ἐργάζεσθε. τὰ ἔργα τοῦ πεμφαντός

Изъ Евангелія Рум. музея № 103. 1164 г.

И ѿ. γ'. ιεϛα ѿнон. л. 28 л.—30 л.

Въ оиѡ прохода ісѣ видѣ ѹлѣка слѣпа ѿ рѣтѣл. и
въпросиша оуѹеници ѹго глѣце. оуѹнѣмо кто съгрѣ-
ши. слыли ли родитѣли ѹго. да слыиѣ родиса. ѿкъѣѣ
ісѣ. ни съ съгрѣши ни родитѣли ѹго. нѣ да ѣвѣтъ-
са дѣла бѣѣ на нѣсмѣ. мнѣ подобѣѣтъ дѣлати дѣла
послѣѣнѣмоу ма. дондеже днѣ ѹсть. приѣѣтъ ноѣѣ.

¹⁾ Подъ словомъ: не полный, я разумѣю, что здѣсь нѣтъ чтенія Евангелій въ Понедѣльникъ, Вторникъ, Среду, Четвертокъ и Пятокъ послѣ пятидесятницы или недѣли всѣхъ святыхъ.

με. ἕως ἡμέρα ἐστὶν φυλ. 33. οβ. α. ἔρχετε νῦν. ὅτε οὐδεὶς δύνατε ἐργάζεσθε. ὅταν ἐν τῷ κόσμῳ ὦ. φῶς εἰμὶ τοῦ κόσμου. Ταῦτα εἰπὼν. ἔπτυσσε χαμαί. καὶ ἐποίησε πηλὸν ἐκ τοῦ πτύσματος. καὶ ἐπέχρησε τὸν πηλὸν ἐπὶ τοὺς ὀφθαλμοὺς τοῦ τυφλοῦ. καὶ εἶπεν αὐτῷ ὕπαγε. νίψαι. εἰς τὴν κολυμβήθραν τοῦ σιλωὰμ. ὃ ἐρμηνεύετε ἀπεσταλμένος. ἀπῆλθεν οὖν καὶ νίψατο. καὶ ἦλθεν βλέπων. β'. οἱ οὖν γείτονες. καὶ οἱ θεωροῦντες αὐτὸν τὸ πρότερον. ὅτι τυφλὸς ἦν. ἔλεγον. οὐχ' οὗτος ἐστίν. ὁ καθήμενος καὶ προσαιτῶν. ἄλλοι ἔλεγον ὅτι οὗτος ἐστὶν ἄλλοι δὲ. ὅτι ὁμοίως αὐτῷ ἐστίν. ἐκεῖνος ἔλεγεν. ὅτι ἐγὼ εἰμὶ ἔλεγον οὖν αὐτῷ. πῶς ἠνεώχθησάν σου οἱ ὀφθαλμοί ἀπεκρίθη ἐκεῖνος καὶ εἶπεν. ἄνθρωπος λεγόμενος Ισ. πηλὸν ἐποίησε. καὶ ἐπέχρησε μου τοὺς ὀφθαλμοὺς φυλ. 34 α. καὶ εἶπεν μοι. ὕπαγε εἰς τὴν κολυμβήθραν τοῦ σιλωὰμ. καὶ νίψαι. ἀπελθὼν δὲ καὶ νιψάμενος ἀνέβλεψα. εἶπον οὖν αὐτῷ. ποῦ ἐστὶν ἐκεῖνος λέγει. οὐκ οἶδα. ἄγουσιν αὐτὸν πρὸς τοὺς φαρισαίους. τὸν ποτὲ τυφλόν. ἦν δὲ σάββατον ὅτε τὸν πηλὸν ἐποίησεν ὁ Ισ. Καὶ ἀνέωξεν αὐτοῦ τοὺς ὀφθαλμούς. πάλιν οὖν. ἠρώτησαν αὐτὸν καὶ φυλ. 34. β'. καὶ οἱ φαρισαῖοι. πῶς ἀνέβλεψεν. ὁ δὲ εἶπεν αὐτοῖς. πηλόν. ἐπέθηκεν μου ἐπὶ τοὺς ὀφθαλμοὺς. καὶ ἐνιψάμην καὶ βλέπω. ἔλεγον οὖν ἐκ τῶν φαρισαίων τίνες οὗτος ὁ ἄνθρωπος. οὐκ ἐστὶν παρὰ θῦ. ὅτι τὸ σάββατον οὐ τηρεῖ. ἄλλοι ἔλεγον. πῶς δύναται ἄνθρωπος ἁμαρτωλός. τοιαῦτα σημεῖα ποιῆν. καὶ σχίσμα ἦν ἐν αὐτοῖς λέγουσι τῷ τυφλῷ. σὺ τί λέγεις περὶ αὐτοῦ φυλ. 34 οβ. α. ὅτι ἤνοιξε σου τοὺς ὀφθαλμούς ὁ δὲ εἶπεν. ὅτι προφήτης ἐστίν. οὐκ ἐπίστευσαν οὖν οἱ Ἰουδαῖοι περὶ αὐτοῦ. ὅτι τυφλὸς ἦν καὶ ἀνέβλεψεν. ἕως ὅταν ἐφώνησαν τοῖς γονεῖς αὐτοῦ τοῦ ἀναβλέψαντος. καὶ ἠρώτιζαν αὐτούς λέγοντες. οὗτος ἐστὶν ὁ υἱ ὁ υἱῶν. ὃν υἱεῖς λέγεται. ὅτι τυφλὸς ἐγεννήθη πῶς οὖν ἄρτι βλέπει ἀπεκρίθησαν δὲ αὐτοῖς οἱ γονεῖς αὐτοῦ καὶ εἶπον οἶδαμεν. ὅτι οὗτος ἐστὶν ὁ υἱ ὁ υἱῶν. καὶ ὅτι τυφλὸς ἐγεννήθη. πῶς δὲ νῦν βλέπει οὐκ οἶδαμεν. καὶ ἡ τίς ἤνοιξεν αὐτοῦ τοὺς ὀφθαλμούς. ἡμεῖς οὐκ οἶδαμεν. αὐτὸς ἡλικίαν ἀνέχει. αὐτὸν ἐρωτίσατε. αὐτὸς περὶ ἑαυτοῦ λαλήσει. ταῦτα εἶπον οἱ γονεῖς αὐτοῦ. ὅτι ἐφοβοῦντο τοὺς Ἰουδαίους. ἤδη γάρ. συνετέθηγοντο οἱ Ἰουδαῖοι. ἵνα φυλ. 35 α. ἐάν τις αὐτὸν ὁμολογήσῃ. χν. ἀποσυνάγωγος γένηται. διὰ τοῦτο οἱ γονεῖς αὐτοῦ εἶπον. ὅτι ἡλικίαν ἔχει. αὐτὸν ἐρωτίσατε. ἐφώνησαν οὖν ἐκ δευτέρου τὸν ἄνθρωπον. ὃς ἦν τυφλός. καὶ εἶπον αὐτῷ. δὸς δόξαν τῷ θῷ. ἡμεῖς οἶδαμεν ὅτι ὁ ἄνθρωπος οὗτος. ἁμαρτωλός ἐστίν. ἀπεκρίθη ἐκεῖνος καὶ εἶπεν. εἰ ἁμαρτωλός ἐστίν οὐκ οἶδα. ἐν οἷδα ὅτι τυφλὸς ὦν. ἄρτι β'. βλέπω. εἶπεν δὲ αὐτῷ πάλιν τι ἐποίησεν σοι. πῶς ἤνοιξεν σου τοὺς ὀφθαλμούς ἀπεκρίθη αὐτοῖς εἶπον ὑμῖν ἤδη καὶ οὐκ ἠκούσατε τι πάλιν θέλετε ἀκουεῖν. μὴ καὶ ὑμεῖς θέλετε αὐτοῦ μαθηταὶ γενεσθαι. ἐλοιδώρησαν αὐτὸν καὶ εἶπον. σὺ εἰ μαθητῆς ἐκεῖνου. ἡμεῖς δὲ. τοῦ μωσέως ἐσμὲν μαθηταί. ἡμεῖς οἶδαμεν. ὅτι μωσῆς λελάληκεν ὁ θς. τοῦτον φυλ. 35 οβ. α. οὐκ οἶδαμεν πόθεν ἐσ-

и҃гда же никто же может дѣлати. и҃гда въ мнрѣ и҃смь свѣтъ и҃смь мнроу. си рекъ наюноу на землю. и свѣторн берныѣ ѿ паниковныхъ (sic). и помаза емоу оун берныемъ и реуе и҃моу. ндн оумынса къ коупѣли снлоуамли. и҃же сѣказається посланъ. нде же и оумыса и приде кндѣ. соуѣднже нже бахоу кндѣли и прѣже. и҃ко проситель (sic) бѣ. и глѣхоу нѣ съ ли бѣ сѣдѣ и просѣ. оун глѣхоу и҃ко съ и҃сть. а ннн глѣхъ подобенъ и҃моу и҃сть. онъ же глѣше и҃ко азъ и҃смь рѣша же и҃моу како ти сѣ ѿкерзоста оун. ѿвѣща онъ и реуе. уаѣкъ нарицаемъи и҃сѣ. берныѣ свѣторн. и помаза оун мон и реуе мн. ндн къ коупѣли снлоуамьскоуио и оумынса. шедъ же оумыкѣса и прозрѣхъ рѣша же и҃моу кто тѣ и҃сть. ѿвѣща не кѣмъ. и ведоша и къ фарисѣомъ. нже бѣ нногда слѣнъ. бѣ же соукота и҃гда свѣторн берныѣ и҃сѣ. и ѿкерзе. оун и҃моу. и пакы кѣпросниша и фарисѣи како прозрѣ онъ же реуе нмъ берныѣ положи мн на оуио. и оумыхѣса и внѣю. глѣхоу же и҃терн ѿ фарисѣи. нѣсть се уаѣкъ ѿ бѣ и҃ко соукоты не хранитъ. оун глѣхоу. како можетъ уаѣкъ грѣшенъ снѣа знаменыхъ творити. и рѣснѣра бѣ въ ннхъ. глѣхъ же слѣнѣио. пакы ты уто глѣиши о нѣмъ. и҃ко ѿкерзе оуи тѣон. онъ же реуе и҃ко прѣкъ и҃сть. и не и҃ша кѣры ннодѣи о нѣмъ и҃ко слѣнъ бѣ и прозрѣ. допѣдѣже пригласниша родитѣли и҃его. и кѣпросниша и҃ глѣиѣ. съ ли и҃сть снѣа кѣю и҃егоже кѣ глѣа и҃ко слѣнъ роднса како оуѣо кндитъ. ѿвѣща нмъ родитѣли. кѣкъ и҃ко се и҃сть снѣа наю и҃ко слѣнъ роднса. како же нѣнѣ кндитъ не кѣкъ или кто ѿкерзе и҃моу оун не кѣкъ. самого кѣпроситъ кѣздрастъ нмѣа самъ о себе да глѣтъ. снѣе рекоста родитѣли и҃его. и҃ко вѣстаса ннодѣи. оу҃же вѣ сѣ бахоу сѣложилисѣ ннодѣи. да а҃иѣ кто испокѣсть хсѣ. ѿлоу҃емъ вѣдѣтъ ѿ сѣнѣишиа. сего радн родитѣли и҃его рекоста. кѣздрастъ нмѣа самого кѣпроситѣ. кѣзгласниша (sic) же кѣторнѣю уаѣка нже бѣ слѣнъ и рѣша и҃моу даѣъ слакхъ бѣѣ. мы кѣмы и҃ко уаѣкъ се грѣшенъ и҃сть. ѿвѣща онъ реуе. а҃иѣ грѣшннѣкъ и҃сть не кѣмъ. и҃ко слѣнъ кѣхъ и нѣиша внѣю. рѣша же и҃емъ. уто свѣторн тебе како ѿкерзе оун тѣон. ѿвѣща нмъ рѣхъ кѣмъ оу҃же лѣ не слыниастѣ. уто пакы хо҃иѣте слышати. и҃да и кѣ хо҃иѣте оу҃҃ениши и҃его быти. они же оу҃корнша и рѣша. ты оу҃҃еникъ того и҃сѣи. мы же мѣстоуи оу҃҃ениши и҃смы. мы кѣмъ и҃ко мѣстоуи глѣ бѣ. сего же не кѣмы ѿкоу҃доу и҃сть. ѿвѣща уаѣкъ и реуе нмъ. о сѣмъ оу҃ѣо днѣкно и҃сть. и҃ко кѣ не вѣсте ѿкоу҃дѣ и҃сть. и ѿкерзе оун мон. кѣмъ же и҃ко грѣшннѣкъ бѣ не послоу҃иастѣ. нѣ а҃иѣ кто кѣоу҃ѣѣѣ и҃сть. и волю и҃его творитъ. и того послоу҃иастѣ. ѿ вѣка нѣсть слышано. и҃ко кто ѿкерзе оун слѣпоу роженѣо. а҃иѣ не кѣ ѿ бѣ былъ. не могаъ бы ннѣсоже творити. ѿвѣщаиша и҃моу ннодѣи къ грѣсѣхъ и ты кѣсѣ роднѣ-

τίν. ἀπεκρίθη ὁ ἄνθρωπος. καὶ εἶπεν αὐτοῖς. ἐν γὰρ τοῦτο θαυμαστόν ἐστι. ὅτι ὑμεῖς οὐκ οἰδατε πόθεν ἐστίν. καὶ ἀνέωξε μου τοὺς ὀφθαλμούς. οἶδαμεν δὲ. ὅτι ἁμαρτωλῶν ὁ θεὸς οὐκ ἀκούει. ἀλλ' ἔαν τις θεοσεβῇς ἦ. καὶ τὸ θέλημα αὐτοῦ ποιῇ τούτου ἀκούει. ἐκ τοῦ αἰῶνος οὐκ ἠκούσθη. ὅτι ἤνοιξέ τις ὀφθαλμούς τυφλοῦ γεγεννημένου. εἰμι ἦν οὗτος παρὰ τοῦ. οὐκ ἠδύνατο ποιεῖν οὐδὲν ἀπεκρίθησαν καὶ εἶπον αὐτῷ ἐν ἁμαρτίαις σὺ ἐγεννήθης ὅλως. καὶ σὺ διδάσκεις ἡμᾶς. καὶ ἐξέβαλον αὐτὸν ἔξω. ἤκουσεν ὁ Ἰσὼς ὅτι ἐξέβαλον αὐτὸν ἔξω. καὶ εὐρών αὐτὸν. εἶπεν αὐτῷ σὺ πιστεύεις εἰς τὸν τοῦ τοῦ. ἀπεκρίθη ἐκεῖνος καὶ εἶπεν καὶ τίς ἐστίν καὶ ἵνα πιστεύσω εἰς αὐτόν. φυλ. 36 α. εἶπεν δὲ αὐτῷ ὁ Ἰσὼς. καὶ ἐώρακας αὐτόν καὶ ὁ λαλῶν μετὰ σοῦ ἐκεῖνος ἐστίν. ὁ δὲ ἔφη πιστεύω καὶ. καὶ προσέκύνησεν αὐτῷ:

сѧ ꙗсн. ты лн нты оуѣнши. нзгѣнаша же н конѣ. слышавѣ же ісѣ ꙗко нзгѣнаша н конѣ. ') ѿвръте н н реу. ꙗмоу ты вѣроуѣши лн вѣ сѣа бѣа. ѿвѣща онѣ н реу кто ꙗсть ꙗн да вѣроу ꙗмоу вѣ нѣ. реуе же ꙗмоу ісѣ. н вѣдѣа ꙗсн н гѣа н с тобою тѣ ꙗсть. онѣ же реуе вѣроу ꙗн н поклоннса ꙗмоу.

Чтєніє и обѣясненіє снѣмкѧ.

φυλ. 75 οβ. α. † Σάββατον ἅ. ἐκ τοῦ κατὰ λουκᾶν: Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἦλθεν ὁ Ἰσὼς. εἰς καπερναῖμ. πόλιν τῆς γαλιλαίας καὶ ἦν διδάσκων αὐτοὺς ἐν τοῖς σάββασιν †. καὶ ἐξεπλήρουντο ἐπὶ τῇ διδαχῇ β. αὐτοῦ. ὅτι ἐν ἐξουσία ἦν ὁ λόγος αὐτοῦ † καὶ ἐν τῇ συναγωγῇ ἦν ἄνθρωπος, ἔχων πᾶσα δαιμονίου ἀκαθάρτου. καὶ ἀνέπράξε φωνῇ μεγάλῃ λέγων. ἐὰ τί ἡμῖν καὶ σοὶ Ἰσὼς ναζαρινέ. Продолженіє выпиסקи изъ сего Евангелія.

Изъ Евангелія 1164 г. Рум. Музея. л. 109 б. и об. а. б.

Соу. ἅ. ꙗсѣа. ѿлоуѣ.

Въ онѣ приде ісѣ къ капернаѣмъ къ градѣ галн-лѣнскѣ н бѣ оуѣа къ соуѣоты н оуѣасахъса о оуѣенъ ꙗго. ꙗко съ властью бѣ слово ꙗго. н бѣ къ сборн-ци уѣѣкъ нмын дѣхъ вѣсенѣ неуѣнстѣ. н козѣн гла-сомъ велнкомъ гѣа. остана что ꙗсть намѣ н тебе ісѣ назаранинѣ. пришеа ꙗсн погоуѣнтѣ насѣ. вѣмъ та кто ꙗсн сѣын бѣнн. н запрѣти ꙗмоу ісѣ гѣа. прѣмолун н нзнѣ нз ꙗнего. н повергын по срѣдѣ нзнѣ нз ꙗнего ннѣакоже некрѣднѣ ꙗго. н бѣ оу-жасть на всѣхъ. н сѣтазахоуѣса дроуѣ къ дроуѣоу гѣюѣе. что ꙗсть слово сѣ. ꙗко властью н снлоу. велнтѣ неуѣнстымъ дѣом н неходатѣ.

φυλ. 76 α. Ἦλθες ἀπολέσαι ἡμᾶς † οἶδα σε τίς εἶ ὁ ἅγιος τοῦ τοῦ. καὶ ἐπετήμησεν αὐτῷ ὁ Ἰσὼς λέγων. φημώθητι καὶ ἐξέλθε ἐξ αὐτοῦ. καὶ ρίψαν αὐτόν τὸ δαμόνιον εἰς μέσον. ἐξῆλθεν ἀπ' αὐτοῦ. μὴ δὲν βλαψαν. αὐτόν. καὶ ἐγένετο θάμβος ἐπὶ πάντας. καὶ συνελάλουν πρὸς ἀλλήλους λέγοντες. τίς ὁ λόγος οὗτος. ὅτι ἐν ἐξουσία καὶ καὶ δυνάμει ἐπιτάσσει. β'. τοῖς ἀναθάρτοις πνεύμασιν καὶ ἐξέρχονται:

Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ προσκαλεσάμενος Ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητάς αὐτοῦ. ἔδωκεν αὐτοῖς ἐξουσίαν πνευμάτων ἁκαθάρτων.

Записъ писца: Ἐγράθη τὸ θεῖον καὶ ἄχραντον εὐαγγέλιον διὰ χειρὸς θεοδοσίου μοναχοῦ καὶ ἁμαρτωλοῦ. ἐτελειώθη δὲ ἐν Κυρίῳ μηνὶ δεκεμβρίῳ τῆς ἁγίας Μάρτυρος βαρβάρας ἅ. ὅρα ḡ. ἰνδικτιώνος ιβ'. ἔτους ςϵϕиѣ. (1044).

Μνησθητι Κύριε τῷ σῷ δούλῳ γρηγορίῳ μοναχῷ καὶ μάρκῳ μοναχῷ τοῖς πίστει καὶ πόθῳ πόλλῳ μοχθήσαν-τες διὰ τὸ ἅγιον εὐαγγέλιον καὶ δὸς αὐτοῖς ἄφεσιν ἁμαρτιῶν διὰ τὴν πολλὴν σου εὐσπλαγχνίαν σὺν καὶ τῷ γρά-ψαντι θεοδοσίῳ μοναχῷ τῷ πολύτλῃ. ἀμήν γένοιτο Κύριε.

Заставки, заглавныя буквы и скорописная крупная Азбука. Азбука изъ заглавій.

Слова съ знаками препинанія: ψυχὴν. δυνάμει:

Слова съ титлами и сокращеніями: θεὸς σταυρὸν ἄνθρωπος. Καὶ κατὰ ζητεῖ Καιρῷ μηνὶ Σαββάτῳ ἔ. Ἰησοῦ αὐτὸν εισέλθῃται πρὸς. Ἰωάννης. μβ. Слова въ связи съ другими: α., συγαγωγᾷς ἄξιος ἀγέλη. ε., ἀκούειν ἐγὼ παρέξῃ περὶ ἐξ εἶπεν ν., ἀνθρώπων ὀδυνᾶσαι. σ., γνώσεως τ., ἀναστήσεται.

1) Со словъ: ѿвръте... вѣнѣ. было пропущено, и послѣ внизу написано:

VIII) Бесѣды Св. Іоанна Златоустаго на Матѳея,

Находятся въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 79.

Длина пергамина	7 ¹ / ₈	в.
Ширина	5 ¹ / ₂	в.
Къ корешку	³ / ₈	в.
Между столбцами	¹ / ₂	в.
Къ правой сторонѣ	1 ¹ / ₄	в.
Къ верху	¹ / ₈	в.
Къ низу	1 ⁵ / ₈	в.

Пергамень хотя хорошо выдѣланъ, но довольно толстъ и имѣетъ на нѣкоторыхъ мѣстахъ недостатки краевъ.

Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 330-ти мѣстахъ. Заставки, заглавія и заглавныя буквы писаны краскою малиноваго цвѣта. Внизу 1-го листа подписано: Хиландарскія. Колеръ чернилъ темно-коричневый. Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обоихъ сторонъ. Число строкъ на страницѣ 31.

Это вторая книга бесѣдъ Златоуста, начинающаяся 45-ю бесѣдою, оканчивается 90-ю.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

Изъ 49-й Бесѣды.

л. 26 об. β'. Διὰ τί ἀνέβλεψεν εἰς τὸν οὐνόν, καὶ εὐλόγησεν. ἔδει πιστευσθῆναι αὐτὸν, ὅτι παρα τοῦ πρῶς ἐστὶ καὶ ὅτι ἴσος ἐστὶ. . . . л. 27. α'. ὁμοῦ δὲ καὶ παιδεύων ἡμᾶς μὴ πρότερον ἄπτεσθαι τραπέζης, ἕως ἂν εὐχαριστήσωμεν τῷ τὴν τροφὴν ταύτην ἡμῖν παρέχοντι. καὶ διὰ τί οὐ ποιεῖ ἐκ μὴ ὄντων. ἐμφάττων τὸ μαρτίωνος καὶ μανχαίου στόμα τῶν τὴν κτίσιν ἀλλοτριούντων αὐτοῦ. καὶ . . . παιδεύων. ὅτι καὶ τὰ ὁρώμενα ἅπαντα αὐτοῦ ἔργα καὶ κτίσματα εἰσι. καὶ . . . ὅτι αὐτός ἐστιν. ὁ ἐπὼν . . . βλαστησάτο ἡ γῆ βοτάνην χόρτου. καὶ ἐξαγαγέτω τὰ ὕδατα ἐρπετὰ ψυχῶν ζωσῶν. л. 27 об. α'. . . . ποιεῖ καὶ καθολικὴν ἐνεργείαν. ἵνα μὴ θεωροῖ μόνον οἱ πολλοὶ τῶν ἐτέρους συμβάντων γένωνται. . . . ἀλλὰ καὶ αὐτοὶ τῆς δωρεᾶς ἀπολαύσωσι. . . . εἰς ἔρημον αὐτοὺς ἄγει. ἵνα μεθ' ὑπερβολῆς ἀνυπόπτον ἢ τὸ θαῦμα. Καὶ μὴδεὶς νομίσει πλησίον κόμην παρακειμένην. εἰσενεγκεῖν τ. εἰς τὴν τραπέζαν. διὰ τοῦτο καὶ τῆς ὥρας μέμνηται. οὐχὶ τοῦ τόπου μόνον. καὶ ἕτερον δὲ μνησάνομεν. τὴν φιλοσοφίαν τῶν μαθητῶν. δώδεκα γὰρ ὄντες πέντε ἄρτους μόνους εἶχον. . . . β'. . . . οὕτω πάρεργα ἦν αὐτοῖς τὰ σωματικά. καὶ τῶν πνευματικῶν εἶχοντο μόνον. καὶ οὐ δὲ τῶν ὀλίγων ἀντείχοντο. ἀλλὰ καὶ αὐτοὺς αἰτηθέντες ἔδωκαν. ὅθεν παιδευσθαι χρὴ, ὅτι καὶ ὀλίγα ἔχωμεν. καὶ αὐτὰ προίεσθαι δεῖ τοῖς θεομένοις. κελευθέντες γοῦν ἐνεγκεῖν τοὺς. ἄρτους οὐ λέγουσι καὶ πόθεν ἡμῖν ἐστὶ ἡ διατροφή. πόθεν δὲ ἡμεῖς παραμυθισώμεθα τὴν πείναν ἡμετέραν, ἀλλ' ὑπακούουσιν εὐθέως. . . . λαβὼν. . . . διέκλασε καὶ ἐδίδου

Изъ 49-й Бесѣды въ переводѣ Константина Пресвитера XIII в. № 262 Свн. Библ.

Л. 79. Поуѣто къзрь на нѣо и блѣслоки. да покажетъ ꙗко отъ ѡца ѣсть. и ꙗко равнѣ ѣсть. коупно же и ны кажа. не прикхатисѣ пьркѣе трапезѣ. дондеже похвалнѣ. подавшаго намъ сню пнщю. и поуѣто не творитъ ѡ небытиѣ нѣ ѡ соущихъ. затыкам оуста марконова. и млинхеова. оуѣждающема л. 79 б. тварь ѡ него. коупно же и показамъ. ꙗко и виднма вса. того дѣла. и съзѣданиѣ соутъ. и ꙗко тѣ ѣсть реки. да прозженеть земля. травоу сѣна. и да изнесеть воды. пресмыкнуощама доушамъ живамъ. творитъ же и вселенско благаданнѣ. мнѡжество селнко напнтѣкъ да не тѣкмо виднте лн л. 79 об. мнѡзж. и приккюушомъсѣ ннѣмъ боудоутъ. (нсцѣлениннмъ блѣгомъ) (сего радн и сънидѣтѣсѣ) нѣ да и сами насладатѣсѣ дара. въ поустыню же ꙗ воднтъ. да съ преспѣкнннѣмъ не зазѣрнмо вѣдетъ юѣда и да не мнѣнтъ ннктоже блнзъ соущоу въсь. и ѡ томъ вѣнестн что на трапезѣ. сего радн и уасъ помннѣеть. не ѡ) мѣста тѣкмо. ꙗше же и оуѣеннуоу философию снмъ разоумѣемъ. ꙗко вѣ. соуща. пать хлѣбъ нмѣахоу тѣкмо. аше въ поуждыныхъ. въ подѣланѣ нмъ л. 27 об. а. бѣнѣа телеснѣа. и дѣкнннхъ дѣрѣжахоу сѣа тѣкмо и нн помалоу же пѣрѣахоу. нѣ и н (sic) тѣн вѣдаша прошени бѣкѣше. тѣмъ достонѣ намъ л. 80 а. казатнѣсѣ. ꙗко аше и мало нмѣамъ. и то подобатъ подати требоущнмъ. пожелнн же бѣкѣше прннестн реуѣ хлѣбы. не глаголютъ то ѣнмъ ны сѣа пнтѣтн.

τοῖς μαθηταῖς.... τούτω αὐτοὺς τιμῶν. л. 28 α. οὐ τιμῶν δὲ μόνον. ἀλλ' ἵνα ὅτ' ἂν γένηται τὸ. θαῦμα, μὴ ἀπιστήσωσι. μὴ δὲ ἐπιλάθωνται.... τῶν χειρῶν αὐτοῖς μαρτυρουμένων..... οὐ κελéνει δὲ αὐτοὺς ἐπὶ στιβάδος ἀναπεσεῖν. φιλοσοφεῖν τοὺς ὀχλοὺς παιδέων. οὐ γὰρ ἔρέψαι τὰ σώματα μόνον ἐβούλετο, ἀλλὰ καὶ τὴν ψυχὴν παιδεῦσαι β'. Καὶ ἀπὸ τοῦ τόπου τοίνυν καὶ ἀπὸ τοῦ μὴδὲν πλέον ἄρτων δοῦναι καὶ ἰχθύων. καὶ ἀπὸ τοῦ πᾶσι τὰ αὐτὰ προθεῖναι. καὶ ποιῆσαι κοινά. καὶ μὴδὲν. θατέρω θατέρου πλεῖον παρασχεῖν καὶ ταπεινοφροσύνην καὶ ἐκράτειαν καὶ ἀγάπην, καὶ τὸ ὁμοίως πρὸς ἀλλήλους διακείμεναι. καὶ τὸ κοινὰ πάντα νομίζειν εἶναι ἐπαίδευσε. καὶ κλάσας ἔδωκε τοῖς μαθηταῖς, οἱ δὲ μαθηταὶ τοῖς ὀχλοῖς. τοὺς πέντε ἄρτους ἔδωκε καὶ οἱ πέντε ἐν ταῖς χερσὶ τῶν μαθητῶν ἐπήραζον.... καὶ περισσεῖσαι ἐποίησε... οὐχὶ ἄρτους..... ἀλλὰ κλάσματα ἵνα δείξῃ ὅτι ἐκείνων τῶν ἄρτων ταῦτα τὰ λείψαντα ἦν. καὶ ὥστε τοὺς . . . μαθεῖν τὸ γεγεννημένον. л. 28 об. α. διὰ τοῦτοκαὶ δώδεκα κοφίνους περισσεῦσαι ἐποίησεν. ἵνα καὶ ἰουδαῖς βαστάσῃ. ἡδύνατο μὲν, γὰρ καὶ σβέσαι τὴν πείναν. ἀλλ' οὐκ ἂν ἔγνωσαν οἱ μαθηταὶ τὴν δύναμιν. οὕτω γὰρ αὐτὸν ἐξεπλάγησαν ἐντεῦθεν.... (οἱ ἰουδαῖοι) ὅτι καὶ βασιλέα ἠθέλησαν ποιῆσαι. καίτοιγε ἐπὶ τῶν ἄλλων σημείων, οὐδαμοῦ τοῦτο ποιήσαντες. τίς τοίνυν παραστήσειε λόγος. πῶς ἐπήραζον οἱ ἄρτοι. πῶς ἐπέρρεον ἐν τῇ ἐρήμῳ. πῶς τοσούτοις ἐπήρκεσαν. καὶ γὰρ πεντακισχίλιοι ἦσαν. χωρὶς γυναικῶν καὶ παιδίων. ὁ μέριστος ἦν τοῦ δήμου ἐγκώμιον. ὅτι καὶ γυναῖκες. . . β'. ποιήσας δὲ τὸ σημεῖον. εὐθέως ἠνάγκασε τοὺς μαθητὰς ἐμβῆναι εἰς τὸ πλοῖον καὶ προσάγειν αὐτὸν εἰς τὸ πέραν. ἕως οὗ ἀπολύσῃ τοὺς ὀχλοὺς..... παιδέων ἡμᾶς μὴδαμοῦ τὴν παρὰ τῶν πολλῶν δόξαν διώκειν καὶ ἐπισύρεσθαι πλῆθος.

боуду намъ бодеть оутѣха. алѣкоть нашѣн. нѣ акне послѣшана. приимъ же раздѣли. и дахаше оуѣеникы сконми. утыла снмъ. не теѣже тѣкмо. нѣ и да егда б) бодеть уоудѣ. да не забодѣтъ сего послѣшнѣствоѣиѣрамъ роѣкамъ ихъ. повелъ же на тѣла множьствомъ народѣ козасѣрѣ. (по скобл. въ свое время писано). мѣдрѣство разѣѣмѣати клѣмъ. не телеса ко тѣкмо хотѣаше нантати. нѣ и доѣшю показати. и мѣстомъ же. и те болѣномъ нмѣмъ ннѣимъ же нѣ дааннѣмъ хлѣбъ и рыбамъ. и предѣложеннѣмъ л. 80 об. а. всѣмъ. тѣмъ же обѣиѣннѣмъ. и ннѣимъже кѣиѣ дроѣтъ дроѣтъ подати. и сѣмѣренѣѣмоѣдрѣсть. и оѣдрѣжанне и любѣвь. и еже тѣмънѣ дроѣтъ дроѣта нмѣти тѣмънѣ. и еже обѣиѣ нмѣти кѣмъ казѣанне. и раздѣмъ дасть оуѣеникомъ оуѣеники же народомъ ѣ. хлѣбъ раздѣмъ дасть. и вѣтъ тѣс. б) въ роѣкахъ оуѣеникахъ раздѣлахѣ. и нѣкѣтѣѣѣствѣати сѣтворѣ. не хлѣбы нѣ оѣкрѣхы. да покажетъ ꙗко тѣхъ хлѣбъ соѣтъ си оѣкрѣси. да и несоѣиѣи тоѣ оѣкѣдѣтъ бѣкѣнне ѣ. же конѣ да и ꙗода повесетъ поѣжанне ко и алкотоѣ оѣгасити. нѣ не бѣмъ разѣѣмѣан оуѣеники снмъ. такоже сѣ емъ днѣиѣна народѣ снмъ. л. 81 а. ꙗко и несарѣ хотѣлахѣ поставити и. о ннѣхъ уѣѣдѣсѣхъ. ннѣѣѣже сего сѣтворѣнне. коѣ слово нмѣмъ предѣставити. ꙗко нстѣѣлахѣ хлѣбѣ ꙗко ннтѣѣанне народъ въ ноѣстѣннѣ. ꙗко доѣѣѣмъна тоѣнѣѣѣ. неѣ ѣ. бѣанне бромъ жонъ и дѣтѣи. еже кѣанѣа хлѣмъ бѣанне. народѣни. женѣ же номѣноѣ и дѣтѣи..... б) воѣто сѣтворѣннѣкъ зѣмѣннѣ. оѣкѣдѣи оуѣеникы клѣсти въ корѣмъ. и прѣкѣсти на онъ полъ. оѣѣа нѣ. ннѣѣѣже сѣмъ нсѣати. отъ многѣнхъ. ннѣ клѣиѣи во сѣбѣ народъ.

Чт е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а.

Ἀμὴν λέγω ὑμῖν. εἰσὶ τινὲς τῶν ὧδε ἐστώτων. οἵτινες οὐ μὴ γεύσονται θανάτου. ἕως ἄν ἰδῶσι τὸν υἱὸν τοῦ ἀνθρώπου.

Ἐπειδὴ πολλὰ περὶ κινδύνων διελέχθη καὶ θανάτου καὶ τοῦ πάθους τοῦ ἑαυτοῦ. καὶ τῆς τῶν μαθητῶν σφαγῆς.

Запись писца: Ἰερὰ βιβλὸς διὰ βασιλείου τοῦ κηρουλλαρίѣ. μηνὶ νοεμβρίѣ, Ἰνδικτιόνος ιδ'. ἔτους. ςφξ.

Заставки, заглавныя буквы, скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: Χαλεπώτερον; ἀμὴν † πόλεων:

Слова съ титлами и сокращенія: ὁ Χριστὸς σημείωσον. ἀνθρώπω οὐρανῶ. Καί. Частицы съ двумя удареніями: μὲν δὲ. Союзъ ἥ съ дыханіемъ и удареніемъ. Слово съ протянутыми линиями въ концѣ страницы: ἀρχήν.

Слова въ соединеніи съ другими: α., γὰρ ἄξιος. ε., ἐξωποιεῖ συνεχῶς. ν., δυνηθῆναι. σ., τῆς σαγῆνης.

IX) Евангеліе. (апракосъ)

Находится въ Моск. Синодальной Библіотекѣ подъ № 43-мъ.

Длина пергамина.	$8\frac{3}{8}$	в.
Ширина.	$6\frac{2}{8}$	в.
Къ корешку	$\frac{5}{8}$	в.
Между столбцами.	$\frac{5}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{2}{8}$	в.
Къ верху	1	в.
Къ низу.	$1\frac{1}{2}$	в.

Пергамень хорошъ. Кой гдѣ есть поврежденія.

Писано довольно крупною скорописью по наръзамъ въ два столбца на 250. листахъ.

Внизу 1-го листа написано. Арсеній. τῶν ἱερέων. Заставка въ началѣ, заглавная буква и заглавіе писано карминомъ малиноваго цвѣта, съ 30 л. обор. киноварью. Ноты для чтенія писаны и карминомъ, но болѣе киноварью. Колеръ чернилъ темнокоричневый: Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обѣихъ сторонъ.

Апракосъ полный т. е. послѣ пятидесятиницы положены чтенія и въ понедѣльникъ вторникъ, среду и такъ далѣе въ продолженіе 17-ти недѣль до 83. листа обор. съ 84. новый счетъ недѣль 11-ти изъ Евангеліе отъ Луки; до 118. листа.

Съ 118. листа изъ Евангелія отъ Марка опять новый счетъ до пятницы 5-й недѣли. суббота названа 16-ю, а Воскресенье 17-мъ; на 144 листѣ о пятницѣ упомянуто 8-й недѣли. а суббота названа мясоеувною.

Съ 154. листа начинаются Евангелія въ недѣли св. поста. На л. 213. положено читать Евангеліе въ Великую пятницу на литургіи; съ 217. листа начинаются Евангелія Воскресныя, а съ 220. об. начинаются чтенія Евангелій съ Сентября избраннымъ святымъ и празникамъ, до конца Августа по 249. листъ. Тутже, на 249. листѣ написано Евангеліе на утренни св. Апостоламъ, а на оборотѣ 249. листа: 'Εὐαγγέλιον εἰς τὴν λητὴν τῆς βασιλοῦρας: ἐκ τοῦ κατὰ μαρκον. Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ. ἐκπρευομένου τοῦ Ἰῶ ἀπὸ Ἱερουζῶ. На оборотѣ послѣдняго листа написана подпись писца.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

л. 155 а. Σάββατον ἅ. τῶν νηστειῶν καὶ τοῦ Πизъ Четвероеван. 1144 г. Марк. 11. 23—28. III. 1—5.
ἀγίου Μεγαλομάρτυρος Θεοδώρου ἐκ τοῦ κατὰ μαρκον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ ἐπορεύετο ὁ Ἰς τοῖς σάββατιν διὰ τῶν σπορίμων καὶ ἤρξαντο οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ ὁδὸν ποιεῖν, τίλλοντες τοὺς στάχυας. καὶ οἱ φαρισαῖοι ἔλεγον αὐτῷ. Ἰδε τί ποιοῦσιν ἐν τοῖς σάββατιν. ὃ οὐκ ἔξεστιν. καὶ αὐτὸς. ἔλεγεν αὐτοῖς οὐδέποτε ἄν ἔγνωτε. τί ἐποίησεν ὁ θεὸς. ὅτε χρεῖαν ἔσχεν καὶ ἐπείνασεν. αὐτὸς καὶ οἱ μετ' αὐτοῦ πῶς εἰσῆλθεν εἰς τὸν οἶκον τῆς θυρῆς ἀβιάλας ἀρχιερέως καὶ τοὺς ἄρτους τῆς προθέσεως ἔφαγεν. οὗς β'. οὐκ ἔξεστιν φαγεῖν. ἐμὴ τοῖς ἱερεῦσιν. καὶ ἔδωκεν καὶ τοῖς σὺν αὐτῷ οὖσιν καὶ ἔλεγεν αὐτοῖς τὸ σάββατον. διὰ τὸν ἄνθρωπον ἐγένετο. οὐχὶ ὁ ἄνθρωπος διὰ τὰ σάββατον. ὥστε Κύριος ἐστιν ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου καὶ τοῦ σαββάτου καὶ εἰσῆλθεν πάλιν εἰς τὴν συναγωγὴν καὶ ἦν ἐκεῖ ἄνθρωπος ἐξηραμμένην ἔχων τὴν χεῖρα. καὶ παρετήρουν αὐτὸν ἐν τοῖς σάββατιν θεωρεῖσαι αὐτόν. ἵνα κατηγορήσωσιν αὐτοῦ. καὶ λέγει τῷ

И кысть мномохадшею кемоу къ соукоты. сквозь ныкы. и пачаща оушеници кего ноути творити кьстьргяюща кьксы. и фарисеи глэху кемоу. кькь что творать къ соукоты. кегоже не достонть. и тьгда глэхше нмъ. нкьсте ли ннкоже уьли. что сътвори дхъ. кьгда трескока. и кьзлака самъ и нже кьху съ нмъ. кько кьннде кь храмъ кьжн при аклафрѣ архинерей. и хлѣкы предложеньа сънѣсть. нхъ же не достонше вьстн. нъ тькмо неремъ. и дасть ї соуцрнмъ съ нмъ. и глэхше нмъ. соукота уьва радн кѣмъ. а не уькѣ соукоты радн. тьмъ же тѣ кьсть снѣ уьускын соукотѣ. и кьннде пакы къ снѣмѣе. и кь тоу уькѣ соуху роу-кь нмъ. и пьзрэхуѣтѣ ї. акь кь соукоту нсѣмѣтѣ и. да на нѣ кьзгѣють. и глѣ уькоу нноуцремоу соуху роукоу. станн посреде. и глѣ нмъ. достонть ли кь соукоты добро творити. дхшо снѣстн на н погочѣтн.

ἄνω τῷ ἐξηραμμένῳ ἔχοντι τὴν χεῖρα. ἔγειρε εἰς το μέ-
σον καὶ λέγει αὐτοῖς ἔξεστιν τοῖς σάββασιν ἀγαθοποιῆσαι,
ἢ κακοποιῆσαι ψυχὴν σῶσαι ἢ ἀποκτεῖναι л. 155 α. οἱ δὲ
ἐσιώπων. καὶ περιβλεψάμενος αὐτοὺς μετ' ὀργῆς συλλυ-
πούμενος ἐπὶ τῇ πορώσει τῆς καρδίας αὐτῶν. λέγει τῷ ἄνω. ἔκτεινον τὴν χεῖρα σου καὶ ἐξέτεινεν. καὶ ἀποκατε-
σάθη ἡ χεὶρ αὐτοῦ ὑγιής, ὡς ἡ ἄλλη.

л. 156 β'. Κύρ. α. Τῶν νη-ταιῶν. εἰς τὴν λειτουργίαν. Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην. Ιωαν. 1. 43—51.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ. ἠθέλησεν ὁ Ισ'. ἐξελθεῖν εἰς τὴν γα-
λιλαίαν. καὶ εὗρίσκει φίλιππον. καὶ λέγει αὐτῷ. ὁκολού-
θη μοι. ἦν δὲ ὁ φίλιππος. ἀπο βιθσαϊδᾶ. ἐκ τῆς πόλεως
ἀνδρέου καὶ πέτρου. εὗρίσκει φίλιππος τὸν ναθαναήλ καὶ
λέγει αὐτῷ. ὃν ἔγραψεν μουσῆς ἐν τῷ νόμῳ καὶ οἱ προ-
φῆται. εὗρήκαμεν Ισ', τὸν ὡν Ἰωσήφ τὸν ἀπὸ Ναζαρέτ.
καὶ εἶπεν αὐτῷ Ναθαναήλ. ἐκ л. 156 οὐ. α. Ναζα-
ρέτ. δύναται τι ἀγαθὸν εἶναι. λέγει αὐτῷ φίλιππος. ἔρχου
καὶ ἴδε. εἶδεν ὁ Ισ' τὸν Ναθαναήλ ἐρχόμενον πρὸς αὐτὸν
καὶ λέγει περὶ αὐτοῦ. ἴδε ἀληθῶς ἰσραηλῆτης. ἐν ᾧ λό-
γος οὐκ ἔστιν. λέγει αὐτῷ Ναθαναήλ πόθεν με γινώσκεις
ἀπεκρίθη Ισ'. καὶ εἶπεν αὐτῷ προ τοῦ σε φίλιππον φωνῆ-
σαι, ὄντα ὑπὸ τὴν συκὴν εἶδον σε. ἀπεκρίθη Ναθαναήλ
καὶ λέγει αὐτῷ ῥαββί, σὺ εἶ ὁ υἱὸς τοῦ θυ σὺ εἶ ὁ βασι-
λεὺς τοῦ ἰσλ. ἀπεκρίθη Ισ' καὶ εἶπεν αὐτῷ ὅτι εἶπον σοι.
εἶδον σε ὑποκάτω τῆς συκῆς πιστεύεις μεῖζω τούτων ὅψει
καὶ λέγει αὐτῷ ἀμὴν, ἀμὴν λέγω ὑμῖν ἀπάρτι ὄψεσθε τὸν
οὐνόν β'. ἀνεωρότα. καὶ τοὺς ἀγγέλους τοῦ θυ, ἀναβαί-
νοντας καὶ καταβαίνοντας ἐπὶ τὸν υἱὸν τοῦ ἀνθ'.

они же мѣлауахου и кѣзрѣкѣ на на съ гнѣвѣмъ. събр-
ка о окаменѣннѣ срѣща ихъ. глѣ γλκοу. простѣри роу-
коу твою и простѣре. и оутѣрдѣса роука его цѣла
и дроугаа.

Въ оутрен же днь. кѣхотѣ нзѣти кѣ галазѣю. и
окрѣте филѣнна и глѣ ѣмоу ісѣ. гради по инѣ. въ же
филѣннѣ ѿ видсандска града андрѣека и петрова. об-
рѣте филѣннѣ нафананаа. и глѣ ѣмоу. ѣгоже неа
мощи кѣ законѣ и прѣци. обрѣтохомѣ ісѣ снѣа носѣ-
фока. нже ѿ назареѣа и глѣ ѣмоу нафананаа. ѿ
назарѣѣа можеть ли что добро быти. глѣ ѣмоу фи-
лѣннѣ. приди и вижѣ. видѣкѣ же нафананаа ісѣ гра-
доуша кѣ сокѣ. и глѣ ѣмоу. се кѣ истинноу нзлѣта-
ннѣ въ немѣ же аисти нѣсть. глѣ ѣмоу нафананаа.
како ма знаѣши. ѿвѣща ісѣ и рече ѣмоу. нрѣже
даже не кѣзгласѣ тебе филѣннѣ. соуша подѣ смокѣк-
ниѣю видѣхѣ та ѿвѣща нафананаа и глѣ ѣмоу. раб-
ки. ты ѣси снѣа вѣжи. ты црѣ ѣси нзлѣкѣ. ѿвѣща ісѣ
и рече ѣмоу. занѣ рѣхѣ ако видѣхѣ та подѣ смокѣк-
ниѣю. кѣроуѣши. и боши а снѣхѣ оузрѣши. аминѣ аминѣ
глѣо вамѣ ѿсѣаѣ оузрѣте неѣса ѿкрѣта и агѣаи вѣжа
вѣсходауша и съходауша надѣ снѣа γαυѣскаго

Чт е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а.

Τῇ ἀγία καὶ μεγάλη Κυριακῇ τοῦ πάσχα.

Ἐκ τοῦ κατὰ Ἰωάννην.

Ἐν ἀρχῇ ἦν ὁ λόγος. Καὶ ὁ λόγος ἦν πρὸς τὸν θεόν. καὶ θεὸς ἦν ὁ λόγος. οὗτος ἦν ἐν ἀρχῇ πρὸς τὸν θεόν.
αὐτῷ Ἰωάννης. οὗτος ἦλθεν εἰς μαρτυρίαν ἵνα μαρτυρήσῃ περὶ τοῦ φωτός ἵνα πάν.

Записъ писца: Ἐτελειώθη ἱερὰ δέλτος αὕτη ἐν νοεμβρίῳ ἐν ἔτη τῷ ςσφхл. ἰνδικτιώνος ε. διὰ χειρῶν πέτ-
ρου τοῦ εὐτελοῦς μοναχοῦ καὶ ἱερέως. οἱ ἀναγνώσκοντες εὐχεσθε ὑπὲρ αὐτοῦ διὰ τὸν Κύριον.

Ἐκ τοῦ κατὰ Ματθαῖον.

Заставки, заглавныя буквы и скорописная азбука.

Слова съ титлами и сокращеніями: Κύριε Ἱερουσαλήμ. Καὶ ζήτει. Κυριακῇ. Конечный знакъ. Ча-
стица δὲ съ однимъ удареніемъ.

Слова въ соединеніи съ другими: α, ἐφάγομεν. ε, ἔξω βασιλεία κείμενον. ἐπιράπτει. ν., οὐρανῷ τὴν
σ., рήσσει. τ., ὕστερον. Слово съ протянутыми внизъ длинными линиями нѣкоторыхъ буквъ въ концѣ
страницы: ἀ ρ φ α ξ ἄ δ.

Х) Четвероевангеліе съ толкованіемъ.

Находится въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 72-мъ.

Длина Пергамина	$5\frac{7}{8}$	в.
ширина	$4\frac{3}{8}$	в.
къ корешку	$\frac{1}{2}$	в.
къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{2}$	в.
къ верху	$1\frac{7}{8}$	в.
къ низу	$1\frac{7}{8}$	в.

Пергамень выдѣланъ хорошо, хотя отъ времени покособился.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 357-ми листахъ. Заставки, заглавныя буквы писаны по золоту красками синею, голубою, малиновою красною, темнозеленою, зеленою и розаватою. Число строкъ одного текста Евангельскаго только десять и 14-ть на страницѣ. На верху на полѣ правой стороны и внизу написано объясненіе Евангелія. Текстъ въ объясненіяхъ писанъ краскою розоваго цвѣта. Небольшія заглавныя буквы не близъ заставокъ писаны творенымъ золотомъ.

На 2-мъ листѣ подписано по Славянски *єѡлїе съ толкованїеѡ*. На оборотѣ 3-го листа и 4-го написано по Гречески толкованіе: *Отче нашъ*. На оборотѣ 4-го листа написана записъ писца.

Съ 5-го по 13-й листъ объясненіе каноновъ согласія Евангелистовъ Евсевія и самыя каноны писаны краскою малиноваго цвѣта. Тоюже краскою писанъ въ концѣ синаксарь, когда читать Евангелія круглый годъ.

На оборотѣ 13-го листа изображенъ св. Евангелистъ Маттѣй, сѣдящій на сѣдалищѣ въ родѣ табуретки съ подножіемъ. На колѣняхъ у него развернутъ бѣлою полосою свитокъ, на которомъ по срединѣ лежитъ рука его съ писаломъ древнимъ, обнаженная по локоть. Предъ нимъ столикъ съ письменными принадлежностями. Подлѣ него наложникъ съ книгою на немъ раскрытою, которой за лѣвый нижній уголъ Евангелистъ коснулся лѣвою рукою; поперекъ Евангелія положенъ свитокъ развернутый съ сими словами: *βιβλος γενέσεως Ἰησοῦ υἱοῦ δαυὶδ υἱὸς ἀβραάμ*. Нижняя одежда Евангелиста зеленоватая, а верхняя голубая. Волосы короткіе сѣдые, борода довольно окладистая. Выраженіе лица задумчивое, прекрасно нарисованное. Сзади головы подпись: *ὁ ἅγ. Ματθαῖος*.

Передъ началомъ Евангелія заставка по золоту разными красками разкрашенная, состоящая изъ цвѣтовъ древообразныхъ. Толкованіе отъ Маттѣя начинается: *Ἐρχγγέλιον ἐστὶ. λόγος περιέχων ἀγαθὸν ἀγγέλιον πραγαμάτων*.

На оборотѣ 123-го листа изображенъ св. Евангелистъ Маркъ, сѣдящій на сѣдалищѣ въ родѣ табуретки съ подушкою на немъ темнаго цвѣта, и съ подножіемъ. На колѣняхъ у него также развернутъ свитокъ бѣлый неписанный; средину его правою рукою касается онъ древнимъ писаломъ. Изъ подъ верхней одежды его только видна одна кисть правой руки; а лѣвою рукою съ лѣвой стороны поддерживаетъ свитокъ. Волоса темныя короткіе съ короткою бородою. Взоръ его обращенъ въ правую сторону къ Евангелію раскрытому, которое положено вверху наложника близъ стола, утвержденнаго на перевитой стойкѣ. Положеніе Евангелиста очень сходно, которое есть въ Евангеліи царицы Θεодоры. Евангелистъ среднихъ лѣтъ. Нижняя одежда голубая, а верхняя сѣрая.

На 124-мъ листѣ заставка на золотомъ фонѣ съ цвѣтами; въ кругу ей написано золотыми буквами: *Τὸ κατὰ ἅγιον Εὐαγγέλιον Μάρκου*. Въ заглавной буквѣ Α первую линію отъ корешка изображаетъ птичка, —ногами своими дѣлая перечерку буквы Α.

На оборотѣ 78-го листа особаго счета изображенъ св. Евангелистъ Лука, сѣдящій на сѣдалищѣ, перекрещенномъ по срединѣ, съ подножіемъ. На колѣняхъ у него раскрыто Евангеліе. На оборотѣ раскрытаго листа онъ коснулся своимъ писаломъ; лѣвою рукою придерживаетъ его. Предъ

нимъ столикъ съ принадлежностями письма и подлѣ него налоѣчикомъ, на верху котораго раскрыто Евангеліе. Волосы темно-каштановые курчавые, бороды почти не видать. Нижняя одежда свѣтлозеленая, а верхняя розовая. Лице задумчиво. обращено въ правую сторону. Надъ нимъ въ углу рамки подписано: ѿ. ѿγ Ληξѿ;

На 22-мъ листѣ счета Евангелія отъ Луки заставка по золотому фону съ цвѣтами разныхъ красокъ. Въ первой буквѣ ε, въ срединѣ изображена рука съ писаломъ, а ниже всей буквы птичка.

На оборотѣ 70. листа новаго счета изображень на золотомъ фонѣ св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ на сѣдалищѣ со спинкою, почти такойже формы, какую имѣеть въ Евангеліи царицы Θεодоры, только другаго цвѣта внѣшность. Правою рукою онъ у сѣдалища своего коснулся головки поручня, а лѣвая на лѣвомъ колѣнѣ съ древнимъ писаломъ положена; верхняя одежда темносѣрая, а нижняя голубая. Волосы на головѣ сѣдые, короткіе, борода довольно окладистая. Взоръ его задумчивый обращенъ въ правую сторону къ Евангелію раскрытому на налойчикѣ. Близъ налойчика стоить со всѣми письменными принадлежностями, тутъ виднѣются циркуль, ножичекъ, и на плиткѣ разныя растертыя краски: Подписано надъ нимъ: ὁ ἄγ Ιωαν.

На 72-мъ листѣ особаго счета заставка изъ цвѣтовъ разныхъ красокъ. Въ срединѣ заставки въ видѣ « написано творенымъ золотомъ. уставомъ: Τὸ κατὰ Ιωάννην ἅγιον εὐαγγέλιον.

Въ первой буквѣ є въ срединѣ изображень св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ, протянувшій руку съ древнимъ писаломъ. Выраженіе лица прекрасно нарисовано.

На л. 355-мъ и об. написаны такимъ же почеркомъ, какимъ на 4. л. об. написана запись пещи, краскою малиноваго цвѣта.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

λα. Καὶ ἔρχονται εἰς οἶκον.

Καὶ συνέρχεται πόλιν ὄχλος, ὥστε μὴ δύνασθαι αὐ-
τοὺς. π. 31 οἱ. μήτε ἄρτον φαγεῖν. καὶ ἀκούσαντες οἱ
παρ' αὐτοῦ ἐξῆλθον κρατῆσαι αὐτόν. ἔλεγον γὰρ ὅτι ἐξέ-
στη. καὶ οἱ γραμματεῖς οἱ ἀπὸ Ἱεροσολύμων καταβάντες
ἔλεγον. ὅτι βεελζεβοὺλ ἔχει. καὶ ἐν τῷ ἄρχοντι τῶν δαι-
μονίων ἐκβάλλει τὰ δαιμόνια. καὶ προσκαλεσάμενος λκ',
αὐτοὺς ἐν παραβολαῖς ἔλεγεν αὐτοῖς. πῶς δύναται σατανᾶς
σατανᾶν ἐκβάλλειν. καὶ ἐὰν βασιλεία ἐφ' ἑαυτὴν μερισθῇ, ἢ
δύναται σταθῆναι ἢ βασιλεία ἐκείνη. λγ'. Καὶ ἐὰν οἰκία
ἐφ' ἑαυτὴν μερισθῇ, ἢ δύναται σταθῆναι ἢ οἰκία ἐκείνη. καὶ ἐἰ
ὁ σατανᾶς ἀνέστη ἐφ' ἑαυτόν καὶ μεμέρισται. οὐ δύναται
σταθῆναι ἀλλὰ τέλος ἔχει. καὶ οἱ δύναται τὰ σκέυη τοῦ
ἰσχυροῦ εἰσελθὼν εἰς τὴν οἰκίαν αὐτοῦ διαρπάσαι, ἐὰν μὴ
πρῶτον τὸν ἰσχυρὸν δῆσῃ. καὶ τότε τὴν οἰκίαν αὐτῆς διαρ-
πάσῃ. π. 32. Ἄ μὴ ν λέγω ὑμῖν. ὅτι πάντα ἀφεθήσεται
τοῖς υἱοῖς τῶν ἀνῶν τὰ ἁμαρτήματα. καὶ αἱ βλασφημίαι
ὅσας ἐὰν βλασφημῇσωσιν. ὅς θ' ἂν βλασφημῇσιν εἰς τὸ πῶ
τὸ ἅγιον. οὐκ ἔχει ἄφεσιν εἰς τὸν αἰῶνα. ἀλλ' ἐνοχλοῦ
ἐστὶν αἰωνίου κρίσεως. ὅτε ἔλεγον πῶ ἀκάθαρτον ἔχει.
Ἐρχεται οὖν ἡ μῆρ αὐτῆς καὶ οἱ ἀδελφοὶ αὐτοῦ. καὶ ἔξω
ἐστῶτες ἀπέστειλαν πρὸς αὐτόν φωνοῦντες αὐτόν. καὶ ἐκά-
θητο περὶ αὐτόν ὄχλος. εἶπον δὲ αὐτῷ. ἡ μῆρ σου καὶ
οἱ ἀδελφοί σου ἔξω ζητοῦσι σε. καὶ ἀπεκρίθη αὐτοῖς λέ-
γων. τίς ἐστὶν ἡ μῆρ μου. ἡ ἀδελφοί μου. καὶ περιβλε-
ψάμενος κύκλῳ τοὺς περὶ αὐτόν καθημένους, λέγει. Ἰδε

Изъ Четвероевангелія XII в. № 54. Синод.
Типогр. Библіотеки д. СЗ. об. а.

Map. A. I.

И придонѣ къ домѣ и събрашасѣ пакы народи. како не моути быти ни хатка сънѣсти. и сатишакѣшѣ иже бѣаху оу него. и придонѣ ити и гл҃аху ко имоу неистокѣ юсть. кѣнижнѣи и низънѣдѣшѣ. и гл҃ахѣ како велѣзѣвоуаѣ ѿмать. и како о вѣзѣи бѣшѣ изгонѣти кѣсы. и призѣваѣ ѧ къ ирѣтѣуахѣ гл҃ашии имѣ. како можетѣ сотона сотонѣу изгѣнати. и аирѣ цр҃ство на са раздѣлѣтѣся неможетѣ стати цр҃ство то. и аирѣ дѣмѣ на са раздѣлѣтѣся неможетѣ стати домѣ тѣ. и аирѣ сотона кѣста самѣ на са. и раздѣлѣшѣ. не можетѣ стати. нѣ конѣунишѣ имать. никто же не можетѣ съсоудѣ брѣнѣкаго. кѣнѣдѣ къ домѣ юго расхѣтити. аирѣ не прѣждѣ брѣнѣкаго съѣажетѣ. и тѣгда домѣ юго расхѣтитѣ. Мѧ. дѣ. вѣ. Амѣниѣ гл҃ю вамѣ како всѧ ѿиждѣтѣся сиѡмѣ чл҃вч҃ескомѣ съгрѣшенѣи и вѣснѣи. иже аирѣ вѣснѣи немоути. и иже вѣснѣи немоути на стѣни дѣхѣ. не имать ѿиждѣренѣи къ кѣкѣ и новѣишѣ юсть кѣуи-нѣоуѣмоу еждѣ. занѣ гл҃аху ко дѣхѣ нечѣстѣ имать. Мѧ. дѣ. вѣ. ирѣдѣже мѣти юго ѿ братѣи. и кѣнѣ сто-мѣи поѣѣзашѣ къ немѣ гл҃ашии. и сѣдѣшии ѿ немѣ народѣ. рекѣи юмоу. се мѣти твоѧ и братѣи твоѧ. и сѣстры твоѧ кѣнѣ ирѣтѣ тебе. и ѿвѣрѣ имѣ гл҃а. кто юсть мати моѧ, ванѣ братѣи моѧ. и сѣдѣаѣѣ

ἡ μήτηρ μου καὶ οἱ ἀδελφοί μου. ὅς γὰρ ἂν παιήσῃ τὸ θέ-
λημα τοῦ θυ, οὗτος ἀδελφός μου καὶ ἀδελφὴ μου καὶ
л. 32 об. μήτηρ μου ἐστί.

столица окрѣтъ него глѣ. се мѣти мои и братїи мои.
нже бо аще сътворить комо вѣню. съ братъ мои и
сестра мои и мѣти есть.

Чт е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а.

Τὸ εὐαγγέλιον κατὰ Μάρκον.

Ἀρχὴ τοῦ εὐαγγελίου Ἰησοῦ Χριστοῦ υἱοῦ τοῦ Θεοῦ ὡς γέγραπται ἐν τοῖς προφήταις. ἰδοὺ ἀποστέλλω τὸν
ἄγγελόν μου πρὸ προσώπου σου, ὅς κατασκευάσει τὴν ὁδὸν σου ἐμπροσθέν σου.

Τὸ κατὰ Ἰωάννην ἅγιον εὐαγγέλιον.

Запись писца: Τῷ συνελεστῇ τῶν καλῶν Θεῶν χάρις.

Κύριε βοήθει τῷ σῶι καὶ ἀχρεῖσι δούλοι. νικολάωι. μοναχῶι τῷ ταύτην τὴν βίβλον γράψαντι.

Ἐγγραφή ἡ παροῦσα βίβλος μηνὶ Νοέμβριω: ᾄ. Ἰνδικτιώνος ιε'. ἐν ἔτει ςεφο. (1062).

Заставки и заглавные буквы.

Слова съ знаками препинанія: αὐτοῦ. πάσχα:—

Слова съ титлами и сокращеніями: Θεὸς πνεῦμα. Σάββατον τῆς τυροφάγης. ταῖς.

Союзъ: ἃ съ дыханіемъ и удареніемъ.

Цифра κ, означающая помѣту тетрадей.

Слова въ связи съ другими: α., ἐλαχίστων, συνέταξεν. ε., ἐφόσον. ἐξ πεινῶν. ν., δύναται. σ., σκαν-
δαλισθήσομαι. τ., ἔρχεται.

XI) Житія нѣкоторыхъ святыхъ и похвальныхъ имъ словъ нахо- дятся въ Синод. Библіотекѣ подь № 9.

Писаны на пергаментѣ въ два столбца по парѣзамъ на 231 листѣ.

Заставки и заглавные буквы фигурны. Предъ каждымъ началомъ жизни и слова очень хорошія
миниатюры. Пергаментъ выдѣланъ хорошо. Краска въ заставкахъ, заглавныхъ буквѣхъ, синяя, зеле-
ная, голубая, красная и желтая.

Длина пергамна	$8\frac{6}{8}$	в.
Ширина	$6\frac{2}{8}$	в.
Къ верху отъ писанаго	1	в..
Къ низу	$1\frac{6}{8}$	в.
Къ корешку	$\frac{7}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{2}$	в.

На 2-мъ листѣ написано оглавленіе съ выпискою начала.

На 2-мъ писаномъ заставка и въ заставкѣ изображенъ св. Арсеній великій, вѣдущій на конѣ съ
двумя всадниками въ Константинополь учить царскихъ дѣтей. На 2-й половинѣ сего клейма св. Ар-
сеній въ палатахъ царскихъ учить дѣтей царскихъ Аркадія и Онорія, которыя сидятъ оба на сѣда-
лицахъ съ подножіемъ, держа въ рукахъ по листу пергамна. У одного изъ дѣтей въ правой рукѣ
писало или указка, а удругаго въ лѣвой. Оба въ невысокихъ круглыхъ шапочкахъ. Въ первой поло-
винѣ подпись: Ὁ ἅγιος ἀρσένιος ἐρχόμενος ἀπὸ ρωμῆν εἰς κονσταντίνου πόλιν μετὰ δημοσίων ἱππῶν, а на дру-
гой: Ὁ ἅγιος Ἀρσένιος διδάσκων τοὺς παῖδας τῶν βασιλέων. Вверху заставки подписано: Μηνὶ Μαΐω. ἥ. а
ниже миниатюры: Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν ἀρσενίου τοῦ μεγάλου. Жизнь Арсенія оканчи-
вается 28 листомъ на оборотѣ, а начинается: Ἀλλὰ τῶν σπουδαίων ἄρα καὶ φιλαρέτων.

На л. 29-мъ оборота въ двухъ клеймахъ нарисованы, Мануилъ, Савеллій и Измаилъ. Въ верхнемъ
клеймѣ эти три мученика предстоятъ предъ царемъ отступникомъ Юліаномъ, который сидитъ на

сѣдалищѣ съ подушкою на немъ и съ подножіемъ въ такой же шаночкѣ или царской коронѣ, какая нарисована на царскихъ дѣтяхъ Аркадіи и Гоноріи. Онъ сидя протянулъ руку, которую первый изъ мучениковъ какъ бы благословляетъ. Предъ нимъ подписъ: *Ιουλιανὸς ὁ παραβάτης*, аверху 1-го клейма: *Οἱ ἅγιοι Μανουήλ, Σαβέλλιος, καὶ Ἰσμαήλ ἐξετάζονται ὑπὸ τοῦ παραβάτου*. Во 2-мъ клеймѣ мученикамъ палачъ отсѣкаетъ голову. У первого простертаго по землѣ отсѣчена голова. 2-й подклонилъ свою голову подъ мечъ, а 3-й скрестивъ руки дожидается той же участи. Ниже въ заставкѣ подписано: *Μαρτύριον τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων μεγάλων μαρτύρων. Μανουήλ Σαβελλίου καὶ Ἰσμαήλ*. Вверху клеймъ: *Μηνὶ ἰουλίῳ ιζ'* Начало: *Οἱ μὲν ἄλλοι διώκται καὶ τὸράνοι. εἰ καὶ τοῖς ἐιδόλοις προστετηκότες ἐτόγγχονον*. Замѣчательна 1-я заглавная буква. Змія полуизогнутаго оступника Іуліана обвила своимъ хвостомъ, а въ пасть беретъ голову его, и такимъ образомъ образуется буква *Ο*. Вверху надъ нею подписано: *ὁ παραβάτης*. Оканчивается мученіе 40-мъ листомъ.

На 40-мъ листѣ изображенъ св. Сампсонъ Страннопріимецъ. Онъ стоитъ сбличенный въ фелонь, держа въ лѣвой рукѣ Евангеліе, а правою благословляетъ. Волосы на головѣ и бородѣ короткіе, сѣдые. По сторонамъ двѣ продольныя подписи: *Ὁ ὁσιος πατήρ ἡμῶν Σαμφών*. Вверху клейма подписано: *Μηνὶ τῷ αὐτῷ κζ'*. Ниже клейма въ заставкѣ: *Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν Σαμφών τοῦ ξενολόχου*. Начало: *Ἄμα μὲν χάριτος ἔργον καὶ θεραπεία τῆς πρὸς τὸν μέγαν σαμφών ἐκπληροῦντες...* Оканчивается на 56-мъ л. обор.

На 57 листѣ въ 2-хъ клеймахъ изображены св. Ап. Петръ и Павелъ.

Въ 1-мъ клеймѣ изображенъ св. Ап. Петръ распятымъ къ низу головою. Волосы у него на головѣ и бородѣ короткіе и сѣдые. Противъ него сидитъ Неронъ на сѣдалищѣ съ подушкою на немъ, и подножіемъ, въ коронѣ, указывая рукою на распятаго Ап. Петра. Подпись подлѣ Ап. Петра: *Ὁ ἅγιος Πέτρος* а у Нерона: *Νέρωνος προσταξεί ὁ μὲν ἅγιος πέτρος κατὰ κεφαλῆς σταυροῦται καὶ οὕτως τελειοῦται, ὁ δὲ ἅγιος Παῦλος ξίφει τελειοῦται*. Ап. Павелъ въ другомъ клеймѣ изображенъ протянувшимъ правую руку и просящимъ у женщины, предъ нимъ стоящею, плата, въ который бы по отсѣченіи главы, она завернула его голову. Палачъ же стоитъ съ обнаженнымъ мечемъ и также обратилъ свой взоръ на женщину, стоящую предъ ними съ платомъ. Подлѣ Ап. Павла подписъ: *Ὁ ἅγιος Παῦλος ξίφει τελειοῦται*, а надъ женщиною: *Γύναι ἐπίδος μοι τὸ φακίλιον ὅπως ἐν αὐτῷ τὴν κεφαλὴν μου ἤλίσας ἀναβλεψῆς τὸν ὀφθαλμόν σου. ἡ π...* Выше клеймъ подписъ: *Μηνὶ τῷ αὐτῷ κϞ'*. Въ заставкѣ: *ὑπόμνημα διὰ λα. μερικῶς τοὺς ἁγίους καὶ ἄλλα καὶ ἀποδημίας καὶ τελείωτον τῶν ἁγίων καὶ κορυφαίον ἀποπέλω Πέτρον καὶ Παῦλον*. Начало: *Καὶ τῶν τεχνῶν. οὗ μόνον τοὺς ἐξ ἀρχῆς πατερας ἀποδεχόμεθα*. Оканчивается на 72 листѣ.

На оборотѣ 72 листа изображенъ св. Прокопій, держа въ правой рукѣ коніе, а въ лѣвой щитъ; волосъ на бородѣ не видно. Подпись продольная по одной буквѣ: *Ὁ ἅγιος Προκοπίος*. Вверху клейма: *Μηνὶ ἰουλίῳ ιη'*. Въ заставкѣ написано: *Μαρτύριον τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος τοῦ χϞ' Προκοπίου*. Начинается: *Διοκλήτιανος καὶ Μαξιμιανὸς τὴν βασιλείαν ἰδυνόντων ἀρχὴν*. Оканчивается на оборотѣ 200 листа.

На 201-мъ листѣ изображенъ св. Пантелеимонъ. Въ первомъ клеймѣ св. Пантелеимонъ изображенъ съ воздѣтыми руками къ десницѣ Вседержителя изъ облака вверху благословляющей его. Внизу лежитъ простертый больной отрокъ. Подпись: *Ὁ ἅγιος Παντελεήμων παῖδα*. Во 2-мъ клеймѣ палачъ, обнаживъ мечъ, хочетъ усеѣкнуть наклоненную его голову. Подпись: *Ὁ ἅγιος Παντελεήμων ξίφει τελειοῦται*. Вверху клейма: *Μηνὶ τῷ αὐτῷ κζ'*. Ниже клейма въ заставкѣ написано: *Μαρτύριον τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος τοῦ χϞ' Παντελεήμονος*. Начало: *Τὴν ἐιδωλικῆς ἀγρίας κατὰ πάσης διασκεδασθείσης τῆς οἰκουμένης*. Оканчивается на 228 листѣ обор.

На 219-мъ листѣ въ 2-хъ клеймахъ изображенъ св. муч. Каллиникъ съ двумя всадниками позади его. Задній держитъ лошадей за поводья, а передній простираетъ сосудъ для почерпнутія воды, которая по молитвѣ святаго потекла изъ скалы. Подпись: *ὁ ἅγιος Καλλινίκος ἀγάμενος ὑπὸ τῶν θυρίων, καὶ μὴ ἐχόντων πιεῖν ὕδωρ προσευξαμένος ἐν τῇ ὁδῷ, εὐθέως ἀνέβλυσεν καὶ ἔπιον*. Во 2-мъ клеймѣ св. Каллиникъ выпускаетъ свой духъ, горя въ пенци огненной, которую подогрѣваютъ факелами двое стражей. Вверху десница Вседержителя изъ облаковъ благословляетъ его, воздѣвшаго свои рѣцѣ къ ней. Вверху обоихъ клеймъ подписано: *Μηνὶ τῷ αὐτῷ κϞ'*. Ниже клейма въ заставкѣ написано: *Μαρτύριον τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου μεγαλομάρτυρος τοῦ Χριστοῦ Καλλινίκου*. Начало: *Τῆς ἐιδωλικῆς μαγίας ἐπικρατούσης*. Оканчивается на 229 листѣ.

На 225 листѣ изображенъ св. Евдокимъ въ воинскомъ одѣянїи съ копїемъ въ правой рукѣ и съ мечемъ въ лѣвой. Подпись продольная: 'Ο ἅγιος 'Ευδοκίμος. Вверху: Μηνὶ τοῦ αὐτοῦ μ'. Внизу въ заставкѣ: Βίος καὶ πολιτεία τοῦ ὁσίου καὶ δικαίου 'Ευδοκίμου. Начало: 'Ευδοκίμου τοῦ κατὰ Θεὸν φερωνόμου ἐυδοκίσαντος.... Оканчивается на 235 листѣ.

На 236-мъ въ 2-хъ клеймахъ изображены: Елеазаръ, Соломонія и ея дѣти.

Въ 1-мъ клеймѣ сидитъ царь Антиохъ на сѣдалищѣ, протянувъ руку къ Елеазару, которую онъ благословляетъ правою рукою. Благословляющею изображена правая рука и у Соломонїи. Сзади ея стоятъ 5-ть ея дѣтей. У старшаго есть волосы и на бородѣ. Подпись: Οἱ ἅγιοι Μακκαβαῖοι ἐξεταζόμενοι παρὰ τοῦ δυσσεβοῦς ἀντιόχου ἐπιφανοῦς. 'Ο Βασιλεὺς 'Αντιόχος. 'Ο ἅγιος Ελεάζαρ. Въ 2-мъ клеймѣ мучениковъ Маккавеевъ колесуютъ. Подпись: Οἱ ἅγιοι Μακκαβαῖοι ἐν τῷ τρόχῳ καὶ διαφόρων βασάνων τελευτοῦνται. Вверху клейма: Μηνὶ 'Αυγούστῳ μ'. Внизу въ заставкѣ: Διήγησις Ἰωσήπου. ἐς τὸ μαρτύριον τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων Μακκαβαίων. Начало: Φιλοσοφώτατον λόγον ἐπιδείνυσθαι μέλλον.... Оканчивается на 259 листѣ.

На оборотѣ 259 листа въ 3-хъ клеймахъ изображены, въ 1-мъ: Рождество Богородицы. Двѣ прислужницы стоятъ у изголовья св. Анны. Внизу подлѣ постели бабка оmyваетъ въ купели младенца Марїю. Подпись: 'Η γέννησις τῆς Θεοτόκου.

Во 2-мъ клеймѣ: Рождество Христово. Божїя мать въ полулежащемъ положенїи у изголовья младенца Иисуса, лежащаго въ ясляхъ; съ другой стороны яслей два животныхъ: волъ и осель касаются своими головами младенца Иисуса. Надъ нимъ вверху изъ облака нисходятъ лучи. Со скалы идетъ Ангелъ и перваго попавшагося ему пастуха благословляетъ, а внизу престарѣлый съ посохомъ въ рукѣ устремилъ свой взоръ къ Ангелу. Подлѣ яслей бабка въ купѣли обмываетъ младенца Иисуса, а другая прислуга льетъ воду изъ кувшина въ купѣль. У ногъ Божїей матери сидитъ въ задумчивости прав. Иосифъ. Подпись: 'Η Χριστοῦ γέννησις. Οἱ ποιμένες.

Въ 3-мъ клеймѣ 3. пастыря везутъ ризу Богоматери въ храмъ Влахернскїй. Подпись: Οἱ φεροντες τὴν τιμιαν ἐσθῆτα ἐν τῷ ναῷ τῶν Βλαχερνῶν. Вверху клеймъ: Μηνὶ τῷ αὐτῷ ιε'. Внизу написано: Λόγος διαλαμβάνων. Τὰ ἀπὸ τῆς σεβασμίας γεννήσεως καὶ ἀνατροφῆς τῆς ὑπεραγίας Δεσποίνης ἡμῶν Θεοτόκου... . Начало: 'Ευχρῆν ἀληθῶς τὴν πορθέον. ὅσπερ αὐτὴ Θεοῦ πρὸς ἀνθρώπους.... Оканчивается на л. 192 об.

На л. 192 об. Въ 4-хъ клеймахъ изображены: 1) Авгаръ лежитъ на одрѣ. Передъ нимъ двое слугъ, одинъ у изголовья, а другой у ногъ, съ протянутою рукою выслушиваетъ приказаніе его. Подпись: 'Αυγάρος ὁ τοπάρχος ἐπιστέλλων πρὸς τὸν Χριστὸν τοῦ ἐλθῆν καὶ θεραπεῦσαι αὐτόν. 2) Иисусъ Христосъ пишетъ къ Авгарю посланіе сидя, на вѣтвяхъ. Посланный скрестивши свои руки стоитъ передъ Нимъ, дожидаясь. Подпись: ὁ Χριστὸς διὰ γραμμάτων προσάγορευη τὸν Αὐγάρων. 3) Иисусъ Христосъ, сидя на сѣдалищѣ отдать платъ съ своимъ изображенїемъ, и какъ бы обоими руками благословляетъ. Позади его стоятъ Апостолы, и первымъ стоитъ Ап. Петръ. Подпись: ὁ Χριστὸς ἐπιδούς τὴν σινδόνα ἀπέστειλε πρὸς Αὐγάρων.

4) Посланный принесъ на полотнѣ образъ Спасителя. Авгаръ изумленъ, воздѣвъ обѣ руки, а посланный поднялъ одну правую руку, а въ лѣвой держитъ убрѹсъ. Подпись: ὁ 'Αυγάρος ἰδὼν τὴν σινδόνα εὐθέως ἰάθη. καὶ ἀναστὰς ἐβαπτίσθη. δοξάζων τὸν Θεόν. Вверху: Μηνὶ τῷ αὐτῷ ιε'. Внизу въ заставкѣ написано: Κωνσταντίνου ἐν Χριστῷ βασιλεὶ αἰωνίου βασιλείας Ρωμαίων. Διήγησις ἀπὸ διαφόρων ἀθροισθέντων ἱστοριῶν, περὶ τῆς πρὸς Αὐγάρων ἀποσταλείσης ἀχειροποιήτου θείας εἰκόνου Χυ τοῦ Θεοῦ ἡμῶν.... . Начало: Οὐκ ἄρα μόνος αὐτὸς ἀκατάληπτος ἦν ὁ συναΐδιος τῷ πατρὶ Θεὸς λόγος.... . Оканчивается 209 листомъ на об.

На 210. листѣ въ 2-хъ клеймахъ изображено: 1) Рождество св. Іоанна Предтечи, также, какъ и Рождество Богородицы, только безъ прислуги у изголовья.

Во 2-мъ клеймѣ изображено усѣченіе главы св. Предтечи, и обрѣтеніе ея. Св. Іоаннъ нагнулся предъ палачемъ, а при обрѣтенїи главы одинъ киркою отыскивалъ, а другой лопатою. Подпись: ἡ γέννησις τοῦ ἁγίου Ἰωάννου τοῦ προδρόμου: ἡ ἀποτομή τοῦ προδρόμου. ἡ εὕρεσις τῆς τιμίας κεφαλῆς τοῦ προδρόμου. Вверху: Μηνὶ τῷ αὐτῷ κβ'. Внизу въ заставкѣ: Λόγος διαλαμβάνων περὶ τῆς γεννήσεως καὶ ἀποτομῆς τοῦ ἁγίου καὶ ἐνδόξου προφήτου καὶ βαπτιστοῦ Ἰωάννου προδρόμου καὶ περὶ τῆς εὕρεσεως τῆς τιμίας αὐτοῦ κεφαλῆς. Начало: 'Ιωάννην τὸ μέγα κλέος τῆς οἰκουμένης. τὸν βαπτιστὴν.... . Оканчивается 231-мъ листомъ.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

Изъ 16-го Августа въ день празднованія св. Нерукотворенному образу Господа Нашего Иисуса Христа.

Л. 195. Ἦκουσται μοι τὸ περὶ σοῦ καὶ τῶν σῶν ἰαμάτων. ὡς ἄνευ φαρμάκων καὶ βοτανῶν ὑπὸ σοῦ γινομένων ὡς λόγος, τυφλοὺς ἀναβλέπειν ποεῖς. χωλοὺς περιπατεῖν. λεπροὺς καθαρίζεις; καὶ ἀκάθαρτα πνεύματα καὶ δαίμονας ἐλάυνεις. καὶ τοὺς ἐν μακρονοσίᾳ βασανιζόμενους θεραπεύεις, καὶ νεκροὺς ἐγείρεις. καὶ ταῦτα πάντα ἀκούσας κατὰ νοῦν ἐθέμην τὸ ἕτερον τῶν δύο. ἦ ὅτι, σὺ εἶ ὁ θεός. καὶ καταβὰς ἐξ οὐρανοῦ ποιεῖς ταῦτα. ἦ ὅτι, υἱὸς εἶ τοῦ θεοῦ ποιῶν ταῦτα. Διὰ τοῦτο τοίνυν γράψας ἐδέηθην σου. σκυλῆναι καὶ ἐλθεῖν πρὸς με. καὶ τὸ πάθος ὃ χω θεραπεῦσαι. καὶ γὰρ ἤκουσα ὅτι καὶ Ἰουδαῖοι καταγογγύζουσί σου. καὶ βούλονται κακῶσαι σε. πόλις δὲ σμικροτάτη μοι. ἐστὶ, καὶ σεμνή. ἥτις ἐξαρχέσει ἀμφοτέροις ἡμῖν, τοῦ κατοικεῖν ἐν εἰρήνῃ ἐν αὐτῇ.

Изъ Сборника житій и поученій XV в. моего собранія.

Л. 319 об. Слышано мнѣ ѿ тобѣ гнѣ и ѿ твоѣ цѣлѣ кыкующѣ. токмо во словомъ даешн исцѣленіе колащѣ. слынымъ прозрѣніе, а хромѣ ходити. глѣхѣ слышати. прокоженныя ѡчищаешн. и долго мѣсцѣмъ недѣжгы исцѣлаешн. и женѣ крокотоуныкѣю прикоснувшоу ризѣ твоѣ исцѣлаешн еси. и мртвыя въскресаешн. слышѣ и развѣ на срѣѣ моѣ ꙗко ты еси единъ ѿ двою снѣ снѣсъ. ты еси снѣ въѣи слышѣ же и се гнѣ, ꙗ нюдѣи ронѣю на тѣ, и хотѣ тѣ ѡжити. ѣ во грѣ мои мѣмъ. а людѣи к нѣ добри, а то докѣѣ обѣмѣ нама.

Чтеніе и объясненіе снимка.

Διήγησις Ἰωσήπου εἰς τὸ μαρτύριον τῶν ἁγίων καὶ ἐνδόξων μακκαβαίων. Κύριε εὐλόγησον.

Φιλοσοφωτάτον λόγον ἐπιδείκνυσθαι μέλλων εἰ αὐτοκράτωρ ἐστὶ τῶν παθῶν ὁ εὐσεβῆς λογισμὸς, συμβουλεύσαιμι ἂν ὑμῖν ὀρθῶς. Μηνὶ τῷ αὐτῷ. κζ̄.

Запись писца: Εἴληθε τέλος ἡ ὑστάτη αὕτη δέλτος τῶν δέκα βιβλίων τῶν μεταφράσεων τοῦ λογοθέτου. μηνὶ ἀπριλλίῳ ἰνδικτιῶνος πρωτ. ἔτους ςϞϞϞ. (1063). ἐπὶ Κωνσταντίνου τοῦ εὐσεβοῦς καὶ μεγάλου βασιλέως ρωμαίων τοῦ δουχᾶ. καὶ Ἰωάννου τοῦ εὐτυχούς καίσαρος αὐταδέλφου αὐτοῦ. Καὶ Κωνσταντίνου τοῦ ἀγιωτάτου καὶ οἰκουμενικοῦ πατριάρχου.

Заглавныя буквы, азбука изъ оглавленій уставнаго письма, полууставнаго и скорописная.

Слова съ знаками препинанія: κλίνης, δύναμιν.

Слова съ титлами: Ἰησοῦ Χριστοῦ.

Собственныя имена съ титлами: Τῳβίας θαδδαίου αὐγάρωι. Сокращенія: Καὶ λαβὼν τῆς δηλώσεως σημείωσαι.

Слова въ связи съ другими: α., προσήγαγε. ε., ἐγὼ θεραπεύσοντος. ἀνεστήλω το. ἐκείνѣ. ν., σὺν. σ., ἐδέσσης. ἄστεος γενεσθαι παλαιᾶς. τ., πολιστῶν τέ.

Слово φημι съ протянутою внизъ длинною чертою у буквы φ.

Знаки вносныхъ мыслей.

ХІІ. Сочиненія св. Іоанна Дамаскина.

Находятся въ Императорской публичной Библиотекѣ подъ № 73-мъ.

Длина пергамина	$7\frac{1}{8}$	в.
ширина	$5\frac{3}{8}$	в.
къ корешку	$\frac{3}{4}$	в.
между столбцами	$\frac{1}{2}$	в.
къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{2}$	в.
къ верху	$\frac{3}{4}$	в.
къ низу	$1\frac{1}{4}$	в.

Пергамень выдѣланъ хорошо, въ многихъ мѣстахъ пожелтѣлъ.

Писано довольно крупною скорописью по парѣзамъ въ два столбца на 282-хъ листахъ.

На листѣ 2-мъ заставка раскрашена по золотому фону красками синею, голубою, красною, бѣлою, темнозеленою и зеленою; заглавная буква тѣмже красками раскрашена, но не по золотому фонѣ. Оглавленіе послѣ заставки писано золотыми буквами уставомъ не прямымъ, а съ немного загнутыми кончиками. Чернила черныя, а въ нѣкоторыхъ мѣстахъ темно-коричневые. Число строкъ на страницу 22. Заглавія въ другихъ главахъ розоваго цвѣта и малиноваго (карминнаго); заглавныя буквы съ 45-й главы наведены синею краскою а съ 99-го той же краски, какой заглавія. Помѣта тетрадей внизу у корешка, не много урѣзанная съ обоихъ сторонъ тетради.

На 1-мъ листѣ написано оглавленіе Діалектики и Богословія св. Іоанна Дамаскина. Въ оглавленіи только 139 главъ, а прочихъ недостаетъ; а въ самой книгѣ 150, изъ нихъ 50-ть главъ діалектики, а 100. гл. Богословія. Въ подлинникѣ діалектика и Богословіе подъ однимъ счетомъ главъ.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 275 об. рмф. περί τοῦ ἀντιχρίστου.

Χρὴ γινώσκειν. ὅτι θεῖ τὸν ἀντίχριστον ἐλθεῖν. πᾶς μὲν οὖν. μὴ ὁμολογῶν τὸν υἱὸν τοῦ θεοῦ καὶ θν. ἐληλυθέναι σαρκί. καὶ εἶναι θν τέλειον. καὶ γενέσθαι ἄνθρωπον τέλειον μετὰ τοῦ μεῖναι θν. ἀντίχριστος ἐστίν. ὁμῶς ἰδιωτρόπως καὶ ἐξαίρετως ἀντίχριστος λέγεται. ὁ ἐπὶ τῇ συντελείᾳ τοῦ αἰῶνος ἐρχόμενος. χρὴ β. τοιγαροῦν πρῶτον κηρυχθῆναι τὸ εὐαγγέλιον ἐν πᾶσι τοῖς ἔθνεσι. καθὼς ἔφη ὁ κς. καὶ τότε ἐλεύσεται εἰς ἔλεγχον τῶν ἀπειθῶν ἰουδαίων. ἔφη, γὰρ αὐτὸς ὁ κς. ἐγὼ ἦλθον ἐν τῷ ὀνόματι, τοῦ πρς μου καὶ οὐ λαμβάνετε με. ἔρχεται ἄλλος ἐν τῷ ἰδίῳ ὀνόματι. καὶ κείνον λήψεσθε. καὶ ὁ ἀπόστολος. ἀνθ' ὧν τὴν ἀγάπην τῆς ἀληθείας οὐκ ἐδέξαντο εἰς τὸ σωθῆναι αὐτοὺς, διὰ τοῦτο πέμψει αὐτοὺς ὁ θεός. ἐνέργειαν πλάνης εἰς τὸ πιστεῦσαι αὐτοὺς τῷ ψεύδει, ἵνα κριθῶσι πάντες. οἱ л. 276 а. μὴ πιστέσαντες τῇ ἀληθείᾳ. ἀλλ' εὐδοκήσαντες ἐν τῇ ἀδικίᾳ. οἱ οὖν ἰουδαῖοι. υἱὸν θεοῦ ὄντα. καὶ κν Ιν χн καί, οὐκ ἐδέξαντο. τὸν δὲ πλάνον. θн εαυτὸν λέγοντα, δεξόνται. ὅτι γὰρ θн εαυτὸν ἀποκαλέσει, ὁ ἄγγελος τὸν δανιήλ διδάσκων, οὕτω φησιν. ἐπὶ θεοῦ γὰρ τῶν πρῶν αὐτοῦ οὐ

Изъ св. Іоанна Дамаскина. перевода Іоанна Екзарха Болгарскаго XII в. № 108 л. 169—171 об.

Ω ἀντιχρῆςτς . . .

Трекожно ѿстъ вѣдѣти. ꙗко же естъ антихрѣстоу прити. всако бо оуко не повѣдаши сѣа вѣнѣ. и бѣ приимѣхша истину. и соуца бѣ съкрышена. съ прѣвѣтнемъ бѣ соупостатъ естъ хѣу. оуауе своеобразнѣ и собѣнѣ антихрѣсѣ глѣсѣ. нже въ конѣцъ вѣка прѣдѣн. подова же оуко прѣже повѣдатисѣ евангѣлью въ вѣсѣхъ кзынѣхъ ꙗкоже рече гѣ. ти тѣгда прѣдѣтъ на обавленіе жидовско. рече бо самъ гѣ азъ прѣдохъ въ нѣа оѣа моего. ти не прѣмѣете мене. прѣдѣтъ нѣтъ въ имени скоуе. и того прѣнимете и аѣлѣ зане любѣке истовымъ не приимѣши. на сѣсѣне нмѣ. да сего посылѣтъ нмѣ бѣ дѣнство лѣстн. ꙗко же вѣрокати нмѣ лѣжн. да осѣдѣтѣсѣ ксн нже не вѣроукаша истинѣ. нѣ нзкоуше въ непракѣднѣ. да жидоке оуко сѣа вѣнѣа соуца. ꙗ нѣс хѣа и бѣ не приимѣша. а лѣстыца бѣ себе гѣюца приимѣтъ. а ꙗкоже бѣсѣа прозоветъ. аѣнѣгъ дѣннаа оуаа снѣе рече. въ бѣу же оѣъ своихъ не разоумѣетъ. и аѣлѣ да нѣкътоже



συνήσει. καὶ ὁ ἀπόστολος. μήτις ὑμᾶς ἐξαπατήσῃ κατὰ μηδένα τρόπον. ὅτι ἐὰν μὴ ἔλθῃ ἡ ἀποστασία πρῶτον. καὶ ἀποκαλυφθῇ ὁ ἄνθρωπος τῆς ἀνομίας. ὁ υἱὸς τῆς ἀπωλείας. ὁ ἀντικείμενος καὶ ὑπεραιρόμενος β'. ἐπὶ πάντα λεγόμενον θν̄ ἢ σέβασμα. ὥστε αὐτὸν εἰς τὸν ναὸν τοῦ θῡ ὡς θν̄ καθίσαι. ἀποδεικνύοντα ἑαυτὸν ὅτι ἔστι θς̄. εἰς τὸν ναὸν δὲ τοῦ θῡ. οὐ τὸν ἡμέτερον. ἀλλὰ τὸν παλαιον τὸν ἰουδαϊκόν. οὐ γὰρ ἡμῖν, ἀλλὰ τοῖς ἰουδαίοις ἐλεύσεται οὐχ' ὑπὲρ χῡ. ἀλλὰ κατὰ χῡ καὶ τῶν τοῦ χῡ. διὸ καὶ ἀντίχριστος. δεῖ τοίνυν πρῶτον κηρυχθῆναι τὸ εὐαγγέλιον ἐν πᾶσι τοῖς ἔθνεσι. καὶ τότε ἀποκαλυφθήσεται ὁ ἄνομος. οὗ ἔσται ἡ παρουσία κατ' ἐνέργειαν τοῦ σατανᾶ. ἐν πάσῃ λ. 276 ρθ̄. δυνάμει καὶ σημείοις καὶ τέρασι ψευδους. καὶ ἐν πάσῃ ἀπάτῃ τῆς ἀδικίας ἐν τοῖς ἀπολλυμένοις. ὃν ὁ κς̄ ἀνελεῖ τῷ ῥήματι τοῦ στόματος αὐτοῦ. καὶ καταργήσει τῇ παρουσίᾳ τῆς ἐπιφανείας αὐτοῦ. κ' αὐτὸς τοίνυν ὁ διάβολος γίνεται ἄνθρωπος κατὰ τὴν τοῦ χῡ ἐνανθρώπησιν. μὴ γένοιτο. ἀλλὰ τίκεται ἄνθρωπος ἐκ πορνείας. καὶ ὑποδέχεται πᾶσαν τὴν ἐνέργειαν τοῦ σατανᾶ. προειδῶς γὰρ ὁ θς̄ τὸ ἄτοπον τῆς μελλούσης αὐτοῦ προαιρέσεως β'. παραγορεῖ. ἐνοιχῆσαι αὐτῷ τὸν διάβολον τίκεται. τοίνυν ἐκ πορνείας ὡς ἔφημεν. καὶ ἀνατρέφεται λεληθότως. καὶ αἰφνίδιον ἐπανίσταται. καὶ ἀντάρει καὶ βασιλεύει. καὶ ἐν προοιμίῳ μὲν τῆς βασιλείας αὐτῆς μᾶλλον δὲ τυραννίδος υποκρίνεται ἀγαθωσύνην. ἡνίκα δὲ ἐπικρατὴς γένηται, διώκει τὴν ἐκκλησίαν τοῦ θῡ. καὶ ἐκφαίνει πᾶσαν τὴν πονηρίαν αὐτῆς ἐλεύσεται δὲ ἐν σημείοις καὶ τέρασι ψευδους πεπλασμένοις καὶ οὐκ ἀληθείαι. καὶ λ. 227 α'. τοὺς σαθρὰν καὶ ἀστήρικτον τὴν βᾶσιν τῆς διανοίας ἔχοντας. ἐξαπατήσῃ καὶ ἀποστήσῃ ἀπὸ θῡ ζῶντος. ὥστε σκανδαλισθῆναι εἰ δυνατόν καὶ τοὺς ἐκλεκτοὺς. ἀποσταλήσεται δὲ ἐνὼχ καὶ ἡλίας ὁ θεσβίτης. καὶ ἐπιστρέψουσι καρδίας πρὶν ἐπὶ τέκνα. τουτέστι τὴν συναγωγὴν ἐπὶ τὸν κν̄ ἡμῶν Ιν̄ χν̄. καὶ τὸ τῶν ἀποστόλων κήρυγμα. καὶ ὑπ' αὐτοῦ ἀναιρεθήσονται. καὶ ἐλεύσεται κς̄ ἐξ οὐνοῦ. ὃν τρόπον οἱ ἅγιοι ἀποστολοὶ ἐθεάσαντο αὐτὸν πορευόμενον εἰς τὸν οὐρανόν. θς̄ τέλειος καὶ ἄνοξ̄ τελειος μετὰ δόξης καὶ δυνάμεως, καὶ ἀνελεῖ τὸν ἄνθρωπον τῆς ἀνομίας τὸν υἱὸν τῆς ἀπωλείας. τῷ πνι τοῦ στόματος αὐτοῦ. μηδεὶς τοίνυν ἀπὸ γῆς ἐκδεχέσθω τὸν κν̄. ἀλλ' ἐξ οὐνοῦ. ὡς αὐτὸς ἡμᾶς ἡτοχάσασατο:

васъ не прельститъ никѣмъ же образомъ, аще бо не придетъ отъстоупиъ пръвое. и авитъся уловѣкъ беззаконныи. (далѣе нѣтъ) соупротивленск и презръян. на велъ (sic) глѣмъи бѣ. или утомю. како же се-моу къ прѣкн бѣни како и бѣу съети. авлаиуциу се-бѣ. како есть бѣ къ прѣкн бѣни. не къ ншиен нъ кетъскн жидовскн. не бо намъ по жидомъ придетъ не по хѣ нъ на хѣ. и нже хѣи соутъ. зане и анти-хѣ. подоба оубо евангеланю (sic) повѣдатиса къ всѣхъ кзыиѣхъ. ти тѣгда ѡбавитъся беззаконныи. емоу же есть приходъ по дѣнствоу сотонинноу въсею снлою и и знаменни. и уоудесы лъжннми. и и (sic) въсею прельстыю. неправдѣ къ нзгыбъиинихъ. его же гѣ погубитъ словѣмъ оустъ своихъ. и оупразнитъ при-ходъмъ авленна своего. не самъ оубо дѣлакоу бѣдетъ улѣкъ по гнѣо ѡуаѣуению. да не бѣдетъ. нъ родитъ-сѣ улѣкъ ѡтъ блѡуда. и подъиметь все дѣнство со-тонинно. провѣдыи бѣ неуредьное бѣдоуѣмалго немѡу нзколенне. пооустѡупитъ кѣнити къ нъ дѣлакоу. ро-дитъсѣ оубо ѡтъ блѡуда. какоже рѣхомъ. и въскръ-митъсѣ о таниѣ. и напраснѣ въстантъсѣ и соупро-тивитъсѣ. и прѡѣтъ. и къ наумъ же прѣтѣа своего. науе же моуѣнтельства. покниетъсѣ бѣгодѣиинемъ. егда же съдържателъ бѣдетъ поженеть цѣрквѣ бѣнию. и ѡбавитъ въсю злобоу свою. придетъ же знаменни. и уоудесы лъжннми. съставъиинми не истокыинми и кже нспрахнѣло и не оутвѣржено стоанне. рзѡумѣ-нна нмоуѣре. прельститъ и обратитъ ѡтъ бѣа живалго. кже съблзнитъсѣ. аще моуѣно нзбръанннмъ. послетъ же сѣ енохъ и нанѣ фезкнтьскн. и обратитъ-сѣ срѣѣмъ оѣѣ къ уадомъ. сеже есть събороу къ гѡу нашемоу нѣс (sic) хоу. и къ апѣскоу повѣданню и ѡтъ того оуѣмръятъ. ти придетъ гѣ съ нѣсе. какоже стѣи апѣи видѣнна него грѣдоуѣа на нѣо. бѣ съкрѣ-шенъ и улѣкъ съкрыненъ. съ сѣакою и снлою. и погубитъ улѣка беззаконнаго снѣа нзгыбѣан. дѣхомъ оустъ своихъ. никтоже ѡтъ земаѣ не жиди гѣ нъ нѣсе. какоже самъ намъ безъ блзѣна съблзѣа.

Ч т е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а.

Τῷ ὀσιωτάτῳ καὶ θεοτιμῆτῳ πατρὶ. Κοσμᾶ ἀγιωτάτῳ ἐπισκόπῳ τοῦ μαίουμα. Ἰωάννης. ἐλάχιστος. Χριστὲ ἡ γοῦ: Τὸ μὲν στενὸν τῆς διανοίας. καὶ τὸ ἄπορον τῆς γλώττης τῆς ἐμαυτοῦ ἐπιστάμενος, ὥκνουσιν ὦ μακάριοι τοῖς ὑπὲρ δύναμιν ἐγχειρεῖν.

Запись писца: Ἐτελειώθη σὺν θεῷ ἡ βίβλος αὕτη. μηνί: μαΐω κκ̄. ἐν ἰνδικτιῶνι ζ̄. ἔτει ςεφοζ̄.

Ἐν τετραδιοῖς ε̄. καὶ λ̄.

Заглавные буквы и скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: οὗτος ἐστιν: θερμόν, Слова съ задѣякольными знаками: Κρόνος. Ζεὺς. ἄρης. Ἥλιος ἐρμῆς. ἀφροδίτης. σελήνη.

Слова съ титлами и сокращеніями: ἀνθρώπου περὶ καὶ πιστεῦσαι.

Частитцы съ двумя удареніями: μὲν δὲ ἐποῖ.

Цифра означающая помѣту тетрадей. Союзъ ἥ съ дыханіемъ и удареніемъ.

Слово написанное растановычными буквами перпендикулярно: ορα.

Слова въ концѣ страницы съ длинными оконечностями: διαφέρουσι δὲ.

Слова въ связи съ другими: α) συντάξω. ε) ἐξόμεθα. ἐτέρα μὲν. ν) φώτων νῦν. σ) γνώσεως. τ) μεταξύ ἐστίν.

ХІІІ. Апостолъ съ Апокалипсисомъ.

Находится въ Московской Университетской Библіотеки № 2280. 1073 г.

Длина пергамина.	2 1/2	в.
Ширина.	2	в.
Къ корешку	1/8	в.
Къ правой сторонѣ	1 5/8	в.
Къ верху	3/8	в.
Къ низу.	5/8	в.

Пергамень прекрасно выдѣланъ и очень тонокъ.

Писано мѣлкою скорописью въ одинъ столбецъ. на 44-хъ тетрадахъ на 397. листахъ до Апокалипсиса. Эта замѣчательная рукопись имѣетъ много прекрасныхъ миниатюръ.

Заставки и нѣкоторыя буквы раскрашены золотомъ, синею, голубою, желтою и красною красками; колеръ чернилъ въ началѣ рукописи отъ сырости поблѣднѣлъ. Нѣкоторыя изъ буквъ раскрашены, а другія писаны творенымъ золотомъ, которое отъ времени потемнѣло. Заглавія писаны прямымъ уставомъ, а въ концѣ посланій, гдѣ означается, сколько стиховъ, писано косымъ уставомъ съ не много загнутыми въ сторону кончиками. Чернила темно-коричневые. Помѣта тетрадей, писанная уставомъ внизу въ концѣ тетради; а въ другихъ тетрадахъ помѣтъ не видно. Число строкъ на страницѣ 18-ть.

л. 1—99. Въ заставкѣ уставомъ написано: † πράξεις τῶν ἀποστόλων.

На листѣ 1-мъ въ 1-й буквѣ Т нарисованъ св. Евангелистъ Лука въ стоящемъ положеніи, лицомъ обращенный на противоположную сторону, гдѣ на полѣ нарисованъ на тронѣ сѣдящій Греческій Императоръ Михаилъ Дука, правую руку простерши къ Евангелисту. Что бы изъ стоящаго положенія Евангелиста Луки вышла буква Т, живописецъ въ концѣ противъ глазъ по краямъ сдѣлалъ двѣ прямые линіи съ острыми углами на концахъ, обращенными внизъ.

л. 100—109. об. Въ заставкѣ такими же красками раскрашенной въ срединѣ уставомъ написано золотомъ творенымъ. ἐπιστολὴ Ἰακώβου καθολικῇ.) на л. 100-мъ первая буква Ι въ соборномъ посланіи Іакова изображаетъ св. Ап. Іакова, стоящаго въ святительскомъ облаченіи, правою рукою благословляющаго, а въ лѣвой держащаго Евангеліе.

л. 110—120 Въ 1-мъ посланіи св. Ап. Петра на 110-мъ листѣ въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ Апостолъ Петръ, сѣдящій на сѣдалищѣ со спинкою, имѣя на колѣнахъ простертую хартію, на которой пишетъ свое посланіе. Выраженіе лица задумчивое. Передъ нимъ столъ съ утвержденнымъ на немъ налойчикомъ для книги, съ которой онъ списываетъ.

Первую букву π въ посланіи изображаютъ 1) по правую сторону стоящій св. Апостолъ Петръ и благословляющій троихъ пришельцевъ къ нему, изъ коихъ первый протянулъ свою руку къ нему. Между ихъ головами изображена церковь съ четвероконечнымъ крестомъ, образуя собою поперечную верхнюю линію. Св. Апостолъ Петръ сѣдовласый съ короткою бороною.

л. 120—126 Въ началѣ 2-го посланія на л. 120-мъ въ 1-й буквѣ с. изображенъ же св. Ап. Петръ въ немного полусогнутомъ положеніи, ногами упершись какъ бы въ круглую тумбу, на которой утвержденъ маленькій столикъ съ налойчикомъ для книги. Писаломъ своимъ св. Ап. Петръ чуть не касается столика; вверху надъ головою его нарисована полукруглая вѣтвь цвѣточная въ родѣ занавѣсы.

л. 127—136 На л. 127. въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ сѣдящимъ на сѣдалищѣ со спинкою назади св. Евангелистъ Іоаннъ Богословъ, правою рукою держащій на колѣнахъ Евангеліе на хартии, лѣвую прислонивъ къ лѣвой сторонѣ бороды. Лице задумчивое; предъ нимъ столикъ съ налойчикомъ, утвержденнымъ на немъ для книги. Миниатюра прекрасно сохранилась. Въ первой буквѣ 1. посланія Іоаннова въ кругу поясное изображеніе св. Евангелиста Іоанна.

л. 136 об. — 138. На оборотѣ 136. листа въ началѣ 2-го соборнаго посланія Іоаннова въ первой буквѣ О. на золотомъ фонѣ нарисовано поясное изображеніе св. Евангелиста Іоанна.

На 138. листѣ въ началѣ 3-го посланія св. Евангелиста Іоанна въ 1-й буквѣ О. также поясное изображеніе св. Апост. и Евангелиста Іоанна.

л. 139 об. — 141 об. На 139 об. въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ св. Ап. Іуда, сѣдѣвшій на сѣдалищѣ со спинкою и съ подножіемъ, пишущій свое посланіе на колѣнахъ. Передъ нимъ также столикъ съ налойчикомъ для книги. Первая буква І., въ его посланіи изображаетъ св. Ап. Іуду въ стоящемъ положеніи.

л. 142 — 179 об. На 142 листѣ въ заставкѣ: *προς Ρωμαίους ἐπιστολή* первую букву π посланія къ Римлянамъ изображаютъ 1) св. Ап. Павелъ въ стоящемъ положеніи близъ текста, обращенный лицомъ къ 3-мъ вмѣстѣ стоящимъ противъ него, и образующимъ 2-ю линію буквы π. Вверху поперечную линію изображаетъ церковь съ четвероконечнымъ крестомъ на верху, какъ въ 1-мъ посланіи св. Ап. Петра.

179 об. — 214. На оборотѣ 179 листа въ первой буквѣ π посланія св. Ап. Павла 1-го къ Коринѣяномъ изображенъ такъ же св. Ап. Павелъ съ темными волосами, обращенный къ тремъ Христіанамъ имъ обращеннымъ. Только вверху вмѣсто поперечной линіи не церковь, а двѣ продолговатыя къ верху толстыя линіи, соединяющіяся почти подъ острымъ угломъ. Миниатюра явственна и хороша. Передній изъ христіанъ правою рукою указываетъ на св. Ап. Павла.

л. 214 об. — 238 об. На оборотѣ 214 листа въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ по правую руку сѣдѣющій на перекрещенномъ внизу сѣдалищѣ св. Ап. Павелъ и диктующій своему молодому сотруднику ученику, сѣдѣющему противъ него на другомъ сѣдалищѣ и пишущему посланіе. Лице послѣдняго прекрасно изображено. Первая буква π изображаетъ также св. Ап. Павла стоящаго и обращеннаго къ 3-мъ лицамъ противъ него стоящимъ. Верхнюю поперечную линію изображаетъ церковь, обрисованная золотомъ съ четвероконечнымъ же крестомъ и полукруглымъ верхомъ.

л. 239 — 250 об. На 239 листѣ изображенъ св. Ап. Павелъ, сѣдѣющій на сѣдалищѣ, но безъ поручней. Правую руку онъ простеръ къ десницѣ Господа Саваоа изъ облаковъ, нарисованной въ верхнемъ углу рамки. Предъ нимъ одинъ небольшой столикъ. Буква π первая въ посланіи къ Галатамъ изображаетъ Ап. Павла по одну сторону, а по другую его ученика. Поперечную линію изображаетъ церковь съ круглымъ куполомъ, съ крестомъ четвероконечнымъ; по ниже поперечной линіи есть еще линіи по обѣ стороны въ видѣ концовъ якорныхъ ψ. но не полумѣсяца.

л. 251 — 263 об. На листѣ 251 предъ началомъ посланія св. Ап. Павла къ Ефессеямъ изображенъ сей же Апостоль, сѣдѣющій на сѣдалищѣ со спинкою, но безъ поручней, пишущій на колѣнахъ посланіе. Передъ нимъ столикъ съ утвержденнымъ на немъ налойчикомъ. Первую букву π изображаетъ св. Ап. Павелъ, только лицомъ обращенный къ 3-мъ христіанамъ, а тѣломъ къ писанному. Поперечную линію изображаетъ церковь, имѣющая верхъ остроугольный съ крестомъ четвероконечнымъ, а ниже поперечной линіи въ родѣ якорныхъ концовъ.

Л. 264—272. На л. 264-мъ по золотому фону изображены: по правую сторону св. Ап. Павелъ, сѣдѣющій на сѣдалищѣ съ подушкою на ней, и диктующій сидящему противъ него на перекрещенномъ внизу сѣдалищѣ своему ученику посланіе къ Филипписеямъ. Лице его ученика прекрасно. Буква π изображаетъ Ап. Павла съ его ученикомъ. Только стороны у нихъ перемѣнены. Ап. Павелъ съ лѣва, а ученикъ его съ права. Поперечная линія киноварная или карминная, а вверху надъ нею полукружіе, а не церковь. Послѣ 273. недостаетъ миниатюры; осталось только одна шелковая перекладка для сохраненія миниатюры.

Л. 273—280 об. Съ 9-го стиха 1-й главы къ Колоссаемъ: 1-й листъ затерянъ.

Л. 281—288. На л. 281 предъ 1-мъ посланіемъ къ Солуняномъ въ рамкѣ съ золотымъ фономъ изображенъ св. Ап. Павелъ сѣдящимъ на сѣдалищѣ, передающимъ порученіе предъ нимъ стоящему ученику, со вниманіемъ слушающему, простерши обои руки къ нему. Первую букву п. изображаютъ св. Ап. Павелъ и его ученикъ, нѣсколько поодаль стоящій; а поперечная линія изображена въ родѣ церкви, только верха или креста полинявшаго не замѣтно.

Л. 288 об. 289 об. Предъ листомъ 288-мъ затеряна миниатюра предъ 2-мъ посланіемъ къ Солуняномъ, осталась только шелковая перекладка. До 13 стиха 2-й главы 2-го посланія къ Солуняномъ недостаетъ.

Л. 292—301 об. На л. 292-мъ предъ 1-мъ посланіемъ къ Тимоѳею въ рамкѣ по золотому фону изображенъ св. Ап. Павелъ, пишущій посланіе. Предъ нимъ столикъ съ налоемъ въ немъ утвержденнымъ. Букву п. изображаютъ св. Ап. Павелъ и Тимоѳей. Поперечную линію изображаетъ церковь съ полукруглымъ куполомъ и четвероконечнымъ крестомъ.

Л. 302—310. Предъ 2-мъ посланіемъ къ Тимоѳею на л. 302-мъ въ рамкѣ на золотомъ фонѣ изображенъ св. Ап. Павелъ, дающій посланіе св. Ап. Тимоѳею, который стоитъ предъ нимъ, простерши руки для полученія посланія. Первую букву изображаютъ св. Ап. Павелъ и Тимоѳей, поперечную линію изображаетъ церковь съ крестомъ, имѣющимъ въ утвержденіи своемъ форму якоря.

Л. 310 об. На л. 310 об. предъ посланіемъ къ Титу изображенъ св. Ап. Павелъ въ стоящемъ положеніи, какъ бы благословляющій на Апост. подвигъ св. Ап. Тита, который со вниманіемъ выслушиваетъ порученіе его. Первую букву изображаетъ св. Ап. Титъ и Ап. Павелъ. Поперечную линію изображаетъ церковь съ куполомъ круглымъ и крестомъ надъ нимъ совершенно похожимъ на якорь.

На 311-мъ оборотѣ изображенъ рай. Между цвѣтами и деревьями райскими сидитъ на тронѣ какъ бы въ нишѣ, которую окаймляютъ двѣ зеленыя пальмы или вѣтви пальмовыя, Божія мать прекрасно изображенная съ поднятыми къверху руками. Подножіе подъ ногами ее изъ подушки. На райскихъ деревьяхъ плоды и цвѣты. Вверху рамки подписано кинорарью: $\tau\omicron$ $\pi\alpha\rho\acute{\alpha}\delta\epsilon\iota\sigma\omicron\varsigma$. . . По обѣимъ сторонамъ Божіей матери подписано: $\mu\eta\rho$ $\theta\epsilon\acute{\iota}$. По правую сторону Божіей матери стоитъ обнаженная человеческая фигура съ вѣнцемъ на головѣ, съ посохомъ въ правой рукѣ, перекрещеннымъ въ трехъ мѣстахъ. Лице похоже на женское. На боку рамки подписано киноварью: δ $\lambda\eta\sigma\tau\eta\varsigma$, разбойникъ.

На л. 316 об. предъ посланіемъ къ Евреямъ изображенъ по срединѣ на тронѣ съ подножіемъ св. Ап. Павелъ, въ лѣвой рукѣ держащій Апостоль, а правою благословляющій. Близъ боковъ рамки нарисованы два выдающіяся древнія зданія. Первую букву п. изображаетъ св. Апостоль Павелъ и его ученикъ сотрудникъ. Надъ нимъ простертъ Іисусъ Христосъ поясной, благословляющій обѣими руками.

На 347 страницѣ предъ началомъ Апокалипсиса изображенъ въ рамкѣ на золотомъ фонѣ сѣдящимъ въ нишѣ на скалѣ св. Іоанъ Богословъ, лицомъ обратившійся къ углу вверхъ съ лѣвой стороны, а правую руку положилъ на столикъ, гдѣ разложена книга Апокалипсисъ, которую онъ пишетъ. За скалою съ правой стороны изображено древнее зданіе. (Внизу на тетради означенъ новый счетъ тетрадей а. Апокалипсисъ продолжается до 397 об).

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

л. 179 об. $\Sigma\alpha\beta\beta\alpha\tau\omicron\nu$ 1 $\bar{\alpha}$.

$\text{Паυλος κλητὸς ἀπόστολος ἰϥ χϥ διὰ θελήματος θϥ. καὶ σωσθένης ὁ ἀδελφὸς τῇ ἐκκλησίᾳ τοῦ θϥ τῇ οὐσῇ ἐν κορίνθω. ἡγιασμένοις ἐν χϥι ἰϥ κλητοῖς ἁγίοις. σὺν πᾶσι τοῖς ἐπικαλουμένοις τὸ ὄνομα τοῦ κϥ ἡμῶν ἰϥ χϥ. ἐν παντί τόποι αὐτῶν τε καὶ ἡμῶν. (ἀρχῇ) χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνῃ ἀπὸ θϥ πρὸς ἡμῶν καὶ κϥ ἰϥ χϥ. εὐχαριστῶ τῷ θϥ μου πάντοτε περὶ ὑμῶν. л. 180. ἐπὶ τῇ χάριτι τοῦ θϥ τῇ δο-$

Изъ Толковаго Апостола Московской Синодалн. Библіотеки № 7-й 1220 года.

1 Кор. Глава I.—и 2. л. 79 об.—88 об.

Павль званъ апостоль ісъ хѣъ . . . волею бжїею . . . и состынь братъ . . . црѣви божии соущии къ коринфъ . . . оцїеннымъ о хѣ ісъ . . . званымъ стїнымъ . . . съ всеми призывающимъ нма гл нашего ісѣ хѣ . . . къ немъ же (sic) мѣсть . . . тѣмъ же и вамъ . . . бгдодать вамъ и миръ. ѿ бг оца на-

θείσῃ ὑμῖν ἐν χῶ Ιῡ. ὅτι ἐν παντὶ ἐπλουτισθῆτε ἐν αὐ-
τῷ. ἐν παντὶ λόγῳ καὶ πᾶσῃ γνώσει. καθὼς τὸ μαρτύριον
τοῦ χυ ἐβεβαιώθη ἐν ὑμῖν. ὥστε ὑμᾶς μὴ ὑστερεῖσθαι ἐν
μηδενὶ χαρίσματι. ἀπεκδεχομένους τὴν ἀποκάλυψιν τοῦ κυ
ἡμῶν Ιῡ χυ. ὅς βεβαιώσει ὑμᾶς ἕως τέλους ἀνεγκλήτους
ἐν τῇ ἡμέρᾳ τοῦ κυ ἡμῶν Ιῡ χυ. πιστὸς ὁ θεός. δι' οὗ ἐκ-
λήθητε εἰς κοινωνίαν τοῦ υἱοῦ αὐτοῦ Ιῡ χυ τοῦ κυ ἡμῶν.
(τέλος) παρκαλῶ δὲ ὑμᾶς ἀδελφοί διὰ τοῦ ὀνόματος τοῦ κυ
ἡμῶν Ιῡ χυ. ἵνα τὸ αὐτὸ λέγητε πάντες. καὶ μὴ ἦ ἐν
ὑμῖν σχίσματα ἥτε δε κατηρτισμένοι ἐν τῷ αὐτῷ νοῷ.
καὶ ἐν τῇ αὐτῇ γνώμῃ л. 180 об. ἐδηλώθη γὰρ μοι περὶ
ὑμῶν ἀδελφοί μου ὑπὸ τῶν γλόης. ὅτι ἐριδες ἐν ὑμῖν εἰσι.
λέγω δε τοῦτο. ὅτι ἕκαστος ὑμῶν λέγει ἐγὼ μενεμί παύ-
λου. ἐγὼ δὲ ἀπολλῶ. ἐγὼ δὲ κηφᾶ. ἐγὼ δὲ χυ. μεμέ-
ρισται ὁ χυ. μὴ παῦλος ἐσταυρώθη ὑπὲρ ὑμῶν. ἢ εἰς τὸ
ὄνομα παύλου ἐβαπτίσθητε. εὐχαριστῶ τῷ θεῷ. ὅτι οὐδέ-
νᾳ ὑμῶν ἐβάπτισα. ἐβάπτισα δὲ καὶ τὸν στεφανῶ οἶκον.
λειπὸν οὐκ οἶδά τίνα ἄλλον ἐβάπτισα. οὐ γὰρ ἀπέστειλε
με χυ βαπτίζειν. ἀλλὰ εὐαγγελίζεσθαι. οὐκ ἐν σοφίᾳ λό-
γου. ἵνα μὴ κενωθῇ ὁ στρς τοῦ χυ (τῇ μεγ. παρασκευῇ.
αῖ.) ὁ λογος γὰρ ὁ τοῦ σταυροῦ τοῖς μὲν ἀπολλυμένοις.
μωρία ἐστὶ τοῖς δὲ σωζομένοις ἡμῖν δύναμις θεοῦ ἐστί. γέγραπ-
ται γὰρ ἀπολλῶ τὴν σοφίαν τῶν σοφῶν. καὶ τὴν σύνεσιν τῶν
συνετῶν ἀθετήσω. ποῦ σοφός ποῦ γραμματεὺς. ποῦ συ-
ζητῆς τοῦ αἰῶνος τούτου. ἕχι ἐμώρανε ὁ θεός τὴν σοφίαν
τῆς κόσμου τούτου. ἐπειδὴ γὰρ ἐν τῇ σοφίᾳ τοῦ θεοῦ. οὐκ
ἔγνω ὁ κόσμος διὰ τῆς σοφίας τὸν θεόν. εὐδόκησεν ὁ θεός
διὰ τῆς μωρίας τοῦ κηρύγματος σώσαι τοὺς πιστεύοντας.
ἐπεὶ καὶ ἰουδαῖοι σημεῖον αἰτοῦσι. καὶ Ἕλληνες σοφίαν ζη-
τοῦσιν. Ἡμεῖς δὲ κηρύσσομεν χυ ἐστρωμένον. ἰουδαίοις
μὲν σκάνδαλον. Ἕλλησι δὲ μωρίαν. αὐτοῖς δὲ τοῖς κλητοῖς
ἰουδαίοις τε καὶ Ἕλλησι χυ θεοῦ δύναμιν καὶ θεοῦ σοφίαν. л.
181 об. ὅτι τὸ μωρὸν τοῦ θεοῦ σοφώτερον τῶν ἀνῶν ἐστι.
καὶ τὸ ἀσθενές τοῦ θεοῦ ἰσχυρότερον τῶν ἀνῶν ἐστι. Βλέπετε
γὰρ τὴν κλήσιν ὑμῶν ἀδελφοί. ὅτι οὐ πολλοὶ σοφοὶ κατὰ
σάρκα. οὐ πολλοὶ δυνατοί. οὐ πολλοὶ εὐγενεῖς. ἀλλὰ τὰ
μωρὰ τοῦ κόσμου ἐξελέξατο ὁ θεός. ἵνα τοὺς σοφοὺς κατασ-
χύνη καὶ τὰ ἀσθενῆ τοῦ κόσμου ἐξελέξατο ὁ θεός. ἵνα κα-
τασχύνη τὰ ἰσχυρὰ. καὶ τὰ ἀγενῆ τοῦ κόσμου. καὶ τὰ
ἐξουθενημένα ἐξελέξατο ὁ θεός. καὶ τὰ μὴ ὄντα καταργήσῃ
ὅπως μὴ καυχῆσθε. πᾶσα σάρξ ἐνώπιον τοῦ θεοῦ. τῷ. ἐξ
αὐτοῦ δὲ ὑμεῖς ἐστὲ ἐν χῶ Ιῡ. ὅς ἐγενήθη ἡμῖν σοφία ἀπὸ
θεοῦ. δικαιοσύνη τε л. 182. καὶ ἁγιασμὸς καὶ ἀπολύτρω-
σις. ἵνα καθὼς γέγραπται. ὁ καυχώμενος ἐν κυ καυχάσ-
θω. καὶ ἐλθὼν πρὸς ὑμᾶς ἀδελφοί. ἡλθον. οὐ καθ'
ὑπεροχὴν λόγου ἢ σοφίας καταγγέλων ὑμῖν τὸ μαρτύριον
τοῦ θεοῦ. οὐ γὰρ ἔκρινα τοῦ εἰδέναι τι ἐν ὑμῖν. εἰμὶ Ιν
χυ καὶ τοῦτον ἐστρωμένον. καὶ ἐγὼ ἐν ἀσθενείᾳ καὶ ἐν
φύβῳ. καὶ ἐν τρόμῳ πολλῷ ἐγενόμην πρὸς ὑμᾶς καὶ ὁ

шего и гл҃а і҃са . . . хвалю б҃а моего кс҃гда за вы . . .
о б҃годатѣ б҃жїи данѣи намѣ . . . о х҃ѣ і҃сѣ . . . ꙗко
късѣде обѣтистеса о немѣ. кс҃мь словѣмь . . . и кс҃а-
цѣмь разоумѣмь . . . ꙗкоже и свѣдѣтельство х҃ко
нзвѣстна оу васѣ . . . ꙗко вамѣ не лишенѣ быти.
ни єдинного же дарованнѣ ꙗꙗꙋщимѣ . . . ꙗвлєннѣ г҃а
нашего і҃са х҃а . . . нже нзвѣстнѣ вы до коньца . . .
неповинны въ днѣ г҃а нашего і҃са х҃а . . . вѣрнѣ
бѣ . . . нмѣже и званн бысте . . . въ окрещєннѣ сн҃а
єго. і҃са х҃а г҃а нашѣ . . . молю же вы братїе . . .
имєнмь г҃а нашего і҃са х҃са. да то же г҃ѣте късѣ. и
да не соꙋтъ къ васѣ расньра . . . да есте же съ-
крещєннѣ . . . къ тои же мысѣи къ тои же воли . . .
нарекова ко ми са . . . братїа моя . . . за вы ѿ х҃ла-
нса . . . ꙗко рѣвннѣ къ васѣ соꙋтъ . . . г҃лю же се
ꙗко къждо васѣ г҃ѣтъ . . . азъ оꙋбо єсмь навѣокъ.
азъ же апѣлѣсокъ. азъ же кнѣпнѣ . . . азъ же х҃ѣтъ . . .
єда раздѣанса х҃ъ . . . єда навѣлъ пронѣтъ бѣѣтъ за
вы . . . или къ нма навѣе крѣстнстеса . . . хвалю б҃а
ни єдинного васѣ не крѣтнхѣ. ¹⁾ крѣтнхѣ же и стѣфановѣ
домѣ . . . ктѣмѣ не вѣдѣ а҃ще нєго крѣтнхѣ . . . не
пѣсѣа бо менѣ х҃ъ крѣстнѣтъ . . . нѣ б҃гокрѣстнѣтъ. не
къ моꙋдрѣсти словєсньнѣ . . . да нспрѣзннѣтса (sic)
крѣтъ х҃ѣтъ . . . слово крѣтнѣнѣ. г҃ывѣꙋщимѣ воꙋнство
єсть. сн҃саꙋщимѣ же са намѣ сила б҃жнѣа єсть . . .
ннсаѣно бо єсть поꙋвѣлю прѣмоꙋдрѣсть прѣмоꙋдрѣхѣ.
и разоумѣ разоумѣннѣхѣ ѿкѣргоꙋ . . . кдѣ прѣмоꙋдрѣ
братїе. кдѣ кнѣпѣннѣ. кдѣ свѣтѣрѣсннѣкъ къка се-
го . . . не оꙋчи ли бѣтъ . . . прѣмоꙋдрѣстнѣо мнра се-
го . . . понеже ко къ прѣмоꙋдрѣсти б҃жнѣи. не разоумѣ
късѣ мнрѣ прѣмоꙋдрѣстнѣо б҃а. б҃гопзѣволи бѣтъ. воꙋн-
ствѣмь пропѣкѣди. сн҃стѣ крѣꙋꙋщнѣа . . . понеже нꙋ-
дѣи знаменнѣа просѣтъ. и єлннн прѣмоꙋдрѣсти нѣꙋють.
мы же пропѣкѣдѣмъ х҃са раснѣта . . . нꙋдѣємъ оꙋбо
сѣєлѣзнѣ . . . кзыкомъ же воꙋєсть . . . сѣєнмь же
зѣаннмь. нꙋдѣємъ оꙋбо и єлннѣмъ. х҃са вѣннѣо сн-
лоꙋ и б҃жнѣо прѣмоꙋдрѣсть . . . ꙗко воꙋєєє вѣннѣе прѣ-
моꙋдрѣєє ꙋлѣкѣ єсть . . . и нємоꙋщнѣєє вѣннѣе крѣнѣ-
ꙋєєє ꙋлѣкѣ єсть . . . вѣꙋдѣте же зѣаннѣе вѣннѣе бра-
тнѣе . . . ꙗко не нѣꙋнози ли прѣмоꙋдрннѣ . . . по нѣѣ-
тн . . . не мнѣꙋзи ли снѣнннн. не мнѣꙋзи ли вѣ҃го-
роднннн . . . нѣ воꙋкѣа кс҃єго мнра нзѣбрѣлѣ бѣтъ . . .
да посрамнѣтъ прѣмоꙋдрнѣа . . . и нємоꙋщнѣа мнра
нзѣбрѣлѣ бѣтъ . . . да посрамнѣтъ крѣнѣєєє. и вєзрѣдѣ-
нѣа кс҃єго мнра. и оꙋкорєнѣа нзѣбрѣлѣ бѣтъ . . . и
не соꙋнѣа да соꙋнѣа оꙋнѣрѣзннѣтъ . . . ꙗко да не по-
хвалнѣтъ всѣа нѣѣтъ прѣдѣ бѣ҃гмь . . . не тогоже вы
єсте о х҃ѣ і҃сѣ . . . нже кыстѣ . . . прѣмоꙋдрѣсть намѣ
отъ б҃а . . . правѣда и свѣтѣєє. и нзѣєєєєє. да

¹⁾ По Гречески пропущено: тѣмѣо крѣсна и г҃анн . . . да не кто рєꙋєтъ ꙗко къ нма моєє крѣтнстеса.

λόγος μου καὶ τὸ κήρυγμα μου οὐκ ἐν πειθοῖς ἀνιῆς σοφίας λόγοις ἀλλ' ἐν ἀποδείξει πν̄ς καὶ δυνάμεως. ἵνα ἡ πίστις ὑμῶν μὴ ᾗ ἐν σοφίᾳ ἀνῶν ἀλλ' ἐν δυνάμει θ̄υ. σοφίαν δὲ λαλοῦμεν ἐν τοῖς τέλει· σοφίαν δὲ οὐ τοῦ αἰῶνος τούτου. οὐ δὲ τῶν ἀρχόντων τοῦ αἰῶνος τούτου. л. 182 об. τῶν καταργουμένων. ἀλλὰ λολοῦμεν. σοφίαν θ̄υ ἐν μυστηρίῳ τὴν ἀποκεκριμένην. ἣν προώρισεν ὁ θ̄ς πρὸ τῶ αἰῶνων εἰς δόξαν ἡμῶν. ἣν οὐδεὶς τῶν ἀρχόντων τοῦ αἰῶνος τούτου ἔγνωκεν. εἰ γὰρ ἔγνωσαν. οὐκ ἂν τὸν κ̄ν τῆς δόξης ἐστρῶσαν. ἀλλὰ καθὼς γέγραπται ἅ ὀφθαλμοὶ οὐκ εἶδον καὶ οὐς, οὐκ ἤκουσε. καὶ ἐπὶ καρδίαν ἀνῶу н̄к ἀνέβη. ὅ ἡτοίμασεν ὁ θ̄ς τοῖς ἀγαπᾶσιν αὐτόν. ἡμῖν δὲ ὁ θ̄ς ἀπεκαλύψε διὰ τοῦ πν̄ς αὐτοῦ. τὸ γὰρ πνεῦμα πάντα ἐρευνᾷ. καὶ τὰ βάθη τοῦ θ̄υ. τίς γὰρ οἶδεν ἀνῶν τὰ τοῦ ἀνῶу εἰμὴ τὸ πν̄α τοῦ ἀνῶу τὸ ἐν αὐτῷ. οὕτως καὶ τὰ τοῦ θ̄υ л. 183. ἡμῖς δὲ οὐ τὸ πν̄α τὸ τοῦ κόσμου ἐλάβομεν. ἀλλὰ τὸ πν̄α τὸ ἐκ τοῦ θ̄υ. ἵνα εἰδομεν τὰ ὑπὸ τοῦ θ̄υ χαρισθέντα ἡμῖν. ἅ καὶ λαλοῦμεν οὐκ ἐν διδακτοῖς ἀνθρωπίνης σοφίας λόγοις. ἀλλ' ἐν διδακτοῖς πн̄ς ἁγίου. πν̄ικοῖς. πн̄ικὰ συγκρίνοντες. ψυχικὸς δὲ ἀνῶс οὐ δέχεται τὰ τοῦ πн̄ς τοῦ θ̄υ. μωρία γὰρ αὐτῷ ἐστὶ καὶ οὐ δύναται γνῶναι. ὅτι πνευματικῶς ἀνακρίνεται. ὁ δὲ πн̄ικὸς ἀνακρίνει μὲν πάντα. αὐτὸς δὲ ὑπ' οὐδενὸς ἀνακρίνεται. τίς γὰρ ἔγνω νοῦν κ̄у. ὅς συμβιάσει αὐτόν. ἡμεῖς δὲ νοῦν κ̄у ἔχομεν.

Дхъ нже ѿ бѣ. да видимъ дарованыхъ намъ ѿ бѣ. нхъ же глѣмъ не въ наоученыхъ дхѣ сѣа дхѣвнымъ . . . дхѣвнамъ прилагующе . . . дшѣвнъ же улѣкъ. не приемятъ нже ѿ бѣнн дхѣ. боуство бо юмоу юсть . . . и не можетъ разоумѣти . . . ꙗко дхѣвно вѣстазаеться. ꙗко дхѣвнымъ вѣстазаеть оубо вса. а тѣ ни отъ единого же вѣстазаеться . . . кто бо разоумѣ оумъ гнѣ. нже наставитъ н. мы же оумъ хѣтъ нмамъ.

Чтениѣ и обьясненіѣ снѣмѣа.

Κυριακῇ Ϟ. Ἀρχὴ Θεοῦ γὰρ ἐσμὲν συνεργοί. Θεοῦ γεώργιον. Θεοῦ οἰκοδομὴ ἐστὶ.

Κατὰ τὴν χάριν τοῦ Θεοῦ τὴν δοθεῖσαν μοι. ὁ σοφὸς. ἀρχιτέκτων θεμέλιον τέθηκα.

Ἐγράφη ἀπὸ φιλίππων διὰ στεφανά καὶ φορτωνάτου καὶ ευχαῖκου καὶ τιμοθέου στίχων ὧς:

Записъ писца: Ἐτελειώθη ἡ παροῦσα βίβλος μηνὶ αὐγούστῳ Ϟ. ἡμερᾶ κ. ἰνδικτιώνος. προστάξει τοῦ κραταίου καὶ ἁγίου ἡμῶν βασιλέως κυρ. Μιχαήλ δουκᾶ. Γραφεῖσα παρ' ἐμοῦ μιχαήλ. βασιλεως νυτάριου. τοῦ πανεργ. ἔτους ϙϟϞϞ. (1072 г.)

Заставка съ заглавіемъ уставнаго письма: πέτρου ἐπιστολὴ Ϟ. Заглавіе 1-го посланія св. Ап. Петра: πέτρου ἐπιστολὴ ᾱ. Монограмма въ 5-ти кружкахъ: Κύριε βοήθει Μιχαήλ Δεσπότη δουκᾶ.

Заглавные буквы, азбука скорописная.

Слова съ знаками препинанія. ἀμὴν: περιπατεῖς.

Слова съ сокращеніями и титлами: Καὶ ποιῆσαι, Ιῆσοῦ.

Слово съ Іотою написанною въ строку въ дательномъ падежѣ, а не съ подписнымъ внизу. υ:ωι.

Слова въ связи съ другими: α) ἄξ ευαγγέλιον. ε) ἀδελφῶν ἐξ ἐγκρατεῖα ψευδε.

Знаки вносныхъ мыслей.

ꙗко же юсть писано . . . хваланса о гдѣ да хвалитьса . . . Глава 2. Н азъ пришедъ къ вамъ братіе. придохъ не попреодръжнимоу словеси . . . нли прѣмоудрости . . . вѣзвѣщама вамъ тѣнноу бѣнню . . . не смотрихъ бо что видѣти васъ. токмо іса хса . . . и сего расната . . . и азъ въ немоуи страсъ . . . и трепетѣ мнозѣ быхъ къ вамъ . . . и слово мое и проповѣдъ моя не по премоудрости улѣустьє словесы нъ въ н р н т ѣ у н . . . и наказанинемъ дхѣ и силы . . . да вѣра ваша небуудетъ къ премоудрости улѣустьє. нъ въ силѣ бѣни . . . прѣмоудрость же глѣмъ . . . въ сѣвѣршєннхъ . . . прѣмоудрость же не кѣка сего ни влѣкъ кѣка сего . . . прѣстающихъ. нъ глѣмъ бѣни прѣмоудрость . . . въ тѣни . . . сѣвѣреноу . . . юже пронареує бѣ прѣже кѣкъ къ славоу нашу . . . ꙗжеже никтоже ѿ владыкъ мира сего не разоумѣ. аще бо быша разоумѣли . . . не кыша га слакъ пропали. нъ ꙗкоже юсть писано . . . нхъ же око не видѣ. ни оубо слыша. ни на сѣрдѣце улѣкоу не вѣзидоша. ꙗже оуготока бѣ любѣрнимъ юго . . . намъ же ѿкрылъ бѣ дхмъ сконмъ . . . дхъ бо всего пытаетъ . . . и глоуєннѣ бѣни. кѣто бо вѣсть ѿ улѣкъ нже въ улѣнѣ . . . тѣкмо дхъ улѣка нже кѣнемъ. такоже и боже стѣкнѣ нхъ. никтоже не разоумѣ. тѣкмо дхъ бѣни . . . мы же не дхъ сего мира придохомъ. нъ

XIV. О подвижничествѣ св. Василя Великаго.

Находится въ Московской Синодальной Библиотекѣ подъ № 29-мъ.

Длина пергамина	8	в.
Ширина	5 $\frac{1}{2}$	в.
Къ корешку	$\frac{1}{2}$	в.
Между столбцами	$\frac{5}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	1 $\frac{1}{8}$	в.
Къ верху	$\frac{3}{8}$	в.
Къ низу	1 $\frac{1}{8}$	в.

Пергамень выдѣланъ хорошо, но не тонокъ. По краямъ есть мѣста поврежденные, которыя наклеены остатками пергамина же.

Писано скорописью въ два столбца по нарѣзамъ на 272 листахъ. Первые два листа исписанные владѣльцемъ рукописи разными замѣтками не помѣчены. На 1-мъ помѣченномъ внизу подписано: Арсеній ѿ. τῶν βηρῶν. Заставки и заглавныя буквы темно-малиноваго цвѣта а въ другихъ мѣстахъ блѣдно-коричневые. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 35; помѣта тетрадей у корешка внизу съ обоихъ сторонъ.

Л. 1—182 об. О подвижничествѣ съ пространными (80) и краткими отвѣтами (313).

Л. 182 об.—219 об. περὶ βαπτίσματος.

Л. 219 об.—253 об. τοῦ αὐτοῦ διατάξεις πρὸς τοὺς ἐν κοινοβίῳ καὶ κατὰ μόνας ἀσχοῦντας. (35).

Л. 253 об.—257 об. ἐπιστολὴ πρὸς χίλωνα..

Л. 257 об.—259 а. λόγος ἀσκητικὸς.

Л. 259 об.—266. παραίνεσις περὶ ἀποταγῆς βίου καὶ τελειώσεως πνικῆς.

Л. 266. 267 об. τοῦ αὐτοῦ περὶ ἀσκήσεως. πῶς δεῖ κοσμεῖσθαι τὸν μοναχόν.

Начало: Деῖ τὸν μοναχὸν πρὸ πάντων, ἀκτῆμονα βίον κεκτῆσθαι.

Л. 267 об.—а. и β'. 269. τοῦ αὐτοῦ νουθεσία πρὸς τοὺς νεοῦς.... πρὸς μοναχὸν ἐκπεσόντα.

Л. 269—272 а. τοῦ αὐτοῦ καὶ ὅσα ἐπιτίμια.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

л. 266 β'. Τοῦ αὐτοῦ (ἀγ. Βασιλείου μεγάλου) περὶ ἀσκήσεως. πῶς δεῖ κοσμεῖσθαι τὸν μοναχόν.

Деῖ τὸν μοναχὸν πρὸ πάντων, ἀκτῆμονα, βίον κεκτῆσθαι. σώματος ἐρημίαν καὶ κοσμότητα σχήματος. φωνὴν σύμμετρον. καὶ λόγον εὐτακτον. τροφήν καὶ ποτὸν ἀθόρυβον. καὶ μετὰ ἡσυχίας ἐσθίειν. ἐπὶ πρεσβυτέρων σιωπᾶν. ἐπὶ σοφωτέρων ἀκροᾶσθαι. πρὸς τοὺς ἴσους ἀγάπην ἔχειν. πρὸς τοὺς ἐλάττους ἀγαπητικὴν συμβουλίαν. ἀπὸ τῶν φαύλων καὶ σαρκικῶν καὶ φιλοπραγμόνων ἀναχωρεῖν. πλεῖονα νοεῖν. ὀλίγα δὲ φθέγγεσθαι. μὴ θρασύνεσθαι λόγῳ. μὴ δὲ περιπτέυειν ὁμιλίαις. μὴ πρόχειρον γενέσθαι περὶ γέλωτα. αἰδοῖ κοσμεῖσθαι. κάτω τὸ βλέμμα ἔχειν ἄνω δὲ τὴν ψυχὴν. μὴ ἀντιλέγειν ἀντιλογίαις. εὐπειθῆ εἶναι. κοπιᾶν ταῖς χερσὶ. μνημονεύειν τῶν ἐσχάτων πάντων. τῇ ἐλπίδι χαίρειν. л. 266 об. ἀδιαλείπτως προσεύχεσθαι ἐν παντὶ εὐχαριστεῖν. τῇ θλίψει ὑπομένειν. πρὸς πάντας та-

Изъ Пролога XIII в. № 247. л. 159 об. а. Во тѣ днь сѣло. стго каснама. о наказыньи како есть лѣно уерноризыцемъ быти .: .

Лѣно ієсть уерноризыцю нмѣти. паує всего жнтьа да небрежеть нмѣнья отннѣдъ. телєси оудрѣченнє. оудобрєннє нравѣ глєсѣ оумнлєннє. н слоко блгоуиннє. нздєннє н ннтєє безъ горока (sic) н съ оутвержєннємъ. предъ старци молѣаннє. мѣдрѣнннхъ послѣшатн. с тоуиннми любовъ нмѣти. меньшнми любовьно съкѣщєннє. ѿ плотьскыхъ н любослѣтнхъ кєщнн ѿскѣатн. множкєє разѣмѣватн. а моло глѣтн. не дерзѣ быти словомъ. не прєтрєбоватн к рѣчєхъ. не скоро къ смѣхъ впадатн. долѣ нмѣти оуи. а днѣю горѣ. не протнѣкѣ ѿкѣщєватн. послѣшлнѣкѣ быти. б) н трѣжатнєса рѣкѣма. номннатн послѣднѣма. о надежн радѣватнєса непрєстающнн. прн всѣхъ блгохвалитн. къ скорбєхъ блготєрѣнѣти. ко всѣмъ смѣрєнѣ быти. кєлнѣаннѣ

πεινόν εἶναι. μισεῖν ὑπερηφανίαν. νήφειν καὶ τηρεῖν τὴν καρδίαν ἀπὸ λογισμῶν πονηρῶν. θησαυρίζειν ἐν οὐνῶ. δι' ἐντολῶν ἑαυτὸν ἀνακρίνειν. περὶ τῶν λογισμῶν τῶν καθημερινῶν καὶ πράξεων μὴ ἐμπλέκεσθαι ταῖς τοῦ βίου περιτολογίαις. μὴ περιεργάζεσθαι τὸν τῶν ραθύμων βίον. ἀλλὰ ζηλοῦν τὸν τῶν ἀγίων πρῶν. συγχαίρειν τοῖς κατορθοῦσιν ἀρετὴν. καὶ μὴ φθονεῖν. συμπάσχειν τοῖς πάσχουσι. καὶ σφόδρα τούτους πενθεῖν. μὴ μέντοι κατακρίνειν μὴ δὲ ὄνειδίζειν τὸν ἀποστρέφοντα ἀπὸ ἁμαρτίας. μηδέποτε δικαιοῦν ἑαυτὸν. πρὸ πάντων ἁμαρτωλὸν ἐνώπιον θυ καὶ ἀνῶν ὁμολογεῖν, ἑαυτὸν. νουθετεῖν τοὺς ἀτάκτους. παραμυθεῖσθαι τῆς ὀλιγοψύχους. ὑπηρετεῖν τοῖς ἁρρώστοις. πόδας ἀγίων νίπτειν. ξενοδοχίας καὶ φιλαδελφίας ἐπιμελεῖσθαι. μετὰ τῶν οἰκείων τῆς πίστεως εἰρηνεύειν. αἰρετικὸν β'. ὄντον ἀπεστρέφεσθαι. τὸ ἐνδιάθετα βιβλία ἀναγνώσκειν. ἀποκρύφους ὅλως μὴ ἐντυγχάνειν. περὶ πρς καὶ υἱοῦ καὶ ἀγίου πνς, μὴ συζητεῖν. ἀλλ' ἄκτιστον καὶ ὁμοούσιον τριάδα μετὰ παρρησίας σέβειν καὶ φρονεῖν. καὶ τοῖς ἐπερωτῶσι λέγειν. ὅτι βαπτίζεσθαι δεῖ ὡς παρελάβομεν. πιστεύειν δὲ ὡς βαπτίζομεθα. δοξάζειν δὲ ὡς πεπιστεύκαμεν. ἐν ἔργοις καὶ λόγοις ἀγαθοῖς ἀναστρέφεσθαι. μὴ ὁμνύειν τὸ σύνολον Μη διδόναι ἀργύριον ἐπὶ τόκῳ. μισεῖν τὸν οἶνον καὶ τὸ ἔλαιον ἐπιπλεονασμον. καὶ ἀπὸ κραιπάλης καὶ μέθης καὶ μεριμνῶν βιωτικῶν ἀπεχεσθαι. μετὰ δολου μὴ σμιλεῖν. μὴ δὲ ὅλως φθέγγεσθαι κατὰ τινος μὴ καταλαλεῖν. μὴ ταχέως πιστεύειν κατὰ τινος. μὴ τυραννεῖσθαι ὑπὸ θυμῷ. μὴ κρατεῖσθαι ὑπὸ ἐπιθυμίας. μὴ εἰκῇ ὀργίζεσθαι τῷ πλησίον μὴ κρατεῖν μῆνιν κατὰ τινος. μὴ κακὸν ἀντὶ κακοῦ ἀποδοῦναι. μᾶλλον λοιδορεῖσθαι ἢ λοιδορεῖν. τύπτεσθαι ἢ τύπτειν. ἀδικεῖσθαι ἢ ἀδικεῖν. ἀποστερεῖσθαι, ἢ ἀποστερεῖν. καὶ πρόγε πάντων χρῆ τὸν μοναχὸν ἐγκρατέυεσθαι ἀπὸ συντυχίας л. 227 а. γυναικῶν καὶ ἀπὸ οἰνοποσίας. καὶ ὅτι οἶνος καὶ γυναῖκες, ἀποστήσουσι συνετοῦς καὶ κατορθοῦντας κατὰ τὸν δυνατὸν τὰς τοῦ κῡ ἐντολάς. μὴ ἀκηδιαῖν. ἀλλὰ τὸν μισθὸν καὶ τὸν ἔπαινον παρ αὐτοῦ ἐκδέχεσθαι. καὶ τῆς αἰωνίου ζωῆς. ποθεῖν τὴν ἀπόλαυσιν. τότε ῥητὸν τοῦ δαδ πρὸ ὀφθαλμῶν ἔχειν καὶ λέγειν. πρωτόμην τὸν κῡ ἐνώπιον μου δια παντὸς. ὅτι ἐκ δεξιῶν ἐστὶν ἵνα μὴ σαλευθῶ. καὶ ὡς μὲν υἱός. ἐξ ὅλης καρδίας καὶ ἰσχύος καὶ διανοίας καὶ τῆς δυνάμεως ἀγαπᾶν τὸν θῡ. ὡς δὲ δοῦλος. εὐλαβεῖσθαι καὶ φοβεῖσθαι αὐτὸν καὶ ὑπακούειν. καὶ μετὰ φόβου καὶ τρόμου. τὴν σῖαν ἑαυτοῦ κατεργάζεσθαι. τῷ πνι ζεῖν. ἐνδεδυμένον εἶναι τὴν πανοπλίαν τοῦ ἀγίου πνς. καὶ τρέχειν οὐκ ἀδῆλως. καὶ πυκτεύειν οὐκ ἀέρα δέροντα. καὶ καταπαλαίειν τοῦ ἐχθροῦ ἐν τῇ ἀσθενείᾳ τῆς σαρκὸς καὶ ἐν τῇ ἐυτονίᾳ τῆς ψυχῆς. πάντα τὰ διατεταγμένα ποιεῖν. β'. καὶ ἀχρεῖον ἑαυτὸν λέγειν. εὐχαριστεῖν τῷ ἀγίῳ καὶ ἐνδόξῳ καὶ φοβερῷ θῶ. καὶ μηδὲν κατ' ἐριθείαν καὶ κενοδοξίαν ποιεῖν, ἀλλὰ διὰ τὸν θῡ. καὶ πρὸς τὴν αὐτοῦ ἀρέσκειαν πράττειν. ὅτι ὁ θς διεσκόρπισεν ὅστ' ἀνθρωπαρέσκων. μὴ*καυχᾶσθαι τὸ σύνολον. μὴ δὲ ἐγκώμια ἑαυτῷ λέγειν. μὴ δὲ ἄλλου ἐγκω-

ненавдѣти, говѣниꙋ быти. блюсти срдце ѿ помыслъ злыхъ сврати нмѣнь (sic) на нѣсѣхъ. заповѣдмъ. самомꙋ сѧ испытати о мыслехъ. по всѧ дѧ ѿ дѣлѣхъ. не оплѣтатисѧ житннскѧмъ лихѧмъ и рѣѣмъ. не нскати лѣннѣхъ житнѧ, но токмо подражати стхъ ѿѣ. радоватисѧ со исправнннмъ добронравнѣ. а не завндѣти. съ стражюшн пострадати. и с палꙋюшнмѣ сѧ зѣло плакати. не ѿсѣжати и поносити. обрашꙋюшемꙋ ѿ грѣхъ. ннколи же себе прѧкеднаго творити. наꙋе всѣхъ ѧлѣкъ грѣшннѧ. себе исповѣдати предъ кмѣ и ѧлѣкы. наказати ненаказанныѧ. оꙋѣщати малоѣшннѧ. слꙋжити колнмъ. ногы стхъ омывати. стрѧннѣхъ л. 160 а. братолюбнн прилежатѣ. съ єдннѡѣрчнмъ мнрѣ нмѣти. еретнѧ ѧлѣкѡ ѡврашꙋатисѧ. кннгы преданныѧ поꙋнтати. а въ скрѡкѣхъ не прннкати ѡтннꙋдѣ. о ѡѣи и о снѣ и о стѣмъ дѣъ не пытати по несозданꙋю и єднносꙋшнꙋ. трѣю съ дерзновѣннѣмъ глти. крѣпѧтисѧ лѣно ꙗкоже и мы прнѧхѡмъ. крѡкати же ꙗ крѣтнмъ. славнѧи же ꙗкоже крѡвахѡмъ. въ дѣлѣхъ и въ словесѣхъ глхъ жити. не клѧтисѧ ѡтннꙋдѣ не дати сребра въ лихѣ. нн пшєннѣи нн внѧ. нн дрѣвѧнаго маслѧ. на оꙋмноженѣе ннѣлѧ. и нѣмѧнѣстка и неꙋлѧнн житннскѣхъ ѡбѣгати. и небесѣдовати лꙋѧмъ (sic) и велмъ нн окомъ же не глти. нн ѡблєкетѧти. и ннѧкоже въ сѧлѣсть послꙋшати клєкетнѣѧ. нн о комъ же скоро ꙗтѣ вѣры. нн томнѧтисѧ гнѣвомъ. не быти держнмꙋ похотꙋ. нн безꙋмѧ гнѣватисѧ на блнжѧаго. не ѡ) держати нн на когѡже гнѣѧ. нн кꙋздатн злѧ зѧ злѡ. наꙋе оꙋꙋленꙋ быти а не хꙋлѧти. внѣнꙋ быти, а не кнѧти. обнѣнꙋ быти а не обнѣѧти. ѡѣетнѧтисѧ а не ѡѣетнѧти. наꙋе всеѧо достѡнѣ ꙋєрнѡрнꙋꙋ. кꙋздержатисѧ ѿ бесѣдъ жєнѣскѣхъ. ѿ внѡпнѧтѧ. внѡно бо и жєнѧ ѡврашꙋꙋтъ смѣслєннѧ. нспрѧклꙋющѧ добрѣ глѧ заповѣдн не стꙋжати сн. нѣ мꙋзды и похвалы ѿ неѧо ꙗꙋати и кꙋꙋннѧ жнꙋжнн желѧти и прнѧтн. и слово давѧдоко предъ оꙋнѧмъ коннꙋ нмѣти и глти. предъзрѣхъ глѣ предъ мною коннꙋ. ꙗко о деснꙋю менє ꙋєсть дѧ сѧ не поклѣбꙋю. и ꙗкн снꙋ ѿ всеѧо срѣлѧ и кꙋѣпѡстн и рꙋꙋмѧ. и снѧмъ и лꙋбнѧтн бѧ. и ꙗкы рꙋꙋꙋ сꙋмнѣтисѧ и кѡꙋтисѧ. и слꙋшати ꙋєѧ съ стрѧхѡмъ. и трєпєтѡмъ. снєнѣе себе сдѣѧтн. дхмъ горѣтн. облєꙋєнꙋ быти во ѡдєꙋю. стѧо дхлѧ. и теѣи не лѣнѧшєсѧ. а не ꙗко кꙋздꙋхъ л. 160 об. а. пѧстн (sic) бнѧти. и брѧтисѧ со враѧомъ въ нꙋжнєнѣе пѧстн. и в ннѣетѣ днѧ. и все покєлѣнѡє творнѧти. и неѡтребнѧ себе глти. и блгдѧрнѧ стѧо и сѧлѧаго и днѧаго бѧ. и ннꙋтоже съ зѧкнѣстꙋю. и со тѣетѡкѡрєѣмъ творнѧти. и ꙋєже ꙋєсть оꙋѧдно ємꙋ то творнѧтє. и зѧнє бѣ расꙋꙋлѧ кѡстн ѧлѣкꙋ оꙋѧдннѣꙋ. и не похвалнєсѧ велмъ. нн похвалы себе глн. и нн ннѡмꙋ хѧлѧꙋшꙋсѧ сѧлѣꙋ сѧꙋшѧтн. в тѧннѣ всѧ рꙋѡтѧтн. в ненавн-

μιάζοντος ἡδέως ἀκούειν. ἐν κρυπτῷ δὲ πάντα δουλεύειν. καὶ μὴ πρὸς ἐπίδειξιν ἀνῶν ποιεῖν, ἀλλὰ μόνον τὸν παρὰ τῆς θυ εὔπαινον ζητεῖν. καὶ τὴν φοβερὰν καὶ ἐνδοξον αὐτοῦ παρουσίαν ἐννοεῖν. τὴν μετάβασιν τὴν ἐντεῦθεν. τὰ ἀποκείμενα ἀγαθὰ τοῖς δικαίοις ὁμοίως τῷ ἡτοιμασμένῳ πυρὶ τῷ διαβόλῳ καὶ τοῖς ἀγγέλοις αὐτοῦ. ἐπὶ πᾶσι δὲ τοῦτοις τοῦ ἀποστολικοῦ ῥητοῦ μνηρονέειν. ὅτι οὐκ ἄξια τὰ παθήματα τοῦ νῦν καιρῆς πρὸς τὴν μέλλουσαν δόξαν ἀποκαλυφθῆναι εἰς ἡμᾶς. καὶ σὺν τῷ δᾶδ προλέγειν. τοῖς φυλάσσουσι τὰς ἐντολὰς αὐτοῦ ἀνταπόδοσις πολλή. μισθὸς πολὺς. καὶ στέφανοι л. 267 об. а. δικαιοσύνης. αἰώνιοι σκηναὶ ζωῇ ἀτελεύτητος. χαρὰ ἀνεκλάλητος μονὴ ἀκατάλυτος. παρὰ τῷ πρὶ καὶ τῷ υἱῷ καὶ τῷ ἁγίῳ πνι. τῷ ἐν οὐνοῖς ἀληθινῷ θῷ. ἐμφανισμὸς προσώπου πρὸς πρόσωπον. μετὰ ἀγγέλων χορεῖα. μετὰ πρῶν μετὰ πριархῶν. μετὰ προφητῶν. μετὰ ἀποστόλων καὶ μαρτύρων καὶ τῶν ἀπ' αἰῶνος ἐυαρεστησάντων μεθ' ὧν ἐυρεθῆναι σπουδάζωμεν χάριτι τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ χριστοῦ. ὃς ἡ δόξα καὶ τὸ κράτος εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων ἀμήν.

дѣньи улюбѣмъ. творити. нъ токмо ѿ бѣ приносити. нъ страшное нъ славное ѿего пришествіе. ѿсюду оуготована бѣга стѣмъ. тако же нъ оуготованы ѿгнь дѣякоу нъ ангѣмъ ѿего. по всемъ же томъ аплкое слово поминати. како не достонны стрѣти сего кремене. прамо будущеи славе кивнѣса. нъ съ дѣдомъ глѣти. хранащимъ заповѣди ѿего кѣзданые много. нъ кѣнии пракединка кѣунии крѣви. жнзнь бес конца. радость не б) нзѣглѣна. ѿбитель неразѣдрѣшнѣ. ѿца нъ сѣа нъ стѣго дѣа. нже естъ на нѣсѣхъ истинныи бѣ. видѣныемъ лице в лице. съ ангѣлы анкѣ-ствованые. со ѿи нъ с патриархы нъ съ мѣи кѣ не-повѣднѣкы. нъ со всемъ оугожьшнми с ннми же обрѣтѣса потѣнѣса бѣдѣю нъ улюбѣюнемъ . . .

Чтеніе и объясненіе снимка.

Τοῦ ἐν ἁγίοις πατρος ἡμῶν βασιλείου. ἀρχιεπισκόπου καισαρίας καππαδοκίας προδιαλαλῶ καὶ προεσιγγήσεις τῶν ἀσκητικῶν ὑποτυπώσεων.

Καλὰ μὲν τοῦ βασιλεως. τὰ πρὸς τοὺς ὑπηκόους νομοθετήματα. μεῖζονα δὲ καὶ βασιλικώτερα. τὰ πρὸς στρατιώτας παραγγέλματα. ἅτε οὖν στρατιωτικῶν παραγγελμάτων κηρυττομένων.

Προσίμιον τῶν κατ' ἐπιτομὴν ὄρων.

Ο φιλάνθρωπος θεός. ὁ διδάσκων ἄνθρωπον γινῶσιν. τοῖς μὲν τὸ διδασκαλικὸν πεπιστευμένοις χάρισμα.

Запись писца: 'Еτελειώθη сὺν θεῷ ἡ βίβλος αὕτη μηνὶ ἀπρίλλιω κλ̄. ἰνδικτιώνος ϥ. ἔτους ϥϥϣϣ. (1086 г.) διὰ χειρὸς ἰωάννου. εὐτελους μοναχοῦ καὶ πρεσβυτερου τοῦ ναοῦ τῆς θεοτόκου, ἦτοι τοῦ ἁγίου ἀβερκίου τοῦ ἐν τῷ πατριαρχ.

Заставки и заглавныя буквы. Азбука скорописная и изъ заглавій.

Сокращенія и слова съ титлами: πότον, λόγον χαίρειν τῆς ψυχῶν. Ἰησοῦ χριστοῦ. Конечное слово съ знаками препинанія: ἁγίω: .

Слова въ связи съ другими: α., ἄρτονσου, ἀγαγεῖν, πράξεων. ε., ἐξηνέχθησαν εἶπε ἐλάλησεν. λειτουργικά δέ. ν., ζωὴν ἀποκάλυφον. σ., πᾶς.

Знаки вносныхъ мыслей. Слова въ конечной строкѣ страницы съ длинными линіями. Цифра ϣ. 90 съ титломъ.

ХІІ. ВѢКЪ.

1. Постановленія Апостольскія

Находятся въ Императорской Публичной Библіотекѣ подъ № 100-мъ.

Длина пергамина	5 ⁵ / ₈	в.
Ширина	4 ¹ / ₈	в.
Къ корешку	³ / ₈	в.
Къ правой сторонѣ	1 ¹ / ₈	в.
Къ верху	⁵ / ₈	в.
Къ низу	1 ¹ / ₈	в.

Пергамень выдѣланъ хорошо, мѣстами урѣзанъ и у краевъ пожелтѣлъ.

Писано скорописью въ одинъ столбецъ по нарѣзамъ на 149-ти листахъ. Первая заставка расписана красками малиноваго цвѣта и желтою. Заглавія и заглавныя буквы почти все черныя, намазан-

няя послѣ желтоватою краскою. Киновари нѣтъ. Помѣта тетрадей у корешка внизу съ обоихъ сторонъ. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 26-ть.

Съ 1-го по 136-й оборотъ написаны постановленія Апостольскія въ 8-ми книгахъ.

л. 136 об. — 138 об. Πέτρος καὶ πάβλου διατάξεις.

л. 138 об. — 139. Ὅρος κανονικὸς τῶν ἁγίων ἀποστόλων (18.)

л. 139 об. — 144 об. Ἔτεροι κανόνες τῶν ἁγίων ἀποστόλων (47).

л. 144 об. 145. Τοῦ ἁγίου πατρὸς ἡμῶν βασιλείου τὰ ἐπιτίμια. (31.)

л. 145. 146 об. Θεοδώρου πρεσβυτέρου καὶ ἡγουμένου μονῆς τῶν δὲ στουδίτου.... ἐπιτίμια κοινὰ τῆς ὅλης ἀδελφότητος. ἐπὶ τῶν παραλειπόντων εἰς τὸν κανόνα.

л. 146 об. 147 об. Κεφάλαια κατεπιλογεῖ. τοῦ ἁγιωτάτου ἐπισκόπου τιμωθεοῦ ἀλεξανδρείας. πρὸς τὰς ἐπενεχθείσας αὐτῷ ἐρωτήσεις παρὰ τινων ἐπισκόπων καὶ κληρικῶν.

л. 147 об. — 149. Ἰππολύτου ἐπισκόπου ρώμης. καὶ δωροθεοῦ ἐπισκόπου τύρου καὶ ἱερομάρτυρος περὶ τῶν μαθητῶν τοῦ κυ. ὅπου ἕκαστος αὐτῶν ἐκήρυξε τὸ εὐαγγέλιον τοῦ κυ καὶ ἐτελειώθη.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

л. 131 об. † Διαταγαὶ περὶ χειροτονίας πρεσβυτέρων. διακόνων. ὑποδιακόνων. ἀναγνώστων. διακονισσῶν.

Изъ постановленийъ Апостольскихъ XVII в. № 223. Моск. Синод. Библіотеки.

Βιβλίων ἡ Περὶ χειροτονίας πρεσβυτέρων. ἐγὼ ὀφειλόμενος ὑπὸ τοῦ κυ διατάσσομαι ὑμῖν τοῖς ἐπισκόποις:

Πρεσβύτερον χειροτονῶν ὧ ἐπισκοπε. τὴν χειρὰ ἐπὶ τῆς κεφαλῆς ἐπιτίθεται αὐτός. τοῦ л. 132. πρεσβυτερίου παρεστῶτων καὶ τῶν διακόνων. Ευχ. Καὶ εὐχομενος λέγε Кѣ. παντοκράτωρ ὁ θεὸς ἡμῶν ὁ διὰ κυ σου τὰ πάντα δημιουργήσας. καὶ διὰ αὐτοῦ τῶν ὅλων προνοῶν καταλλήλως. ὧ γὰρ δύναμις διάφορα ποιῆσαι, τούτῳι δύναμις καὶ διαφόρως προνοῆσαι. διὰ γὰρ αὐτοῦ ὁ θεὸς προνοεῖς. τῶν μὲν ἀθανάτων, φυλακῇ μόνῃ. τῶν δὲ θνητῶν, διαδοχῇ τῆς ψυχῆς. φροντίδι νόμων τοῦ σώματος ἀναιπληρώσει τῆς ἐνδεΐας. αὐτὸς οὖν καὶ νῦν ἐπὶ βλεψῶν ἐπὶ τὴν ἁγίαν σου ἐκκλησίαν. καὶ αὕξησον αὐτὴν καὶ πλήθυνον τοὺς ἐν αὐτῇ προσεστώτας. καὶ δὸς δύναμιν πρὸς τὸ κοπιᾶν αὐτοὺς λόγῳ καὶ ἔργῳ. εἰς οἰκοδομὴν τοῦ λαοῦ σου. αὐτὸς καὶ νῦν ἐπιδε ἐπὶ τὸν δοῦλον σου τοῦτον. τὸν ψῆφωι καὶ κρίσει τοῦ κλήρου παντὰς εἰς πρεσβυτέριον ἐπιδοθέντα. καὶ ἐμπλήσον αὐτὸν πῶς χάριτος. καὶ συμβουλείας. τοῦ ἀντιλαμβάνεσθαι καὶ κυβερνᾶν τὸν λαόν σου ἐν καθαρᾷ καρδίᾳ. ὃν τρόπον ἐπειδὴς ἐπὶ λαόν εἰς λαόν ἐκλογῆς σου. καὶ προσέταξας μωυσῇ αἰρήσασθαι πρεσβυτέρους οὓς ἐνεπλήσας πῶς. καὶ νῦν κѣ, παράσχου ἀνελληπὲς τηρῶν ἐν ἡμῖν τὸ πᾶν τῆς χάριτος σου. ὅπως πλησθεῖς ἐνεργημάτων ἱατικῶν καὶ λόγου διδακτικοῦ. ἐν πραότητι παιδεύη τὸν λαόν σου καὶ δουλεύει σοι ἐιλικρινῶς ἐν καθαρᾷ δινοίαι л. 132 об. καὶ ψυχῇ θελούση. καὶ τὰς ὑπὲρ τοῦ λαοῦ σου ἱερουργίας ἀμώμους ἐκτελεῖν διὰ τοῦ κυ σου. μετ' οὗ σοι δόξα τιμὴ καὶ σέβας. καὶ τῷ ἁγίῳ πνι. εἰς τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

ТЕБѢ СЛАВА УСТЬ И ПОКЛОНЕНІЕ И СТОМЪ ДѢХЪ ВЪ ВѢКЪ АМИНЪ.

л. сѣа. Ѡ хиротоніи пресквтерѡвъ зачненіе іоанна любимаго ѡ гдѣ. Ѡ хиротоніи же пресквтерѡвъ азъ любимъ ѡ гдѣ зачннѣю камъ епѣомъ. Пресквтера хиротонисѣа ѡ епископе. рѣкѣ на глакѣ налаган самъ, пресквтерствѣ предстоящѣ тебѣ, и дѣакономъ, и молаѣа гла. Гдѣ вседержителю бже нашъ урезъ хрѣта всауескаа содѣтелствѡвакыи, и урезъ того ѡ всѣхъ промыслааи подобно. емѣ же бо снѣа разнѣа. соткорити, семѣ снѣа и разнѣа промыслати. радн бо тогѡ бже промыслени ѡ безсмертнѣхъ ѡбѡ, хранениемъ едннѣмъ. ѡ смертнѣхъ же преемствомъ. ѡ дшн понеуеніемъ и тшаниемъ законѡвъ, ѡ тебѣ восполненіемъ потребы. самъ оубѡ и ннѣ призри на стѣю твою црѣкѣ, и козрѣстн тѣю, и ѡмножи в тѣи предстоящѣа. и даждь снѣа ко еже трѣждатнѣа тымъ словомъ и дѣломъ к созданіе люда твоегѡ. самъ и ннѣ призри на раба твоегѡ сего. нзбраніемъ и сѣдомъ блнра всегѡ в пресквтерство кдѣаагосѣа: и наполи егѡ дѣомъ блгѡдати и совѣта, еже разѡмѣти и правити людѣ твои в ѡнстомъ срѣѣ. ꙗко же призрѣаъ еси на людѣ нзбрѣаи твоегѡ, повелѣаъ еси ꙗкѡ нзбрѣати пресквтеры ꙗже напомиаъ еси дѣа. и ннѣ гдѣи подаждь неѡсквденъ хранѣи в насъ дѣхъ блгѡдати твоеѣа. ꙗкѡ да исполннѣа дѣнствѣ вѣаунтѣльныхъ и словѣа ѡунтѣаагѡ в кротѡстн наѣаждѣтъ людѣ твои. и раѡтаѣтъ тебѣ искреннѡ въ ѡтѡмъ номыслени и дшнѡ хотѣщѡю. и сѣаа ѡ людѣ сѣѣеннѡдѣнствѣа неѡроунаа соѡершаѣтъ урезъ хрѣта твоегѡ. с ннѣ же

Περὶ χειροτονίας διακόνων, ἐγὼ φίλιππος διατάσσομαι·

Διάκονον καταστήσεις ὧ ἐπισκοπε. ἐπιθείς αὐτῷ τὰς χεῖρας. παρестῶτος σοι παντὸς τοῦ πρεσβυτερίου καὶ τῶν διακόνων καὶ ἐπευξάμενος ἐρεῖς·

Ἐυχῇ. Ὁ θεὸς ὁ πᾶντοκράτωρ. ὁ ἀληθινὸς καὶ ἀψευδής. ὁ πλουτῶν εἰς πάντας τοὺς ἐπικαλουμένους σε ἐν ἀληθείᾳ. ὁ φοβερὸς ἐν βουλαῖς, ὁ σοφὸς ἐν διανοίᾳ. ὁ κραταῖος καὶ μέγας. εἰσακουσον προσευχῆς ἡμῶν κῆ. καὶ ἐνώτισαι τὴν δέησιν ἡμῶν καὶ ἐπίφανον τὸ πρόσωπόν σου ἐπὶ τὸν δοῦλον σου τόν δε. τὸν προχειριζόμενον εἰς διακονίαν. καὶ πνῆσσον αὐτὸν πῦς καὶ δυνάμεως. ὡς ἐπλησας στέφανον τὸν μάρτυρα καὶ μιμητὴν τῶν παιθημάτων τοῦ χυ σου. καὶ καταξίωσον αὐτὸν, εὐχαρίστως λειτουργήσαντα τὴν ἐγχειρισθεῖσαν αὐτῷ διακονίαν. ἀτρεπτως. ἀμέμπτως ἀνεγκλήτως. μείζονος ἀξιωθῆναι βαθμοῦ διὰ τῆς μεσιτείας τοῦ μονογενοῦ σου υἱοῦ. μετ' οὗ σοι δόξα τιμὴ καὶ σέβας. καὶ τῷ ἀγίῳ. πνι, εἰς τοὺς αἰῶνας ἀμήν.

Л. 147 об. Ἰπολύτου ἐπισκόπου ρώμης. καὶ δωροθέου ἐπισκόπου τύρου καὶ ἱερομάρτυρος περὶ τῶν μαθητῶν τοῦ κυ. ὅπου ἕκαστος αὐτῶν ἐκήρυξε τὸ εὐαγγέλιον τοῦ κυ. καὶ ἐτελειώθη ··.

Δ. Πέτρος οὗτος ἐκήρυξεν ἐν γαλιλαίᾳ, καὶ ἐν τοῖς μεσογείοις πόντου. καὶ γαλάταις, καὶ ασίας καὶ βιθυνίας. καὶ ρώμης ἐνθά. καὶ ἐστρώθη ὑπὸ ἀγρίππα πρεφέκτου ἐν χρόνοις νερωноς βασιλεως ρωμαίων.

β'. Παῦλος οὗτος ἐκήρυξεν ἀπὸ ἱερουσαλὴμ ἕως τοῦ ἰλλυρικοῦ. καὶ ἰταλίας. καὶ ἰσπανίας μέχρι ρώμης. ἐνθά καὶ τὴν κεφαλὴν ε... π.... ὑπὸ τῶν αὐτῶν ἀσεβῶν ἀρχόντων κηρυξας τὴν εὐσεβῆ πίστιν τῆς ἀνθρωπότητος ἐν ἐτεσι λϛ. ἐτελειώθ δὲ μετὰ πέτρου ἐν τῇ ἐιρημένῃ πόλει ρώμῃ.

Γ. Ιακωβος ὁ τοῦ ζεβεδαίου. οὗτος ταῖς ιβ. φυλαῖς τοῦ ἰηλ ταῖς ἐν τῇ διασπορᾷ. εὐαγγελίσταμενος τὸν κυ, ἀναιρεῖται μαχαίρα. ὑπὸ ἡρώδου. τοῦ τετράρχου.

Іаковъ же ѿ δωκѣ, братъ ѿ ѿана еѿаинста. проповѣда х̄а по ксеѿ ѿудеи. ѿ нрода же агрипа нощденска блгодѣръзникѣа р̄а постыченъ бѣ меуѣ сконѣуася, н тѣ погребенъ бѣ·

Л. 148. Δ. Ιωανννης ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ. οὗτος τῇ ἀσῇα κηρύσσων ὑπὸ δομετιανοῦ βασιλέως ρώμης, ἐξωρίσθη ἐν πάτμῳ τῇ νήσῳ. ἐνθά καὶ συγράψατο τὸ εὐαγγέλιον αὐτοῦ. ἐν τοῖς χρόνοις τραϊανοῦ ὅπου καὶ τὴν ἀποκάλυψιν ἐθεάσατο. ἐτέθη δὲ ἐν ἐφέσῳ μετάρσιος γεγονώς. διὸ καὶ ὁ λόγος. κεράτηκε. σὺν τῷ ἐνώχ καὶ ἡλία ἐπὶ ἐν σαρκὶ αὐτὸν ὑπάρχειν.

Ἰωανнъ, блговѣстникъ н блгословъ. братъ іаковъ, възлегъи на перьскѣ х̄вѣхъ, ко асѿи х̄а проповѣда. ѿ троїана же ѿ р̄а р̄иска, затоуенъ бѣвъ, въ патѣскыи ѿстровъ словеси р̄а г̄иа, н тамѿ напнса еѿаѿе еке ѿ ѿана. н многа множества х̄ѣ прикеде. н въ звратнса къ еѿесѣ. н тѣ жнѣ се ко погребѣ колею к̄ѣіею. лѣ сѣ. р̄н і.

Ε. Ἀνδρέας ὁ ἀδελφὸς πέτρου. οὗτος ἐκήρυξεν πάσῃ τῇ παραλίῳ. βιθυνίας τε καὶ πόντου θράκης καὶ σκυθίας. μετέπειτα δὲ ἐπορεύθη ἐν σεβαστουπόλει τῇ μεγάλῃ. ὅπου παρεμβάλλει ψάρος καὶ φάσις ποταμός. οὗ ἐσώτερον οἱ αἰθιόπες οἰκοῦσιν. ἔπειτα ἐν πάτραις τῆς ἀχαίας. καὶ ἐστρώθη ὑπὸ αἰγεάτου ἀνθυπάτου. καὶ ἐτέθη ἐν πάτραις τῆς ἐλλάδος. μετετέθη. ἐν κονσταντινου πόλει μετὰ λουκᾶ. τοῦ εὐαγγελίστου καὶ τιμοθέου.

Андрѣа перкозканнѣи братъ петрокъ, проповѣда х̄а, китниѿи, поитѣ, н арменин, скиѿѿ, сѣгланѿ. н горснѿѿ, н к севастополн келиѿѣ. ндеже ѣ полкъ аскарокѿи. н силы мнны. н ѿасъ рѣка. ндеже жнкоѿ мѣры. н сѣнѣ да же до елады, н к патрѣ аханскѣи на к̄ртѣ раснатъ бѣ. ѿ сгонта ѿ р̄а патарьскаго. сконѣуася тѣ н погребенъ бѣ·

Ὁ χιροτονнн διακονωκѣ φηλппа зауnненіе. Ὁ χιροτονнн же διακονωкѣ азѣ φηлппѣ зауnнаю (наполнѣ: за-кѣщаваю). Діакона поставннн ѿ еп̄іе наложннкѣ на того рѣкы. прѣдстолицѣ тебѣ всемѣ прѣскутерствѣ н діаконѣмѣ, н прнмолася козѣленнн.

Призваніе х̄іротоннѿи діаконскѣа.

Бѣ вседержнтель, нстнннн н нелжнкыи, богатѣи въ ксѣхъ прнзываетѣ тѣ въ нстннѣ, страшенъ к совѣтѣхъ, мѣдрѣ мыслню, крѣпокъ н велнкѣ. слышнн м̄лѣхъ нашѣ г̄д̄и, н кнжнн моленіе наше, н проскѣ-тн лнѣе твоѣ. на раба твоего нм̄ркѣ, прорѣчѣствѣмаго тебѣ к слѣженіе. н наполнн того д̄х̄а ст̄аго н слѣы, ꙗкѿже наполнѣ еси стѣфана скндѣтеля н подража-теля страданнхъ х̄р̄та твоего. н сподобн того блго-згоднѣо слѣжнкннаго вр̄чѣенѣ томѣ слѣженіе не краѣ-нѣо, непорочнѣо, непокнннѣо, болнѣаго сподобнтнса степенѣ урѣз средство едннороднаго твоего с̄нѣа, съ ннмѣже тебѣ слава ѣсть н поклоненіе, н с̄томѣ д̄х̄ѣ, во вѣкѣ аминѣ.

δ. Φιλίππος. οὗτος ἐν φρυγίᾳ ἐκήρυξε τὸν χϋ. καὶ ἐστρώθη ἐν ἱερὰπολὶ τῆς ἀσίας ἐνθα καὶ ἐτέθη.

Θηλινъ же апѣлъ н тон бѣ ѿ кнѣсанды галленска, съгражанинъ же андреевъ н петровъ. н̄ ко асѣн н ераполн съ маріаминною сестрою скоєю. н карѣоломѣемъ х̄а проповѣдакъ. ѿ елливъ расп̄а сконѣася.

ζ. Βαρθολομαῖος. οὗτος τοῖς εὐδοῖς τοῖς καλουμένοις εὐδαίμοσι. κηρύξας τὸν χϋ καὶ δεδωκὼς αὐ τοῖς τὸ κατὰ ματθαῖον εὐαγγέλιον. τέθαπται ἐν ουρβανουπόλει τὴν κεφαλὴν ἀποτιμηθεὶς. πρὸ τῆς σφαγῆς ἐκδαρθεὶς ὥσπερ φύλαξ.

Карѣоломѣн, нже ко нидѣн нарицаемъ, евдсмонѣмъ проповѣда еѣлїе х̄во, поунъ въ алканїнскѣ градѣ въ велїцѣн арменїн. н тѣ погребенъ бѣ.

л. 148 об. η. Θωμᾶς. οὗτος ἐκὴ... πάρθοις καὶ μήδοις. καὶ γερμανοῖς. καὶ ὕρκανοῖς. τελειοῦται δὲ λογγευθεὶς. ἐν πόλει τῆς Ἰνδίας. καλαμίτῃ λεγομένη. κεῖται δὲ ἐν ἐδέσῃ τῆς ὁσδρόνης.

Θοма апѣлъ блжненъ въ оубо ѿ панїанїада града галленска нже патрѣ н мнѣомъ, персїанѣ же н мн-дїанѣ н германѣ. бѣше слово проповѣдакъ, н ѿн̄ копн скоденъ бѣ сконѣася н погребенъ въ градѣ кал-мндѣстѣмъ.

θ. Ματθαῖος ο τελάνης. οὗτος τῇ ἐβραϊδὶ γλώσσῃ τὸ εὐαγγέλιον αὐτοῦ συνεγράψατο πρῶτος ἐν Ἰλῆμ. ἡρμηνεύθη δὲ τῇ ἐλληνικῇ γλώσσῃ. ὑπὸ ἰωάννου τοῦ ζεβεδαίου οὗτος κηρύξας τὸν χϋ ἐν ἱερὰπόλει τῆς συρίας πυρὶ τελειοῦται.

Матѣен ме еѣлїнствъ въ ѿ їерлїа. н тѣ паннса еѣлїе гн̄е еврѣнскѣ ꙗзыкѣ. н прїннса сїѣм̄ ап̄лѣ. прн-ложени є ѱаковъ братъ гн̄ъ въ греѣескѣн ꙗзыкѣ поунъ же въ ераполн х̄а проповѣдакъ. тоу н погребенъ по-верженъ гоннтелн: .

ι. Ιούδας ἰακωβου. οὗτος ἐν πάσῃ τῇ μεσοποταμίᾳ κηρύξας τὸν χϋ, ὑπὸ ἰουδαίων ἀναιρεῖται λίθους. κεῖται δὲ ἐν ἐδέσῃ τῇ πόλει.

Ιουδα братъ гн̄ъ. н снмѣонъ братъ ѡυαѣ его. тонъ въ месонотамїн. н к самарїн н ко ксен їουѣен про-повѣда х̄а. послѣдн ѿ не κερнїм̄ повѣнїєнъ на дрекѣ. н ѿ н̄н̄ сѣтрѣланъ сконѣася: .

ια. Θαδδαῖος ὁ χεβαῖος καὶ ἰούδας, οὗτος ἐν δε σινοῖς ἐκήρυξε. τέθαπται δὲ ὀστρακινῇ τῇ πόλει τῆς αἰγύπτου στρωθεὶς.

ιβ. Ἰακώβος. οὗτος ἦν ἀδελφὸς τοῦ κϋ κατὰ σάρκα. καθίσταται δὲ πρῶτος ἐπίσκοπος ἐν ἱερουσαλὺμ. οὗτος ἐμαρτύρησε καταβληθεὶς ὑπὸ ἀνόμων ἀνδρῶν ἐκτοῦ παναγίου τοῦ ναοῦ τοῦ ἐν ἱερουσαλῆμ. κειμένου αὐτοῦ. κάτω καὶ εἰ ζῶντος γναρεὺς ἀνείλεν αὐτόν. πατάξας τῷ ξύλῳ, μεθ' οὗ ἐβάσταξε τὰ ἱμάτια καὶ ἐπορεύετο ἀποπλυναι αὐτὰ.

Наковъ алѣесекъ. нже н братъ матѣсекъ, тои ꙗзыкѣ х̄а проповѣдакъ. н братъ гн̄ъ поплотн бѣвъ. нже н перѣкн̄и въ їерлїмѣ поставленъ бѣ сн̄ѣ. къ проповѣданїю подвїгса, н ненаказанъ на казѣа н ѡблнѣа. на кр̄тѣ ѿ їουѣен̄ повѣнїєнъ сконѣа. н бѣх̄ д̄х̄ъ предасть, н тѣ погребѣ бѣ.

ιγ. Σίμων ὁ κανανίτης ὁ ζηλωτής. οὗτος ἐκήρυξε πάσῃ τῇ βρετανίᾳ. καὶ τῇ τῶν ἁρρῶν л. 149. χώρᾳ. μετέπειτα δὲ ἐν τῇ ἰουδαίᾳ, καθίσταται ἐν σιὼν ἐπίσκοπος. μετὰ ἰακωβὸν τὸν δίκαιον., τὸν ἀδελφὸν κϋ. ὅστις ζήσας εἶθη ρ̄ѣе, ἐμαρτύρησε στρωθεὶς ἐπὶ ἀδριανοῦ βασιλέως ῥώμης.

Снмонъ зїлотъ, нже ѡканы галленска. нже къ їωанновѣ бл̄гокѣстїи, наѣанлъ тон. всю маврнѣанїю. н аѣронѣскѣю странѣ пронїѣ. таже къ вретанїн дошѣ. н х̄а проповѣдакъ. распатъ сконѣася:

ιδ. Μαθθίας δὲ. οὗτος ἐν τῇ ἰουδαίᾳ ἐκήρυξεν τὸν λόγον. εἰς ὧν ἐκ τῶν ἐβδόμικόντα μαθητῶν μετὰ τὴν τοῦ κϋ ἀνάστασιν συγκαταριθμηθεὶς τοῖς ια. ἀποστόλοις, ἀντὶ ἰουδα. ὅς καὶ ἐν τῇ πρώτῃ αἰθιωπία κηρύξας τὸν χϋ. τελειοῦται καὶ τέθαπται ἐκεῖ

Матѣїа же кмѣсто їουѣды предателн прнхѣтенъ ко ап̄лѣомъ. къ еѣнѡнїн̄ проковѣда х̄а. н многым̄ мѣкнм̄ ѿ ннх̄ оудрѣченъ б̄гоу д̄х̄ъ предасть: .

ιε. Λουκᾶς ὁ εὐαγγελιστής. οὗτος σὺν τῷ πάυλῳ ἐκοπίασεν ἐν τῷ εὐαγγελίῳ τοῦ χϋ. ὅστις τὸ εὐαγγέλιον αὐτοῦ. καὶ τὰς πράξεις τῶν ἀποστόλων ἔγραψαι θεωρίῳ ἐπισκόπῳ ἀντιοχείας τῆς μεγάλης. οὗτος ἐστὶν οὐ μεμνη-ται παῦλος ἐν ταῖς ἐπιστολαῖς αὐτῷ λέγων. συνέπεμψα δὲ μετὰ τούτων, τὸν ἀδελφὸν οὗ ὁ ἔπαινος ἐν τῷ εὐαγ-γελίῳ. καὶ πάλιν ἀσπαζεται ὑμᾶς λουκᾶς ὁ ἱατρός.

ις. Μάρκος ὁ εὐαγγελιστής. οὗτος ἐν τῇ αἰγύπτῳ ταῖς ιβ. φυλαῖς ταῖς ἐν τῇ διασπορᾷ. κηρύσσων τὴν πίστιν καθίσταται ἐπίσκοπος ἐν ἀλεξάνδρειᾳ τῇ μεγάλῃ. ὅς καὶ τὸ εὐαγγέλιον συνέγραψε, ὥσπερ πέτρος ὁ ἀπόστο-λος αὐτῷ ὑφηγήσατο. ὃν καὶ υἱὸν ὀνομάζει ἐν τῇ ἐπιστολῇ л. 149 об. αὐτοῦ ὁ πέτρος οὕτως λέγων. ἀσπαζεται ὑμᾶς μάρκος ὁ υἱός μου.

л. 71 об. изъ 4-й книги Апостольскихъ постановленій.

Библ. л. 119. гл. 5.

[illegible]

ται. л. 73. οὐτε γὰρ ὁ Ἑλισσαῖος, τὰ παρὰ τοῦ ἁζαήλ προσκομισθέντα ἐδέξατο. οὕτο ἁχίας τὰ παρὰ τοῦ ἱεροβοάμ. εἰδὲ οἱ τοῦ θῦ προσήτα. τὰ παρὰ τῶν ἀσεβῶν οὐ προσήκοντο ξένια. δίκαιον μὴ δὲ ὑμεῖς ὧ ἐπίσκοποι. ἀλλὰ καὶ σίμων ὁ μάγος. ἐμοὶ πέτρῳ καὶ Ἰωάννῃ χρήματα προσεγγικῶν, ἐπειράτο ὠνητὴν τὴν ἀτίμητον χάριν λήψεσθαι. ἅπερ οὐ προσηγάμενοι, ἀραῖς αἰωνίοις αὐτὸν ἐδῆσάμεθα ὅτι τὴν δωρεάν τοῦ θῦ, οὐκ εὐνοία. τῇ πρὸς τὸν θῦ ἀλλὰ χρημάτων ἐν ἀλλαγῇ γῇ ἐνόμησε κτήσασθαι. φεῦγετε οὖν τὰς δυσσυνειδήτης εἰς τὸ θυσιαστήριον τοῦ θῦ ἐκφορᾶς ἅπερ γὰρ φησιν ἀπὸ ἀδίκου, καὶ οὐ φοβηθήσει. καὶ τρόμος οὐκ ἐγγιεῖ σοι:

л. 120 об.

Изъ Седмой книги.

α. Τοῦ νομοθέτου μωϋσεως εἰρηκότος τοῖς ἰσραηλίταις. ἰδοὺ δέδωκα πρὸ προσώπου ὑμῶν τὴν ὁδὸν τὴν ζωῆς καὶ τὴν ὁδὸν τοῦ θανάτου καὶ ἐπιφέροντος. ἐκλεξαί τὴν ζωὴν, ἵνα ζήσης. καὶ τοῦ προφήτου ἡλία λέγοντος τῷ λαῷ ἕως πότε χωλανῆτε ἐπ' ἀμφοτέραις ταῖς ἡγνύαις ὑμῶν. εἰ θς ἐστὶ κς, πορευεσθε ὀπίσω αὐτοῦ. εἰκότως ἔλεγε καὶ ὁ κς Ις. οὐδεὶς δύναται δυοὶ κυρίοις δουλεύειν. ἢ γὰρ τὸν ἓνα μισήσει καὶ τὸν ἕτερον ἀγαπήσει ἢ ἐνὸς ἀνθέξεται. καὶ τοῦ ἑτέρου καταφρονήσει:

Περὶ φυσικῆς ὁδοῦ καὶ ἐπεισάκτου. καὶ ὅτι ἡ μὲν ἐκ θῦ τῆς ζωῆς. ἡ δὲ, ἐκ τροπῆς. κατεπίβουλήν τοῦ ἀλλοτρίου τοῦ θανόντος:

β. Αναγκαίως καὶ ἡμεῖς ἐπόμενοι τῷ διδασκάλῳ χῶι. ὅς ἐστι σῆρ' πάντων ἀνῶν. μάλιστα πιστῶν. φαμέν. ὡς δύο ὁδοὶ εἰσὶν. μία τῆς ζωῆς καὶ μία τοῦ л. 121. θανάτου. οὐδὲ μίαν δὲ σύγκρισιν ἔχουσι πρὸς ἑαυτὰς πολὺ γὰρ τὸ διάφορον μᾶλλον δὲ πάντῃ κεχωρισμέναι τυγχάνουσι. καὶ φυσικῇ μὲν ἐστὶν ἡ τῆς ζωῆς ὁδὸς. ἐπίσακτος δὲ ἡ τοῦ θανάτου. οὐ τοῦ καταγνώμην θῦ ὑπάρξαντος, ἀλλὰ τοῦ ἐξεπιβουλής τοῦ ἀλλοτρίου. πρώτη οὖν τυγχάνει ἡ ὁδὸς τῆς ζωῆς καὶ ἐστὶν αὕτη ἣν καὶ ὁ νόμος διαγορεύει. ἀγαπᾶν κν τὸν θν. ἐξ ὅλης τῆς καρδίας καὶ ἐξ ὅλης τῆς ψυχῆς. τὸν ἓνα καὶ μόνον παρ' ὃν ἄλλος οὐκ ἐστὶν. καὶ τὸν πλῆσιον ὡς ἐαυτὸν καὶ πᾶν ὃ μὴ θέλης γενεσθαι σοι. τοῦτο ἄλλῳ οὐ ποιήσεις τουτέστιν. ὃν σὺ μισεῖς ἄλλῳ οὐ ποιήσεις εὐλογεῖτε τοὺς καταρωμένους ἡμᾶς. προσευχεσθε ὑπὲρ τῶν ἐπηρεαζόντων ὑμᾶς. ἀγαπᾶτε τοὺς ἐχθροὺς ὑμῶν. ποῖα γὰρ ὑμῖν χάρις ἐὰν φιλεῖτε τοὺς φιλοῦντας ὑμᾶς. καὶ γὰρ οἱ ἐθνηκοῖ τῷ το ποιοῦσιν. ὑμεῖς δὲ φιλεῖτε τοὺς μισοῦντας ὑμᾶς καὶ ἐχθρὸν οὐχ ἔχετε. οὐ μισήσεις γὰρ φησι. πάντα ἄνῳ. οὐκ αἰγύπτον. οὐκ ἰδομαῖον. ἅπαντες γὰρ τοῦ εἰσὶν ἔργα. φεύγετε δὲ οὐ τὰς φύσεις ἀλλὰ τὰς γνώμας τῶν κακῶν. ἀπέχου τῶν σαρκικῶν καὶ κοσμικῶν ἐπιθυμιῶν. ἐὰν τις οἰδῶι ράπισμα, στρέψον αὐτῷ καὶ τὴν ἄλλην. οὐ φαῦλης οὔσης τῆς ἀμύνης. ἀλλὰ τιμωτέρας τῆς ἀνεξικαχίας. λέγει γὰρ ὁ δαδ. εἰ ἀνταπέδωκα τοῖς ἀνταποδίδουσί л. 121 об. μοι κᾶκα. ἐὰν ἀγγαρεύσητε τίς μήλιον,

ниже ахїа ꙗже їероколама. аще же бжїи прїици ꙗже ѿ нечестивыхъ не прїимаша дарѡвъ праведнѡ ниже вамъ ѿ епїи. но н сїмонъ волхвъ мнѣ петрѡ н їωаннѡ нмѣнїа прїнесъ покъшашесѡ цѣною безцѣннѡю бл҃тъ прїати: нхже не прїемше, клатвами вѣунымъ того свазахомъ: зане даръ бжїи не бл҃гоумїемъ свѣщнмъ к бг҃х, но нмѣнїи прѣмѣненїемъ козмиѣ сталѣати. вѣжнѣе хбѡ злосовѣстныхъ на жертвенникъ бжїи вношенїи. ѡшансѡ бо, гл҃етъ ѿ неправды н не хбоншнсѡ: н трепетъ не прїблжнтсѡ къ тебѣ.

л. 190 об. Законоположникъ мωϋсею рекшъ їс-ранїтанѡмъ, се дахъ прѣд лицемъ вашимъ пѣть жнз-ни н пѣть смерти, н наносѡщѡ, нзверн жнзнь, да пожнкетсѡ. н прѣкхъ нлїи гл҃ющѡ к людемъ, доколѣ храмлетѣ на обѣ бѣдры вашѡ. аще бг҃ъ есть гд҃ъ, грѣднѣте за нмѣ, лѣпѡ гл҃ашѣ н гд҃ъ їис. никто же можѣтъ двѡмъ гд҃емъ работати, нли єдннаго бо возне-навнднть, а дрѡгаго возлюбнть. нли єдннаго прїдер-жнтсѡ, н дрѡгаго прѣзрнтъ.

Нужднѡ н мы послѣдѡюще х҃тѡ нже есть сїсѣ всѣхъ улѣѡвъ, нлнпѡе кѣрныхъ, гл҃емъ ꙗкѡ два пѣти сѣтъ, єдннѡ жнзни, н єдннѡ смерти. ннкаковѡ же сракиенїа нмѣютъ к себѣ. много бо есть разн-ство, нлнпѡе же ксѡуески ѡлѡуєнн сѣтъ. н естест-веннымъ хбѡ есть жнзни пѣть. прїквєденн же нже смерти, не по волн бжїєн бывшїа, но ѿ навѣта ухб-дагѡ. нєрвыи оуѣѡ есть пѣть жнзни. н есть сен єгоже н законъ закѣпѡветъ. любнти гд҃а бг҃а нз всего по-мысла н нз ксѡа дїшн, єдннаго н токѡѡ, кромѣ єго же ннѡ не есть. н блнжнѡго ꙗкѡ себе самаго. н всего єже не хѡщєшн быти тебѣ, н ты сегѡ нномѡ да не сѣтворншн. бл҃гословнѣте проклннѡщыѡ вы, молнѣсѡ ѿ напѡсткѡщнхъ вы. любнѣте врагы вашѡ. ꙗкѡ бо камъ бл҃годѡтъ, аще любнѣте любѡщыѡ вы. нбо н ꙗзычннцн сїє творѡтъ. вы же любнѣте ненавнст-кѡщнхъ вы, н врага не кознмѣнѣте. не козненѡкн-дншн бо гл҃етъ. ксѡѡаго улѣа нн єгѡпѡнннѡ, нн їдѡ-меанннѡ всн со сѣтъ двѡа бжїа. вѣганѣ же не ес-тесткѡ, но мыслєн лѡкѡвхъ. ѡстѡпн ѿ плѡтскнхъ, н мїрскнхъ похѡтєн. аще кто тебѣ дастъ лнннѣство къ деснѡу чєлюсть, ѡбратн томѡ н дрѡгѡю, не глѣн свѣ-щєн мєстн, но утїнѡ беззлѡбїю. гл҃етъ бо дб҃дъ: аще воздахъ воздѡщнмъ мн злѡа. аще понѡднѣ-тѡ кто на попрнцѣ єдннѡ, ндн с нмѡ двѡ. н хотѡ-

ὑπαγε μετ' αὐτοῦ δύο. καὶ τῷ θέλοντί σοι κριθῆναι καὶ τὸν χιτῶνα σου λαβεῖν. ἄφες αὐτῷ καὶ τὸ ἱμάτιον. καὶ ἀπὸ τοῦ αἰρόντος τὰ σὰ μὴ ἀπαίτει. τῷ αἰτούντι σοι διδόναι καὶ ἀπὸ τοῦ θέλοντος δανείσασθαι παρὰ σοῦ. μὴ ἀποκλήσεις τὴν χεῖρα. δίκαιος γὰρ ἄνθρωπος, οἰκτεῖρει καὶ κηρύσσει. πᾶσι γὰρ θέλει δοῦσθαι ὁ πατήρ ὁ τὸν ἥλιον αὐτοῦ ἀνατέλλων ἐπὶ πονηροὺς καὶ ἀγαθοὺς. καὶ τὸν ὑετὸν αὐτοῦ βρέχων, ἐπὶ δικαίους καὶ ἀδίκους. πᾶσι γὰρ δίκαιον διδόναι ἐξ οἰκείων πόρων. τίμα γὰρ φησὶν τὸν κύριον, ἀπὸ σῶν δικαίων πόρων. προτιμιτεον δὲ τοὺς ἁγίους.

прѣмъ с тобою сѣднѣса, и хитѣнъ твои взати, ѡс-
тави томъ и иматионъ. и ѡ вземающаго твоа, не
нстазѣи. просащѣмъ та даван. и ѡ хоташаго заим-
ствовати ѡ тебе не заклоуиши рѣки. праведенъ бо
мѣжъ шедри и заимодаеть. всѣмъ бо хошеть даати
оцъ, снѣце свое возсѣлаван на злыя и бл҃гымъ. и дождь
скон ѡдождаан на праведныя и неправедныя. всѣмъ
збо праведно даати ѡ сконхъ трѣдѣкъ. уествѣи бо,
г҃ѣтъ, г҃да, ѡ сконхъ праведныхъ трѣдѣкъ. предпоуи-
тателно же стѣмъ.

Чтѣніе и объясненіе снимка.

Τῷ συμπληρωτῇ: τῶν καλῶν θῷ χάρις.

Запись писца: Ἐτελειώθη ἡ δέλτος αὕτη μηνὶ μαίῳ α̅. ἰνδικτιωνος α̅. ἔτους ςϵϫιϛ̅. (1111 г.) ἐπὶ βασιλείῳς ἀλεξίου τοῦ κομνηνοῦ.

Θεοῦ δῶρον καὶ πόνος θεοδώρου μοναχοῦ...

Ἀρχὴ сὺν θῷ τῶν ἀποστολικῶν διατάξεων.

Αἱ τῶν ἁγίων ἀποστόλων διατάξεις.

Καθολικῇ διδασκαλίᾳ περὶ λαϊκῶν. βιβλίον α̅.

Οἱ ἀπόστολοι καὶ οἱ πρεσβύτεροι πᾶσι τοῖς ἐξ ἔθνων πιστεύουσιν ἐπὶ τὸν κύριον Ἰησοῦν χάρις ὑμῖν καὶ εἰρήνη.

Περὶ ἐπισκόπων πρεσβυτέρων καὶ διακόνων. Βιβλίον δεύτερον.

Περὶ δὲ τῶν ἐπισκόπων οὕτως ἠκούσαμεν παρὰ τοῦ κυρίου ἡμῶν.

Διαταγαὶ τῶν ἁγίων ἀποστόλων διὰ Κλήμεντος ἀποσταλεῖσαι τοῖς ἔθνεσι. βιβλίων. ζ̅.

Заставки и заглавные буквы.

Скорописная азбука.

Слова съ знаками препинанія: δίκαιον, αὐτοῦ.

Сокращенія и слова съ титлами: χειροτονεῖσθαι σημείωσαι οὐρανοῖς πνεύματος. Ἰησοῦς χριστὸς.

Гласныя буквы въ связи съ другими: α., ἄγνός. ε., βαπτιζόμενοι. ἱερεῖς. ν., οὐν ἀξιωθῆναι. σ., σνο-
μάσας. τ., βάπτισμα.

Въ дательномъ падежѣ іота написана не внизу, а рядомъ. τῷ. цифра ἥ съ титлами вверху и
внизу и кривою чертою внизъ, означающая помѣту тетрадей.

Знаки вносныхъ мыслей. Слова разстановочныя написанныя на полѣ вдоль страницы. ςοβερὸν.

Буква: φ. въ концѣ послѣдней строки съ длинною внизъ линіею.

П. П а р е м е й н и к ъ

Находится въ Московской Синод. Библіотекѣ подъ № 485-мъ.

Длина пергамина	6 ³ / ₈	в.
Ширина.	5	в.
Къ корешку.	¹ / ₂	в.
Между столбцами	¹ / ₂	в.
Къ правой сторонѣ	1 ¹ / ₂	в.
Къ верху	³ / ₄	в.
Къ низу.	1 ¹ / ₈	в.

Пергамень довольно хорошо выдѣланъ.

Писано довольно крупною скорописью по нарѣзамъ въ два столбца на 183-хъ листахъ. Въ на-
чалѣ рукописи 17-ть листовъ, не вошедшихъ въ счетъ общій, приплетено изъ другихъ рукописей. На

2-мъ, 3. 4. 5. и 6. листѣ писано въ XIV в. по смытымъ и замасленнымъ черниламъ нѣсколько паремій. Прежде неизвѣстно что было написано. Какія буквы видны тѣ писаны уставомъ IX—X в. На 1-мъ и 7. листѣ писано въ XI в. поученіе какого-то святаго безъ начала и конца. Съ 8-го листа цѣлая тетрадь 24. изъ другаго паремейника XIV в. вплетена. На 16-мъ и 17-мъ листѣ писано на бомбицинѣ въ XIV вѣкѣ. Въ началѣ помѣченного вверху листа написано: Τῆς λαύρας τοῦ προσκομιῆς ἁγίου Νικολάου; Внизу; арсеній ѿа. Заставка и заглавныя нѣкоторыя буквы раскрашены синею, голубою, темно и свѣтло-зеленою, темно-малиновою, розовою и бѣлою красками. Заглавіе въ началѣ писано уставомъ творенымъ золотомъ. Въ прочихъ мѣстахъ заглавія и заглавныя буквы писаны темно-розовою краскою, какою означены и древнія ноты. Тѣми же красками на 160. листѣ раскрашена заставка предъ чтеніемъ паремій въ день Благовѣщенія. Колеръ чернилъ темно-коричневый, мѣстами поливали чернилами. Число строкъ на страницѣ 22. Помѣта тетрадей внизу у корешка съ обѣихъ сторонъ тетради.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

л. 1. Τῆ παραμονῇ τῆς χϛ γενέσεως: ἀναγνώσθαι α. Γενέσεως.

Изъ Трефолоя XV—XVI в. моего собранія въ листѣ, л. 278 об.—280 б.

Ἐν ἀρχῇ ἐποίησεν ὁ θεὸς τὸν οὐρανὸν καὶ τὴν γῆν. ἡ δὲ γῆ ἦν ἄορατος καὶ ἀκατασκευαστος, καὶ σκότος ἐπάνω τῆς ἀβύσσου καὶ πᾶν θϛ ἐπεφέρετο ἐπάνω τοῦ ὕδατος. καὶ εἶπεν ὁ θεός. γενηθεῖτο φῶς. καὶ ἐγένετο φῶς. καὶ εἶδεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ὅτι καλόν. β'. καὶ διεχώρισεν ὁ θεὸς ἀναμέσον τοῦ φωτός, καὶ ἀναμέσον τοῦ σκότους. καὶ ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ φῶς ἡμέραν καὶ τὸ σκότος ἐκόλεται νύκτα. καὶ ἐγένετο ἑσπερά, καὶ ἐγένετο πρωὶ ἡμέρα μία. καὶ εἶπεν ὁ θεός. γενηθῇτο στερέωμα ἐν μεσο τοῦ ὕδατος. καὶ ἔστω διαχωρίζον ἀναμέσον ὕδατος л. 1 об. α' καὶ ὕδατος. καὶ ἐγένετο οὕτως. καὶ ἐποίησεν ὁ θεὸς τὸ στερέωμα. καὶ διεχώρισεν ὁ θεὸς ἀναμέσον τοῦ ὕδατος ὃ ἦν ὑποκάτω τοῦ στερέωματος καὶ ἀναμέσον τοῦ ὕδατος τοῦ ἐπάνω τοῦ στερέωματος. καὶ ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὸ στερέωμα οὐρανὸν καὶ εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν καὶ ἐγένετο ἑσπέρα καὶ ἐγένετο πρωὶ ἡμέρα δευτέρα. καὶ εἶπεν ὁ θεὸς συναχθεῖτο τὸ ὕδωρ τὸ ὑποκάτω τῆ οὐρανῷ εἰς συναγωγὴν μίαν, καὶ ὠφθεῖτο ἡ ξηρά. καὶ ἐγένετο οὕτως καὶ συνήχθη τὸ ὕδωρ. τὸ ὑποκάτω τῆ οὐρανῷ εἰς τὰς συναγωγὰς β'. αὐτῶν καὶ ἐκάλεσεν ὁ θεὸς τὴν ξηρὰν γῆν καὶ τὰ συστήματα τῶν ὑδάτων ἐκάλεσεν θαλάσσας. καὶ εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν. καὶ εἶπεν ὁ θεὸς βλαστήστω ἡ γῆ βοτάνην χόρτου. σπείρων σπέρμα κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοιότητα. καὶ ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπὸν οὗ τὸ σπέρμα αὐτοῦ ἐν αὐτῷ κατὰ γένος ἐπὶ τῆς γῆς. καὶ ἐγένετο οὕτως καὶ ἐξήνεγκεν ἡ γῆ βοτάνην χόρτου σπείρων σπέρμα κατὰ γένος καὶ καθ' ὁμοιότητα ἐπὶ τῆς γῆς καὶ ξύλον κάρπιμον ποιοῦν καρπὸν οὗ τὸ л. 2 α' σπέρμα αὐτοῦ ἐν αὐτῷ. κατὰ γένος ἐπὶ τῆς γῆς. καὶ εἶδεν ὁ θεὸς ὅτι καλόν. καὶ ἐγένετο ἑσπέρα καὶ ἐγένετο πρωὶ ἡμέρα τρίτη:

Ἀριθμῶν τὸ:

Ἐγένετο πᾶν θϛ ἐπὶ βαλᾶν καὶ ἀναλαβὼν τὴν παρεμβολὴν αὐτοῦ εἶπεν. ὡς καλοῖς σου οἱ οἶκοι ἰακώβ αἱ σκηναὶ σου ἰηλ ὥσει νάπαι σκιαζοῦσαι καὶ ὥσει παράδεισοι ἐπὶ ποταμῶν καὶ ὥσει σκηναὶ ἅς ἐπηξεν κς ὥσει κέδ-

Къ началу сотвори бѣ небо и землю. земля же бѣ невидима, и неокрашенѣ. и тма верхоу безднѣ. и дхъ бжн понанесе верхоу воды. и рече бѣ да бждѣ свѣтъ и бѣ свѣтъ. и видѣ бѣ свѣтъ яко добро. и разложуи къ межю свѣтомъ и межю тмою. и наре бѣ свѣтъ днь и тм нарече ноцью. и бѣ вечерь. и бѣ оутро днь единъ. и рече бѣ да бждѣ твердь посреди воды и воды и бѣ тако. и сотвори бѣ твердь. и разложуи бѣ посреди воды еже бѣ по твердию и посреди воды еже на твердию. и нарече бѣ небо и видѣ яко добро. и бѣ вечерь и бѣ оутро днь вторы. и рече бѣ да скеретса вода еже по несеи к сонмъ единъ. и да живѣт соина и бѣ тако. и собраса вода еже по несеи к сонмъ скоа. и живса соина и нарече бѣ соиню землю. и сонмъ водамъ нарече море. и видѣ бѣ яко добро и рече бѣ да прорастѣтъ земля тракоу сына ска сына по родоу и по подобю. и дреко плодокито творацие плодъ. емоу же сына его к немъ по родоу на земли. и бѣ тако иже земля тракоу сына. сыюио сына по родоу и по подобю на земли. и дреко плодокито творацие плодъ. емоу же сына его к немъ по родоу на земли. и видѣ бѣ яко добро и бѣ вечерь и бѣ оутро днь третн.

Ѡ у н с л ѡ .

Бѣ дхъ бжн на каамъ. и въсприемъ притюю свою рѣ. яко добри доми твои наковѣ. и скниа твоа ижю яко страшны ѡснѣлюща. и яко садовѣ при рекѣ. и яко скниа еже водроузи гѣ. и яко кедрѣ

ροι παρ' ὕδατα. Εξελεύσεται ἄνθρωπος ἐκ τοῦ σπέρματος αὐτοῦ καὶ κυριεύσει ἐθνῶν πολλῶν καὶ ὑψωθήσεται ἡ βασιλεία αὐτοῦ καὶ αὐξήθησεται. ὁ θεὸς ὠδήγεισεν αὐτὸν ἐξ αἰγύπτου. ὡς δόξαν μονοκέρωτος αὐτῷ. ἔδεται ἔθνη ἐχθρῶν αὐτοῦ καὶ τὰ πάχει αὐτῶν ἐκ μυελῆ καὶ ταῖς βολήσιν αὐτοῦ κατὰτοξέυσει. ἐχθρῶν κατακληθεῖς ἀνειπάυσατο ὡς λέων καὶ ὡς σκύμνος τίς ἀναστήσει αὐτὸν. οἱ εὐλογῶντες σε ἐυλογημένοι καὶ οἱ καταρώμενοι σε καὶ κατήρανται ἀνατελεῖ ἄστρον ἐξ ἰανώβ. καὶ ἀναστήσεται ἄνθρωπος ἐξ Ἰήλ καὶ θράυσει τοὺς π. 2 οὐ. α. ἀρχηγούς μωάβ καὶ προνομέυσει πάντας τοὺς υἱοὺς τῆθ καὶ ἔσται ἐδώμ κληρονομία καὶ ἔσται κληρονομία ἡσαῦ ὁ ἐχθρὸς αὐτοῦ καὶ

ири водахъ. иждеть ѹлкъ ѿ сѣмени его. и обладаеть языки многими, и козвситъ прѣтѣко его и козрастетъ. къ настануть его ижъ египта яко слава ииорога его. и поимать языки крагъ скои и толькѹщѣи ижможеть и стрѣлами скоими оустрѣантъ крага. въздегъ поунеть яко левъ и яко и скимень. кто въстантъ и. вѣтѣлаша та вѣтѣнии. и проклинающаа та проклати. кошающе звѣзда ѿ іакова. и въстанеть ѹлкъ ѿ ижъа и съсѣуетъ нацалныа моакитѣскыа. и наѣнитъ вса сѣны сифокы. и коудеть едомъ достоиніе. и коудеть насѣдне исакъ крагъ его и ижъа сътвори крѣпость. иѣл ἐποίησεν ἰσχύον:

Γ. Προφήτου μιχαίου το:

ѿ и р ѣ у т в а и ѿ.

Ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις λέγει καὶ συνάξω τὴν συντετριμμένην καὶ τὴν ὑποσμένην ἐισδέξομαι καὶ οὓς ἀπώσῃ. καὶ θήσομαι τὴν συντετριμμένην εἰς ὑπόλυμμα καὶ τὴν ἀποσμένην εἰς ἔθνος ἰσχυρόν καὶ βασιλεύσει καὶ ἐπ' αὐτοὺς ἐν ὄρει σιών ἀπὸ τοῦ νῦν καὶ εἰς τὸν αἰῶνα. καὶ σὺ β'. βηθλεὲμ οἶκος τοῦ εὐφραδῆ. μὴ ὀλιγοστός εἶ τοῦ εἶναι ἐν χιλιάσιν, ἰούδα. ἐξ οὗ μοι ἔξελεύσεται ἡγεύμενος τοῦ εἶναι εἰς ἄρχοντα ἐν τῷ Ἰήλ. καὶ ἔξοδοι αὐτοῦ ἀπάρχῃς ἐξ ἡμέρων αἰῶνος. διὰ τοῦτο δώσει αὐτοὺς ἕως καιροῦ τικτούσης τέξετα· καὶ οἱ ἐπίλοιποι τῶν ἀδελφῶν αὐτοῦ ἐπιτρέψουσιν ἐπὶ τοὺς υἱοὺς Ἰήλ. καὶ στησεται καὶ ὀψεται καὶ ποιμανῇ τὸ κῶ ποιμνιον αὐτοῦ ἐν ἰσχύϊ καὶ. καὶ δόξη τοῦ ὀνόματος κῶ τοῦ θῶ αὐτῶν ὑπάρξουσιν. Διὸ τι νῦν μεγαλυνθήσεται ἕως ἁκρῶν γῆς.

Во дни оны гать гъ събероу и съберуиенноу. и ѿринокениоу приемоу, юже ѿриноухъ. и положю сътрепоу къ ѿстанокъ. и ѿринокениоу къ ѿстанокъ. и ѿринокениоу къ языкъ крѣпокъ. и коцѣитъ гъ на нини къ горѣ сиюиетѣи и к кѣкъ и к кѣкы. и ты кнѣ леѡме домѣ ефрантокъ ииунимже менни еси ко вѣлахъ ииодокахъ. не теке бо ижидеть вѣла кыи ииѣа ко иѣан. и исходи его ижиааа ѿ дѣи вѣка. сего ради дастъ емоу до времени рождѣнаа и родить. и проуи ѿ брати его ѿбрататся на сѣи ижѣкы. и станеть и оузрѣтъ. и оунасетъ стадо свое крѣпостію гъ. и къ слакѣ имени іа кѣа ихъ и коудѹтъ. зане ииѣ козвсанынтся до конецъ земан.

π. 3 οὐ. β'. ἀνάγνωσσε μα ε. προφήτου ιερεμίου.

ѿ и р ѣ у т в а е р е м ѣ.

Οὗτος ὁ θεὸς ἡμῶν. αὐτὸς λογισθήσεται ἕτερος πρὸς αὐτὸν. ἐξεῦρεν πᾶσαν ὁδὸν ἐπιστήμης. καὶ ἔδωκεν αὐτὴν ἰακώβ τῷ παιδὶ αὐτοῦ καὶ Ἰήλ τῷ ἡγαπημένῳ ὑπ' αὐτοῦ μετὰ τοῦτο ἐπὶ τῆς γῆς ὥρθη καὶ τοῖς ἄνθρωποις συνανεστράφη π. 4 α. αὕτη ἡ βίβλος τῶν προσταγμάτων τοῦ θῶ, καὶ λόμος ὁ ὑπάρχων εἰς τὸν αἰῶνα. πάντες οἱ κρατοῦντες αὐτὴν εἰς ζωὴν, οἱ δὲ καταλιπόντες αὐτὴν ἀποθανοῦντα ἐπιστράφου ἰακώβ καὶ ἀντιλαβοῦ αὐτῆς. διόδευσον πρὸς τὴν λάμπιν κατέναντι τοῦ φωτὸς αὐτῆς. μὴ ὥς ἐτέρω τὴν δόξαν καὶ τὰ συμφέροντα σοι ἔθνη ἁλλοτρίω. μακάριοι ἄσμεν Ἰήλ ὅτι τὰ ἀρεστὰ τῷ θῶ ἡμῖν γνωστὰ εἰσίν:

Се гъ наиъ и не приложится ниъ кнемоу. ижѡбръте всакъ поутъ хоудожьства. и дастъ наковоу ѡтрокѣ скоемоу. и ижѣю козлюбленомоу ѿ него. носѣ на земан икнса и съ уелоккы поживе. сна кннга покеаиша кѣа. и законъ еси к кѣкы. вси державиенса еа живѣтъ. а ѡстааиенса еа оуируѹтъ. ѡбраниенса и іакове ииенса еа. хѡ прѣтѣкоу снанию свѣта еа, не дан же ииомоу слакы скоа и полезны тобѣ, языкѣ уиожемоу. кѣиен есмы ижѣю. яко оугодна гѣи. и наиѣ разоуиша соутъ.

Чт е н і е и о б ѣ я с н е н і е с н и м к а.

Τῇ κ. μεγάλης εὐδομάδος. τροπάριον εἰς τ. τριτ. 3. ἤχος βαρύς.

Κύριε μὴ τῷ θυμῷ σου ἐλέγξης λαὸν ἡμαρτικῶτα μὴ δὲ τῷ ὀργῇ σου παιδεύῃς ἡμᾶς. ὑπάρχων. σὲ γὰρ δοξάζει πᾶσα ἡ γῆ. καὶ δεόμεθα φεῖσαι ἡμῶν ἅγιε.

Занисъ писца: Ἐγράφη ἡ παροῦσα βίβλος αὕτη διὰ προτρόπου τοῦ τιμωτάτου καὶ καθηγουμένου κυρ. θεοδώρου τοῦ κεφαλ. ἐν ἔτει τῷ 2884. ἐπὶ τῷ. αλ. ἔτει τοῦ βασιλεως κυρ. αλεξίου τοῦ κομνηνοῦ. ινδικτῶνος 6.

Ἐγράφη ταῦτα πατέρες χειρ ἁθλία. τοῦ τῶν μοναχῶν εὐτελοῦς βασιλεως. οἱ ἀναγιγνώσκοντες εὐχεσθαι τοῦτον τὸν πολὺν ἐν πάθει καὶ ἁμαρτίαις.

Θεοῦ τὸ δῶρον καὶ πονοὶ βασιλείου.

Τῇ ἁγία καὶ μεγάλη ᾠ. τροπάριον ἤχος β. σήμερον τὸ πονηρὸν συνήχθη συνέδριον. καὶ κατὰ σου κενὰ ἐμελέτησαν.

Τῇ β. τῆς μεγάλης ἐβδόμαδος.

Μετὰ τὴν εἰσόδον καὶ τὸ φῶς ἱλαρὸν ἀνάγνωσμα ᾠ. γενέσεως τὸ ἀνάγνωσμα.

Γενέσεως τὸ ἀνάγνωσμα. εἶπεν ὁ θς † γεννηθήτωσαν φωστῆρες ἐν τῷ στερεώματι τοῦ οὐρανοῦ εἰς φάουσιν ἐπὶ τῆς γῆς.

Знаки заглавныя буквы.

Скорописная азбука. Слова съ знаками препинанія: 'Εσπέρα: · νῶε. ἐρήμου, ἐν: · υἱὸς ζωῆν. εὐφρανθήτωσαν: ·

Сокращенія и слова съ титлами: καὶ. ψαλμὸν τὴν μηδαμῶς εἶπεν. Θεοῦ. Ἰσραήλ.

Гласныя буквы въ связи съ титлами: α., ἄξω ἀναγγελῶ. ἐπάταξεν. ε., ἐρχομένην ἐξ ἐπιθῆ. ν., τὸν ὧσιν, γῆν., σ., θάλασσαν μόνος. τ., μετὰ.

Слово 'Ιησοῦς въ родительномъ падежѣ написано всѣми словами вопреки неправильнаго писанія нашихъ старобрядцевъ, на л. 7 об. 'ιησοῦ τοῦ πατρ̃.

Цифра: ἱ. съ двумя титлами вверху, однимъ внизу и кривою продольною вънизъ линіею, написанная при помѣтѣ тетрадей.

III. Ж и т и е П р е н. Н и ф о н т а.

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 406-мъ.

Длина Пергамина	3 ¹ / ₈	в.
ширина	2 ³ / ₈	в.
къ корешку	1 ¹ / ₄	в.
къ правой сторонѣ	3 ³ / ₈	в.
къ верху	1 ¹ / ₄	в.
къ низу	1 ¹ / ₂	в.

Пергамень выдѣланъ довольно хорошо, у краевъ пожелтѣлъ и въ нѣкоторыхъ мѣстахъ поврежденъ.

Писано скорописью по нарѣзамъ въ одинъ столбецъ на 177 листахъ. 12 и 13 листы за потерю ихъ писаны на бумагѣ въ XIV вѣкѣ. Вверху 1 листа написано Α α ὕ ρ α ς, а внизу: Арсеній ξα. Заставка въ началѣ рукописи, заглавіе житія и 1-я буква отъ времени стерлись, такъ что буквъ въ заглавіи, писанномъ киноварью почти ни одной не видно. Колеръ чернилъ темный. Число строкъ на страницѣ 22. Помѣта тетрадей урѣзана.

Выписки изъ подлинника съ древнимъ славянскимъ переводомъ.

Изъ макаріевскихъ четьи-миней XVI в. 989. Дек. л. 480. а.

Μυστήριον βασιλέως κρύπτειν καλὸν. τὰ δὲ ἔργα τοῦ θυ ἀνακηρύσστην ἐνδοξον τὸ δὲ εἰδότες τὰ θεία ἔργα καὶ μηδε ἡγουμένω δι ὀκνηρίαν, ἡλίχος κίνδυνος ἄρα συμβήσεται κατ' ἐκείνην τὴν ὥραν, ὅτ' ἂν ἦξει ἐπὶ τῶν νεφελῶν ὁ μέγας κριτῆς ζώντων καὶ νεκρῶν. τοῦ ἀποδοῦναι ἐκάςω κατὰ τὰ ἔργα αὐτοῦ. Τοι γάρ οὖν καγὼ ο ἑλάχιστος ἀκριβεῖ συνιδίσει φέρων τὰ περὶ τοῦ μακαρίου νεφώντος. μαλὸν τα ροφίθησεσθαι ψυχοφελή διηγήματα, πρὸς ἐσθλήκα γρά-

Въ томъ же дѣлѣ, книга и житіе, прѣбываго оца и мѣго, инфонта

Танноу прѣкоу достонть хранити. а дѣла бжтвенна проповѣдати славно. да въдѣщемъ божественна дѣла его. и не проповѣдающе. лѣсности рѣ. кака оубо бѣда бѣдетъ къ онѣмъ уѣ. кои приндѣтъ на обличѣ великии свѣдѣл. свѣдан живымъ и мртвѣмъ. коимъждо воздаа по дѣломъ его. да вѣсте вси. тѣмъже и азъ хвдѣмъ. опаснѣ вѣдѣмъ. ꙗ ꙗ божественѣ инфонтѣ. хотѣ-

ψαι τοῖς χρίζουσιν ὠφελεῖσθαι. καὶ ἐκμανθάνειν τὴν ἐνα-
ρετον αὐτοῦ πολιτείαν καὶ τὰ θεῖα αὐτοῦ ἀγωνίσματα. πα-
ράδειξον γὰρ τοῦτο... ἐστὶν ἐκπαιδῶθεν ἔτρεψε τὸν πονη-
ρον διάβολον. εἰς τέλος αὐτὸν ἐξαφανῆσαι л. 1 οβ. εἴ-
τα σκελισθεῖς οὐκ οὐδ' ὅπως πάλιν ὁ νεὸς ἐτρώθη ὑπὸ τοῦ
σατανᾶ. καὶ πέλαιος ἀμαρτίας ἐγένετο. ὅμως, παρὴν ὥς-
περ ναῖος στρατιῶτις. ἐξαναστὰς κραταιῶς τὸν ἀκάθαρτον
καὶ ἀλαζόνα συνέτριψεν ὀράκοντα. ἀλλ' ἐπειδὴ ἀκριβότερον
χρῆ ἡμᾶς εἰπεῖν. καὶ ἀνοθεῖν ἄρξασθαι τοῦ εὐσεβοῦς λό-
γου συντίναται ἐαυτοῖς παρακαλῶ. πρὸς τὴν θεῖαν διήγη-
σιν ἐπιγομένου μου. κατὰλειψας δὲ τὰ περὶ συλλήψεως καὶ
γεννησεως αὐτοῦ τοῦ λέγειν. ἀνοτέρω ποῦ τῆς ἀρχῆς ἐπὶ
λάβομαι. ἐν ταῖς ἡμέραις κωνσταντίνου τῆς εὐσεβεστάτου
καὶ θεοφιλοῦς βασιλέως χρηματίσαντος. ἦν τις ἀνὴρ εὐσε-
βῆς καὶ φιλούμενος τὸν θ·. ὀνόματι σαββάτιος. οὗτος ἀπε-
σταλὴ ὡς ἔφη· παρὰ τοῦ εὐσεβοῦς βασιλέως. χειροτονο-
θεῖς στρατιλάτης ἐν τῇ χώρᾳ τῶν πλαγίων τῆς ἀλμυρο-
πόλεως. παραγενομένου δὲ αὐτοῦ κατὰ τὴν χώραν. ὑπὴν-
τησαν αὐτῷ πάντες οἱ ἄρχοντες καὶ οἱ προύχοντες л. 2.
τῆς πόλεως. μετὰ ἐδούς καὶ εὐλαβῆας ἀσπαζόμενοι αὐτὸν. με-
θῶν ἦν καὶ ὁ πῆρ' τοῦ νίφωντος. ὀνόματι αὐτῷ ἀγα-
πητὸς. ἐξω τε δὲ εἶδεν αὐτὸν ὁ πῆρ τοῦ νίφωντος τὸν
προεχθέντα σαββάτιον τὸν στρατιλάτην, πάνι ἐτέρωθη ἡ
καρδίᾳ αὐτοῦ εἰς τὴν ἀγάπην αὐτοῦ. εἶσαν γὰρ ἀμφοτέρω
ζῶντες εὐσευῶς καὶ φιλοθεῶς. καὶ διὰ τοῦτο πλέον ἐπε-
πόθουν ἀλλήλους. ἦν γὰρ ὁ στρατιλάτης ἄγαν ταπεινῶσιν
φέρων. ὑπεριφάνειαν δὲ μηδὲ ἔχων ὁ δὲ ἀγαπητὸς ἄρ-
χον τοῦ αὐτοῦ στρατοῦ ὑπάρχων. τὸ χάρισμα τῆς ἀγάπης
ἐπὶ πολὺ κεκτημένος. ἐν μιᾷ Δὲ τῶν ἡμερῶν. ἀπάρας ὀρι-
θεῖς ἀγαπιτὸς τὸν ὕν αὐτοῦ νίφωντα ἐκ τοῦ οἴκου αὐτοῦ.
ἔρχεται πρὸς τὸν στρατιλάτην ἐχώντων δὲ τὰς διατριβὰς
πρὸς τὸν θαλασσῶδι οἶκον τῶν πραιτορίων, ἦν δὲ τότε ὁ
νίφων ὁ τῶν ὀκτῶ. εἶτα εἰσελθόντων αὐτῶν πρὸς τὸν στρα-
τιλάτην, ἡσπάσατο αὐτοὺς περιχαρῶς. καὶ προῖταξεν ἔγ-
γυσσιν αὐτοῦ καθισθῆναι αὐτοὺς. ἔπειτα λέγει τῷ ἀγαπη-
τῷ л. 2 οβ. τὰ δὲ σοι ἄρχον. οὗτος ὁ παῖς ὅς σου ἐσ-
τιν, ἢ ἐτέρου τινος. λέγει αὐτῷ ὁ ἀγαπητὸς. ναὶ δέσπο-
τα οὗτος ὁ παῖς ὅς μου ἐστίν. λέγει αὐτῷ ὁ στρατιλά-
της. ἔστιν εἰς διατριβὴν ἵνα τὴν γραφὴν ἐκμανθάνει. ἀπο-
κριθεὶς δὲ ὁ ἀγαπητὸς ἔφη. κ' χι κύριε μου. ποῖος γὰρ καὶ
διδάσκαλος πρόσσεστιν ἐν τῇ πατρίδι ἡμῶν ὁ δυνάμενος παι-
δεύσαι. καὶ μάλιστα γραφὴν τοῦ διδάξαι λέγει αὐτῷ ὁ στρα-
τιλάτης. ἔαν μοι αὐτὸν παρέχεις. ἐγὼ ἀποστέλω αὐτὸν ἐν
κωνσταντινουπόλει. ὅπου πέρ ἐστιν τὸ πλῆθος τῶν διδασκάλων, καὶ ὅπου δ' ἂν βούλει. μάθῃ γραφὴν ὁ ὅς σου.
ὁ δὲ πῆρ τοῦ νίφωντος. τοῦτο ἀκούσας, ἀναστὰς πρόσῃπεσεν τοῖς ποσὶ τοῦ στρατιλάτου. λέγων. ὁ ἡμεῖς ἐγὼ.
κύριε μου παρὰ σοῦ αἰτήσαι. τοῦτο σὺ ἐκ θ· ὀδигηθεῖς εἰρημίας. νῦν ἰδοῦ ὁ παῖς σου ἀπόστηλον αὐτὸν. λέγει αὐ-
τῷ ὁ στρατιλάτης. ἐγὼ ποιήσω πάντα ὅσα ὀρεσθὰ τοῖς ὀφθαλμοῖς σου καὶ τῷ νῷ σου. τοῦτο ἀκούσας ὁ πῆρ τοῦ
παιδὸς, πάνυ ἐχάρη καὶ ἡγαλλιάσατο л. 3. σφόδρα διατρίψαντες οὖν μετὰ τοῦ στρατιλάτου ὁ ἀγαπιτὸς καὶ ὁ ὅς
αὐτοῦ νίφων, ὡς ἡ τρεῖς εὐδομάδας. ὁ μὲν ἀγαπιτὸς ἀνεχώρησεν εἰς τὸν οἶκον αὐτοῦ ὀδύζον τὸν θ·. τὸν δὲ νί-
φωνα ὁ τίμιος ἐκεῖνος στρατιλάτης, ἐξέπεμψεν σὺν τῷ προτόβηστηρίῳ αὐτοῦ ἐν κωνσταντινουπόλει. γράψας τῇ
συμβητῇ αὐτοῦ οὕτως. θελήσεις ὡ γύναι. τοῦτω τὸ παῖδόν ἐμὸν ὑποδέξασθαι. ὅτι ἀγαπιτοῦ μου φίλου ἐστίν ὅς.

ще рече на быти. дѣи полезная сказанія оусердце
приахъ писати си. требующима полаго приати и на-
оучитица. добронравномъ житию, иже. бжѣственна
его подвигы. преславыи бо сѣи. ѿ бжѣ оубѣдѣнъ
бѣ. како оуко изъ дѣтска побѣди неирязни; и св-
постата нашего діавола како ли оуко ѿнѣ ѿ него
оуагнѣна. и потоука. пѣтѣна грѣховъ бѣ. каколи же
намы добрии коннѣ бѣ крѣпокъ, сквернаваго и келн-
уакаго събръшии змыа. но поне сѣише, подобаше
нѣ, наущениа сказаніе полезнаго сего словеса сътко-
рше. приклонитица молю вы. ко бжѣтвенѣи сѣи поук-
сти. нѣхцю ми къ дѣи бжѣтѣнаго црѣ константи-
на: Къ моу багокрестѣ. воиже бѣ. нынемы савати.
си иже бѣ. ѿ багокрѣнаго црѣ воєводию. на нѣ-
сто нарицаемое нѣлгѣнѣ. дошѣдши же смъ к зе-
маю тоу. сретѣна и кси кѣи перкии града. съ стра-
жѣ и гѣкѣи емѣ и целоваше и. сѣише бѣ нѣ-
фонѣ къ ѿнѣ емоу нѣа аганиѣ и видѣкъ савати.
бѣ, коєкодѣ козкеселѣна сѣице его люєєзно. къ бо ко-
єкода келми смирѣнѣ и нѣрѣ. нѣкѣѣ нѣма прѣзо-
рьства к сѣѣ. агани же кѣѣ тѣхѣс и дарѣ люєєвѣнѣ
зѣло нѣма. къ єди и же ѿ дѣи; нѣнѣ сѣа сѣєго
нѣфонта. приде сѣише к коєкодѣ. приходы творѣше
къ премирстемѣ домѣ. бѣже тогда нѣфонѣ ананиѣкъ
сѣѣ. ж. лѣ и нѣнѣ смъ к коєкодѣ. целова и коєко-
да. и нѣкѣѣ кѣнѣ сѣѣ посади л. и гла аганию сѣ-
ице. ты кѣѣ сѣ дѣтѣи ли ѣ. ѿкѣѣ аганиѣ сѣи гѣ
сѣѣ ми ѣ и рече смъ не оучѣши ли его кѣнѣ. и
рече смъ аганиѣ нѣи гѣи ми. аѣи оучѣши соу къ
ѿтѣкѣи нѣнѣ. иже могѣтъ кѣнѣ наоучѣти. гла коє-
вода. аѣи вы ли далѣ тогда и вы далѣ к констан-
тинѣ гра нѣѣже естѣ мнѣство оучѣѣ. иже хоѣи на-
оучѣти. си же слышакѣ ѿнѣ его. наде на ногоу его
гла. еже азъ хотѣ рѣи гѣ. то ты нѣѣ ѿ бѣ нас-
тавлѣмѣ гѣиши. гѣ сѣише рѣѣ твои нѣсти и. гла
смъ коєкода азъ сътворю кѣа оугодна тѣѣ. сѣ
слышакѣ агани зѣло кѣзрѣкѣ. обѣсѣна келми.
прѣкѣѣна же коєководю агани и сѣѣ его нѣфонѣ.
до третѣаго дѣи. и ѿнде аганиѣ к домѣ сѣи сѣ-
ка бѣ. нѣфонта же коєкода нѣсти и сѣ прѣтѣѣста-
ромѣ сѣи. к константинѣ гра. нѣсѣкъ кѣнѣи к же-
нѣ сѣєи сѣице. келю ти жеєи сѣ дѣтѣи нѣѣти поне
дрѣга сѣѣ ми ѣ да нѣѣи на нѣмѣ люєєкъ. кѣѣише кѣ-
ко.

ἵνα δὲ μοι δεῖξεις ἐμφανη εἰς αὐτῷ τὴν ἀγάπην σου ὥσπερ
ἐμαῖ αὐτὸν οὕτως. αὐτοῦ ἐπιμελήθητι παρὰ δοῦς αὐτῷ τοῦ
ἐκμανθάνη τὰ ἱερὰ γράμματα. ταῦτα γράψας καὶ ἴδια ἔτε-
ρα. δέδωκεν τῷ ἄνῳ αὐτοῦ τὸ μέλλοντι ἀποπλεῖν. πα-
ρέδωκεν δὲ αὐτῷ καὶ τὸ παιδίον νύφωντα. προστάξας ἐν
ανέσει αὐτῷ τὴν ἀπόπλευσιν ποιήσθαι. ἐισελλιδόντων δὲ αὐ-
τῶν ἐν τῷ πλοίῳ. ἐντῶς ἐλίγων ἡμερῶν. ἔφθασαν ἐπὶ
τὴν βασιλεύουσάν πόλιν ταῖς ἡμέρας τοῦ μεθ' ὁπόρου σφοδ-
ροτάτου καύσωνος ὑπάρχοντος. л. 3 об. ὡς δὲ ἦν ὁ
παῖς ἀπειρος θαλάσσης. πάννυ ἐκακώθη ἐκ τοῦ ἀτυνηθῆναι
πλοῦς. ἦν γὰρ ἐξ ἀρχῆς ψιλάσθενον καὶ θλιβερόν μίαν.
εἴτα ἐνελλιδόντων αὐτῷ ἀπὸ τῆς θαλάσσης εἰς τὸν οἶκον
τοῦ στρατιλάτου. ὑπεδέξατο αὐτοῦ ἡ τοῦ στρατιλάτου γυ-
νὴ χάριουσα. μαλιστα δὲ περὶ τοῦ παιδὸς νύφοντος ἐκού-
σασα. ὅτι ἐναρέτου ἀνδρὸς ἐστὶν οὗς. δεξιωσαμένη οὖν ἡ
εὐσευεῖς ἐκεῖνη γυνὴ τὸ παιδίον πάννυ ἐν πάσιν ἐθεράπευ-
σεν αὐτῷ εἰς τὰς χρεῖας αὐτοῦ. καὶ ἐπηγάτο νοουθετή, αὐ-
τῷ ἐν καλωήθειν ὁμιλίαις. ὁ δὲ παῖς. δεκτικὸν νοῦν ἔχων
ἐπεκροᾷτω τὰς νοουθεσίας τῆς γυναικὸς καὶ περιέπατῃ ἐν
σιγῇ πολλῇ καὶ κατὰστάσει. ἐνέδοκεν δὲ αὐτῷ χρόνον τινα.
πρὸς τὸ ἡθῆσαι τὸν τόπον. καὶ ἀναλαβέσθαι καὶ εἰς υγίαν
σώματος. καὶ οὕτως παραδώσει αὐτὸν εἰς τὸ διδασκάλιον.
ἦν γὰρ ὡς προείπων ὁ νεανίας ταλαιπωρημένος. τὸ μὲν,
ἐκ τοῦ πλόως. τὸ δὲ ἐκ τῆς λύπης τῶν γονέων. л. 4.
Ἐχούσα δὲ πρεσβύτερον ἡ εὐσευεῖς. ἐκεῖνη γυνὴ ἐν τῷ οἴκῳ
αὐτῆς ὀνοματι πέτρον ἐβουλεύσατο ἕνα παραδώσει αὐτῷ
τὸν νύφοντα. τέως ὅπως διδάξει αὐτὸν πρὸς μικρὸν τὸ ψαλ-
τήριον. ὃ καὶ πεποίηκεν. ἡμέρα δὲ καὶ ἡμέρα προέκοπτεν
ὁ παῖς ἐν τοῖς ἱεροῖς μαθήμασιν. καὶ μὴν ἐξ ὑπερέτη καὶ τὸ ἐρημένῳ πετρῷ τὸ πρεσβυτέρῳ ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ. εἰς πά-
σαν διάκονίαν σπουδαίως. ἦγεν δὲ πόνον εἰς τὸ μανθάνειν ὁ νύφον πάννυ. ὥστε καὶ ἐν ταῖς νύξιν ἄπτον λύχνον ἡ
κηρὸν. οὕτω ἐν ἡσυχίᾳ ἐκᾶθητω μελετῶν. εἶχεν δὲ φόβον οὐ τὸν τυχόντα. ὁμοίως καὶ ἐντροπὴν ὥσαυτος. πρὸς
τε τὸν διδασκάλον καὶ πρὸς πάντας. ἐθλήβετο δὲ πάντοτε ὁ παῖς. διὰ τὸ εἶναι αὐτὸν ἄκμην ἀπλὸν ταῖς φρεσίν.
καὶ οὐκ ἐνοητὴν λύσιν τῆς γραφῆς. κὰν τάχα καὶ ἐν τοῖς ὀρθροῖς ἐσχόλαζεν. καὶ τῷ διδασκάλῳ αὐτοῦ ἀναγινώσ-
κοντος ἦκεν. ὅμως τὰ ἐνηθέστερα καὶ εὐκολότερα л. 4 об. πλειστάκις νοῶν ἐπυρίζετο τὴν ψυχὴν. ἐπιθυμῶν καὶ αὐ-
τὸς εἶνε οὕτως. ὃν τρόπον οἱ ἅγιοι εἶσαν.

Чт е н и е и о б ъ я с н е н и е с н и м к а.

л. 57 об. Τῷ ὁ μακάριος. ὁ θεὸς τοῦ οὐρανοῦ καὶ τῆς γῆς κατὰ σὴν πίστην σου χωριγήσῃ σοι τὸν λόγον
δι' ἐμοῦ πρὸς ὄφελος. ἐπὶ ἐγὼ ἀσθενῆς καὶ ἀνάξιός ἐμι. ἡ δὲ θέλῃς ἀκουσον τί τοιοῦτον. πρόσσεχε καὶ ὁ χεῖς χω-
ρηγή. καὶ μικρὸν ἡσυχάσας λέγει αὐτῷ. ἀκουσον. ἀδελφε. ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκεῖναις. ὅτε ἐξῆ κατὰ τὸν βίον κυρι-
ακὸς ὁ ἱεροσολύμων ἀρχιερεὺς ἦν τις ἄνθρωπος εὐσεβὴς κατὰ τὸν βίον ζῶν. ἦν δὲ καὶ ἐλεήμων ἄκρις. ὄνομα δὲ αὐτῷ
συζώμενος. οὗτος ὁ ἄνθρωπος ἐν μιᾷ διερχόμενος διὰ τῆς πλατείας τῆς πόλεως. ὁρᾷ πένητα γυμνὸν καὶ μίαν τρυχό-
μενον. На полѣ разстановочными перпендикулярно буквами написано: περὶ ἐλεημοσύνης.

л. 101. Πρόσευχομένου αὐτοῦ καὶ εἰς οὐρανοὺς τὸ ὄμμα τεταμένον ἔχωντος. ἄρνω φῶς ἔλαμψεν κύκλῳ αὐ-
τοῦ θναῖον καὶ οὐράνιον. ὤφθη δὲ αὐτῷ ἄγγελος κυρίου ἐμπροσθεν αὐτοῦ εστὼς λευκοφόρος σχῆμα ἔχων διακόνου.
καὶ κατίχεν θυμιατήριον χρυσοῦν βαλὼν δὲ θυμίαμα ἐβωδίαζεν ὡς πρὸς τὸν οὐρανόν.

Запись писца: Ἐτελεθῶ. ἡ δέλτος αὕτη τοῦ ὁσίου πατρὸς ἡμῶν νύφοντος διὰ συνδρομῆς Ἰωαννίку μοναχοῦ
ἀμαρτωλοῦ καὶ ἐλαχίστου τῶν μοναχῶν μηνὶ Ἰαννουαρίῳ λᾱ. ἰνδικτικῶνος Ᾱ. ἔτους 4844. (1126 г.) καὶ οἱ ἀναγι-
νώσκοντες εὐχεσθε ὑπὲρ αὐτοῦ. ἵνα τύχει ελέους ἐν ἡμέρᾳ κρήσεως, ἡ χεῖρ μὲν γράψασθ σίπεται τάρῳ. γραφὴ δὲ
μέννη εἰς αἰῶνας.

же и ма любннн. тако и о сѣмъ поспѣшнѣ. пре-
дѣ и оуѣнтнѣ бжткѣннѣ ннсмѣнѣмъ. сн спсѣсѣ жѣнѣ
скоен дастъ. и преда сѣмъ отрѣшнѣ и н фонтѣ.
кѣзшнѣма же нма в корабѣ. л. 480 об. а. до-
нашѣта ѿраграда въ время осени. не знаю зною сѣннѣ.
сн же дѣтнѣ нѣнскѣсѣнѣ налканнѣ. велнн ѿнаде.
понеже ѿ дѣтѣска изастанѣкѣ въ н зѣло поуѣнѣкѣ. нз-
лѣзшнѣма же нма ѿ мора и прѣатъ а коеводннѣ жѣна
с радостнѣ. нан наѣе же дѣтнѣ и н фонтѣ. слышав-
нн же о нѣ нко добра мѣжа е снѣ. оуѣреднннн же
кѣтѣтѣ жѣна. дѣтнѣ. наставлѣющнѣ кѣтѣтѣмъ кѣ-
сѣдамъ, дѣтнѣ. прннмѣнѣ налканнѣ жѣны томъ. и
хожаннѣ в тнхостнѣ и в молѣннѣ. попоѣстн же сѣмъ
кѣтѣтѣмъ жѣна да обѣнѣ. и поѣтѣ вѣдѣтѣ и на оу-
ѣннѣ. кѣ ко нкоже прѣе рѣхѣ отрѣмъ сѣдрѣѣнѣ ѿ
нашѣта и ѿ нѣшѣннѣ. и ѿ разлѣѣннѣ роднтѣмъ. ннѣ-
ннѣ пона на дворѣ кѣтѣтѣмъ жѣна та. ннѣнѣмъ нѣт-
ра. номыслнннн да сѣмъ нн фонтѣ. да номалѣ нлѣ-
ннѣ фалтѣмъ. днѣ же лѣе днѣ оуѣнѣннѣ дѣтнѣ
въ кѣтѣнѣ оуѣнннѣ. еѣс оуѣнѣннѣ поѣвнѣкѣ въ
сѣтѣ нѣрѣкн попоѣннѣ. нма же нѣшѣмъ на оуѣннѣ нн-
фонтѣ зѣло. нко и поѣрѣ кѣгѣ сѣннѣ. нан кѣ-
днѣ оуѣннѣсѣ. кѣже и стрѣннѣкѣ зѣло. и сѣдѣ-
ннѣсѣ велнн оуѣнтѣмъ и кѣтѣ. поне же бѣнѣ малѣ
и нѣнѣсѣнѣ. и нѣ разлѣннѣ толѣкѣннѣ кннѣннѣ
ѿкѣлѣ нн оуѣхѣмъ нѣ прѣстѣннѣ. и оуѣнтѣмъ скѣго
нѣннѣ послѣннѣннѣ и кѣзыгрѣннѣсѣ днѣсѣю. жѣмъ сѣ
кѣтѣ такѣ, лѣѣ и же соѣ кѣннѣ сѣтѣ.

Нѣсколько буквъ заглавныхъ не фигурныхъ. Азбука скорописная.

Сокращенія.

Слова съ знаками пренинанія: ἐαυτὸν. ἐς αἰῶνας:

Буквы въ связи съ другими: α) ἄξιος. ε) ἐξ μετανοσσω ἡμεῖς. ν) γῆν. σ) θαλάσσης. τ) τῷ.

IV. Четвероевангеліе

Находится въ Московской Синодальной Библіотекѣ подъ № 278-мъ.

Длина пергамина	$4\frac{3}{8}$	в.
ширина	$3\frac{3}{8}$	в.
къ корешку	$\frac{1}{2}$	в.
къ правой сторонѣ	$\frac{7}{8}$	в.
къ верху	$\frac{6}{8}$	в.
къ низу	$\frac{7}{8}$	в.

Пергамень отъ времени покоробился, выдѣланъ хорошо. нѣ есть поврежденія.

Писано скорописью по нарѣзамъ на 255 листахъ въ одинъ столбецъ. На первыхъ двухъ листахъ пергаменныхъ ничего не написано. На 3—6 написано на бумагѣ, когда читаются Евангелія. На 7 пергаменномъ листѣ и оборотѣ въ контурѣ нарисовано изображеніе Божіей Матери съ превѣчнымъ младенцемъ Іисусомъ. Внизу 7 листа подписано: Арсеній. На 8 и 9 ничего неписано. На верху 10 листа подписано: Τοῦ βασιλεῖος. Съ 10 по 24. написано, начиная съ Пасхи и во весь годъ, когда читаются Евангелія съ началомъ и концомъ Евангелія: Съ 24 по 28. Каноны Евангелій. съ 28 по 98 об. Евангеліе отъ Матѳея, съ 99 по 142 Марка, съ 142 об.—по 209 об. Луки. съ 210 по 255 Іоанна.

Заставки раскрашены красками, пунцовой, желтою, зеленою, бѣлою и черною. Заглавныя буквы и оглавленія писаны киноварью пунцоваго цвѣта. Колеръ чернилъ черный. На страницѣ 22 строки. Помѣта тетрадей въ низу по срединѣ.

Выписки изъ Подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ.

Изъ четверо-Евангелія XII. в. № 54. Синодальной. Типографской Библіотеки. л. 10 об.

Προσέχετε τὴν ἐλεημοσύνην ὑμῶν μὴ ποιεῖν ἔμπροσθεν τῶν ἀνδρῶν πρὸς τὸ θεαθῆναι αὐτοῖς. εἰδὲ μὴ γέμισθον οὐκ ἔχετε παρὰ τῷ πρὶ ὑμῶν τῷ ἐν τοῖς σὺνοῖς. ὅταν οὖν ποιῇς ἐλεημοσύνην, μὴ σαλπίσσης ἔμπροσθέν σου ὥσπερ οἱ ὑποκριταὶ ποιοῦσιν ἐν ταῖς συναγωγαῖς καὶ ἐν τοῖς ρύμαις, ὅπως δοῦναι ὁρῶσιν ὑπὸ τῶν ἀνδρῶν. ἀμὴν л. 4. λέγω ὑμῖν ἀπέχουσι τὸν μισθὸν αὐτῶν. σὺ δὲ ποιῶντος ἐλεημοσύνην, μὴ γνώστω ἡ ἀριστερά σου τι ποιεῖ ἡ δεξιὰ σου. ὅπως ἡ σου ἡ ἐλεημοσύνη ἐν τῷ κρυπτῷ. καὶ ὁ πῆρ σου ὁ βλέπων ἐν τῷ κρυπτῷ αὐτὸς ἀποδώσει σοι ἐν τῷ φανερῷ. καὶ ὅταν προσεύχη, οὐκέτι ὥσπερ οἱ ὑποκριταί. ὅτι φιλοῦσιν ἐν τοῖς συναγωγαῖς καὶ ἐν ταῖς ρύμαις. ἐστῶτες προσεύχεσθαι. ὅπως φανῶσι τοῖς ἀνδρῶν. ἀμὴν γὰρ λέγω

МѢФ. зѢ. Вѣнемаете мѣстныя кама, не творити прѣдъ ѹлѣты. да некиданы еждете ими. аще ли же ни. мѣзды не имате ѿ о҃ца кашого. иже кѣсь и а-и кѣсьхъ. иегда яко творити мѣстныю не въстрѣби прѣдъ собою. яко и ѹпокрѣти творитъ къ снѣмни-иныхъ и къ стѣгнахъ да прославятъ л. 11 а. ѿ ѹлѣты. аминь г҃лю камъ къспринимать мѣзды свою. тебе же творачю мѣстныю. да не ѹноестъ нѣнѣи твоѣи что творитъ десница твоѣи. да еждеть мѣстныи твоѣи къ танѣи. и ѿѣи твоѣи видѣ та къ танѣи. къздасть тебе кѣи. и иегда молвишесѣ не ежди яко лицемеръ (sic). яко любать на снѣмнииныхъ и къ стѣгнахъ и на раснѣи-иныхъ стоимѣе молитисѣ. да кѣиатъ ѹлѣи. аминь г҃лю

ρον ὄντα καὶ αὐριον εἰς κλίβανον βαλλόμενον. ὁ θς οὕτως ἀφιννοῦσιν. οὐ πολλῶ λ. 43. μᾶλλον ὑμᾶς ὀλιγόπιστοι. μὴ οὖν μεριμνήσητε λέγοντες. τί φάγωμεν ἢ τί πίωμεν ἢ τί περιβαλλόμεθα. πάντα γὰρ ταῦτα, τὰ ἔθνη ἐπιζητεῖ. οἷδε γὰρ ὁ πῆρ ὑμῶν ὁ οὐνίος ὅτι χρήζεται τῶν ἀπάντων. ζητεῖτε δὲ πρῶτον τὴν βασιλείαν τοῦ θς. καὶ ταῦτα πάντα, προστεθήσεται ὑμῖν. μὴ οὖν μεριμνήσετε εἰς τὴν αὐριον. ἢ γὰρ αὐριον μεριμνήσει ἑαυτῆς. ἀρχετὸν τῇ ἡμέρᾳ. ἢ κακία αὐτῆς. μὴ κρίνετε ἵνα μὴ κριθῆτε ἐν ᾧ γὰρ κρίματι κρίνετε κριθήσεσθε. καὶ ἐν ᾧ μέτρω μετρεῖτε, ἀντιμετρηθήσεται ὑμῖν. τί δε βλέπεις τὸ κάρφος τὸ ἐν τῷ ὀφθαλμῷ τοῦ ἀδελφοῦ σου. τὴν δὲ ἐν τῷ σῷ ὀφθαλμῷ δοκὸν οὐ κατανοεῖς ἢ πῶς ἐρεῖς τῷ ἀδελφῷ σου ἄφες ἐκβαλῶ τὸ κάρφος τοῦ ὀφθαλμοῦ σου, καὶ ἰδοὺ ἡ δοκὸς ἐν τῷ ὀφθαλμῷ σου. ὑποκριτὰ ἐκβαλλε πρῶτον τὴν δοκὸν ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ σου. καὶ τότε διαβλέψεις л. 43. τὸ κάρφος, ἐκβαλεῖν ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ τῆ ἀδελφοῦ σου μὴ ὅτε τὰ ἅγια τοῖς κυσί. μὴ δὲ βάλητε. τοὺς μαργαρίτας ὑμῶν ἔμπροσθεν τῶν χοίρων. μήποτε καταπατήσωσιν αὐτοὺς ἐν τοῖς ποσὶν αὐτῶν, καὶ στραφέντες ῥήξωσιν ὑμᾶς. Αἰτεῖτε καὶ δοθήσεται ὑμῖν. ζητεῖτε καὶ εὕρησετε. κρούετε καὶ ἀνοιγήσεται ὑμῖν. πᾶς γὰρ ὁ αἰτῶν λαμβάνει. καὶ ὁ ζητῶν εὕρισκει καὶ τῷ κρούοντι ἀνοιγήσεται. ἢ τίς ἐστὶν ἐξ ὑμῶν ἄνθρωπος ὃς ἐὰν αἰτήσῃ ὁ υἱὸς αὐτοῦ ἄρτον. μὴ λίθον ἐπιδώσει αὐτῷ, ἢ καὶ ἐὰν ἰχθὺν αἰτήσῃ, μὴ ὄφιν ἐπιδώσῃ αὐτῷ, εἰ οὖν ὑμεῖς πονηροὶ ὄντες οἴδατε δόματα ἀγαθὰ διδόναι τοῖς τέκνοις ὑμῶν, πόσω μᾶλλον ὁ πῆρ ὑμῶν ὁ οὐνίος. δώσει ἀγαθὰ τοῖς αἰτοῦσιν αὐτόν. πάντα ὅσα ἂν θέλητε ἵνα ποιῶσιν ὑμῖν οἱ ἄνθρωποι, οὕτω καὶ ὑμεῖς ποιεῖτε αὐτοῖς. οὕτω γὰρ ἐστὶν ὁ νόμος καὶ οἱ προφῆται. εἰσέλθατε διὰ л. 44. τῆς στενῆς πύλης ὅτι πλατεία ἡ πύλη καὶ εὐρύχωρος ἡ ὁδὸς ἢ ἀπάγουσα εἰς τὴν ἀπώλειαν, καὶ πολλοὶ εἰσὶν οἱ εἰσέρχόμενοι διὰ αὐτῆς. τί ἡ στενὴ ἢ πύλη καὶ τεθλιμμένη ἡ ὁδός, ἢ ἀπάγουσα πρὸς τὴν ζωὴν, καὶ ὀλίγοι εἰσὶν οἱ εὕρισκοντες αὐτήν. προσέχετε δὲ ἀπὸ τῶν ψευδοπροφητῶν. οἵτινες ἔρχονται πρὸς ὑμᾶς ἐν ἐνδύμασι προβάτων ἔσωθεν δὲ εἰσὶ λύκοι ἄρπαγες. ἀπὸ τῶν καρπῶν αὐτῶν, ἐπιγνώσεσθε αὐτούς. μήτι συλλεγουσιν ἀπὸ ἀκανθῶν σταφυλὴν, ἢ ἀπὸ τριβόλων σύκα, οὕτω πᾶν δένδρον ἀγαθόν, καρποὺς καλοὺς ποιεῖ. τὸ δὲ σαπρὸν δένδρον, καρποὺς πονηροὺς ποιεῖ. οὐ δύναται δένδρον ἀγαθόν, καρποὺς πονηροὺς ποιεῖν. οὐ δὲ δένδρον σαπρὸν καρποὺς καλοὺς ποιεῖν. πᾶν δένδρον μὴ ποιῶν καρπὸν καλὸν ἐκκόπτεται καὶ εἰς πῦρ βάλλεται. ἄρα γε ἀπὸ τῶν καρπῶν αὐτῶν, л. 44 об. ἐπιγνώσεσθε αὐτούς οὐ πᾶς ὁ λέγων μοι κἔ κἔ εἰσελεύσεται εἰς τὴν βασιλείαν τῶν οὐνῶν. ἀλλ' ὁ ποιῶν τὸ θέλημα τοῦ πρς μου τοῦ ἐν τοῖς οὐνοῖς. πολλοὶ ἐροῦσι μοι ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ κἔ κἔ. οὐ τῷ ὀνόματι ἐπροεφητεύσαμεν. καὶ τῷ σῷ ὀνόματι δαιμόνια ἐξεβάλομεν, καὶ τῷ σῷ ὀνόματι εἰς δυνάμει πολλὰς ἐποιήσαμεν, καὶ τότε ὁμολογήσω αὐτοῖς ὅτι οὐδέποτε ἔγνων ὑμᾶς. ἀποχωρεῖτε ἀπ' ἐμοῦ οἱ ἐργαζόμενοι τὴν ἀνομίαν. πᾶς ὅστις ἀκούει μου τοὺς λόγους τούτους καὶ ποιεῖ αὐτούς,

мо. бѣ тако одѣкаетъ. колыи науге вѣсь малокрыи. не пыцтесѣ збо глаголюще. что ѣмъ или что пиюмъ. ли уныи одѣждемъся. всѣхъ бо снхъ казѣи ищють. вѣсть бо о ѣи каиъ небесныи. како трѣбуете снхъ всѣхъ. ищѣте же науге црствниѣ вѣиѣ. и правды его и си кѣмъ приложатсѣ камъ : : . не пыцтесѣ збо на оутрѣи. оутрѣии бо днь собою неуетсѣ. довѣмѣть днии злоба свои : : . Не осаждайте да не осаждени бждете. нмы же бо соудымъ сждите сждати камъ л. 13 а. и къ нуже мероу мерите вѣзмѣрнтсѣ камъ. Что же виднии сжыицѣ нже иеттъ къ оцѣ брата твоего. а брвьяи еже иеть къ оѣи твоемъ не уюни (sic) или како реуении братѣ твоемъ остави и нзѣмъ сжыицѣ нзъ оуесе твоего. и брвьию къ оцѣ твоемъ. лицемѣре. изъии нркѣи брвьию нзъ оуесе твоего. и тѣгда оузырии нзати сжыицѣ изъ оуесе брата твоего. Не дадите стѣаго фомъ ни помещѣте вѣсѣрѣ каиныхъ нрѣдѣ скниици. да не поперѣтъ нхъ ногамъ своимъ. и крафѣиесѣ растѣргнѣтъ кѣ : : . мѣ. нг. Просите и дастсѣ камъ. ищѣте и обрацѣте. тѣлѣте и ѡвѣзѣтсѣ камъ. всѣмъ бо просѣи приемлетъ. и ницѣи обрѣтаетъ. и тѣлѣжѣоуѣмъ ѡвѣрзѣетсѣ : : . ли кто иеть ѡ кѣсь уловеѣ. его же аце проситъ снѣ свои хлѣба. еда камень подасть иеиоу. ли аце рыби проситъ. еда змию подасть иеиоу. аце оубо лѣкавыи сжѣе. оумѣете дакииѣ благаѣ. дакѣи уадои каиимъ. колы науге оѣи каиъ нже иеть на небѣхъ дасть благаѣ просѣиимъ оу него : : . Кѣм оубо иеанко аце хоцѣте. датвориѣтъ камъ уаѣи. тако и кѣ твориѣтъ имъ. се бо иеть законъ и нрѣи : : . Вѣнидѣте оузыкѣиими братѣ. како пространа крата и широкъ нзѣтѣ вѣводѣи къ нагѣжѣ. и мнози сжѣтѣ вѣходащен нмы. Коль оузка крата. и тѣснѣ нѣтъ. вѣводѣи къ жикотѣ. и мало нхъ иеть нже и обрѣтають : : . Вѣнемѣте ѡ лѣжннхъ нрѣкѣ. нже прихѣдѣтъ къ камъ къ ѡдеждахъ окуиѣхъ. вѣнѣтрѣ же соутѣ вѣлѣи и хѣиѣиѣи. ѡ плодѣ нхъ познѣнте ѣ : : . Егда обыемѣють ѡ тѣрннѣ грознѣ. ли ѡ рѣннѣ смовѣи тако кѣмѣко дрѣво добро. плоды добры твориѣтъ. а зло дрѣво плоды злы твориѣтъ. не можетъ дрѣво добро плода зла твориѣти. ни дрѣво зло плодѣ добръ твориѣти : : . Кѣмѣко дрѣво еже не твориѣтъ плода добра посѣкають ѣ. и къ ѡгнѣ вѣмѣтають. тѣмъ же збо ѡ плодѣ нхъ познѣнте ѣ : : . не кѣсь гѣиѣи ни гѣи гѣи. вѣнидѣтъ къ црствниѣ небѣкоѣ. нѣ твораи коио оѣи моего нже иеть на небѣхъ : : . мнози рекоутѣ мѣиѣ къ ты днѣи гѣи гѣи. не къ твое ли нма нрѣѣвѣстокахомъ. и твонмъ именемъ вѣсы нзгоннхомъ. и твонмъ именемъ снѣи многи створнхомъ. и тѣгда и повѣмъ нмы. како николиже знахъ вѣсь. отидѣте ѡ не. не дѣлаиѣиѣи беззаконниѣ : : . вѣсь оубо нже слышнѣтъ словаѣи мои си твориѣтъ ѣ. знодобѣио и моу-

ὁμοιώσω αὐτὸν ἀνδρὶ φρονίμῳ. ὅστις ὠκοδόμησε τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐπὶ τὴν πέτραν. καὶ κατέβη ἡ βροχὴ. καὶ ἦλθον οἱ ποταμοὶ. καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι. καὶ προσέπεσαν τῇ οἰκίᾳ ἐκείνῃ καὶ οὐκ ἐπέσε. τεθεμελίωτο γὰρ ἐπὶ τὴν πέτραν. καὶ πᾶς ὁ ἀκούων μου τοὺς λόγους τούτους καὶ μὴ ποιῶν αὐτοὺς, ὁμοιωθήσεται ἀνδρὶ μωρῷ. ὅστις ὠκοδόμησε τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐπὶ τὴν ἄμμον. καὶ κατέβη л. 45. ἡ βροχὴ καὶ ἦλθον οἱ ποταμοὶ. καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι. καὶ προσέκοψαν τῇ οἰκίᾳ ἐκείνῃ καὶ ἔπεσε. καὶ ἦν ἡπτῶσις αὐτῆς μεγάλη σφόδρα. καὶ ἐγένετο ὅτε συνετέλεσεν ὁ 15 τοὺς λόγους τούτους ἐξεπλήσσοντο οἱ ὄχλοι ἐπὶ τῇ δι- αχῇ αὐτοῦ. ἦν γὰρ διδάσκων αὐτοὺς, ὡς ἐξουσίαν ἔχων καὶ οὐχ ὡς οἱ γραμματεῖς.

жю мѣдрѣ. нже сѣзѣда храмннѣ скою на каменѣ. н сѣннде дѣждѣ. н прѣдоша рѣкы. н вѣзвѣмаша вѣтрн. н нападоу на храмннѣ тѣ. н непадеса. основана бо бѣ на каменѣ. н вѣсь слышаша словеса мои си н не творѣх нхѣ. оунодобѣнтьсѣ мѣжю коуію. нже сѣзѣда скою храмннѣ на нѣсѣцѣ. н сѣннде дѣждѣ н прн- доу рѣкы. н вѣзвѣмаша вѣтрн. н опѣрошасѣ храмннѣ тон. н падеса. н бѣ раздрѣошѣннѣ нѣмъ велѣе зѣло.. н бѣ нгда сѣконѣша ісѣ къ словеса си. днѣмѣмѣхѣсѣ. народн о оууѣннн нѣго. бѣ во зѣа ѣ. ѣко власть нмын а не ѣко кннѣнннн нхѣ н флнрсен . . .

Ч т е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а .

л. 145. 'Ευαγγέλιον κατὰ λουκᾶν. 'Επειδὴ περ πολλοὶ ἐπεχείρησαν ἀνατάξασθαι διήγησιν. περὶ τῶν πεπληροφορημένων ἐν ἡμῖν πραγμάτων. καθὼς παρέδωσαν ἡμῖν οἱ ἀπ' ἀρχῆς αὐτόπται καὶ ὑπηρέται γενόμενοι τοῦ λόγου. ἔδοξε καμοὶ παρηκολουθήκοτι ἄνωθεν πᾶσιν.

л. 255. Запись писца: Τὸ παρὸν τετραευαγγέλιον ἔγραφε διὰ χειρὸς Ἰωάννου ἀμαρτωλοῦ ἱερέως μηνὶ μαΐω. ιβ'. τοῦ ςϛϛζ. ἔτους (1199 г.).

Слова съ знаками препинанія: ἀμήν: . ἀμαρτίας.

Сокращенія и слова съ титлами: ἄφωνται, αὐτοῖς οὕτως. καὶ ἐπεῖν πορευόμενος. ἀνθρώπου.

Слова въ связи съ другими: α . , ἀφιεναί. ὑπάγε . ε . , ἔρχεται ἐφεράπευσεν . εἰς . ν . , τὴν λέγων . σ . , παντες σε .

V. С т и х и р а р ь н о т н ы й¹⁾.

Находится въ Русскомъ Императорскомъ Археологическомъ обществѣ подъ № 1-мъ.

Длина пергамина	6	в.
Ширина	$4\frac{5}{8}$	в.
Къ корешку	$\frac{3}{8}$	в.
Къ правой сторонѣ	$1\frac{1}{8}$	в.
Къ верху	$\frac{3}{8}$	в.
Къ низу	1	в.

Пергаментъ выдѣланъ хорошо, хотя и не такъ тонокъ. Кой гдѣ есть поврежденія въ немъ.

Писанъ скорописью въ одинъ столбецъ съ Греческими нотами на 258. листахъ. Помѣта тетрадей Греческая внизу съ правой лицевой стороны, а Грузинская помѣта, какъ замѣтилъ Г. Прозоровскій, вверху въ углу въ началѣ тетради, и въ концѣ тетради внизу послѣдней 16-й оборотной страницы. Число строкъ на страницахъ 21. Первая заставка по золотому фонѣ состоитъ изъ цвѣтовъ съ синею краскою, розовою и голубою. Прочія малыя заставки и заглавныя

¹⁾ Сей Стихирарь означенъ здѣсь подъ числомъ рукописей V, тогда какъ надо бы означить 1. До напечатанія описи сего Стихираря Г. Прозоровскимъ я не зналъ сей рукописи. По просьбѣ моей при содѣйствіи Г-на Библіотекаря ИМПЕРАТОРСКОЙ Публичной Библіотеки Ада- насія Θεοδωровича Вичкова эта драгоцѣнная рукопись 1106. года мнѣ лично доставлена Секретаремъ Общества и профессоромъ ИМПЕРАТ. С: П. Б. Университета Иваномъ Васильевичемъ Помяловскимъ 9. Апрѣля 1879. г. Глубокая моя имъ признательность за содѣйствіе и доставленіе ко мнѣ лично на домъ этой рукописи.

ἐπίστευσαν. ἀπεγραφησαν οἱ λαοὶ τῷ δόγματι τοῦ καισαρος. ἐπεγραφημεν οἱ πιστοὶ ὀνόματι θεότητος. σου τοῦ ἐνανθρώπων. θεοῦ ἡμῶν. μέγα σου τὸ ἔλεος Κύριε δόξα σοι.

каша. ѿтписашесѧ люде покаяннѧ кесарева. на-
писаномъса кѣрннѧ. л. 15. имена божьственоуоуоу.
тебе кѣуловѣушасѧ бога нашего. велика ти милость
господи слава тебе: .

По прѣд. 5. Ангельскыя прѣдѣдѣте сны. въ вифлѣомѣ оуготоуанте ксли. слово бо рожается. премоудрость приходитъ. прими цѣлованне църкы на радость богородици. люде рѣуимъ. благословенъ рожнѧса богъ нашъ слава тебе: .

Троубыны гласъ кѣрннѧте пастырѧ. словеса кѣннѧсткына. ѿткѣрзѣте кѣлси. хѣлми радостноу приѣдѣте дѣцѣри цѣсарекы. на радость богородици люде рѣуимъ благословенъ рожнѧса.

Радость ради моуже пенскоуына ма рѧ престала естъ оубо. прѣѣтыцѣска пѣуаль. несъзѣданы ра-
жѣется. безъ ѿтыца исходитъ, дѣньсь прѣлѣсть по лѣтисѧ. рожынамога ради цѣсѧра. люде рѣуимъ. благословенъ рожнѧса: .

φ. 68. ηχ. ᾠ. Ἐυφραίνεσθαι δίκαιοι. οὐρανοὶ ἀγαλλιασθαι. σκηρτησάται τὰ ὄρη. χριστοῦ γεννηθέντος. παρθενος καθέζεσθαι τὰ χερουβὶμ μιμουμένη. βαστάζουσα ἐν κόλποις θεον λόγον σαρκωθέντα. φ. 68 οἱ. ποιμενες τὸν τεχθέντα δοξάζουσιν. μάγοι τῷ δεσποτῇ δῶρα προσάγουσιν. ἄγγελοι ἀνυμνοῦντες λέγουσιν. ἀκατάληπτε Κύριε δόξα σοι.

л. 15. об. Кеселнтеса правдыни. не бѣса радѣушнтеса. кѣзыгрнтеса горы хрнстоу рожышоуѧ. дѣкѧа бо сѣднтъ хѣрокимѣу подобѧнѧса. носѧци на лонѣ божне слово кѣнѣцѣсно. пастырѧ роженоуѣмоу дѧкѧтѣса. кѣлѣски вѧдѣцѣ дѧрѣ приносѧтъ. ангѧли кѣсѧтѣкѧющѣ глѧголахоу. не постыжнѣе господи слава тебе: .

Нх. ᾠ. Θεοτόκε παρθένε, ἡ τεκούσα τὸν σωτήρα ἀντρέψας τὴν πρώτην καταραν τῆς εὐας. ὅτη μητὴρ γεγωνας τῆς εὐδοχίας τοῦ πατρὸς. βαστάζουσα ἐν κόλποις θεον λόγον σαρκωθέντα. οὐ φέρει τὸ μυστήριον ἐρευνᾶν. πιστοι μονη τουτον παντες δοξάζωμεν. κράζοντες. μετὰ σου καὶ λέγοντες. ἀνερμηνευτε Κύριε δόξα σοι.

Богородице дѣко. рожынн сѧласѧ. оуирази кѧтѣкоу нѣркоуѣо еѣжнѣмоу ако мати кѣстѣ благоволенѧ ѿтыца носѧци на лонѣ божнѧ слока кѣнѣцѣренѧ. не тѣрпнтѣ тѧнѧа испѣтаннѧа. кѣроуѣо еѣннѣоу сѧю прослѧвнѣмъ. кѣннѣющѣ сѧ тобоуѣ и глѧгомощѣ. не нѣздрѣуѣнѣе господи слава тебе: .

Нх. ᾠ. Δεῦται ἀνυμνησωμεν. τὴν μητέρα τοῦ σωτήρος. τὴν μετὰ τόκον πάλιν. ὠφθησαν. παρθενον. χαιροις πόλις ἐμψυχε τοῦ βασιλεως καὶ θεοῦ. ἐν ἡ χριστὸς οἰκησας σωτηρίαν ἠργάτατο. μετὰ τοῦ γαβριὴλ ἀνυμνήσωμεν. μετὰ τῶν ποιμένων δοξάσωμεν. κράζοντες. θεοτόκε πρέσβευε. τῷ ἐκ σου σαρκωθέντι σωθῆναι ἡμᾶς.

Приѣдѣте кѣсхѧлнѣмъ матерѣ сѧласѣоуѣ. пакы по рожьстѣ аѣленѣоу дѣкоу. л. 16. радѣушѧа граде доушѣкынын. цѣсѧра и бога. кѣ немъ же хрнстоу по-
жнѣмъ. сѧласѣнне сѣдѣмъ. сѧ глѧрилѣмъ поѣмъ тѧ. сѧ пастырѧ прослѧвнѣмъ. кѣннѣющѣ. богородице молнѧса кѣнѣцѣсноуѣмоу не тебе сѧнѧстѧса намъ: .

ηχ. ᾠ. Ὁ πατήρ ηυδοκησεν. ὁ λόγος σὰρξ ἐγένετο. καὶ ἡ παρθενος ἔτεκεν θεὸν ἐνανθρωπήσαντα ἀστὴρ μηνυει. μάγοι προσκυνουσιν. ποιμενες θαυμάζουσιν. καὶ ἡ κτίσις ἀγάλλεται. ¹⁾).

Слѧ и ѣ.

Отѣцѣ нѣзѣоимѣ естъ. и нѣлѣтъ бѣстѣ. и дѣкѧа родѧ бога кѣуловѣушасѧ. зѣзѣдѧ кѣзѣцѣлѣтъ. кѣлѣски вѧдѣцѣтѧ. пастырѧ дѧкѧтѣса. и тѣварѣ радѣуѣтѣса: .

φ. 67 οἱ. ηχ. ᾠ. Σήμερον ο χριστὸς ἐν βηθλεὲμ γεννᾶτε ἐκ παρθένου. σήμερον ὁ ἀναρχος ἄρχεται καὶ ὁ λόγος σαρκοῦται. αἱ δυνάμεις τῶν οὐρανῶν ἀγάλλονται. καὶ ἡ γῆ σὺν τοῖς ἀνθρώποις εὐφραίνεται. οἱ μάγοι τὰ δῶρα προσφέρουσιν. ὁ ποιμεναὶς τὸ θᾶμα θαυμάζουσιν. ἡμεῖς δὲ ἀκαταπαυστως βοῶμεν, δόξα ἐν ὑψίστοις θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνη ἐν ἀνῶις εὐδοκία.

Гл ѧ. ѧ. Дѣньсь хрнстоу кѣ вифлѣомѣ рѧжѣтѣса ѿтѣкѧнѧа. дѣньсь безнѧуѧлѣнын зауѧло приѣмлѣтъ. и слово кѣ нѣлѣтъ бѣкѣлѣтъ. снѧты неѣсѣснѧа радѣуѣтѣса. зѣ-
мѧа сѧ уловѣкы кесѧлнтѣса. кѣлѣски вѧдѣцѣ дѧрѣ приносѧтъ. пастырѧ ѿ уѣодѣси дѧкѧтѣса. мыѣе. не-
прѣстѧющѣ кѣннѣмъ. л. 16. об. слава кѣ кѣшѣннѧхъ богоуѣ и на земѧи мѣрѣ кѣ уловѣцѣхъ благоволеннѣ: .

Пѣ. Дѣньсь кѣзнауѧлѣнын. ѿтыцо сынѣ нѣнахѣтѣкѣ приѣмлѣтъ. дѣньсь несѣзѣдѧнын зѣжѣтѣса. испѣлннѧ сѧмѣтѣрѣтѣса. неѣснѧми неѣприѣкоснѣкѣнын. ѿѣнѣкѣтѣса (sic) кѣ жѣлѣхъ хрнстоу нѣоѧгѣтѣса. оужѣ нѣстѣ нѧ-
уѧа вѧтѣкѧнѧаго. радѣстѧи бо нѣдѧтѣлѣ рѧжѣтѣса. о уѣодо. ѿ оуѣдѣкѣленнѣ. ѿ бѧлѣгѣстѧи кѣннѣстѧноуѣ сѧ намѧ хрн-
стоу. кѣ еѣннѣо рѧстоуѧнѧса. сѧмѣшѣнне сѧнѣрѧа: .

¹⁾ Въ Славянскомъ Стихирарѣ XII в. эта стихира прежде написана предъидущей.

Π δ. Ζηжеться е҃гоже нѣрека ѡтъць ражасть. прѣже дньница ражасться богъ. е҃гоже повелѣннѣю поклноу-
ются со҃щѣа. къ ѡтъцнхъ възгашенне прнходнтъ. къ пророцѣхъ прорече҃нне раздрѣшається. прѣстолъ
дакыдовъ. ѡбнаклається. ѡтъ нюдѣ кѣназь ѡскоудѣ. л. 17. звѣзда. ѡтъ нѣкова кѣснѣ. прнде богъ ѡтъ
оуга. донтъ дѣкнѣа. адамъ ѡбнаклається: .

φ. 69 об. ηχ. η̃. (5). Μαγοι περσων βασιλεὺς. ἐπι-
γινῶντες σαφῶς. τὸν ἐπὶ γῆς τεχθέντα βασιλέα ουρανων.
ὑπὸ λαμπροῦ ἀστέρως ἐλκομενοι εφθασαν. ἐν βηθλεὲμ δῶρα
προσφέροντες ἐγκριτα. χρυσον καὶ λιβανον καὶ σμύρναν.
καὶ πεσόντες προσεκύνησαν. ἰδὼν γὰρ ἐν τῷ σπηλαίῳ. βρε-
φος κείμενον τὸν ἄχρονον.

φουλ. 70. ηχ. η̃. (6). Χορεύουσιν ἀγγελοι παντες. ἐν
οὐρανῷ. καὶ ἀγάλλονται σημερον σκηρτάτῳ πᾶσα ἡ κτισις.
διὰ τὸν γεννηθέντα ἐν βηθλεὲμ. σωτήρα κύριον. ὅτι πᾶσα
πλανὴ τῶν εἰδώλων πεπαυται. καὶ βασιλεύει χριστὸς εἰς
τοὺς αἰῶνας.

ηχ. η̃. (6). Δόξα ἐν ὑψίστοις θεῷ καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνῃ.
σημερον δέχεται ἡ βηθλεὲμ τὸν καθήμενον δια παντὸς σὺν
πατρὶ. σήμερον ἄγγελοι τὸ βρεφος τὸ τεχθέν. θεοπρεπῶς
δοξολογοῦσιν. δόξα ἐν ὑψίστοις θεῷ. καὶ ἐπὶ γῆς εἰρήνῃ
ἐν ἀνθρώποις εὐδοκία.

φουλ. 70 об. η̃. (6). Σήμερον. ἡ ἄορατος φύσις. τοῖς
κροτοῖς ἐκ παρθένου συνάπτεται. σήμερον ἡ ἀπῆρος οὐσία
ἐν βηθλεὲμ σπαργανοῖς ἐνηλῆσsetαι. σήμερον ὁ θεός. δι
ἀστέρως μάχους εἰς προσκύνῃσιν ἀγει. προμηρυων αὐτοῦ τὴν
τριήμερον ταφὴν. ὡς ἐν χρυσῷ. καὶ σμυρνῇ καὶ λιβανῷ.
δι οὐ ψάλλομεν ὁ σαρκωθεὶς ἐκ παρθενου. χριστέ ὁ θεὸς
σῶσον τὰς ψυχὰς ἡμῶν.

ηχ. η̃. (8). Παραδοξον μυστηριων οικονομειται σημε-
ρον καινοτομουνται (sic) φυσις. καὶ θεος ἄνθρωπος γηνε-
ται. οπερ ἦν μεμενηκεν. καὶ ὁ οὐκ ἦν προσελαβεν. οὐ φου-
ρον ὑπομεινας οὐδε διαίρεσιν.

φουλ. 137 об. Μηνὶ τῷ αὐγούστῳ λ̃. τῆς τιμίας ζωνης.

ηχ. η̃. Ὡς στεφανον ὑπερλαμπρον παραχραντε θεοτοκαι
(sic). τὴν ζωнин σου τις ἀγίαν. ἡ ἐκκλησια τοῦ θεοῦ πε-
ριεθετω. καὶ φαιδρύνεται χαιρουσα σιμερον. καὶ μυστικῶς
χωρέυει δέσποινα ἐκβοῶσα σοι. χαῖρε. διαδιμα τιμιον. καὶ
καὶ στεφανε, τῆς θείας δοξις. χαῖρε. μονη δόξα τοῦ πλη-
τώματος καὶ εἰωνιος εὐφροσύνη. χαῖρε τῶν ἱεπροστρεχον-
ρων. λιμιν καὶ προστασια καὶ σωτηρηα ἡμῶν.

φουλ. 210 об. 2-я стихира на св. Пасху. ηχ. ᾠ.

Ἀναστασεως ἡμέρα καρποφορησωμεν ἑαυτοὺς. τῷ τιμηωτατον κτιμα καὶ οἰκίωτατον. ἀποδῶμεν τι εἰκόνι τὸ κατ'
εἰκόνα γνωρίσωμεν ἡμῶν τὸ ἀξίωμα φουλ. 211. τιμησωμεν τὸ ἀρχέτυπον. γινῶμεν τοῦ μυστηριου τὴν δυναμιν. καὶ
ὑπὲρ τινος χριστὸς ἀπέθανεν. ἵνα ἡμᾶς τοὺς νεκρωθέντας ἐπαράξῃ πρὸς ζωὴν. ὡς μονος ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος.

Ѣ. Вѣльсви нѣрсьстини цѣсарѣ. оуѣдѣвъше моудро
на земан. рожьшагоса цѣсарѣ небеснааго. ѡтъ свѣтъ-
лыа звѣзды водниии прндостнгоша. къ кнфлѣомѣ да-
рѣ прнносѣше уѣстынѣса. злата и лнканъ и змюрноу.
и падъше поклонншасѣ. кнѣша бо къ къртъпѣ. мал-
дѣньцѣ лежащѣ бездѣтънѣ: .

Лнкоуѣтъ ангелн късн на небесѣхъ. и радѣуѣются
дньсѣ. нграѣтъ же всѣ съзѣданнѣ. рожьшагоса радн
къ кнфлѣомѣ. съпаса и господа. ако всѣ съблзнь
пѣдольскаѣ ѡтъпаде. и цѣсарьствоуѣтъ христосъ къ вѣ-
кѣ.

Ѣ. Слава къ вѣшнннхъ богоу. и на земан мнрѣ.
дньсѣ къспрнмаетъ л. 17. об. кнфлѣомѣ. съдащѣла-
го кынноу съ ѡтъцемѣ. дньсѣ ангелн малдѣньца ро-
жьшаагоса боголѣбно славословатѣ. слава къ вѣшнѣ-
ннхъ богоу. и на земан мнрѣ. къ уловѣуѣхъ благо-
воленне: .

Ѣ. Дньсѣ неклднмѣе ѣстъство земьнѣнмѣ. ѡтъ
дѣкѣ съкѣкѣуѣмаетъсѣ. дньсѣ ѣскоуѣсно со҃щѣство.
къ кнфлѣомѣ пеленамн поклнваетъсѣ. дньсѣ богъ звѣ-
здою кѣлхвѣ на поклоненне прнводнтѣ. прѣдѣкѣзкѣ-
щѣа скѣе трнднсьѣннѣе погрѣснне. ако злато. и лн-
канъ и змоурноу. тѣмѣ къспонмѣ. кѣлѣтънкѣнѣса
ѡтъ дѣкѣ хрнсте боже съпасаи доуша наша: .

Преславное таинсѣство. съмѣтрнѣа дньсѣ. ѡбнак-
лаѣются сѣтѣсѣтка. и богъ уловѣкъ бѣваетъ. е҃же бѣ
прнѣысть и е҃гоже не бѣ прнѣатѣ. не съмоуѣренне прѣтъ-
рѣкѣ. нн раздѣленне: .

л. 96. об. Мѣа тѣ (Авгѣста) къ л̃ ст̃ѣн к̃ѣн
полѣ. по жса гл̃а. к̃.

Ако кѣнѣцѣ прѣскѣтълѣ. прѣуѣстѣа богороднѣе. по-
асѣ твои скатѣн. цѣркѣ божнѣа прѣказасѣ. и скѣтнѣ-
сѣ радѣуѣннѣсѣа дньсѣ. и таинѣо лнѣѣствоуѣтъ. кѣл-
дѣуѣнѣе кѣннѣуѣннѣ ти. л. 97. радѣуѣсѣа. оуказѣнне уѣстъ-
ноѣ. и кѣнѣцѣ божнѣа сѣлѣкѣ. радѣуѣсѣа. ѣдннѣа сѣлѣкѣ
сѣкѣрнѣннѣю. и кѣуѣноѣе вѣсѣлнѣе. радѣуѣсѣа. къ тебѣ
прнѣкѣуѣннѣмѣ прнѣтаннѣе нзѣкѣленне. и съпаса-
ннѣ наше: .

3. ηχ. ᾠ. Τῆς λαμπρᾶς καὶ ἐνδόξου ἐορτάσῃ μου ἀναστάσεως. τὰ σύμβολα λαβοῦσαι. αἱ τοῦ Κυρίου μαθηταί. ταῦτα τοῖς ἀποστόλοις. εὐηγγελίζοντο λέγουσαι. μηκέτι κρύπταισθαι. ἀλλὰ κηρύσσεται τοῦ σωτήρος ἡμῶν τὴν τριήμερον ἔγερσιν. τὸν ἄδην γὰρ ἐσχύλευσεν. καὶ ἡμῖν ἐδωρήσατο. ἀφθαρσίαν καὶ ζωὴν καὶ ἀνάστασιν ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος.

4. ηχ. β. Πάσχα κυρίου ἐορτάζετω σήμερον ὁ συμπας κόσμος. ὑπὲρ ἡμῶν γὰρ ἐτύθη χριστὸς ὁ σωτὴρ ἡμῶν. ἡνὰ ἡμᾶς. ἐξαγοράσει ἐκ τῆς καταρας τοῦ νόμου. τῷ ἐκουσίῳ καὶ ζωοποιῷ αὐτοῦ πάθῃ. ὡς δυνατὸς καὶ μόνος ἀθάνατος.

5. ηχ. πᾶ. (5). Ἀναστάσεως ἡμέρα. καὶ λαμπρυνθώμεν πανηγυρῇ. καὶ ἀλλήλοις περιπτύξωμεθα. εἰπώμεν ἀδελφοί. καὶ τοῖς μισοῦσιν ἡμᾶς. συγχωρίσωμεν παντα τῇ ἀναστάσει. καὶ οὗτος βοήσωμεν. χριστὸς ἀνέστη.

Чт е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м ѡ а

л. 210. об. Τῇ ἀγία καὶ μεγάλη κυριακῇ τοῦ πάσχα. ηχ. ᾠ. Ἰωάννου (Δαμασκηνου).

Σήμερον σωτηρία τῷ κόσμῳ. ὅσος τε ορατός. καὶ ὅσος αοράτος χριστὸς ἐκ νεκρῶν συνεγείρεσθαι. χριστὸς εἰς ἑαυτὸν ἐπανέλθεται. χριστὸς ἐκ τάφου ἐλευθερωθῇ. τῶν δεσμῶν τῆς ἁμαρτίας. πύλαι αἰῶν ἀνύγονται. καὶ θάνατος καταλύεται. καὶ ὁ παλαιὸς ἀδάμ ἀποτίθεται. καὶ ὁ νεὸς συμπληροῦται. εἴτις ἐν χριστῷ καὶ νικητὴς ἀνακαινισθητῇ. πάσχα κυρίου πάσχα. καὶ πάλιν ἐν ᾧ πάσχα τῆς τριάδος. αὕτη ἡμῖν εὐρωτων εὐρωτῇ. αὕτη πανηγυρίς ἐστὶ πανηγυρεως. ἐν ταυτῇ γὰρ χριστὸς ἀνέστη ἐκ νεκρῶν. φωτίζων τοὺς ἐν σκοτῇ καὶ σκιά. καὶ σωζων τοὺς υἱοὺς τῶν γιγενῶν. ὡς ἀγαθὸς καὶ φιλόανθρωπος.

φυλ. 258 об. Γράψαντα προστάξαντά χριστε μου σῶσον. ἐκ προσταγῆς λαυρεντίῳ εὐτελεῖ μονοτρόπῳ. καὶ δομεστίκῳ τῆς σεβασμίας μονῆς. τῆς ὑπεραγίας θεοτόκου. τῆς τοῦ βατοπεδίου. τῆς ἐν τῷ ἀγίῳ ὄρει. ἐπιγράψαντα μεν. κεφαλαίοις τε καὶ οὐδαμινοῖς χρυσοῖς γράμμασι καὶ ἑξομπλίοις. σὺν τῷ ἀμφιάσματι. ὁ εὐτελεῖς ἱερεὺς ἀνθῆς. ξένου πάσης ἀρετῆς καὶ τῶν ἰδίων. ἐτελειώθη δὲ τὸ παρὸν στιχηράριον. ἐπὶ βασιλείας ἀλεξίου μεγάλου βασιλέως ρωμαίων τοῦ κομνηνοῦ. Μηνὶ μαίῳ λᾶ. ἰνδικτιώνος ιϛ. ἔτους ςϛϛιϛ. (1106 г.) οἱ ἐντυγχάνοντες εὐχεσθε ἀμφ...

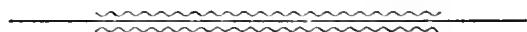
φυл. 68. Ἰησοῦ. ὠδῇ. Ѣ. Στηλῃ κακίας ἀντιθεοῦ παῖδες θεοὶ παρεδιδραμίσαν. κατὰ χριπτοῦ δε φρουαττόμενον ἀνόντων συνεδρίον. βουλευσασθαι κενα. κτείνει μελίτα. τὸν ζωῆς κρατοῦντα παλαμῇ. οὐ πάντα κτισίς εὐλόγεῖ δοξάζουσα εἰς τοὺς αἰῶνας.

Заставки. Крестообразно по одной буквѣ написанныя заглавія нѣкоторыхъ стиховъ съ четвероконечнымъ крестикомъ вверху: † τῶν ἐκκενίων не το δοξα (ἐν ὑψίστοις) † τοῦ τημερου σταυρῷ. † τοῦ ἀγίου νεστορος. † τῆς ἀγίας θεοτόκου τὰ ἀγία τον ἀγίον. Первая изъ сихъ написана на полѣ стихирѣ начинающейся: χαῖρε ἔμψυχε ναи, θεοτοкаи μητηρ ἀνύμφευτε. на л. 138 об. Вторая на полѣ стихирѣ начинающейся: Ποιος νοῦς. ἄξιός ἡμνησεῖ σε πανάγχε σταυρε, на л. 137 об. Третья на полѣ той же страницы стихирѣ начинающейся: Αητιτος στραταιότης νεστορ.. 4-я на полѣ стихирѣ начинающейся: Γεγηθότες σήμερον τὴν θεοπαιδα πάντες μετὰ τῶν ἀσომάτων προκονπὴν ἐκτελέσομεν на л. 138.

Заглавіе стихираря написанное уставомъ и мѣстами вязью: Стиχηράριον сун θεω τε ολν χρονв μηνι σεπτεμριω. ᾠ. Αρχή τῆς ἰνδικτιωνος καὶ μνημη τε ὁσίου πατρὸς ἡμῶν συμεωνος τε στυλίτε. Заглавные буквы.

Сокращения и слова съ титлами: μητεραν χριστε. ἀφθορος εὐθεως τῷ καιρῷ λόγε θεοῦ. φιλόανθρωπε τιναῖσται. χριστε ὁ θεὸς ἄσπορος σταυρῷ καί. Слова съ знаками препинанія: ἀληθῶς ζωῆς: Буква З перечеркнутая по срединѣ. Нѣкоторыя буквы въ соединеніи съ другими: α, αγνοουν. ε, ευγνωμων ἐβόησεν ἐξηρευνήσας μετὰ νεκροῖς. ν, οὐν. σ, δεσπότην. ἐπέστη λογισθῆς. тессара κράτους σου. τ, εστισαν.

Скорописная азбука.



О Г Л А В Л Е Н І Е

ХІ-й ВѢКЪ.

Стран.	Стран.
Бесѣды св. Іоанна Златоустаго на Евангеліе отъ Матѳея 1006-го года 1 — 4	геліе Матѳея, 1052-го года. 40. 41
Евангеліе по недѣлямъ 1020-го года. 5 — 6	Евангеліе по недѣлямъ 1056-го года. 42. 43
Канонникъ Богородичный 8. гл. 1022 г. 7—19	Четверо-Еванг. съ толкованіемъ 1062. г. 44—46
Сборникъ житій святыхъ и похвалныхъ имъ словъ 1022-го года. 19—28	Житія нѣкоторыхъ святыхъ и похвалныхъ имъ словъ 1065-го года. 46—49
Сборникъ житій святыхъ 1023 . г. 29—35	Сочиненія святаго Іоанна Дамаскина 1069-го года. 50—52
Евангеліе по недѣлямъ 1034-го года. 35—37	Апостоль съ Апокалипсисомъ 1072. г. 52—56
Евангеліе по недѣлямъ 1044. г. 37—39	О подвижничествѣ св. Василія Великаго 1086-го года. 57—59
Бесѣды св. Іоанна Златоустаго на Евангеліе Матѳея, 1052-го года. 40. 41	

ХІІ-й ВѢКЪ.

Стран.	Стран.
Постановленія Апостольскія 1111-го года. 59—65	Житіе преп. Нифонта. 1126-го года. 68—71
Паремейникъ. 65—68	Четверо-Евангеліе 71—73
	Стихирарь 1106. г. 74—78

Оглавленіе Древле - Славянскаго перевода съ означеніемъ времени написанія и рукописи, изъ которой заимствованъ переводъ.

Стран.	Стран.
Изъ перевода Константина Пресвитера XIII в. Синод. Библіотеки. 1 — 4	49. бесѣды. 40. 41
Изъ Юрьевского Евангелія 1118—28. Воскресенской Ново-Іерусалимской Библіот. въ недѣлю Пятдесятницы и субботу 1-ю поста. 5. 6	Изъ Четверо-Евангелія 1144-го года. Синод. Тип. Библіотеки, въ субботу 1-ю и недѣлю 1-ю поста. 42. 43
Изъ Канонника Богородичнаго XV в. Рум. музея Канонъ Богородицѣ въ недѣлю вечера гласъ 7-й. 8. 10	Изъ Четверо-Евангелія XII в. Свн. Тип. Библ. изъ Еванг. отъ Марка. 45. 46
Канонъ въ бездождіе изъ Канонника XV. вѣка Свн. Библіотеки. 10—13	Изъ сборника житій и поученій XV в. моего собранія. краткая выписка въ 16-й день Августа. 49
Канонъ трусу изъ Октябрской минеи XV—XVI в. моего собранія. 13—16	Изъ св. Іоанна Дамаскина въ переводѣ Іоанна Екзарха Болгарскаго XII. в. Синод. Библ. объ Антирхистѣ. 50. 51
Канонъ умиленный Богородицѣ изъ Часослова XIII—XIV в. Свн. Тип. Библ. 16—18	Изъ толковаго Апостола 1220 г. 1. Кор. гл. 1. и 2. 54—56
Дѣяніе св. Апостола Фомы, изъ сборника XVII в. моего собранія. 22—28	Изъ Пролога XIII в. Синодальной Библіотеки слово святаго Василія Великаго о наказаніи како есть лѣпо черноризцемъ быти 57—59
Житіе св. Θεодора Едесскаго изъ собранія рукописей Библіотеки Ундольскаго. 30—34	Изъ Четвероевангелія XII в. Синод. Тип. Библіотеки гл. VI. и далѣе. 71—74
Изъ Евангелія по недѣлямъ XII в. Свн. Тип. Биб. въ Вторникъ сыропустный. 35—37	Изъ Стихираря 1156 — 1166. г. Соф. Новгор. Библіотеки на Стихиры въ вечеріе Рождества Христова. и одна стихира въ 31. день Августа. 75—77
Изъ Евангелія 1164. г. Рум. музея, въ недѣлю 6-ю по пасцѣ 37—39	
Изъ перевода Константина Пресв. XIII. в.	

О П Е Ч А Т К И.

		НАПЕЧАТАНО.	ДОЛЖНО ЧИТАТЬ.
стран.	строка.		
1	20 снизу.	заглавныя	заглавныя
5	3 —	овбыковенымъ	обыкновеннымъ
19	8 свѣрх.	XI.	IV.
85	15 —	краскою	краскою.
37	14 свѣрх.	писанъ	писано
46	6 снизу.	ρωμην	ρωμης
47	12 свѣрх.	обличенный	облаченный.
—	17 снизу.	Διοκλητιανοῦ μαξιμιανοῦ оканчивается	Διοκλητιανοῦ Μαξιμιανοῦ оканчивается
50	15 свѣрх.	фонѣ	фону
52	9 —	1073.	1072.

ДОПОЛНЕНИЕ

КО II. ТОМУ ГРЕЧЕСКОЙ ПАЛЕОГРАФИИ.

ЕВАНГЕЛИЕ ПО НЕДЕЛЯМЪ.

Находится въ Библіотекѣ Алексѣя Ивановича Хлудова.

Длина пергамина.	$5\frac{2}{8}$ в.
Ширина.	$3\frac{6}{8}$ в.
Къ корешку	$\frac{3}{8}$ в.
Къ правой сторонѣ	$\frac{6}{8}$ в.
Между столбцами.	$\frac{3}{8}$ в.
Къ верху.	$\frac{5}{8}$ в.
Къ низу.	$1\frac{1}{8}$ в.

Писано на пергаминахъ скорописью въ два столбца на 174-хъ листахъ. Сначала недостаетъ до сихъ словъ среды 4-й недѣли по пасхѣ: σαββάτω. μὴ κρίνετε κατ' ὄψιν... Заглавія и заглавныя буквы писаны киноварью и наведены творенымъ золотомъ. Заглавныя буквы и заставки фигурны. Зеленая краска въ заставкахъ проѣла тонкій пергамень во многихъ мѣстахъ. Надъ текстомъ означены киноварью ноты для чтенія. На оборотѣ 59. листа нарисованъ Евангелистъ Матѳей. Онъ сидитъ на сѣдалищѣ съ не высокою спинкою, и съ красною подушкою на немъ. Противъ Евангелиста столъ, на которомъ утвержденъ налойчикъ съ раскинутымъ длиннымъ свиткомъ. У него правая рука положена на правое колѣно, а лѣвою облокотился на лѣвую ногу. Лице стерто, особенно глаза, а потому выраженіе его трудно опредѣлить. На оборотѣ 94. листа нарисованъ Евангелистъ Лука, сидящимъ на стулѣ съ высокою полукруглою спинкою, съ подножіемъ, столикомъ предъ нимъ съ письменными и живописными принадлежностями, и утвержденнымъ сзади налойчикомъ, на верху коего растинутъ написанный пергаменный листъ. У него на колѣнахъ лежитъ часть свитка съ слѣдующими писанными словами: εὐαγγέλιον κατὰ λουκᾶν. Волосы на головѣ и бородѣ короткіе, лице задумчивое. Въ концѣ Евангелія во св. великій четвертокъ вверху страницы нарисованъ пѣтухъ. Онъ нарисованъ въ концѣ Евангелія 3-го на страсти Господни, По пятидесятницѣ Евангелій въ Понедѣльникъ, Вторникъ, Среду, Четвертокъ и пятницу не положены. Съ 126. листа начинается Синаксарь, гдѣ положены Чтенія Евангелій на праздники и избраннымъ святымъ. На послѣдней страницѣ киноварью написана слѣдующая запись писца: ἐτελειώθη ἡ βιβλος αὕτη διὰ χειρὸς παντολέοντος. καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες εὐχεσθε διὰ τὸν κύριον δεήθητε τοῦ κυρίου καὶ τὸ κύριον ἐλέησον λέγετε ᾠ.

Ἐγράφη ἐπὶ κωνσταντίνου βασιλέως τοῦ μονομάχου καὶ ἐπὶ πατριάρχου μιχαήλ κερουλαρι. (1043 г.)

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

φ. 26—30 об. Σάββατον ᾠ. κατὰ ματθέον

Εἶπεν ὁ κς. τῷ αἰτοῦντι σε δίδου καὶ τὸν θέλοντα ἀπὸ σου δανείσασθαι μὴ ἀποστραφῆς. ἡκούσατε, ὅτι ἐρρέθη. ἀγαπήσεις τὸν πλησίον σου καὶ μισήσεις τὸν ἐχθρόν σου. ἐγὼ δὲ λέγω ὑμῖν. ἀγαπᾶτε τοὺς ἐχθροὺς ὑμῶν. εὐλογεῖτε τοὺς καταρωμένους ὑμᾶς. καλῶς ποιεῖτε τοῖς μισοῦσιν ὑμᾶς

Изъ Евангелія Карпинскаго XIII в.

л. 28. 29. Сѣбота ѿ. нѣ. ѿ мѣсѣ . :

Рече ꙗко просащому ѿ тебе дан . : . и хотащемоу ѿ тебе зажити не ѿврати . : . слышасте яко речено есть . : . възлюбихи ближнѣго своего . : . и възненавидихи врага своего . : . азъ же глаголю вамъ можете врагы ваша . : . блаженъ кто возлюбитъ врага своего . : . добро тво-

καὶ προσεύχεσθε ὑπὲρ τῶν ἐπηρεαζόντων ὑμᾶς καὶ διωκόντων ὑμᾶς. ὅπως γένησθε υἱοὶ τοῦ πατρὸς ὑμῶν τοῦ ἐν οὐρανοῖς. ὅτι τὸν ἥλιον αὐτοῦ ἀνατέλλει ἐπὶ πονηροὺς καὶ βρέχει ἐπὶ δικαίους καὶ ἄδικους. ἐὰν γὰρ ἀγαπήσητε τοὺς ἀγαπῶντας ὑμᾶς. τίνα μισθὸν ἔχετε. οὐχὶ καὶ οἱ τελῶναι τὸ αὐτὸ ποιοῦσι. καὶ ἐὰν ἀσπάσῃσθε τοὺς φίλους ὑμῶν μόνον τι περισσὸν ποιεῖτε. οὐχὶ καὶ οἱ τελῶναι οὕτως ποιοῦσιν. ἔσεσθε οὖν ὑμεῖς τέλειοι ὥσπερ ὁ πατὴρ ὑμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς τέλειος ἔστιν.

Κυριακῇ α'. καὶ τῶν ἁγίων πάντων. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαίου.

Εἶπεν ὁ κύριος. πᾶς ὅστις ὁμολογήσει ἐν ἐμοὶ ἔμπροσθεν τῶν ἀνθρώπων ὁμολογήσω καὶ γὰρ ἐν αὐτῷ ἔμπροσθεν τοῦ πατρὸς μου. τοῦ ἐν οὐρανοῖς. ἔστις δ' ἂν ἀρνήσῃται με ἔμπροσθεν τῶν ἀνθρώπων ἀρνήσομαι αὐτὸν καὶ γὰρ ἔμπροσθεν τοῦ πατρὸς μου τοῦ ἐν οὐρανοῖς. ὁ φίλων πατέρα ἢ μητέρα ὑπὲρ ἐμέ. οὐκ ἔστι με ἄξιος. καὶ ὁ φίλων υἱὸν ἢ θυγατέρα ὑπὲρ ἐμέ οὐκ ἔστι μου ἄξιος. καὶ ὅς οὐ λαμβάνει τὴν σταυρὸν αὐτοῦ καὶ ἀκολουθεῖ ὀπίσω με, οὐκ ἔστι με ἄξιος. ἀποκριθεὶς δὲ ὁ πέτρος εἶπεν αὐτῷ. ἰδοὺ ἡμεῖς ἀφήκαμεν πάντα καὶ ἠκολούθαμεν σοι. τί ἄρα ἔσται ἡμῖν. ὁ δὲ ἰησοῦς εἶπεν αὐτοῖς. ἀμὴν ἀμὴν λέγω ὑμῖν. ὅτι ὑμεῖς οἱ ἀκολουθήσαντές μοι ἐν τῇ παλιγγενέσια. ὅτ' ἂν καθίσῃ ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου ἐπὶ θρόνου δόξης αὐτοῦ καθίσεσθε καὶ ὑμεῖς ἐπὶ δώδεκα θρόνους κρίνωντες δώδεκα φυλάς τοῦ Ἰσραὴλ. καὶ πᾶς ὃς ἀφῆκεν οἰκίαν ἢ ἀδελφοὺς ἢ ἀδελφάς. ἢ πατέρα ἢ μητέρα ἢ γυναῖκα. ἢ τέκνα. ἢ ἀγροὺς ἕνεκεν τοῦ ὀνόματος μου. ἐκατονταπλασίοντα λήψεται. καὶ ζωὴν αἰώνιον κληρονομήσει. πολλοὶ δὲ ἔσονται πρῶτοι ἔσχατοι. καὶ ἔσχατοι πρῶτοι.

и приемъ . : . и животъ вѣчный наследитъ . : . и послѣднии пръвни . : .

Σαββάτω. β'. κατὰ ματθαῖον.

Εἶπεν ὁ κύριος. μὴ κρίνετε. ἵνα μὴ κριθῇτε. ἐν ᾧ γὰρ κρίματι κρίνετε, κριθήσεσθε. καὶ ἐν ᾧ μέτρω μετρεῖτε μετρηθήσεται ὑμῖν. τί δὲ βλέπετε τὸ κάρφος τὸ ἐν τῷ ὀφθαλμῷ τοῦ ἀδελφοῦ σου, τὴν δὲ ἐν τῷ σῶ ὀφθαλμοῦ δοκὸν οὐ κατανοεῖς. ἢ πῶς ἐρεῖς τῷ ἀδελφῷ σὺ ἄφες ἐκβάλω τὸ κάρφος ἀπὸ τοῦ ὀφθαλμοῦ σου. καὶ ἰδοὺ ἡ δοκὸς ἐν τῷ ὀφθαλμοῦ σου. ὑποκριτὰ ἐκβαλε πρῶτον τὴν δοκὸν ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ σου καὶ τότε διαβλέψεις ἐκβαλεῖν τὸ κάρφος ἐκ τοῦ ὀφθαλμοῦ τοῦ ἀδελφοῦ σου. μὴ δῶτε τὸ ἅγιον τοῖς κυσί. μὴ δὲ βάλητε τοὺς μαργαρίτας ὑμῶν ἔμπροσθεν τῶν χοίρων. μήποτε καταπατήσωσιν αὐτοὺς ἐν τοῖς ποσίν αὐτῶν. καὶ στραφέντες ῥήξωσιν ἡμᾶς. αἰτεῖτε καὶ δοθήσεται ὑμῖν. ζητεῖτε καὶ εὐρήσετε κρούετε. καὶ ἀνοιγήσεται ὑμῖν. πᾶς γὰρ ὁ αἰτῶν λαμβάνει καὶ ὁ ζητῶν εὐρίσκει. καὶ τῷ κρούοντι ἀνοιγήσεται.

и ищжи оверътаетъ . : . тлъкъиоѡмоу ѡвръзаетъ. (sic)

Κυριακῇ β'. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ περιπατῶν ὁ ἰησοῦς παρὰ τὴν θάλασσαν τῆς γαλιλαίας. εἶδεν δύο ἀδελφοὺς σιμωνα τὸν λεγόμενον

руте ненавѣдѣиныхъ кѧ . : . и молиште за творѣиныхъ вамъ напастн . : . и гонѣижа вы . : . да бждете сѣове ѡѧа вашего. еже есть на небесехъ яко сѣицеское снѣтъ на злыж и блгыж . : . и дѣѣиждетъ на праведныж и на неправедныж . : . аце любите любѣижа вы . : . кѧа мѣздж ниате . : . не и мытарне ли тоѣе творѣтъ . : . бждете оубо съкрышени кын . : . яко и ѡѧѣ вашѣ небѣиын. съкрышени иестъ . : .

Нѣ: вѣсѣмъ сѣтымъ . : . ѡ маѳ . : .

Л. 29. Рече тѣ своимъ оуученикомъ . : . вѣсѣмъ нже исповѣсть ма прѣдъ уѡвѣкы . : . исповѣтъ и азъ прѣдъ ѡцѣмъ моимъ нже есть на небесехъ . : . а нже ѡвръжеться мене прѣдъ уѡвѣкы . : . ѡвръжѣся его и азъ прѣдъ ѡцѣмъ моимъ нже есть на небесехъ . : . нже любитъ ѡѧа ли матери пауе мене нѣтъ мене достоннъ . : . нже любитъ сѣа ли дѣщере пауе мене нѣтъ мене достоннъ . : . нже не приемлетъ кртѧскоего и къ слѣдъ мене градетъ нѣтъ мене достоннъ. ѡкѣиракъ же петръ рече емоу . : . гн се мы ѡставихомъ вѣсѣ . : . и къ слѣдъ тебе идѣмъ . : . что збо бждетъ намъ . : . ісѣ же рече нмъ . : . амѣн гѧа камъ. яко кы шедше по мнѣ . : . въ навѣытнѧ . : . егда сѣдетъ сѣѣ уѡвѣкѣ на прѣстоѡ слѧвкскоеж . : . сѣдетс и кы на двою надесѧте прѣстоѡлу . : . сѣдѧице ѡвѣма надесѧте колѣнома нзлѣвома . : . и вѣсѣмъ нже ѡстави домъ . : . ли братнж ли сестры . : . ли ѡѧа ли мать . : . ли женж ли дѣтн ли храмы . : . ниене моего радн . : . сторнмнозы же бждѣтъ пръвни послѣднии . : . и послѣднии пръвни . : .

Сѧ: вѣ: нѣ. ѡ маѳ . : .

Л. 30 об. Рече тѣ не ѡсѧждѧте да не ѡсѧждѧни бждете . : . нмже сѧдомъ сѧдѧте сѧдѧтъ камъ . : . и къ намъ мѣрж вѣзмѣрате вѣзмѣратсѧ камъ . : . что же кнѧиши сѧуецѣ . : . къ ѡуесн брата твоего . : . а вѣркнѧ еже есть къ ѡцѣ твоемъ не кнѧиши . : . ли како речѣши братоу твоемъ ѡстави и нзмѧ сѧуецѣ . : . нже есть къ ѡцѣ твоемъ . : . и се вѣрѣѣ на къ ѡцѣ твоемъ . : . (sic) лицемѣре. нзмн прѣвѣ вѣркно нзъ ѡуесе твоего . : . и тогда оузриши нзѧтн сѧуецѣ нзъ ѡуесе брата твоего . : . не дадѧте стѧго нсомъ . : . ни просыпѧте вѧсерѣ кѧиныхъ прѣдъ скнѣиын . : . да не поппражѣтъ . : . нхъ ногамн своимъ . : . и ѡбращѣишѧ растрѣгнѣтъ кы . : . проснѣте и дастсѧ вамъ нщѣте и ѡбращѣете . : . тлъцѣте и ѡвръзѧтсѧ камъ . : . вѣсѣмъ бо просѧи приемлетъ . : .

Нѣ β'. еѧѣ . : . ѡ маѳ.

Въ оно к: . схода ісѣ при морн галиленсѣемъ . : . вѧдѣ два брата снмона нарицаемаго петра . : . и ан-



μενον πέτρον καὶ ἀνδρέαν τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ βάλλοντας ἀμφιβληστρον εἰς τὴν θάλασσαν. ἦσαν γὰρ ἄλιεῖς. καὶ λέγει αὐτοῖς. δεῦτε ὀπίσω μου, καὶ ποιήσω ὑμᾶς ἄλιεῖς ἀνθρώπων. οἱ δὲ εὐθέως ἀφέντες τὰ δίκτυα ἠκολούθησαν αὐτῷ. καὶ προβὰς ἐκεῖθεν. εἶδεν ἄλλους δύο ἀδελφοὺς ἰάκωβον τοῦ ζεβεδαίου καὶ ἰωάννην τὸν ἀδελφὸν αὐτοῦ ἐν τῷ πλοίῳ μετὰ ζεβεδαίου τοῦ πατρὸς αὐτῶν καταρτίζοντας τὰ δίκτυα αὐτῶν. καὶ ἐκάλεσεν αὐτούς. οἱ δὲ εὐθέως ἀφέντες τὸ πλοῖον καὶ τὸν πατέρα αὐτῶν ἠκολούθησαν αὐτῷ. καὶ περήγηεν ὅλην τὴν γαλιλαίαν ὁ ἰησοῦς διδάσκων ἐν ταῖς συναγωγαῖς αὐτῷ. καὶ κηρύσσων τὸ εὐαγγέλιον τῆς βασιλείας καὶ θεραπεύων πάσαν νόσον καὶ πᾶσαν μαλακίαν ἐν τῷ λαῷ.

Σαββάτω Γ'. κατὰ ματθαῖον.

Εἶπεν ὁ κύριος. πᾶρ ὅστις ἀκούει μου τῆς λόγους καὶ ποιεῖ αὐτούς. ὁμοιώσω αὐτὸν ἀνδρὶ φρονίμῳ, ὅστις ὠκοδόμησε τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐπὶ τὴν πέτραν. καὶ κατέβη ἡ βροχὴ καὶ ἦλθον οἱ ποταμοὶ καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι. καὶ προσέπεσον τῇ οἰκίᾳ ἐκείνῃ καὶ οὐκ ἔπεσε. τεμελίωτο γὰρ ἐπὶ τὴν πέτραν. καὶ πᾶς ὁ ἀκούων μου τοὺς λόγους καὶ μὴ ποιῶν αὐτούς. ὁμοιωθήσεται ἀνδρὶ μωρῷ ὅστις ὠκοδόμησε τὴν οἰκίαν αὐτοῦ ἐπὶ τὴν ἄμμον. καὶ κατέβη ἡ βροχὴ καὶ ἦλθον οἱ ποταμοὶ καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι. καὶ προσέπεσον τῇ οἰκίᾳ ἐκείνῃ καὶ ἔπεσε. καὶ ἦν ἡ πτώσις αὐτῆς μεγάλη. καὶ ἐγένετο ὅτε συνετέλεσεν ὁ ἰησοῦς τοὺς λόγους τούτους. ἐξεπλήσσοντο οἱ ὄχλοι ἐπὶ τῇ διδαχῇ αὐτοῦ. ἦν γὰρ διδάσκων αὐτούς ὡς ἐξουσίαν ἔχων. καὶ οὐχ ὡς οὐ χρηματεῖς. καταβάντι δὲ αὐτῷ ἀπὸ τοῦ ὄρους ἠκολούθησαν αὐτῷ ὄχλοι πολλοί. καὶ ἰδοὺ λεπρὸς προσελθὼν προσεκύνει αὐτῷ λέγων. κύριε, ἂν θέλῃς δύνασαι με καθαρίσαι. καὶ ἐκτείνας τὴν χεῖρα, ἥψατο αὐτοῦ ὁ ἰησοῦς. λέγων θέλω καθαρίσθῃτι. καὶ εὐθέως ἐκαθαρίσθη αὐτοῦ ἡ λέπρα. καὶ λέγει αὐτῷ ὁ ἰησοῦς. ὅρα μηδενὶ εἶπης. ἀλλὰ ὕπαγε σε αὐτὸν δεῖξον τῷ ἱερεῖ καὶ προσένεγκε τὸ δῶρον ὃ προσέταξε μωσῆς εἰς μαρτύρων αὐτοῖς.

НѢ ШЕДѢ ПОКАЖЕСЯ НЕРЕДКИ . : . И ПРИНЕСИ ДАРЬ . : . ИЖЕ НОВЕЛѢ МОСИ . : . ВЪ СКѢДѢТЕЛЬСТВО НМѢ . : .

Κυριακῇ Γ'. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖον.

Εἶπεν ὁ κύριος ὁ λύχνος τοῦ σώματος ἐστὶν ὁ ὀφθαλμός, ἐὰν οὖν ὁ ὀφθαλμός σου ἀπλοῦς ἦ, ὅλον τὸ σῶμα σου φωτεινὸν ἔσται. ἐὰν δὲ ὁ ὀφθαλμός σου πονηρὸς ἦ, ὅλον τὸ σῶμα σου σκοτεινὸν ἔσται. εἰ οὖν τὸ φῶς τὸ ἐν σοὶ σκότος ἐστὶ, τὸ σκότος πόσον. οὐδεὶς δύναται δυοὶς κυρίοις δουλέυειν. ἢ γὰρ τὸν ἓνα μισήσει καὶ τὸν ἕτερον ἀγαπήσει. ἢ ἐνὸς ἀντιθέεται. καὶ τοῦ ἑτέρου καταφρονήσει. οὐ δύνασθαι θεῷ δουλέυειν καὶ μαμωνᾷ. διὰ τοῦτο λέγω ὑμῖν. μὴ μεριμνᾶτε τῇ ψυχῇ ὑμῶν τί φάγετε καὶ τί πίητε. μὴ δὲ τῷ σώματι ὑμῶν τί ἐνδύσησθε. οὐχὶ ἡ ψυχὴ πλείων ἐστὶ τῆς τροφῆς. καὶ τὸ σῶμα τοῦ ἐνδύματος. ἐμβλέψατε εἰς τὰ πετεινὰ τοῦ οὐρανοῦ. ὅτι οὐ σπείρουσιν οὐδὲ συγκομίσουσιν εἰς ἀποθήκας. καὶ ὁ πατὴρ ὑμῶν ὁ οὐράνιος τρέφει αὐτὰ. οὐχ' ὑμεῖς μᾶλλον διαφέρετε αὐτῶν. τίς δὲ ἐξ ὑμῶν μεριμνῶν δύνασαι προσθεῖναι ἐπὶ τὴν ἡλικίαν αὐτοῦ πύχην

ДРЕИ БРАТА ЕГО . : . ВЫИТАЖИА МРѢЖѢ КЪ МОРЕ . : . ВѢСТА БО РЫБАРѢ . : . И РЕЧЕ НМА ГРАДѢТА КЪ СЛѢДЪ МЕНЕ . : . И СТВОРА ВЫ РЫБАРѢ УЛОВѢКОМЪ . : . ОНА ЖЕ АБНЕ ОСТАВНСТА МРѢЖѢ ПО НЕМЪ НДОСТА . : . И ПРѢШЕДѢ ОТѢДОУ ОУЗРѢ ННА ДВА БРАТА . : . НЕКОВА ЗЕКЕДЕОКА . : . ІΩАНА БРАТА ЕГО . : . ВЪ КОРАБН СѢ ЗЕКЕДЕОМЪ ОЦѢМЪ СЮ . : . ЗАКАЗАЖИА МРѢЖѢ СВОЖ . : . И ЗВА ІА . : . ОНА ЖЕ АБНЕ ОСТАВЛИА КОРАБѢ . : . И ОЦА СВОЕГО . : . ПО НЕМЪ НДОСТА . : . И ПРОХОЖДАНИЕ ВЪСА ГАИЛЕЖ ІСѢ . : . ОУГА КЪ СНЫМИРНХѢ . : . И ПРОПОВѢДАЖ ЕУАЛНЕ ЦРѢСТВНІА . : . ИЦѢЛѢЖ ВЪСѢКЪ НЕДЖГѢ . : . И ВЪСѢКЪ АЗѢ КЪ МОДЕХѢ . : .

СѢКОТѢ Г'. НѢ Ѡ МАѢ . : .

Рече Г'ъ. въсѣкъ оубо иже слышитъ словеса снѣ . : . И ТВОРИТЬ ІА . : . И Н ѠБЛА (sic) И ИЖОУ ИАДРОУ . : . ИЖЕ СОЗДА ХРАМЕНѢ (sic) СКОЖ НА КАМЕНН . : . И СИНДЕ ДѢДѢ И ПРИДОИЖ РѢКЫ . : . И ВЪЗВѢИИЖ ВЕТРИ . : . И НАНАДѢ НА ХРАМНИИЖ ТѢ . : . И НЕ НАДЕСА . : . ОСНОВАНА БО БѢ НА КАМЕНИ . : . И ВЪСѢКЪ СЛЫИИЖН СЛОВЕСА МОѢ СНИ . : . И НЕ ТВОРА ІА . : . ОІН ѠБЛА И ИЖОУ БОЮЮ . : . ИЖЕ СОЗДА ХРАМНИИЖ СКОЖ НА ПѢСЦѢ . : . И СИНДЕ ДѢДѢ И ПРИДОИЖ РѢКЫ . : . И ВЪЗВѢИИЖ ВЕТРИ . : . И ПОТѢКОИИЖ СѢ ХРАМНИИЖ ТОИ И НАДЕСА . : . И БѢ РАЗДРОУШЕННЕ ЕЖ КЕАНЕ ЗАЛО . : . И БЫТЬ ЕГДА СКОУѢ ІСѢ СЛОВЕСА ОНИ . : . ДИВѢХЖЕСЯ НАРОДИ Ѡ ОУЧЕНИИ ЕГО . : . БѢ БО ОУГА Ж ІАКО ВЛАСТЬ НМЫ . : . А НЕ ІАКО КНИЖНИИИ НХѢ . : . СЫИЕДИНОУ ЖЕ ЕМОУ СѢ ГОРЫ . : . КЪ СЛѢДѢ ЕГО. ИДОИЖ НАРОДИ МНОЗЫ . : . И СЕ ПРОКАЖЕНѢ ПРИСТѢИИ . : . ВАНѢНЕСА ЕМОУ ГЛА . : . ГИ АЩЕ ХОИИ (sic) МОЖЕНИИ МА НСУИСТИ И ЦѢАИИ . : . И ПРОСТЕРѢ РѢКѢ И КОСИЖЕСА ЕМОУ ІСѢ ГЛА . : . ХОЦІ Ж И ЦІ ИСТИ СѢ (sic) И АБНЕ НСУИСТИ СѢ ЕМОУ ПРОКАЗА . : . РЕЧЕ КЪ НЕМОУ ІСѢ . : . КИЖѢ ИИКОМОУ ЖЕ НЕ ПОВѢЖѢ . : .

НѢ. Г'. МАѢ.

Рече Г'ъ. свѣтланикъ тѣла есть ѠКО . : . АЩЕ ОУБО ѠКО ТКОЕ ПРОСТО БЖДЕТЬ . : . ВСЕ ТѢЛО ТКОЕ СѢТЛО БЖДЕТЬ . : . АЩЕ ЛИ ѠКО ТКОЕ АЖКАКО БЖДЕТЬ . : . ВЪСЕ ТѢЛО ТКОЕ ТЕМНО БЖДЕТЬ . : . АЩЕ БО СѢТѢ ИЖЕ КЪ ТЕБѢ ТМА ЕСТЬ . : . ТО ТМА КОЛИИ . : . ИИКИИ ЖЕ МОЖЕТѢ ДВѢМА ГИѠМА РАБОТАТИ . : . ЛИБО ЕДИННОГО ВЪЗИЕНАКИДИТИ . : . А ДРОУГАГО ВЪЗМОБИТИ . : . ЛИ ЕДИННОГО ДРѢЖИТЕСѢ . : . А Ѡ ДРОУЗѢМЪ НЕРОДИТИ ВЪУИЕТИ . : . НЕ МОЖЕТѢ БОУ РАБОТАТИ И МАМОИѢ . : . СЕГО РАДИ ГЛА КАМѢ . : . НЕ ИЦѢТЕСѢ ДИИЕЖ КИИЕЖ . : . УТО ІАСТЕ ЛИ УТО ИИТЕ . : . ИИ ТѢЛОМЪ КИИИИМЪ ВЪУТО ѠБЛЕЧЕТЕСѢ . : . НЕ ДИИА ЛИ БОЛИИ ЕСТЬ ИИЦИЖ . : . И ТѢЛО ѠДЕЖДѢ. ВЪЗРИТЕ НА ИТИИИ НЕБѢИИМЪ ІАКО НЕ СѢЖѢ ИИ ЖИЖѢ . : . ИИ СКИРАЖѢ КЪ ЖИТИИИИЖ . : . И ОЦІѢ КАИИ НЕБѢИИИ ИИТАЕТѢ Ж . : . НЕ КИ ЛИ ИАЧЕ

НЕБЕНЫН .: . ИКО ТРЪБОУЕТЕ СНХЪ ВЪСѦХЪ .: . ИЩЕТЕ ЖЕ ИРЪЖЕ ЦРЬСТВОИ БИѦ .: . И ПРАВДЫ ЕГО .: . И СНИ
ВЪСЪ ПРИЛОЖТСА КЪМЪ .: .

Σαββάτω ᾤ. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖον.

Κυριακῇ ᾤ. ἐκ τοῦ κατὰ ματθαῖον.

ДОУУШИИ НХЪ ЕСТЕ . : . КТО ЖЕ ѿ ВѦ НЕВЫСЕА . : .
 МОЖЕТЬ ПРИЛОЖИТИ ТѢЛЕСИ СВОЕМОУ ЛАКОТЬ ЕДИНЬ . : .
 Н ѿ ОДЕЖДИ УТО ПЕУЕТЕСЕА . : . СМОТРИТЕ КРИНЬ СЕЛЬ-
 НЫХЪ КАКО РАСТЖТЬ : . НИ ТРОУЖДАЖТЬСЯ НИ ПРА-
 ДЖТЬ . : . ГЛА ЖЕ ВАМЪ ЯКО НИ СОЛОМОНЪ ВЪ ВСЕН СЛА-
 ВѢ СВОЕН ОБЛАТУЕСА . : . ЯКО ЕДИНЬ ѿ СНХЪ . : . АЩЕ
 ЖЕ СѢНО СЕЛНОЕ ДНѢ СЖИРЕ . : . А ОУТРѢ ВЪ НЕЩЬ ВЪ-
 МѢТАЕМО . : . БЪ ТАКО ѿДѢВАЕТЬ . : . КОЛМНИ ПАУЕ ВѦ
 МАЛОВАРНН . : . НЕ ПЦѢТЕСЯ ОУБО ГЛАЩЕ . : . УТО КС-
 ТЕ ЛИ УТО ПИТЕС . : . ИЛИ УНЫМЪ ѿДЕЖѢМЪСЯ . : . ВЪ-
 СѢХЪ БО СНХЪ ЖЗЫЦН НЩЖТЬ . : . ВѢСТЬ БО ѿЦѢ ВАШЬ
 Е ПРѢЖЕ ЦРѢСТВІѢ БГѢ . : . И ПРАВДЫ ЕГО . : . И СНИ

СЖБОТА · : · · Д · : · · НЕ · : · · Ѧ МАТФЕИ · : · ·

л. 34 об. и 35. Иѣ: ѿ; ѿ мѣт . . .

Къ оно в .: . вышедшоу їсоу къ канерьяноумь .: .
пристѣши къ немуу сътинѣ мола и гла .: . Тѣ ѿрокъ
мон лежить къ домоу ѿслабень .: . мють страждѣ .: .
и гла емоу їсъ .: . азъ пришедь ищѣла и .: . и
ѿвѣщахъ сътинѣ рече .: . Тѣ иѣсмь достоинь .: .
да ми подѣ кровъ киндешн .: . нѣ тѣмъ рѣци сло-
комъ и ищѣеть ѿрокъ мон .: . нбо азъ ѹлокѣхъ
есмь подѣ вакож .: . нмы подѣ собож конны .: .
и гла семоу нди и ндетъ .: . а дроуѣомоу приди
и ндетъ .: . и рабоу моемоу сътвори се и ство-
рнть .: . слышав же їсъ дивнса .: . и рече гра-
дѣиимъ по немъ .: . аѣн гла вамъ .: . ꙗко ни въ
изди толнѣкы вѣрѣ ѿбръть .: . гла же вамъ .: . ꙗко
мнози ѿ востокъ и западъ .: . приидѣхъ и възлагѣть .: .
съ аѹраамомъ .: . исакомъ .: . и ѡвокомъ .: .
въ црѣкви иебѣиѣамъ (sic) .: . а еиѣе црѣквиѣ
изидани бѣдѣть .: . въ тѣмъ кромѣишиѣа .: . и тѣ

ὁ ἰησοῦς τῷ ἑκατοντάρχῃ. ὕπαγε καὶ ὡς ἐπίστευσας. γε-
νηθήτω σοι. καὶ ἰάθη ὁ παῖς αὐτοῦ ἐν τῇ ᾧρᾳ ἐκείνῃ.

вждеть плауѣ и сѣрежеть зѣбомъ . . . и реуе ісѣ съ-
тинкоу . . . нди и ꙗкоже вѣрова вжди ти . . . и
исцѣлѣ ѿрокъ его въ тои уѣ . . .

Чтєніє и объясненіє снимка.

Ἐπληρώθη ἡ βίβλος αὕτη διὰ χειρὸς παντολέος καὶ οἱ ἀναγινώσκοντες ἔχεσθε διὰ τὸν κύριον δεηθῶ. τοῦ κυρίου
κε τὸ κύριε ἐλέησον λέγε Γ.

Ἐγγραφὴ ἐπὶ κωπσταντιν βασιλ.. τοῦ μον. καὶ ἐπὶ πατριάρχου μιχαήλ τοῦ κερουλαρί:

Ἐκ τοῦ κατὰ μάρκον.

Τῷ καιρῷ ἐκείνῳ παραλαμβάνει ὁ ἰησοῦς τοὺς δώδεκα μαθητὰς αὐτοῦ καὶ ἤρξατο λέγειν αὐτοῖς τὰ μέλλοντα
αὐτῷ συμβαίνειν.

Нѣсколько заглавныхъ буквѣ, скорописная азбука, сокращенія; ζητει νοεμβρίου ΓΓ. ἐωθινος ζητει με-
γαλου μάρτυρος ἀρτεμίου.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими; α. ἀζύμων. ε. διεζωσεν. ν. τήν. σ. τοὺς. τ. ἔστη.

2. Четвероевангеліе 1144 г.

Четвероевангеліе 1144. г. принадлежащее преосвящ. Порфирію, писанодовольно крупною ско-
рописью на пергаминахъ въ большую четвертку на 330. листахъ. Сначала недостаетъ до половины
28. стиха 9-й главы Евангелія отъ Матѳея, начинающагося сими словами; δύναμαι τοῦτο ποιῆσαι.
Киноварью въ концѣ Евангелія отъ Матѳея на оборотѣ 66. листа написано: ευαγγέλιον κατὰ ματθαῖον ἐγ-
ράφη καὶ ἀντεβλήθη ἐκ τῶν ἱεροσολύμων παλαιῶν ἀντιγράφων τῶν ἐν τῷ ἀγίῳ ὄρει ἀποκειμένων. ἐν στιχ. ββϛδ.
κεφαλ. тїє. ὁ ἐν τριάδι ὁ θς δόξα σοι. Киноварью писаны оглавленія чтеній Евангельскихъ, когда въ ка-
кую недѣлю или день надо читать положенное Евангеліе. Внизу въ кругахъ киноварью писаны со-
кращенныя буквы Евангелистовъ, при означеніи Евсевіевыхъ канонѣвъ, да на 67. листѣ киноварью
розоваго цвѣта нарисована полузаставка. Преосв. Порфирій по полямъ своею рукою сдѣлалъ разноч-
тенія изъ Евангелій VIII. и IX в. находящихся въ Императорской публичной Библіотекѣ, изъ Еван-
гелія Трапезонтскаго, 1272. года. У Іоанна нѣтъ Евангелія о женѣ грѣшницѣ; оно здѣсь послѣ на-
писано въ XIII. вѣкѣ на полѣ.

Длина пергамина.	6 ³ / ₈ в.
Ширина.	5 в.
Къ корешку	⁵ / ₈ в.
Къ правой сторонѣ	1 ¹ / ₂ в.
Къ верху	⁷ / ₈ в.
Къ низу.	1 ¹ / ₈ в.

Выписки изъ подлинника съ Древле-Славянскимъ переводомъ

Изъ НОВАГО ЗАВѢТА СВ. АЛЕКСІЯ.

ф. 85 об. Τίни ὁμοιώσωμεν τὴν βασιλείαν τοῦ θυ. ἡ
ἐν ποίαι παραβολῇ παραβάλωμεν αὐτήν. ἄς κόκκον ¹⁾ σινά-
πεωσ, ὅς ὅτ' ἂν σπαρθῇ ἐπὶ τὴν γῆν. μικρότερος πάντων
τῶν σπερμάτων ἐστὶ τῶν ἐπὶ τῆς γῆς. καὶ ὅτ' ἂν σπαρῇ
ἀναβαίνει καὶ γίνεται πάντων τῶν λαχάνων μεζζων. καὶ
ποιεῖ κλάδους μεγάλους. ὥστε δύνασθαι ὑπὸ τὴν σκιάν αὐ-
τοῦ τὰ ταπεινὰ τοῦ συνδου κατασκηνοῦν. καὶ τοιαύταις па-
ραβολαῖς πολλαῖς ἐλάλει αὐτοῖς τὸν λόγον, καθῶς ἡδύ-
ναντο ἀκούειν. χωρὶς δὲ παραβολῆς οὐκ ἐλάλει αὐτοῖς.
κατ' ἰδίαν δὲ τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ ἐπέλυε πάντα. καὶ λέ-
γει ²⁾ αὐτοῖς ἐν ἐκείνῃ τῇ ἡμέρᾳ ὅψιας γενομένης. διέλθω-

л. 18. Уемъ оуподобѣи црѣко бѣе. ли коѣи прѣхн
приложѣи ѣе. ꙗ зерноу синапнѣ. нж егда сѣмѣно воуѣе
на зѣ. менши всѣ сѣмѣе ѣ сѣцѣи на зѣ. і егда всходѣи
і бѣваѣ всѣ земли болши. і творѣи вѣтки великы. ꙗкож
моуѣи нѣ сѣмѣно ѣ. птицѣи нбѣмъ вселѣтѣи. и таѣмъи
прѣхамъи многымъи. глѣше ꙗ слово. ꙗкож можѣху слы-
шати. кромѣж прѣхѣи не глѣше ꙗ. особѣж оуѣнкоу скоуѣи
разрѣшѣи е ксѣ. и глѣше ꙗ коуѣи днѣи поудѣи бѣхѣи.
прѣйдѣи на ѣи нѣ. и оставѣише нѣрѣи. понѣмѣи его. ꙗко
бѣи к кораблѣи. и дрѣгнѣи корабльѣи бѣиша с нѣи. и
бѣи бѣрѣи вѣтрѣиша велика. волны же вѣлѣхѣху е к ко-

¹⁾ Преосв. Порф. Петерб. IX в. Ев. на пурпур. пергаминахъ κόκκω.

²⁾ Пр. Порф. Пет. „ἐλέγεν“.

μεν εἰς τὸ πέραν. καὶ ἀφέντες τὸν ὄχλον παραλαμβάνουσιν αὐτὸν ὡς ἦν ἐν τῷ πλοίῳ. καὶ ἄλλα δὲ πλοῖα ¹⁾ ἦν μετ' αὐτοῦ καὶ γίνεται λαίλαψ ἀνέμου μεγάλη. τὰ δὲ κύματα ἐπέβαλεν εἰς τὸ πλοῖον ὥστε αὐτὸ ἤδη γεμίζεσθαι. καὶ ἦν αὐτὸς ἐπὶ τῇ πρύμνῃ ἐπὶ τὸ προσκεφάλαιον καθέδων. καὶ διεγείρουσιν αὐτὸν. καὶ λέγουσιν αὐτῷ. διδάσκαλε οὐ μέλει σοι ὅτι ἀπολύμεθα; καὶ διεγερθεὶς ἐπετίμησε τῷ ἀνέμῳ. καὶ εἶπε τῇ θαλάσσῃ. σιῶπα πεφίμωσο. καὶ ἐκόπασεν ὁ ἀνεμος. καὶ ἐγένετο γαλήνη μεγάλη. καὶ εἶπεν αὐτοῖς. τι δειλοὶ ἐστέ οὕτως. πῶς οὐκ ἔχετε πίστιν. καὶ ἐφοβήθησαν φόβον μέγαν. καὶ ἔλεγον πρὸς ἀλλήλους. τίς ἄρα οὗτός ἐστιν. ὅτι καὶ ὁ ἀνεμος καὶ ἡ θάλασσα ὑπακούουσιν αὐτῷ. καὶ ἦλθεν ²⁾ εἰς τὸ πέραν τῆς θαλάσσης. εἰς τὴν χώραν τῶν γαδαρηνῶν.

ρὰβ, ꙗкож емоу оуж наполониѣ. ꙗ въ сѧ на кормѣ. на вѣглавѣ спл. ꙗ вставляю ꙗго, ꙗ глаю емѹ. оуѣтлю. не родѣ ли ꙗ погнебѣ. ꙗ вставѣ запрѣти вѣтрѹ, ꙗ рѣ морю, молѹи оукротѣ. ꙗ оулеже вѣтр. ꙗ въ тишина велика. ꙗ рѣ ꙗ. что страшѣи есте сѧ ꙗ. како не имате вѣры. ꙗ вѣбѣши бѣзѣнью великою. ꙗ глѹх дрѹ ꙗ дроугѹ. кто ꙗ се ꙗ, ꙗ ꙗ вѣтр ꙗ море послѹшляю ꙗго. ꙗ ꙗдо ꙗ ꙗ ꙗ ꙗ морѹ в странѹ гадаринскоу . : .

Чт е н і е и о б ъ я с н е н і е с н и м к а .

Ἐυαγγέλιον κατὰ ἰωάννην ἐγράφη καὶ ἀντεβλήθη ὁμοίως ἐκ τῶν ἀντιγράφων ἐν στιχ. βῖ κεφαλ. сѧв.

Ἐλεος τῷ γράφοντι καὶ καφαλαιώσαντι. σωτηρία δὲ τῷ ἐκ πόθου καὶ ψίστειως κτησαμένῳ ἀμὴν.

Ἦπερ μνύμης καὶ ἀφρέσεως τῶν ἀμαρτιῶν τοῦ δοῦλου τοῦ θῷ, ἰωάννου μοναχοῦ, καὶ γεγονότος λογοθέτου τῆς τοῦ θῷ μεγάλης ἐκκλησίας, μηνὶ φεβρουαρίῳ κῃ, ἰνδικτιώνος ζ'. τοῦ ς' χηγ', ἔτους, βασιλεύοντος τοῦ ἀοιδίμου βασιλέως ἡμῶν, κυροῦ мануѣл καὶ κομνηνοῦ, τοῦ πορφυρογεννητοῦ.

Ἐκ τοῦ κατὰ μαρκον ἀγίου εὐαγγελίου,

Κατὰ Μάρκον.

Κατὰ μάρκον τὸ εὐαγγέλιον καλεῖται. ἐπειδὴ αὐτός μάρκος ὁ μαθητὴς πέτρου καὶ συνέκδημος πάυλου. συνεγραψε τὸ εὐαγγέλιον τοῦτο.

Азбука. Слова съ снаками препинанія: αὐτῷ. προφήτην, ἀμὴν. εὐαγγέλιον: Сокращенія, вязь и слова съ титлами: γὰρ ὑμῖν. μαθαῖος. τῷ καιρῷ μάρκος λουκᾶς. Ниже сокращеній въ кругахъ цифры написаны означающія Евсевіевы главы, нѣ. пѣ. пѣ. рлѣ. рмл. нѣ. рмн. сѧл. ἰσραήλ κύριε ἄνθρωπον ἰησοῦς.

Нѣкоторыя буквы въ связи съ другими; α., γραφή. ε., ἔξεστι ἔχων. εἶ. ν., τὴν. σ., ἐστὶν κράσπεδα. τ., πτώμα. συναχθήσονται.

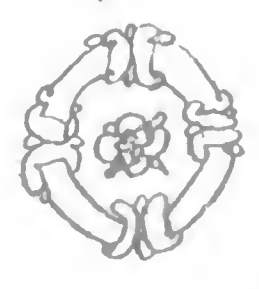
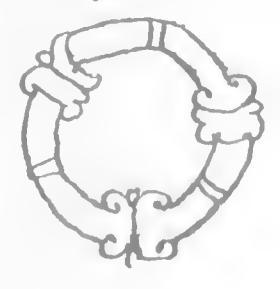
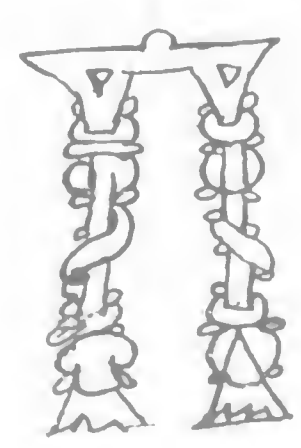
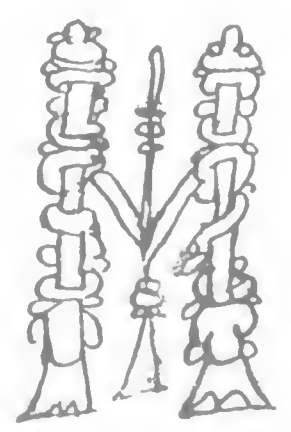
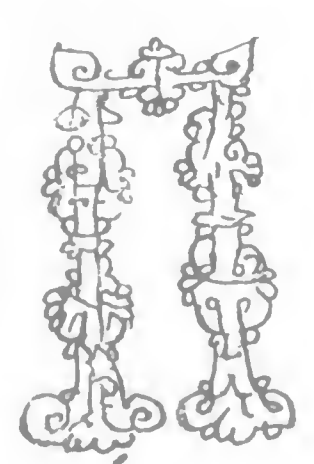
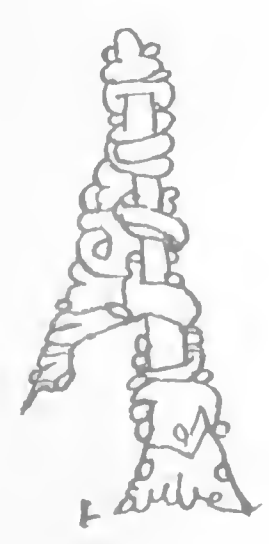
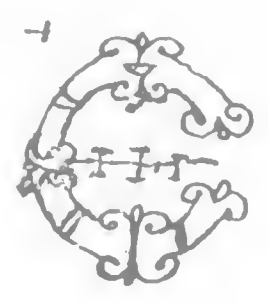
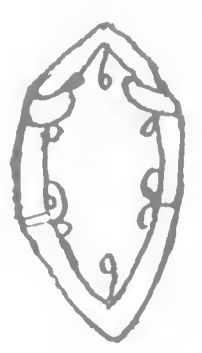
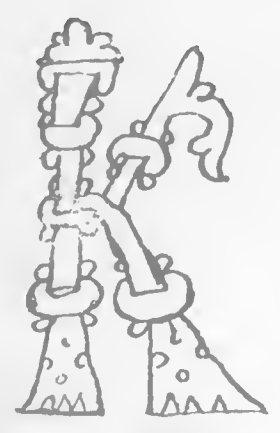
Примѣчаніе: Къ нѣкоторымъ экземплярамъ снимковъ 2-го тома палеографіи приложенъ снимокъ маніатюръ изъ Апостола 1702. г. гравированныхъ на камнѣ литографомъ Гавриловымъ, а въ 3-мъ томѣ одинъ экземпляръ въ родѣ свитка литургіи 1306. г. на Греческомъ языкѣ мною копированный литографическою тушью и отлитографированный Г. Гавриловымъ.

¹⁾ Преосв. Порф. 1272. г. πλοῖα ἦν μετ' αὐτῶν. VIII в. αὐτοῦ, 835. г. μετ' αὐτοῦ.

²⁾ Преосв. Порф. Пет. IX в. ἦλθεν.

+ Τότε ἀνέχθη ὁ ἱς ἑς τὴν ἐρή-
μον ὑπὸ τοῦ πῆς, πειρασθῆ-
ναι ὑπὸ τοῦ διαβόλου: ~

Τότε πότε· μετὰ τὴν
τοῦ πῆς διάδοδον·
μετὰ τὴν φαρμὴν
τὴν ἀρρωσθῆναι ἐχέ-
σαν καὶ λήσαν· οὗτος
ἄνθρωπος μου ὁ φασκὶ
τὸς, ἐν ᾧ ἀδόλωσα· ἐπὶ
διέταμα αὐτόν, ὅτι ὑπὸ τοῦ
πῆς τοῦ ἁγίου· τούτου γάρ.



ΗΚΖΗ

λαλῶν· χθ'· αὐτόν; ἔ· ἀρῶ· δ' 15' 18

$\frac{3}{2} \alpha$
 $1 < \alpha < \pi/2$

$$\alpha, \phi \gamma \hat{q} \mu.$$

а) $\delta_3 \eta^2 \theta_6$

η οὐ τοῦδαίω σ, ἐν ἡμαρ

ἐκ τῆς κατὰ τὴν παλαιοῦς τῆς βασιλείας

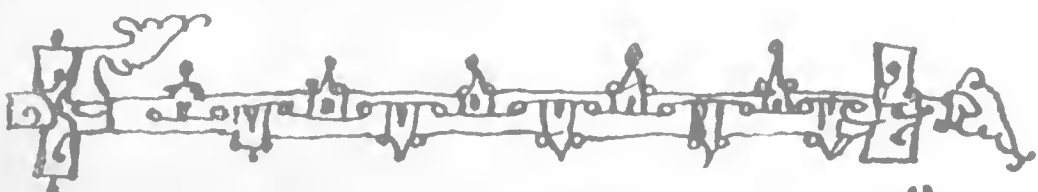
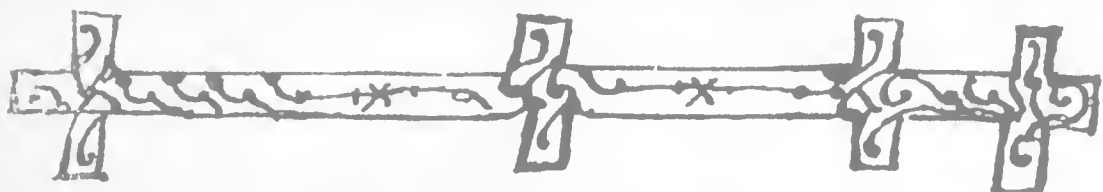
1022 Г.

ΚΑΝΟΝΕΣ ΔΙΑΦΟΡΟΙ ΕΙΣ ΔΙΑ

φύρασι ὑποθεσεῖς: - καὶ ὡς ^{χ δ χδ} φάμενος εἰς
 ὑποταγῆς πρὸς ὡς ^π ἀντὶ: - ῥομθὸς ἰς εἰς 6:

Τὸ ζῶον τῶν ἁγίων χηρῶν καὶ τῶν φαρμάκων
 τῶν καθαρῶν. ὁ σὺν βρῶδι καὶ ρῖνῃ καὶ
 σπορῶν καὶ κοίμῃ καὶ βρῶδι καὶ ρῖνῃ καὶ
 σπορῶν. τὸ χρῆμα τῶν βοτάνων. —

КАНШНЕСПАРАКЛΗΤΙΚΟΙ



Α Β Γ Δ Ε Ζ Η Θ Ι Κ Λ Μ Ν Ξ Ο Π

Ρ Σ Τ Υ Φ Χ Ψ Ω.

1022 г.

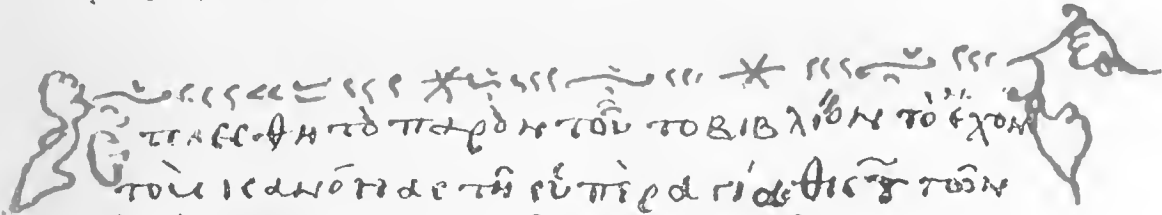
Σ Θ Ψ Δ Ε Τ Ζ ρ σ μ ρ σ μ

Τ ρ ε ι α τ τ



καυχδεσ βζη θ ι κ λ ρ ε ζ ζ ο ω ρ σ τ υ

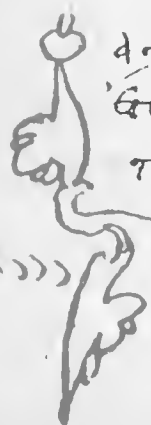
φ χ τ ω



πρεσβητο παρδν του τοβιβλίου το έχον
του ισακωτασ τη εν πτερα γίαθισ των
απο δειπνηων της μονη της του βατοπε
δίου, διαχειροσ ιωελαχίου του α της εν
του αηίου και πανευφημδα η ια ενδα
πλητου ιω του θεολογου προφαξει

του αηωτάτου και η γμευ

αθανασίχ της ανη της εν του ερωητος
τους φ λ οίου η αθανασίχ σκον
τες εν χειρ επιρ των δια τ κρ



ωροθισσ μηε

ωρε διερ

ρετ/κ πορικα

αρωθικη τη εν

ερεδα κλη

επροφτ

α. μαρτα

ομαρτω μερτω

ω ης εδαρ οιασ

οξομαρζου αω αλιτς ενιζισ

η, διαθιν εσ βοιου
αποιωταρ

αρε κραυόζοι- αρφαροσα
εκατασμενθην μερ. π



φυλάττοσ.

[Θ]

ΣΧ

[Θ]

^ααδ^β
^γμα^δ ^εβυλ^ς ^ζΑΒΒΓ
^η ^θ ^ι ^κ

λ ρ α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
 σ τ υ φ χ ψ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
 σ τ υ φ χ ψ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
 σ τ υ φ χ ψ



α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
 σ τ υ φ χ ψ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
 σ τ υ φ χ ψ

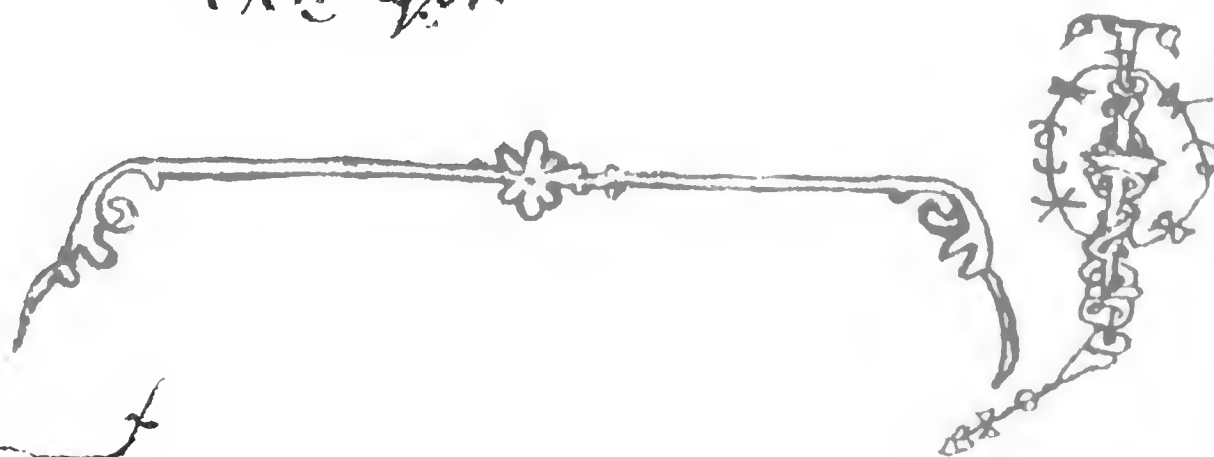
α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
 σ τ υ φ χ ψ



α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ



ΠΡΑΞΙΣ ΤΟΝΑΓΙΟΝ
 ΑΠΟΣΤΟΛΟΥ

ΘΩΜΑ

ΘΩΜΑ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

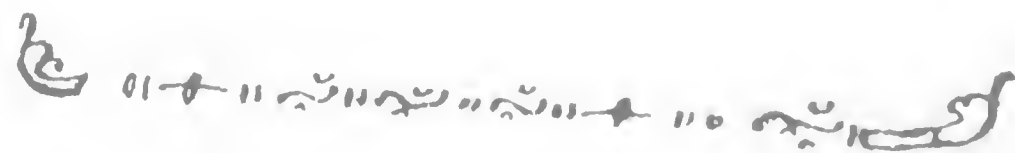
α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ

α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ



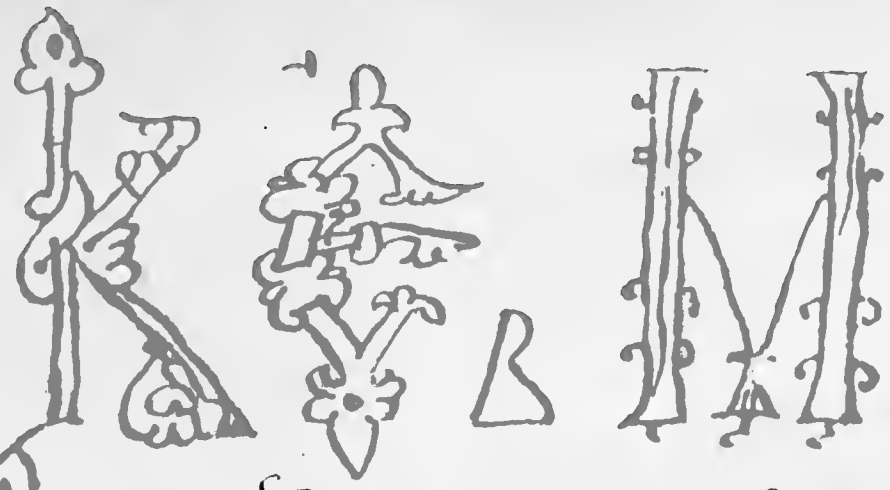
α αβ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
 σ τ υ φ χ ψ

[Θ]

ΣΧ

[Θ]

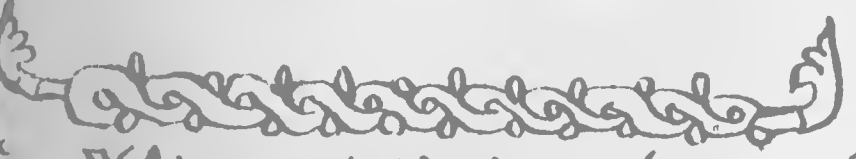
ΒΙΟΓΡΑΦΙΑ
 ΤΟΥ ΘΑΥΜΑΤΟΥΡΓΟΥ



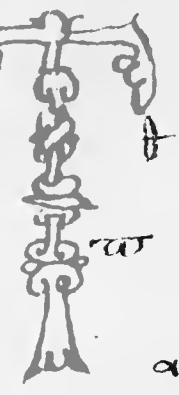
υιόσιν

✠ ΜΑΚΕ ΙΖ ✠

ἀγιῶν πνεύματος : αὐτῶν. ἡδὲ
 πνεύματι ἀγίῳ



✠ Ἀλλήλους καὶ ἀγαπᾶτε
 διήγησις τοῦ ἀγίου νεφελῶ
 μεδέου ἀρχιεπισκόπου
 τὸν ἱεροσολυμίτην



α. α. α. γ. δ. ε. ζ. η. θ. ι. κ. λ. μ. ν. ξ. ο. π. ρ. σ. τ. υ. φ. χ. ψ. ω.

α. ἀξιόλογα, ἡγιώμενα
 β. ἀξιοῦμεν ἀξιοῦμεν.



κ

γ. βικημέω. ἡ
 δ. φίσωσ

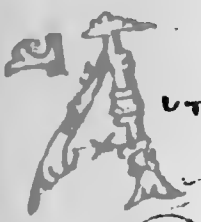
✠ Ἐλεῖω ἡ γραφή τῆς βίβλου
 ἡ ἰουδαία. ἡ ἡγήσις : ἡ ἡγήσις
 χαρὰ, θεῖα χεῖρ, θεοφάτος σου
 ἡ ἡγήσις τῶν οὐρανῶν ἀγαπᾶται

ε. βικασίω



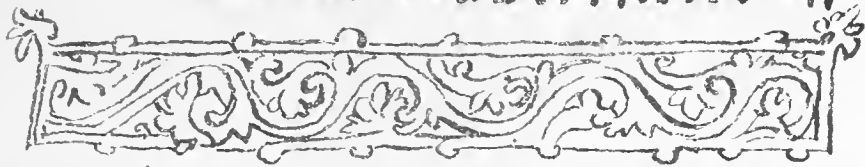
† ΤΟΥ ΕΠΙΣΚΟΠΟΥ ΙΜΜΑΝΟΥΗΛ

ερμηνεία περὶ τῆς περὶ τῆς
 Γεωργίου ἀποστόλου περὶ τῆς
 ὑποστάσεως τοῦ θεοῦ
 ἡ ἀποστόλου. ἡ ἀποστόλου
 ἡ ἀποστόλου. ἡ ἀποστόλου
 ἡ ἀποστόλου. ἡ ἀποστόλου
 ἡ ἀποστόλου. ἡ ἀποστόλου
 ἡ ἀποστόλου. ἡ ἀποστόλου



✠ Ἀλλήλους θανάτῳ ἀπο
 σενδόξῳ ἀγαπᾶτε
 Γεωργίου. ἡ ἡγήσις
 ἡ ἡγήσις. ἡ ἡγήσις
 ἡ ἡγήσις. ἡ ἡγήσις
 ἡ ἡγήσις. ἡ ἡγήσις
 ἡ ἡγήσις. ἡ ἡγήσις
 ἡ ἡγήσις. ἡ ἡγήσις

† ΝΕΙΛΟΥ ΜΟΝΑΧΟΥ: ΠΑΘΩΝ



† ΠΕΡΙΛΑΪΜΑΡ ΕΔΩ
εχέτω ποφορίαν, ανδρική
αρχή προσηκείν τράπεζαν

Η Μ Ξ Ε · Π Ρ Ι · Τ Τ Υ Φ Χ + ∞

ΕΙΛΤΟΥ Κ Ε Δ,

Ω λ ι α υ ρ ω ε κ ε ι ω
η ρ ω ε λ ω ο τ η ρ α ρ
χ η σ τ λ θ χ ρ μ ε
ρ ο σ ε ω ο ι ω α ρ
μ ο υ π ω ρ ι η ρ ω
δ ι α υ δ ο σ τ η σ τ υ
ρ α ι κ ο ε τ ο υ α
δ ο λ φ ο υ α υ τ ο υ.

Ε Π Λ Η Ψ Α Δ Η Λ Η Β Ε Γ Γ Η

α υ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ρ
ο π ρ σ σ τ τ υ φ χ χ + ∞

α ρ ο μ ο ν δ ι τ α ζ β ρ

ζ β π ι ε ρ χ ε ι α ι

α ι π ω

δ ο σ μ α α ρ α

μ ε

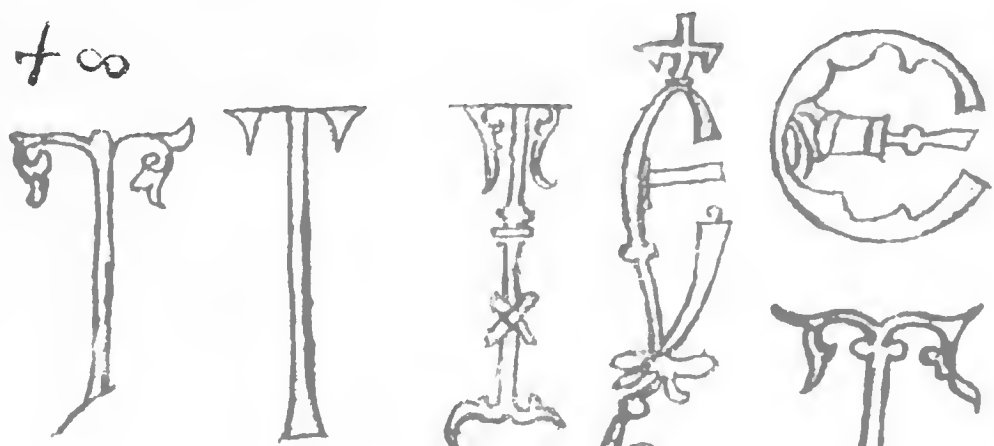


Α Γ Δ Ε Η Θ Ι

κ η ζ ο π ρ ε

τ υ χ ω

α υ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ



ΜΗΝΟΓΗΕΡΩ

μ ε λ ζ
δ

α ρ ο
π ρ α

α ρ ο
α ρ ο

α

ζ μ α ρ τ α ρ ι τ

α

† ΓΑΒΒΑΤΟΝ Λ
ΕΚ ΤΟΝ ΚΑΤΑ
ΛΟΝ ΒΑΝ †

ωκρῶνι
η λ θ β ρ ο ι σ ρ σ
ικαπερραυομ
πόλιμ τησ
ναλη λαίασ
ικαυωδηδασ
ικωρ αυ τοις
βν τοις σάμμα
σιρ † ιεαβζβ
πολησ ορ τοβ
πι τη διδαχη

αυτου οτι θρυβ
ζουσια κυ ομο
γοσ αυτου † ιεαβ
τη σωμα αρωγη ημ
αποσ † χωρ των α
δαιμονιου αυκα
θαρ του † ιεααβ
κραυζβ φωρημε
ναλη λ β ν αρ †
β α † η μ η ς σ ο ι
ιυρα ζαριμε



Α Β Γ Δ Ε Ε Η Θ Ι Κ Λ Μ Ν Ο Ρ

Ϟ

Τ Υ Χ Ψ

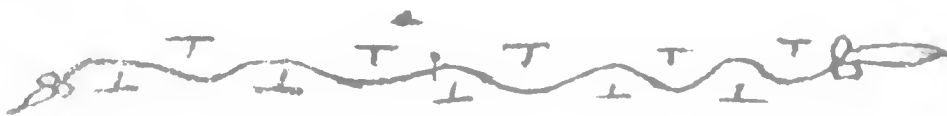
Ϟ

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν

ξ ρ σ τ υ φ ψ χ ψ ω

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν

ξ ρ σ τ υ φ ψ χ ψ ω



ι κ λ μ ν ξ ρ σ τ υ φ ψ χ ψ ω

αυτω: ψ

ρ

αυτω: ψ

ρ

αυτω: ψ

ρ

αυτω: ψ

ρ

αυτω: ψ

αυτω: ψ

αυτω: ψ

αυτω: ψ

αυτω: ψ

αυτω: ψ

αυτω: ψ

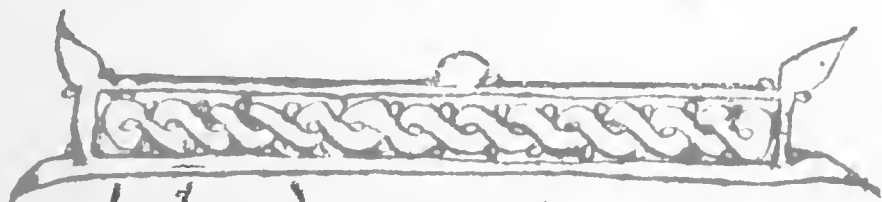
αυτω: ψ

αυτω: ψ

† ἔγραψεν τὸ θεῖον καὶ ἔ-
χρησεν ἐν αὐτῇ ἀφ' ἧς
θεογονία ἀνέμειξε τὸ
ἐτελεῖται ἐν κοίμῃ καὶ
κεκρίσθη ἀπὸ τῆς βαρβα-
ρῆς ὥρα ἐν τῇ ἰσχυρῇ φωνῇ
ἐκ τῆς ἐκείνης τῆς κοίτης
ἐκ τῆς ἐκείνης τῆς κοίτης
ἐκ τῆς ἐκείνης τῆς κοίτης

πολλοὶ καὶ ἡσαντες διὰ τὸ
 ἄγνοον καὶ διὰ τὸ αἰσχρο-
 φρονεῖν τῶν ἀνθρώπων διὰ τὴν
 πολλὴν ἡσυχίαν τῶν ἀνθρώπων
 καὶ τὴν στήν τῶν ἀνθρώπων
 τὴν τῶν ἀνθρώπων τὴν τῶν ἀνθρώπων
 τὴν τῶν ἀνθρώπων τὴν τῶν ἀνθρώπων
 τὴν τῶν ἀνθρώπων τὴν τῶν ἀνθρώπων

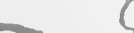


1052 r



† ἀλλ' ἡ λέγουσα·
 ἐν ὅτι ἐστὶν ὁ ὧδε ἐ-
 γώτων οἵτινες οὐκ ἔ-
 γινονταί φανᾶτοι. ἔ-
 ως ἀν' ἰδωσιν τὸν υἱὸν τοῦ
 ἀνθρώπου.

ἀνθ' ἡμῶν.
Ο ἡ καρδία σου ἔστιν ὡς ἡ καρδία
 σου. καὶ τοῦ πάθους τοῦ
 ἑαυτοῦ, καὶ τῆς τῶν μελῶν
 αὐτοῦ μορφῆς.

Ε. τελευτῶ θνήσκω παροῦσα
 ἰερὰ βίβλος. ἀλᾶ βασι
 λείον τοῦ κενρουλασίχ.
 ἀννήϊνος εὐρίω. ἡ
 15. ἔτονος φξ. +




 χαλεπώτερον;
 ἀλλήν +
 πόλεω η: - ὅχρ.

$\alpha \beta \gamma \delta \epsilon \zeta \eta \theta \iota \kappa \lambda \mu \nu \xi \omicron \pi \rho \sigma \tau \upsilon \omega$
 $\phi \chi \psi$
 $\epsilon \alpha \beta \gamma \delta \epsilon \zeta \eta \theta \iota \kappa \lambda \mu \nu \xi \omicron \pi \rho \sigma \tau \upsilon \omega$

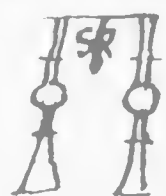
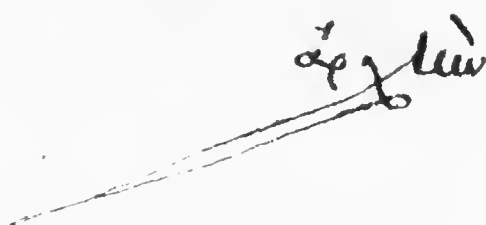
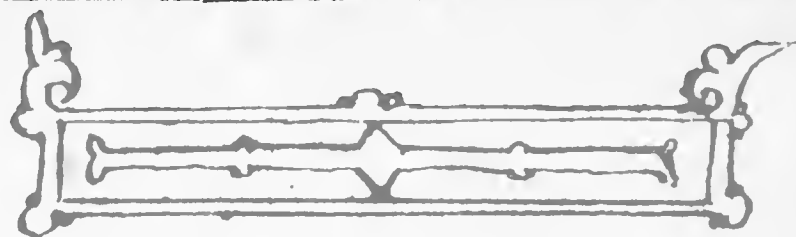
2) 1948 25,05.

၁) $\frac{1}{2} \times 1000 \times \frac{1}{2} = 250$ ဟု $\frac{1}{2} \times 1000 \times \frac{1}{2}$

Revolução

Κ ΤΗΣ ΑΓΓΛΙΑΣ.

И. П. Е. Д.



1055 r.



ΤΗ ΑΓΙΑ ΚΑΙ ΜΕΓΑΛΗ ΚΥ ΤΟΥ ΠΑΣΧΑ



ΕΚ ΤΟΥ

ΚΑΤΑ ΙΩ

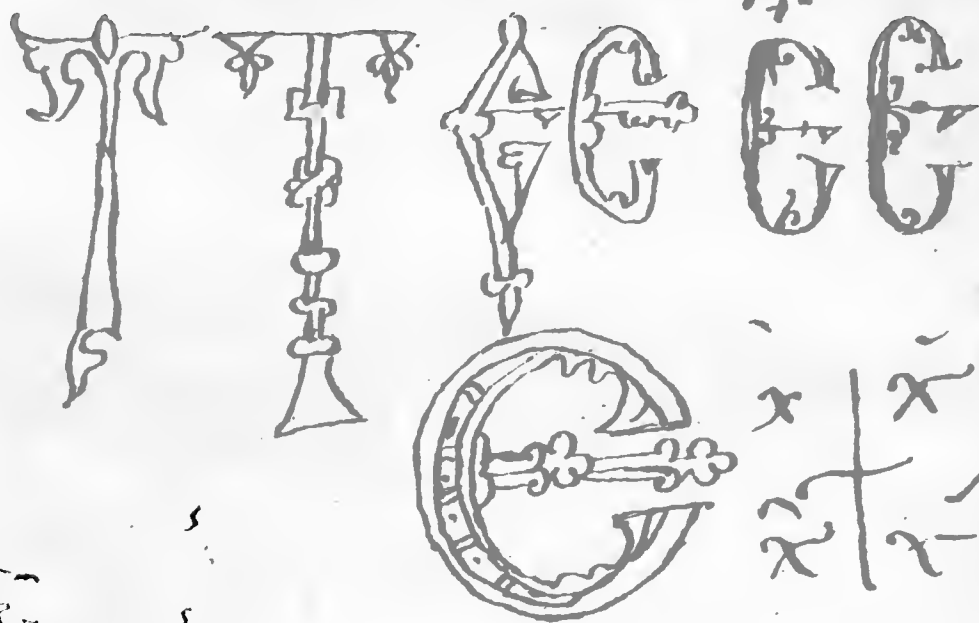


μαρχίᾳ ἡμῶν ὁ λόγος· καὶ
 ὁ λόγος ἡμῶν πρὸς τὸν οὐρανόν
 καὶ ὅς ἡμῶν ὁ λόγος· οὗτος
 ἡμῶν ἐν ἡμῶν πρὸς τὸν οὐρανόν

ἀντιπαύμενος· οὗτος
 ἡμῶν ἐν ἡμῶν πρὸς τὸν οὐρανόν
 ἡμῶν ἐν ἡμῶν πρὸς τὸν οὐρανόν
 τὸν οὐρανόν ἡμῶν πρὸς τὸν οὐρανόν



886 1 Auge



✕

5 αὐτοῦ.

ἀμωβλῶρος,

π' 18
7 H

1840 1840

18

α. βράσιον

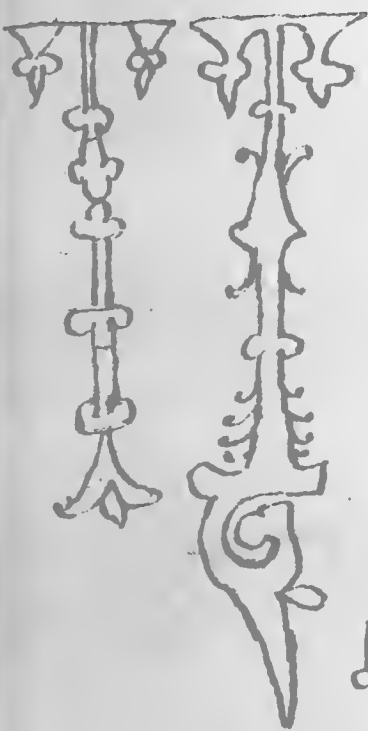
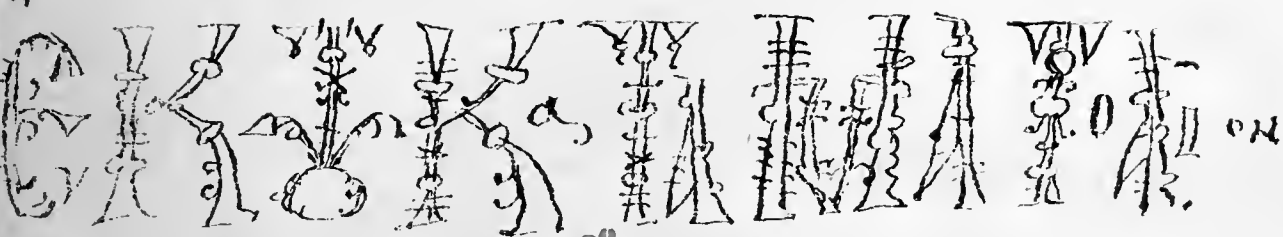
ε. δ. ἔκστασις ἀφ' ἧς

ἐκπύεται

οὐκ ἔστι

ἐρμηνεύ

π. ἄλλοι

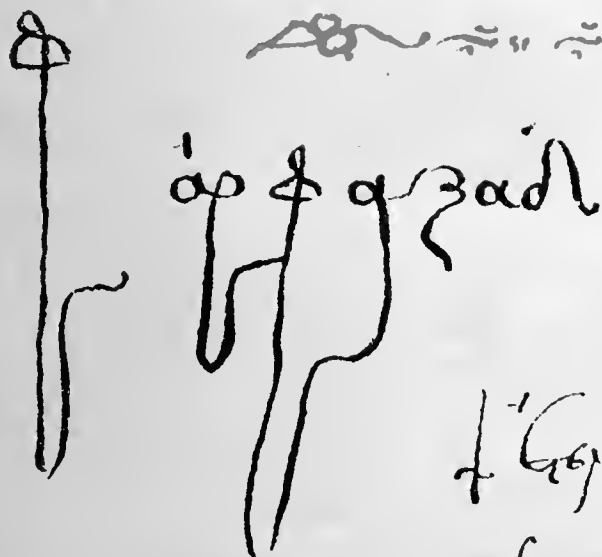


ω α γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

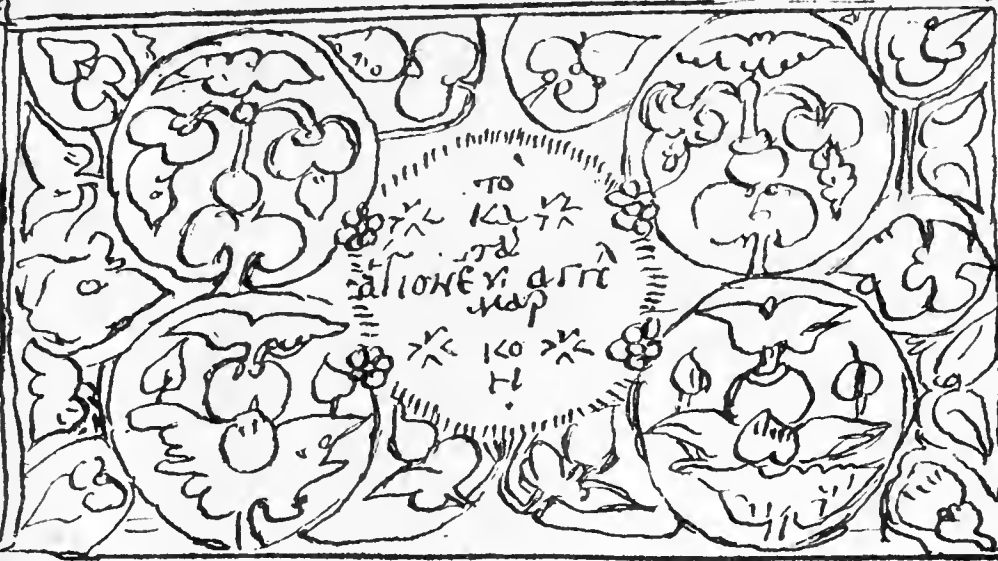


† Ἐγὼ τὴν δόξαν αὐτῆς ἐκ

νοβηταίου ἐκτὸς τοῦ φ' ζ' α' π' σ'

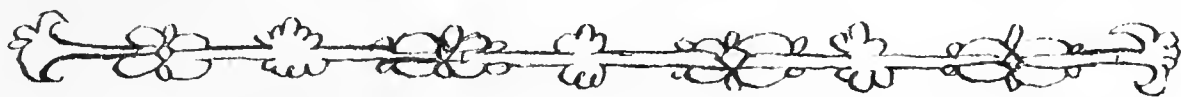
διακρίνω πρὸς τοῦ ἀπελοῦ α. σ. γ.

οὐκ ἔστι πρὸς τοῦ ἀπελοῦ α. σ. γ.



ρχὴ τοῦ βασιλείου τοῦ οὐρανοῦ
τοῖς προφήταις· ἰδοὺ ἐγὼ ἀποστέλλω τὸν ἄγγελόν μου
πρὸ προσώπου ἐμοῦ κατασκευάσας τὴν ὁδόν μου ὑμῶν
προαγγέλου·

α ω γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω



ΣΑΛΜΚ

ΤΟ ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ
ΑΓΙΟΝ ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ

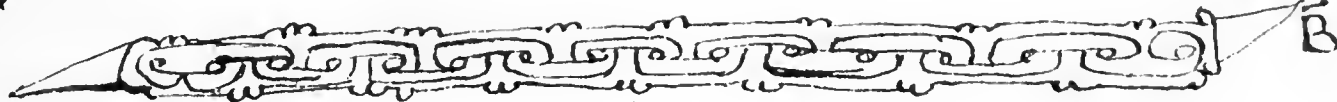
ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΤΗΣ ΕΠΙΣΤΟΛΗΣ

ΑΥΤΟΥ

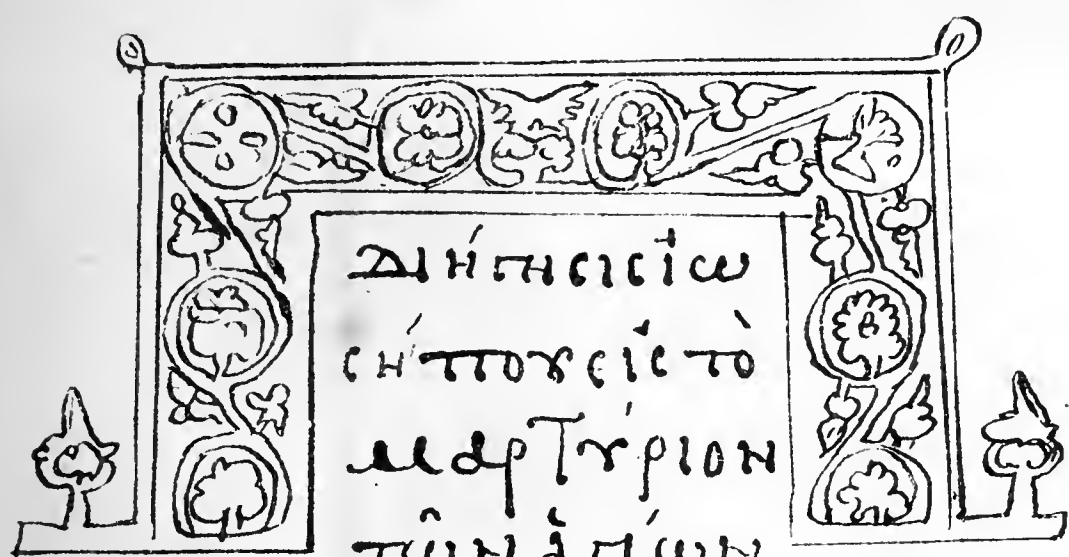
- α, ἄρχισον, σμικρὸν
- ε, ἔσθω, πρῶτον
- ν, δυνάται
- ο, σκανδαλισθήσονται
- π, ἔρχεται

πρῶτον

πρῶτον

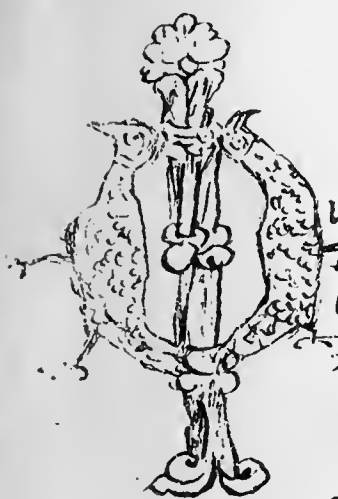


Εὐαγγέλιον κατὰ Ματθαίον
ΚΕΒΟΗΘΕΙΤΕ ΕΙΣ ΚΑΙ ΧΡΕΙΑΣ ΝΙΚΟΝ
ΜΟΝΧΕΙΣ· ΟΙΣ ΛΑΛΗΣΤΗΝ ΕΙΣΘΟΝ· ΟΙΣ
ΕΡΑΦΗΝ ΠΑΡΕΔΟΝ ΒΛΕΨΑΝΤΕΣ ΕΝ ΤΗ



καὶ ἐν δόξῃ μακ
καβαίων.

κ^ς ε^ς



βουδ' ἀκινεῖται μέλλων.

ἄνθρωποι κρείττορες αὐτῶν
πανθῶν ὁ ἁσβήσ

λογισμὸς συμμουλά
σαι μὲν ἡμῖν ὁρθεῖς.



ΜΗΝΙΩ ΑΥΤΩ ΚΖ

+ αληφς τβλσσ

ἡ ὑπαὶ αὐτῇ

Δεῦροσ τῶν δε

καβίβλων τῇ

μεταφρασων

τοῦ ^{θα}μηρὶα

πειλίω ^αἰν ^απεω

ἔστω αφοδ' ἐπὶ

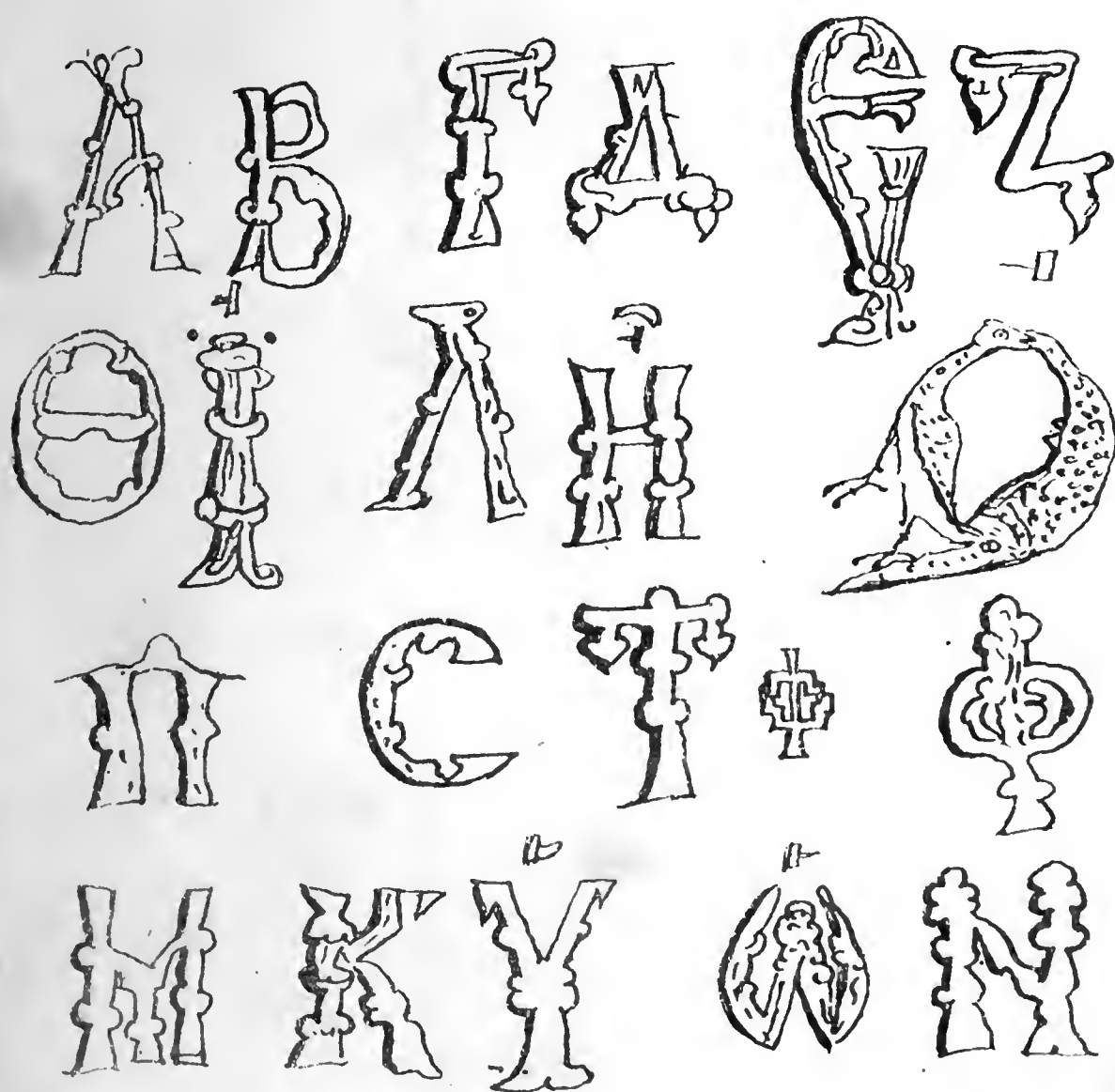
κωρα ^απὶ τοῦ

ἄσβοῦ καὶ μερ

ιασι λδωσ ^αρω

μαίωρ τοῦ δοῦα

καὶ ἰω ^αμ ^αχ τοῦ



Α Β Γ Δ Ε Ζ Η Θ Ι Κ Λ Μ Ν Ξ Ο Π Ρ Σ Τ Υ



ⓐ Η + Ν
μ

ἄτυχος καὶ ὁ
βροσ αὐταδ' ἄν

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

Τυ χ ψ ω φ θ

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν

Κ αὶ κωρυαυτὶν



ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ ω

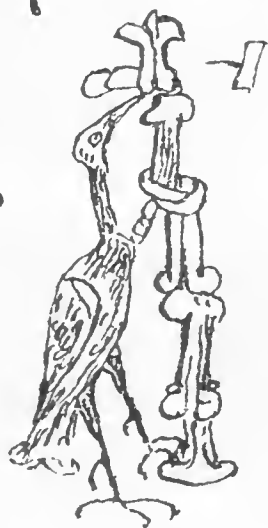
τοῦ ἀγίου πατ

δύαμι. ὑμῖν,

καὶ οἰκουμένη

ἰσχύ' ὁμοῖον

μοῦ πατρίδρ.



ἐροισι; λῆσιν.

δαδα

τωβίας θαδδαίου ε' ἔρω

5' λαβ' ἐδηλωσ

αὐ
ε
ν
δ

α., περσινὰ ε' ἔω θραπάρτοσ

αὐτὴν ἔω το. ἔκ' ἔρω

ν., σιν α., ἔδωκ' ἄλσος γινῶσθαι παλαιῶν

† ΒΙΟΣ ΚΑΙ ΠΟΛΙΤΕΙΑ ΤΟΥ ΘΕΟΥ

Φημί

πλητῶν τε

ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΝ ΕΡΕΝΙΟΝ ΦΗΜΕΝ

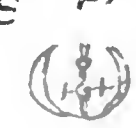
·
·
·
·
·
·

λε

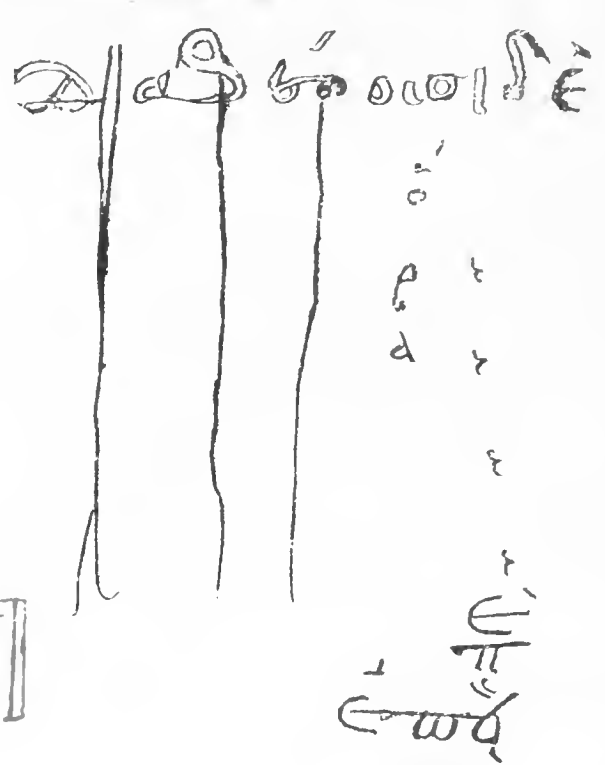
αρον

Θερμω

Ετελειωθησκηθω
η βαση. μνηματω
κβ ενιη 3: επιρφορ
εκτηροδιε 3



ετημ: ~ 3
ουφς



κρομη

3ας 7. αρησ φ. η
λιος. 6. βρηησ φ.
αφροδιτηρ. σβρη
μης + ποιατος



αλαμγ ρ σ ε λ η η θ ι κ ι
7 μ ρ ζ ο π ρ σ σ τ τ υ φ χ + ψ

+ τω οι ω τ α τ ω και
θεοτ λιη τω πρι. κε
εμα ατλω τ α τ ω επι
εκοπω του λι α ι ο ν
μα: ιω α η η σ ε λ α χ ι

α. σφ η ρ ζ α
ε. β ζ ο μ β θ α. β ρ α ν
γ. φ ο ο τ ω ρ μ ι ω
δ. γ ρ ο α δ ο ς μ ε ρ ρ ζ υ



αος: χε η το γ
ομβρ αβρ ορ τησ
μαροίας. και το
αλω ορ ορ τησ γρωτ
τησ τ ι σ β ρ α ν τ ο
β η π α μ β ρ ο ς. α
κ ρ ο μ ω ω ρ α λ ι α ρ ι
ο ι τ ο ι ς α β ρ δ υ
ρ α μ α ρ α χ ε ι ρ ε σ ι ρ

Ὁ ὁ γὰρ ἐκεῖ ἐκ τῆς ἐκείνης
καὶ ἐκ τῆς ἐκείνης καὶ ἐκ τῆς ἐκείνης
τοῦ ὁ ἐκ τῆς ἐκείνης καὶ ἐκ τῆς ἐκείνης
ἐκ τῆς ἐκείνης καὶ ἐκ τῆς ἐκείνης

+ ΕΤΕΛΕΙΩΝ ΠΑΡΕΛΑΒΕΝ
ΜΗΤΑΥΤΟΥΤ ΕΝ ΜΕΛΙ
ΠΡΩΤΕΥΤ ΚΕΛΑΙ ΚΑΙ ΜΕΛΙ
ΜΕΣΙ ΚΑΙ ΜΕΛΙ +
ΕΤΕΙΣΤΑΡΕΝ ΜΕΛΙ
ΜΕΛΙ ΤΟΥ ΜΕΛΙ ΕΤΕ

Θ Γ Η Ο Π Τ Ζ

Η

Μ

Φ

Β

Τ

Α

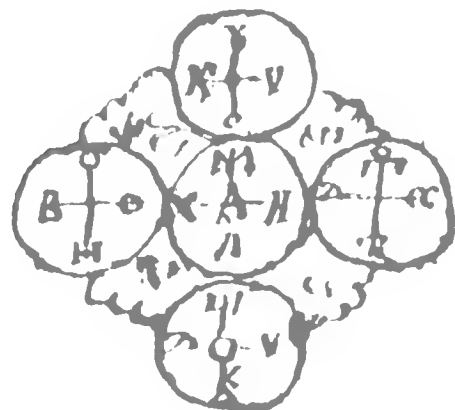
Ζ

Τ

Β

Τ

ΕΡΑΦΗ ΑΠΟΦΙΛΙΠΠΩΝ ΚΑΙ
ΤΕΦΑΝΟΥ ΚΑΙ ΦΩΤΕΝΟΥ ΚΑΙ
ΚΑΙ ΑΧΑΙΟΥ ΚΑΙ ΚΑΝΤΙΛΟΦΟΥ
ΚΑΙ ΑΧΑΙΟΥ ΚΑΙ ΚΑΝΤΙΛΟΦΟΥ
ΚΑΙ ΑΧΑΙΟΥ ΚΑΙ ΚΑΝΤΙΛΟΦΟΥ



2

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ

1. 1. 1. 1. 1.

α β γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ υ φ χ ψ

1. 1. 1. 1. 1.

+ ΠΕΤΡΟΥ ΕΝΙΣΤΟ Ε



τοῦ ἐν ἁγίοις
πρὸς ἡμῶν βα
σιλέως ἀρχι
επισκόπου καὶ
σαρείας καὶ π
παδοκίας.
προδιαλαλῶ
καὶ προεισῆγη
σις τῶν ἁσκη
τικῶν ὑπο

τυπώσεων:

Καὶ μὲν τοῦ μασιλῶος τὰς
πρὸς τοὺς ὑπὸν κῆρυξοις μορφ
τήματα. μὲν Ζορμὰς καὶ βα
σιλικῶν τῶν τὰ πρὸς τρα
πώτας παραγόμενα
ὡς τὸν τραπικῶν παρα
γόμενων κληρονομῶν.

τὸ προοίμιον τῶν ἡλικιῶν

τομῆν ὁρῶν:

Φιλαρός θὸς ὁ δίδασκαλος
ἡμῶν γράσει τοῖς μετὰ τὸ
διδασκαλικὸν ὄψιν αὐ
μὲν οἱ χαρίσματα.

Γραμμάτιον τῶν ἡλικιῶν
μετὰ τῶν καὶ ἰσχυρῶν
ἡλικιῶν ὡς ἡ χεὶρ ἰσχυρῶν
τοῦ ἐν ἁγίοις καὶ τῶν ἁσκη
τικῶν ὡς ἡ χεὶρ ἰσχυρῶν

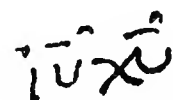
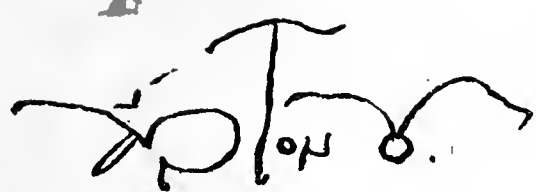
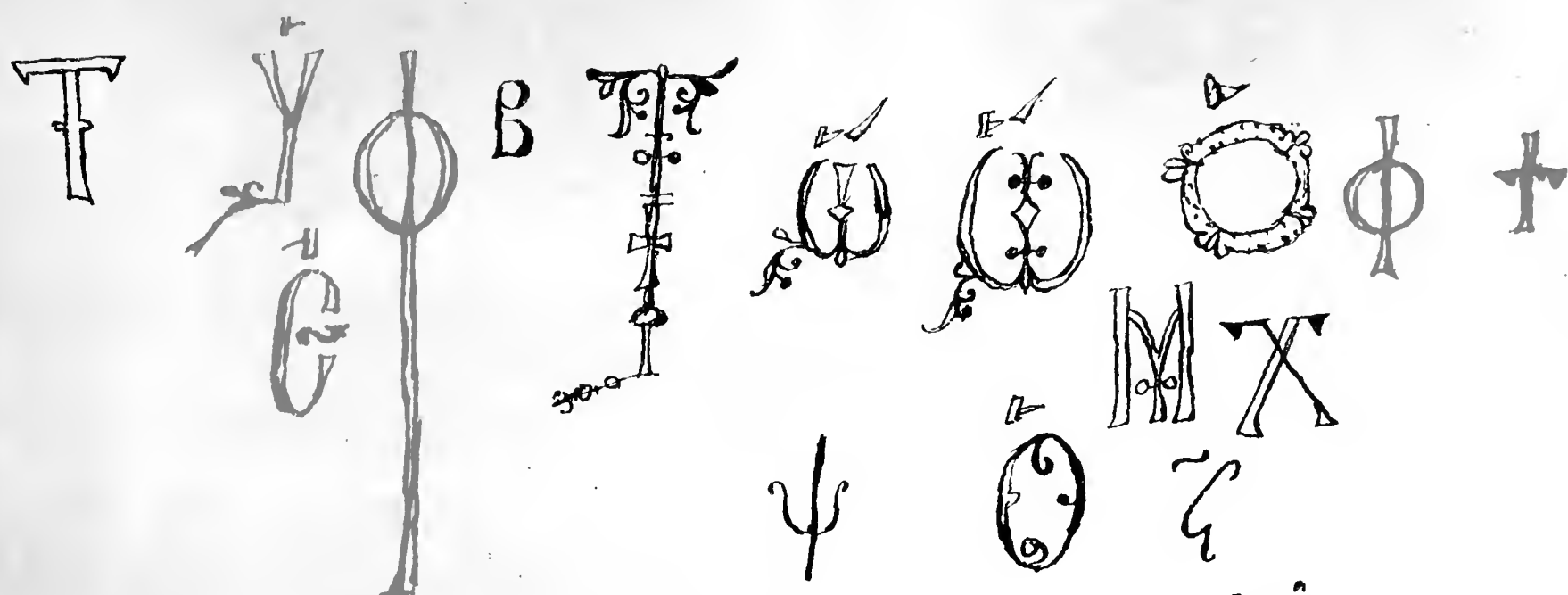
Θ ὡς μὲν

αὐτὰ ἐστὶν ἡλικιῶν ὡς πε
ρ τῶν φωνῶν
ὡς αὐτὰ ἐστὶν ἡλικιῶν
καὶ ἡλικιῶν ὡς ὡς
περ τῶν φωνῶν ὡς

καὶ πρὸς χεῖρας καὶ

καὶ πρὸς χεῖρας καὶ

καὶ πρὸς χεῖρας καὶ

[illegible]

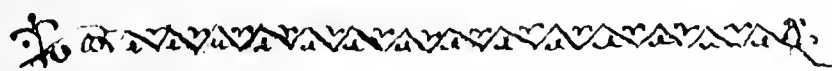
9. $C_2H_5N \rightarrow C_2H_5NH_2$

Ἰσοδονικῶς δὲ

ΑΓΓΛΟΝΗΚΑΙ ΔΕ

3-12-1968

6, 7005



$\alpha \beta \gamma \delta \epsilon \zeta \eta \theta \iota \kappa \lambda$
 $\mu \nu \rho \sigma \tau \upsilon \phi \chi \psi \omega$
 $\alpha \beta \gamma \delta \epsilon \zeta \eta \theta \iota \kappa \lambda \mu \nu \rho \sigma \tau \upsilon \phi \chi \psi \omega$

$\alpha \beta \gamma \delta \epsilon \zeta \eta \theta \iota \kappa \lambda \mu \nu \xi \omicron \pi \rho \sigma \tau \upsilon \phi \chi \psi \omega \omega$
 $\alpha \beta \gamma \delta \epsilon \zeta \eta \theta \iota \kappa \lambda \mu \nu \xi \omicron \pi \rho \sigma \tau \upsilon \phi \chi \psi \omega$



1827

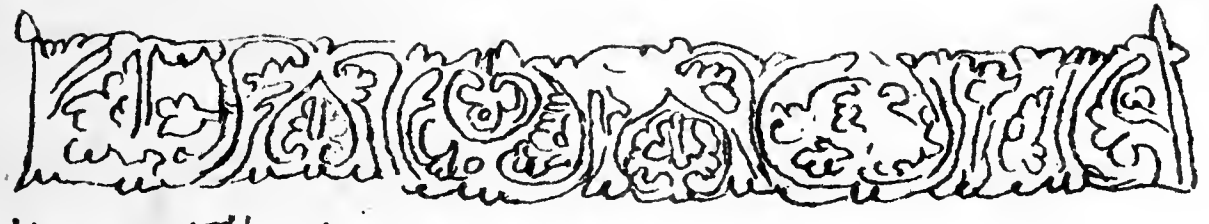
ψ α ψ α ψ α

++

Ἰωάννης πλεπληρωτῇ τῶν καλῶν θῶ. χεῖς
ἐπελειώη δέ λτ' ἀχτη. με μεαὶ αἰνῶ δ' ἔ
πχ' ἴθ' ἐπι αὖ ἀλεξιοττῶν κομηνήσων.

Θεὸν τὸ δαύρον καὶ πόνοθε το δαύρου α

Χ
ΑΡΓΥΝΘΩ ΤΩ ΗΉ ΠΟΣΤΟΛΙΚῆ ΔΙΑΤΑΞΕΩΗ



αι τῶ κατ' ἰωάννου το λων διατάξεις πρεσβυτε
καθολικῇ διασε καλῶν περὶ λαϊκῶν βιβλίων αὐ +
αὐποφολοικαὶ ὁ πρῶτος τῶν παλαιῶν τοῖς ὅξ' ἐθρῶν παλαι
σασιν ὁ δὲ τὸν κύριον ἰησοῦν χριστὸν αὐτῶν εἰσέλων.

α
β
γ
δ
ε
ς



Περὶ ἐπικόπων πρεσβυτέρων καὶ διακόνων.
* Βιβλίον δεύτερον.

Πεῖσθ' τῶν

ἡ β τῆς ἐν δομάδῃ

τροῖς ἐκ τῆς ὁδοῦ



ἐμὴ τῶν θνητῶν
ἐλέγχῃς λαὸν ἡμῶν

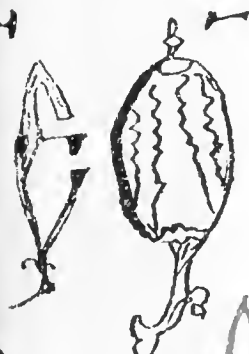


πικρότα· μὴ δὲ τῆς
πίστον παιδὲς ἡμῶν
ἀγαθῶς ὑπαρ-
σέσθαι δοξάζει πᾶ-
σα ἡ γῆ· καὶ δεόμεθα
φείσασθαι ἡμῶν ἅγιοι·



† ἔσθ' ἡ παροῦσα βί-
βλος αὐτῶν ἀπὸ τῆς
τοῦ τιμῶν καὶ καθη-
ρῶν καὶ θεοδώρου
τοῦ κεφῶν ἐν τῇ
καὶ ἐπὶ τῷ αὐτῷ ἐπὶ
τῷ βασιλεῖ ἀλεξιοῦ
κομνηνῶν· ἡ δὲ θῆ-
+ + + +

καὶ πόνοι βασι-



α α β γ δ ε ζ β η η θ ι κ



α α β γ δ ε ζ β η η θ ι κ

η λ ρ μ ν ς ο π ρ σ

Τ ς φ χ ψ + ω

θς ἐν· ἡος ζωὴν

ἐν φρανθήτωσαν·

ὁ τῆς μηδαμῶς

ψαλ

εἰς

α ἄζω ἀρανθῶ· ἀπὸ τῆς

ὀρχήστρου ὅς ἐστιν

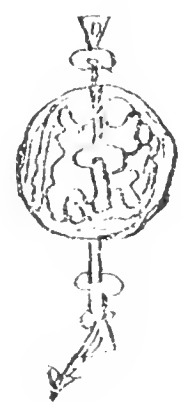
· ὅς ἐστιν

· ὅς ἐστιν

· ὅς ἐστιν

ἡ β ο γ α η

ἀπὸ τῆς φωνῆς



γενέσεως τοῦ
ἡ δὲ ὁ θς ἡ δὲ
τῶν φωνῶν
τῶν φωνῶν
τῶν φωνῶν
τῶν φωνῶν
τῶν φωνῶν

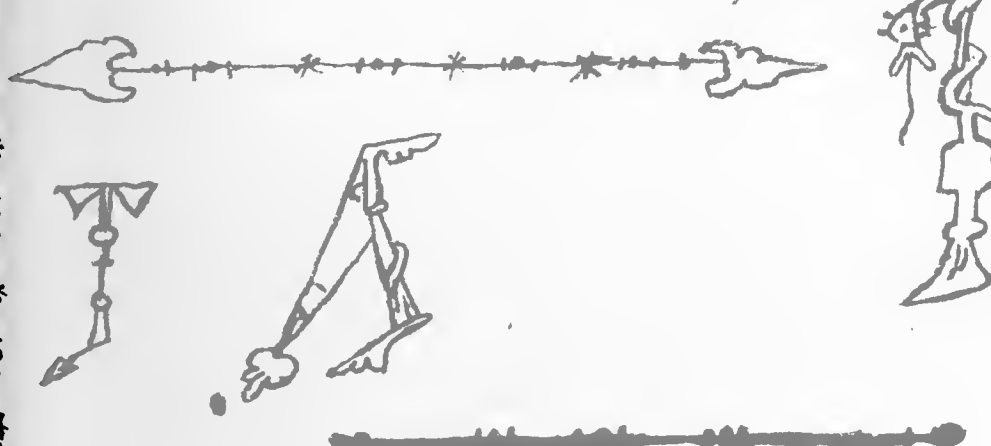
† ἔσθ' τῶν πρὸς χι-
αθλία· τῶν τῶν
ἡ δὲ ὁ θς βασιλεῖ
ον· οἱ ἀναγινώσκο-
τες ἐν χεσ· τοῦ τῶν
τῶν τῶν τῶν

βασί και ἀμα

Τ
α
β
γ



† ΕΤΗΓΗΘΕΒΔ



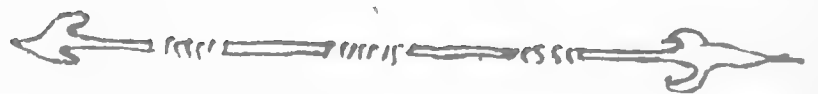
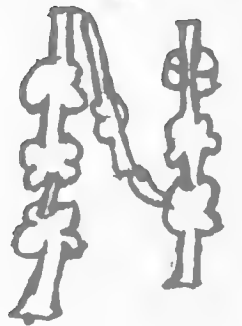
Ες πέρα: ρωε.
δρήμεν

α. κατ' ἄνθρωπον ἄνθρωπον

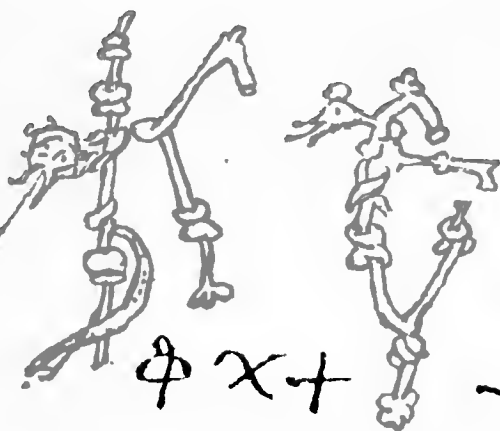
α. αὐτοῦ ἑαυτοῦ ὅν ἀφ' ἑαυτοῦ

α. κακία τῆς

α β γ δ ε ζ η θ
ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ
τ υ φ χ ψ ω
μορ.



α. αὐτοῦ
κ λ μ ν ξ
α β γ δ ε ζ η θ
ι κ λ μ ν ξ
ο π ρ σ τ υ



α β γ δ ε ζ η θ
ι κ λ μ ν ξ
ο π ρ σ τ υ

† ΜΕΤΑ ΤΗΝ ΕΙΣΟΔΟΝ ΚΑΙ
ΤΟ ΦΩΣ ΙΑΡΟΝ ΑΝΑΒΩΣ
ΜΑ Δ: ΕΝ ΤΟ ΑΥΤΟ

†
α β γ δ ε ζ η θ
ι κ λ μ ν ξ
ο π ρ σ τ υ

1126...

επελθὼν δὲ λατρεῖν τὸν θεόν πρὸς ἡμᾶς
κίψων λατρεῖν δὲ οὐκ ἐβόησεν· ὁ δὲ
ἀνδρῶν λογικῆς ἐλαχίστος τῶν ἡμετέρων
μνηστῆρ' ἦν· ἁπλῶς δ' ἔπος
παχλῶς, ὁ καὶ οἰκιστὴς ἡμῶν
καὶ πρεσβυτέρ' ἦν· ἀντὶ τούτου
τῆς χειρὸς ἐκείνης ἀκένῃ
ἡ χερμενὴ ἡ γραψα εἴπεται
φω. γραφὴ δὲ ἐκείνη ἐστὶν ὡς·

Πρὸς δὲ χρυσίου αὐτοῦ καὶ φερόμενον τὸ ὄνομα
πρὸς χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
τοῦ θεοῦ καὶ τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
πρὸς χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
δραχμῶν καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα

ΕΘΡΑΚΒ



τοῦ ὀνόματος τοῦ αὐτοῦ καὶ τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα
καὶ κατὰ χρυσίου τοῦ αὐτοῦ φερόμενον τὸ ὄνομα

ΡΚΒΕΒ

α υ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ σ τ φ ψ χ ψ + ∞

† (εὐ) κατὰ ὡ ἐ γράφη καὶ ἀντεβλή[†] ὁμοί
ως ἐκ τῶν ἀντιγραφῶν· ἐν τῇ βί· κ' σλβ:-

ἐν τῇ γράφῃ καὶ κεφαλαιώσθη.
οὐα δὲ τῶ· ἐκ πόθου καὶ πίτ^ε κτηνῶν ἡ αὐτῶν

Υ περὶ μὴ καὶ ἀφ' ἑσῶς τῶν ἀμφοτέρων
τῶν δόχλων τοῦ θῦ· ἰσώμοι δόχλ., καὶ γε
τοιοῦτος λογοθέτο^ς τῆς τοῦ θῦ· μετὰ ἄλλης
ἐκκλησίας· αὐτὸν φάρων[†] κ' γ' ἔστου[†]
χρῦ· ἔστω· βασιλεύσει το^ς· τοῦ αὐτοῦ δὲ μὴ
βασιλεύσει μὴ· κ' τοῦ αὐτοῦ μὴ ἡ καὶ κο
μνην[†]· τοῦ πορ φηρογενήτο^ς· † †

Κτὺκτ' μὴ γ' ἔστω·

† κατὰ μάρκον· †
κατὰ μάρκον τὸ ἀσμελίον καλεῖται.
ὡς εἶδ' ἡ αὐτοῦ μάρκοσ' αὐτῶν τῶν
πῶρον καὶ σω ἐκ δὲ μὴ παύλου.
σω γ' αὐτῶν τὸ ἀσμελίον τοῦτο·

α λ β γ δ ε ς ζ η θ ι κ λ μ ν η ξ ο π ρ σ τ

υ φ ϑ χ + ω αὐτοῖ· πορ φητῶν; ἀμὲν· †

ἀσμελίον· † ἡ μὴ

ἡ λ κ ε δ ν ο μ ἰ σ

π π
π ζ
π η

ρ ϑ
ρ σ
ρ τ

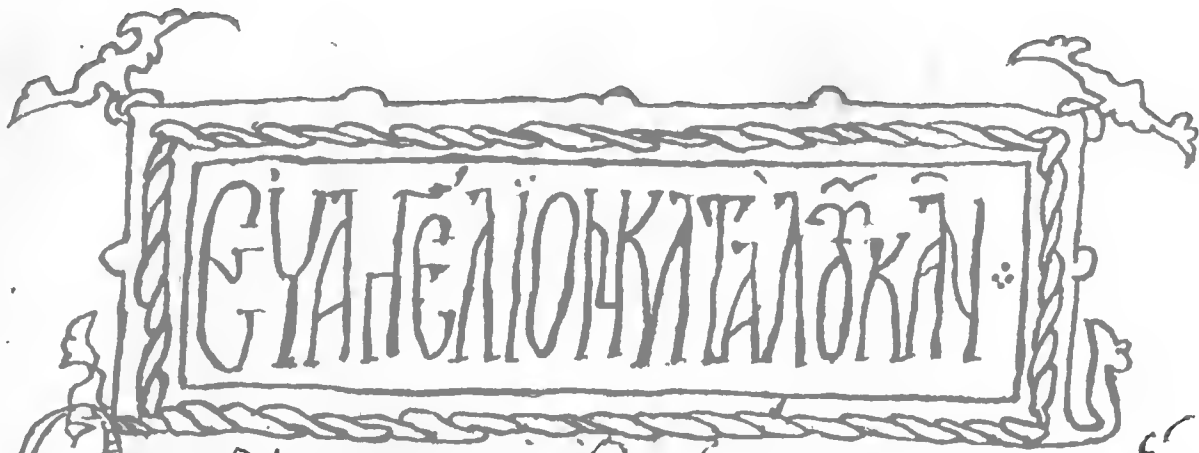
ρ ϑ
ρ σ
ρ τ

ρ ϑ
ρ σ
ρ τ

ρ ϑ
ρ σ
ρ τ

α γ ϑ φ ἔστω ἡ μὴ τῶν αὐτῶν κ' αὐτῶν

αὐτῶν· αὐτῶν αὐτῶν



ἡ γὰρ πρὸ πολλοῦ ἡγάρετο ἀναστα
 ξασθαι διηγήσιν· πρὸν τούτῳ περὶ πληροφορί
 μων ἐν ἡμῶν πραγμάτων. καὶ ὡς πα
 ρέδοσαν ἡμῶν οἱ ἄνθρωποι αὐτόν· καὶ
 ὡς ἔτι γέροντες τοῦ λόγου· ἔδξε
 καὶ οἱ παρ' ἡμῶν ἰδοῦντες ὅτι ἀνέστη πᾶσι

Τὸ πρὸν περὶ αὐτοῦ ἡ γὰρ ἀλάχ· ἰω
 ἱερὸν ἡμῶν ἡ γὰρ τοῦ πρὸν ἔτι·



α Βαγ γ δ ε ζ η θ ι κ λ μ ν ξ ο π ρ
 ς σ τ τζ υ φ χ ψ ω

αὐτοῦ,
 αὐτῶν
 οὐκ
 ὡς
 ὡς
 ὡς
 ὡς

α, ἀφ' ἑρῶν ὡς
 ε, ὡς ὡς ὡς
 ν, τὴν ὡς
 σ, ὡς ὡς

α
 μ
 ν, ἀφ' ἑρῶν
 μ
 σ



ἐπὶ λη^ω ηβίβλ^ο ιν^τ
 Διαχειρ^ο πάντο λ^ν
 ὁ ἀναγιγνώσκων
 ἐν διατοκῇ δε^η τοῦ
 κυκετο κε^ε γ^γ ρ^ρ.
 † ἐν ἐπικω^η βασι^χ
 του μ^σ. Σεπ^ι πατρι^δ
 μ^χ τ^ι κερουλαρι:-



ε^ε κ^κ α^α δ^δ
 ὡς κ^α ρ^ο ε^ε κ^κ ρ^ο σ^σ π^α
 ρ^α μ^α μ^α ρ^ε ι^ο ι^ο
 τοῦ δ^δ ο^ο κ^α μ^α
 θ^η τ^α σ^α αὐτοῦ λ^α
 ἡρ^ξ α^ι ο^ο λ^ε γ^α ρ^α
 τοῖς τ^α μ^ε λ^λ ο^ρ τ^α
 γ^υ τ^ω σ^υ μ^α ι^ρ ε^ι κ^η.

α β γ δ ε ζ η θ ι

κ λ μ ν ξ ο π ρ

σ τ υ φ χ + ω ζ^η η^ο ι^ρ
 ε^ω: μου ζ^η η^ο ι^ρ τ^α μ^α

α, γ^γ ρ^ο μ^α ρ

α, δ^δ ι^ο ρ^ο σ^α ρ

α, τ^α μ^α

α, " τ^α μ^α
 α, γ^γ ρ^ο



493069

Z
6620
.R9
A64
v.2
IMS

Amfilokhii, Bp., 1818-1893.
Paleograficheskoe opisanie
grecheskikh rukopisei IX₁-XVII₁
vieka opredielennykh liet

PONTIFICAL INSTITUTE
OF MEDIAEVAL STUDIES
59 QUEEN'S PARK
TORONTO 5, CANADA

